राष्ट्रीय संस्करण
Copyright - jagran.com

विप्रो का चेयरमैन पद छोड़ेंगे अजीम प्रेमजी

>> 10

दैनिक जागरण

वर्ष 2 अंक 360

मूल्य ₹5 .00, नई दिल्ली, शुक्रवार, 7 जून 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 14

सरोकार

कश्मीर की बेटियों के सपनों की उम्मीद बन गई नाहिदा

श्रीनगर : नाहिदा अर्थात सक्षम, समर्थ और भाग्यशाली। जब्रवान की पहाड़ियों

पर ट्रैकिंग करते हुए दस साल की उम्र में कश्मीर की इस बेटी ने अपनी सहेली से कहा था, मेरा सपना है माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई को नापना और मैं इसे पूरा करके रहूंगी। करीब 14 साल बाद इस बेटी ने न सिर्फ एवरेस्ट को फतह कर लिया बल्कि पुरातनपंथियों और जिहादियों के फरमानों के बीच अपने सपनों को उड़ान देने का मौका तलाश रही कश्मीर की बेटियों को आगे बढ़ने का हौसला दे दिया है। (पेज-13)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

मेघालय के राज्यपाल तथागत के ट्वीट पर बंगाल में बवाल

कोलकाता : मेघालय के राज्यपाल तथागत रॉय के एक बयान से पश्चिम बंगाल में बवाल मच गया है। रॉय ने ट्वीट कर कहा है कि बंगाल कभी महान हुआ करता था, लेकिन अब उसकी महानता चली गई है। अब बंगाली लोग फर्श साफ कर रहे हैं और बंगाली लड़कियां बार में डांस। तृणमूल कांग्रेस ने रॉय के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कई जगह विरोध प्रदर्शन किए।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 6

चार दिन बाद भी लापता विमान का कोई सुराग नहीं

नई दिल्ली : वायुसेना के चार दिन पहले लापता हुए रूस निर्मित एएन-32 विमान का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। विमान का पता लगाने के लिए अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम सियांग में मेंचुका पर्वत पर तीनों सेनाओं का तलाशी अभियान जारी है। जंगली इलाके, दुर्गम घाटी और खराब मौसम होते हुए भी सेना ने खोज और बचाव अभियान तेज कर दिया है।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 10

सब्सिडी पर निर्भरता छोड़ें उद्यमी व निर्यातक : गोयल

नई दिल्ली : सरकार का कहना है कि उद्योग जगत और निर्यातकों को सब्सिडी पर निर्भर रहने के स्थान पर खुद को प्रतिस्पर्धी बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में कहा, उनका अनुभव है कि जिन क्षेत्रों से सब्सिडी खत्म हुई है, उनमें व्यापार तेज गति से बढ़ा है।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 11

राष्ट्रपति ट्रंप ने किम से तीसरी मुलाकात के दिए संकेत

डबलिन : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उत्तर कोरिया की चेतावनी को दरकिनार करते हुए किम जोंग उन से तीसरी मुलाकात के संकेत दिए हैं। उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि अमेरिका के साथ उत्तर कोरिया समझौते का इच्छुक है। ट्रंप का बयान उत्तर कोरिया की उस चेतावनी के बाद आया है, जिसमें कहा गया था कि उसका धैर्य टूटने से पहले अमेरिका वार्ता के तरीके बदल ले।

क्रिकेट महाकुंभ

पाकिस्तान vs श्रीलंका

दोपहर 3:00 बजे से

स्थान : ब्रिस्टल

स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क

आरबीआइ ने सस्ता किया कर्ज, अब बैंकों की बारी

मौद्रिक समीक्षा ▶ होम-ऑटो लोन होंगे सस्ते, बैंकों से ब्याज दर घटाने को कहा, 5 .75 फीसद पर आई रेपो दर, नौ वर्षों का न्यूनतम स्तर

शक्तिकांत दास बोले, हमारा निर्णय विकास दर-महंगाई की चिंता से प्रेरित है

हरिकिशन शर्मा, नई दिल्ली

कई मोर्चे पर चुनौतियों से जूझ रही अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने अपनी अल्पावधि उधारी दर यानी रेपो रेट में तत्काल प्रभाव से 25 आधार अंकों (0.25 फीसद) की कटौती कर दी है। इससे अब रेपो दर छह से घटकर 5.75 फीसद पर आ गई है जो बीते नौ वर्षों में न्यूनतम है। इससे उन लोगों को बड़ा फायदा होगा जिन्होंने बैंकों से ऑटो, होम या पर्सनल समेत किसी तरह का लोन ले रखा है, या लेने की तैयारी में हैं। आरबीआइ ने इस बार बैंकों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे ब्याज दरों में गिरावट का फायदा ग्राहकों तक पहुंचाएं। इससे पहले दोनों बार बैंकों ने घटी ब्याज दर का फायदा ग्राहकों तक पहुंचाने में दिलचस्पी नहीं दिखाई थी।

आरबीआइ गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति की छह सदस्यीय समिति (एमपीसी) ने एकमत से मौद्रिक नीति का रुख 'तटस्थ' से बदलकर 'समायोजित' कर दिया। दास ने कहा, 'हमारा निर्णय विकास दर और महंगाई की चिंता से प्रेरित है।'

इसलिए बदलाव: आरबीआइ ने अपने रुख में बदलाव ऐसे समय किया है जब अर्थव्यवस्था कई चुनौतियों से जूझ रही है। विकास दर पांच साल के न्यूनतम (5.8 फीसद) और बेरोजगारी दर 45 साल के उच्चतम (6.1 फीसद) स्तर पर पहुंच गई है। निवेश की रफ्तार सुस्त है, ट्रेड वार के चलते निर्यात की गति थम गयी है, मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र की वृद्धि दर धीमी है, कृषि क्षेत्र खस्ताहाल है और ग्रामीण क्षेत्रों में निजी उपभोग सुस्त पड़ा है। रिजर्व बैंक ने खुद अपने अनुमान में चालू वित्त वर्ष के दौरान विकास दर सात फीसद रहने की उम्मीद जताई है, जबकि अप्रैल में उसने 7.2 फीसद विकास दर का अनुमान जताया था। ऐसे उद्योग जगत को ब्याज दरों में कटौती की आस थी।

यह होगा फायदा : आरबीआइ के कदम के बाद कर्ज प्रवाह की वृद्धि तेज होगी जो हाल के वर्षों में काफी नीचे आ गई थी। इससे निवेश की रफ्तार भी जोर पकड़ने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अगले महीने जब मोदी सरकार-2 का पहला आम बजट पेश करेंगी तो वह अर्थव्यवस्था की गति तेज करने, खासकर रोजगार के अवसर बढ़ाने के उपायों का एलान कर सकती हैं। ऐसे में रिजर्व बैंक ने रेपो दर में कटौती करके निम्न ब्याज दरों का जो अनुकूल माहौल तैयार किया है, उससे अर्थव्यवस्था की रफ्तार तेज होगी।

महंगाई पर नजर : आरबीआइ ने महंगाई को चार फीसद (प्लस-माइनस दो फीसद) पर काबू रखने का लक्ष्य रखा है और इसके लिए वह खुदरा महंगाई दर पर नजर रखती है। खुदरा महंगाई दर अप्रैल में 2.9 फीसद रही, जो लक्ष्य के भीतर है। आरबीआइ को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर, 2019) में खुदरा महंगाई दर 3-3.1 और दूसरी छमाही (अक्टूबर, 2019 - मार्च, 2020) में 3.4-3.7 फीसद रहेगी। महंगाई काबू रहते देखकर ही रेपो दर में कटौती की गई है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने घटाया विकास दर का अनुमान पेज>>10

एनईएफटी और आरटीजीएस पर अब नहीं लगेगा शुल्क पेज>>10

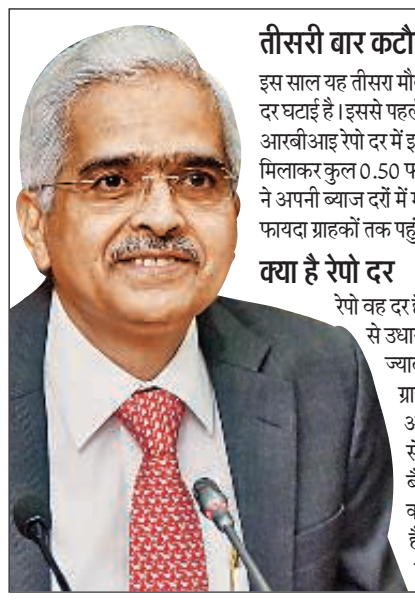

तीसरी बार कटौती

इस साल यह तीसरा मौका है जब आरबीआइ ने रेपो दर घटाई है। इससे पहले अप्रैल और फरवरी में भी आरबीआइ रेपो दर में इतनी ही कटौती (दो बार को मिलाकर कुल 0.50 फीसद) कर चुका है लेकिन बैंकों ने अपनी ब्याज दरों में मात्र 0.21 फीसद अंक तक का ही फायदा ग्राहकों तक पहुंचाया।

क्या है रेपो दर

रेपो वह दर है जिस पर देश के बैंक आरबीआइ से उधार लेते हैं। रेपो दर घटने से बैंक ज्यादा उधार ले सकते और उसे अपने ग्राहकों को सस्ती दरों पर दे सकते हैं। आरबीआइ ने रिवर्स रेपो भी 5.75 से घटाकर 5.50 फीसद कर दी है। बैंक जब अपनी अतिरिक्त नकदी को आरबीआइ के पास जमा करते हैं तो उन्हें रिवर्स रेपो की दर से ब्याज मिलता है।

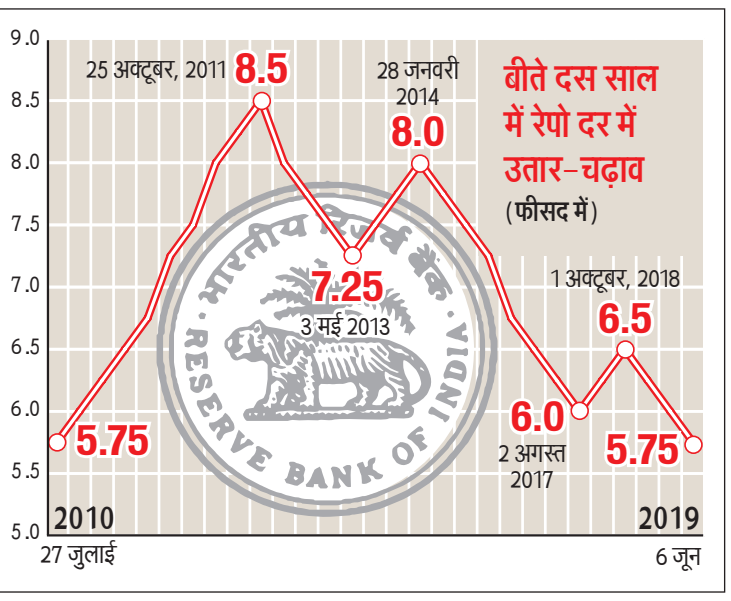

एससीओ में इमरान खान से मुलाकात नहीं करेंगे मोदी : विदेश मंत्रालय

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- शंघाई सहयोग संगठन की अगले हफ्ते बिश्केक में होगी बैठक

पाकिस्तान की तरफ से भले ही बार-बार यह संकेत देने की कोशिश हो रही है कि भारत सबकुछ भूलकर पाकिस्तान से दोस्ती के लिए तैयार है। लेकिन भारत ने साफ कर दिया है कि जब तक आतंकियों के खिलाफ पाकिस्तान के रवैये में ठोस बदलाव नहीं आता, उसके साथ कोई बातचीत नहीं होगी। इसी क्रम में भारत की ओर से यह भी स्पष्ट कर दिया गया है कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के बीच बैठक की कोई संभावना नहीं है। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 13-14 जून को एससीओ की बैठक होने वाली है, जिसमें दोनों नेता भी शिरकत करेंगे।

पाक विदेश सचिव सोहेल महमूद के अचानक भारत दौरे पर आने से इस बात के कयास लगाए जाने लगे थे कि बिश्केक में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की मुलाकात हो सकती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस में स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के साथ बातचीत को लेकर भारत के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। पाकिस्तान के साथ बातचीत की संभावना के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि भारत का रुख नहीं बदला है। किसी भी बातचीत से पहले आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को संतोषजनक कदम उठाने होंगे। कुमार ने पाकिस्तान के विदेश सचिव के नई दिल्ली आने को भी खास तवज्जो नहीं दी। इसे व्यक्तिगत यात्रा बताया।

कुमार ने इस बात से भी इन्कार किया कि पिछले दिनों बिश्केक में तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज और पाक विदेश मंत्री कुरैशी के बीच कोई मुलाकात हुई थी। पाकिस्तान सरकार ने दावा किया था कि दोनों विदेश मंत्रियों के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई थी।

भारत में आम चुनाव से पहले से ही पाकिस्तान यह कहते आ रहा है कि चुनाव बाद द्विपक्षीय वार्ता की शुरुआत हो सकती है। लेकिन भारत हाल के वर्षों में पाकिस्तान पर जो अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाया है उसमें कोई ढिलाई नहीं देना चाहता। खास तौर पर तब जब पाकिस्तान के आतंकी संगठनों के साथ संबंध को लेकर एफएआईटी में फैसला होना है।

रवीश कुमार फाइल

दो दिन की यात्रा पर भूटान जाएंगे विदेश मंत्री

नई दिल्ली, प्रेट्र : विदेश मंत्री एस जयशंकर शुक्रवार को दो दिन की यात्रा पर भूटान जाएंगे। मंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने बताया कि यात्रा के दौरान जयशंकर भूटान के प्रधानमंत्री लोटे टीशिंग और अपने समकक्ष टांडी दोरजी से मुलाकात करेंगे। भूटान के सम्राट जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से भी उनकी मुलाकात की संभावना है। विदेश मंत्री की यात्रा भारत की उस परंपरा को ध्यान में रखते हुए हो रही है, जिसमें भारत अपने पड़ोसियों और मित्रों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को अत्यधिक महत्व देता है।

एस. जयशंकर फाइल

इजरायल से और घातक स्पाइस बम खरीदेगा भारत

नई दिल्ली, एएनआइ : भारत अपनी वायुसेना की ताकत बढ़ाने के लिए इजरायल से 100 से ज्यादा स्पाइस बम खरीदने जा रहा है। दोनों देशों ने इस संबंध में 300 करोड़ रुपये के सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं। आपात प्रावधान के अनुसार, इजरायल अगले तीन महीने में बमों की आपूर्ति करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल का यह पहला रक्षा सौदा है।

सरकार के शीर्ष सूत्रों ने बताया, 'मार्क 84 हथियार के साथ 100 से ज्यादा स्पाइस बम खरीदने के लिए समझौता किया गया है। खरीदे जाने वाले बम स्पाइस-2000 बमों का उन्नत वर्जन है। इनका इस्तेमाल दुश्मनों के भवनों-बंकरों को पलक झपकते तबाह करने में किया जा सकता है। वायुसेना के मिराज-2000 लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान के बालाकोट में जैश के आतंकी शिविरों पर किए हमले में स्पाइस-2000 बमों का ही इस्तेमाल किया था।

तेलंगाना में कांग्रेस के दो तिहाई विधायक टीआरएस में शामिल

हैदराबाद,प्रेट्र/आइएएनएस

- विधानसभा स्पीकर ने 12 बागी विधायकों के विलय को दी मंजूरी
- कांग्रेस ने इसे लोकतंत्र की दिनदहाड़े हत्या करार दिया

लोकसभा चुनाव में हार के बाद मचे कोहराम के बीच तेलंगाना में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। विधानसभा अध्यक्ष पी. श्रीनिवास रेड्डी की हरी झंडी के बाद देर रात कांग्रेस के दो तिहाई विधायकों (18 में से 12) के दल का सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) में विलय हो गया। विधानसभा से गुरुवार रात जारी बयान में कहा गया कि विधानसभा अध्यक्ष ने भारतीय संविधान में निहित प्रावधानों के तहत कांग्रेस विधायकों के टीआरएस में विलय की मंजूरी दे दी है। इन विधायकों की सीट टीआरएस सदस्यों के साथ आवंटित कर दी गई है। उधर, कांग्रेस ने टीआरएस पर विधायकों की खरीद का आरोप लगाते हुए इस निर्णय के खिलाफ शुक्रवार को हाई कोर्ट में जाने की बात कही है। नई दिल्ली में कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा, 'जनादेश और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की दिनदहाड़े हत्या की जा रही है। सत्ता, संसाधन और एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है।'

इससे पहले कांग्रेस के बागी विधायकों ने गुरुवार को दिन में विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर कांग्रेस विधायक दल के टीआरएस में विलय की अर्जी दी थी। इसके बाद वे मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के आवास प्रगति भवन पहुंचे थे। इनमें मार्च में कांग्रेस छोड़ने का एलान कर चुके 11 विधायकों के अलावा रोहित रेड्डी भी शामिल थे। रोहित ने गुरुवार को टीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष व मुख्यमंत्री के बेटे केटी रामा राव से मुलाकात के बाद सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल होने की घोषणा कर दी थी।

कांग्रेस से छिना प्रमुख विपक्षी दल का दर्जा : इस घटनाक्रम के बाद राज्य में कांग्रेस से प्रमुख विपक्षी दल का दर्जा भी छिन गया। कांग्रेस से टूटे विधायकों की संख्या दो तिहाई होने के कारण उन पर दल-बदल कानून लागू नहीं होगा। अब 119 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस विधायकों की संख्या सिर्फ छह रह गई है। सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के विधायकों की संख्या सात है।

कांग्रेस नेताओं ने विस परिसर में किया प्रदर्शन

हैदराबाद में गुरुवार को विधानसभा परिसर में गांधी प्रतिमा के पास टीआरएस के विरोध में कांग्रेस विधायकों के साथ प्रदर्शन करते उत्तम कुमार रेड्डी (बाएं से दूसरे)। प्रेट्र

तेलंगाना में पार्टी में टूट के विरोध में कांग्रेस विधायक दल के नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उत्तम कुमार रेड्डी ने विधानसभा परिसर में प्रदर्शन किया। उन्होंने विरोध स्वरूप मुंह पर पट्टी बांध ली। मार्शल ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने विधानसभा के बाहर प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों को भी लाठियां पटक कर खदेड़ा। रेड्डी ने कहा कि विलय के मुद्दे पर विधानसभा अध्यक्ष कैसे निर्णय ले सकते हैं, जब यह मामला अदालत में लंबित है।

शाह सभी मंत्रिमंडलीय समितियों में शामिल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- राजनाथ सिंह पहले सिर्फ दो समितियों में थे, बाद में चार और में शामिल किए गए

ऐतिहासिक बहुमत के साथ मोदी सरकार को दोबारा सत्ता में लाने में केंद्रीय भूमिका निभाने वाले भाजपा अध्यक्ष अमित शाह का दबदबा सरकार में साफ देखा जा सकता है। कैबिनेट की नवगठित सभी आठ समितियों में गृह मंत्री के रूप में शाह शामिल हैं। पिछली बार गृह मंत्री के रूप में राजनाथ सिंह सभी समितियों में शामिल थे। राजग-1 सरकार के कार्यकाल में कैबिनेट समितियों की संख्या छह थी, लेकिन एक दिन पहले निवेश एवं आर्थिक विकास और रोजगार एवं कौशल विकास को लेकर दो नई समितियां बनाई गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी संसदीय मामलों और आवासीय समिति में शामिल नहीं हैं।

दो दिन पहले ही वित्त, विदेश, पेट्रोलियम और रेल मंत्रियों की बैठक बुलाकर शाह ने संकेत दे दिए थे कि सरकार में उनका काम सिर्फ गृह मंत्रालय तक सीमित नहीं रहेगा। नौकरशाही में बड़े पदों पर तैनाती का फैसला करने वाली नियुक्ति संबंधी कैबिनेट समिति में सिर्फ प्रधानमंत्री और गृह मंत्री शाह ही शामिल हैं। पिछली बार इस समिति में गृह मंत्री के रूप में राजनाथ शामिल थे। गुरुवार सुबह जारी किए गए फैसले में इस बार रक्षा मंत्री के रूप में राजनाथ सिंह को सिर्फ दो समितियों (आर्थिक मामलों और रक्षा मामलों) में ही जगह मिली थी, लेकिन बाद में संशोधन कर उन्हें नवगठित दोनों समितियों के अलावा राजनीतिक और संसदीय मामलों की समिति में भी शामिल कर लिया गया। वर्तमान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इस बार सात समितियों में जगह मिली है।

अमित शाह फाइल

सांसदों और मंत्रियों को घर आवंटन करने वाली आवासीय समिति में शाह के साथ निर्मला सीतारमण, पीयूष गोयल और नितिन गडकरी होंगे। जितेंद्र सिंह और हरदीप पुरी विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे। वहीं, आर्थिक मामलों से संबंधित समिति में मोदी, राजनाथ और शाह के साथ-साथ सीतारमण, गडकरी, सदानंद गौड़ा, नरेंद्र सिंह तोमर, रविशंकर प्रसाद, पीयूष गोयल, हरसिमरत कौर बादल और धर्मेंद्र प्रधान को रखा गया है। बड़े राजनीतिक मुद्दों पर सरकार का रुख तय करने वाली समिति में मोदी और शाह के अलावा राजनाथ, गडकरी, सीतारमण, नरेंद्र सिंह तोमर, रविशंकर प्रसाद, हरसिमरत कौर बादल, हर्षवर्धन, रामविलास पासवान, पीयूष गोयल, अरविंद सावंत व प्रहलाद जोशी को रखा गया है। संसदीय मामलों की समिति में भी पासवान को जगह मिली है। इसके अलावा राजनाथ सिंह, अमित शाह, निर्मला सीतारमण, रविशंकर प्रसाद, नरेंद्र सिंह तोमर, थावरचंद गहलोत, प्रकाश जावड़ेकर और प्रहलाद जोशी इसमें होंगे। मुरलीधरन और अर्जुन राम मेघवाल को आमंत्रित सदस्य बनाया गया है।

स्वच्छ हवा

देश के बड़े शहरों में पीएम 2 .5 का स्तर अभी भी स्टैंडर्ड औसत से तीन गुणा ज्यादा है, केंद्र सरकार की योजना में नोएडा, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर समेत उत्तर प्रदेश के 15 शहर शामिल

दिल्ली समेत 102 शहरों में प्रदूषण से निपटने का विशेष अभियान

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- पीएम-2.5 के स्तर में 25 फीसद की कटौती का दिया गया लक्ष्य
- पर्यावरण मंत्रालय ने राज्य प्रदूषण बोर्डों के साथ किया एमओयू

दिल्ली में प्रदूषण के कारण मास्क लगाना पड़ता है। फाइल

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सहित देश के 102 शहरों में अब प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों के साथ मिलकर एक विशेष अभियान चलेगा। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर की मौजूदगी में गुरुवार को इन शहरों का जिम्मा संभालने वाले 18 राज्यों के प्रदूषण बोर्ड और राज्यों के प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों के साथ पर्यावरण मंत्रालय ने एक समझौता (एमओयू) भी किया है। इसके तहत प्रदूषण को कम करने में तकनीकी संस्थान पूरी मदद करेंगे। संस्थानों से इसे लेकर पहले ही एक सहमति पत्र लिया गया है।

प्रदूषण से निपटने की इस मुहिम में तकनीकी संस्थानों को शामिल करने का यह कदम दिल्ली के अनुभव के बाद उठाया गया है। जहां आइआइटी दिल्ली की तकनीकी मदद के बाद सुधार की दिशा में तेजी से कदम बढ़े हैं। स्थिति यह है कि 2016 की तुलना में 2018 में दिल्ली में पीएम 2.5 के स्तर में 15 फीसद की वार्षिक कमी दर्ज हुई है, जबकि 2017 की तुलना में सात फीसद वार्षिक कमी आयी है। वायु प्रदूषण से निपटने की मुहिम में निश्चित ही सुधार की दिशा में बड़ा कदम है। बावजूद इसके खुश होने की बिल्कुल जरूरत नहीं है, क्योंकि दिल्ली जैसे शहरों में पीएम 2.5 का स्तर अभी भी स्टैंडर्ड औसत से तीन गुणा ज्यादा है। पीएम 2.5 का स्टैंडर्ड औसत 140 माइक्रोग्राम के आसपास है। योजना के तहत 2024 तक पीएम-10 और पीएम 2.5 के स्तर में करीब 25 से 30 फीसद की कमी लाने का लक्ष्य तय किया गया है।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु अभियान (एनसीएपी) के तहत 102 शहरों के बढ़ते प्रदूषण को कम करने की मुहिम शुरू की गई है। फिलहाल इन सभी शहरों ने इससे निपटने के लिए अपनी एक कार्ययोजना भी तैयार की है। इसमें से करीब 80 शहरों की कार्ययोजना को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और पर्यावरण मंत्रालय ने मंजूरी भी दे दी है। इनमें अकेले उत्तर प्रदेश के वाराणसी, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर सहित कुल 15 शहर शामिल हैं, जहां आइआइटी कानपुर के साथ तकनीकी मदद के लिए करार किया गया है। जबकि बिहार से पटना, गया और मुजफ्फरपुर को शामिल किया है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश से भोपाल, इंदौर सहित कुल सात शहर हैं। झारखंड से अकेले सिर्फ धनबाद शहर इनमें शामिल है।

राजधानी में वायु प्रदूषण के खराब दिनों में आई 33 फीसद कमी : जावड़ेकर

वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की खबरों से परेशान केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि वायु प्रदूषण समस्या है,

प्रकाश जावड़ेकर फाइल

लेकिन स्थिति इतनी भी खराब नहीं है। लगातार सुधार की दिशा में काम किया जा रहा है। दिल्ली में 2014 के बाद वायु प्रदूषण के खराब दिनों की संख्या में 33 फीसद की कमी आयी है। 2014 में ऐसे दिन जहां 300 थे, वहीं 2016 में यह घटकर 246 और 2017 में यह 213 दिन रह गए है। अभी 2018 का आंकड़ा आना बाकी है। केंद्रीय मंत्री ने मॉस्क बांधकर वायु प्रदूषण पर ताना कसने वालों को भी चेताया और कहा कि ऐसा करने से प्रदूषण में कमी नहीं आने वाली है। बल्कि सभी को इसके लिए अपने स्तर से सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि 2020 तक वीएस-6 फ्यूल और गाड़ियां सड़कों पर दिखेगी। इसके लिए करीब साठ हजार करोड़ की निवेश किया जा रहा है। इससे प्रदूषण में और कमी आएगी।

कैबिनेट की बैठक में नहीं पहुंचे सिद्धू, अमरिंदर ने बदला विभाग

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

नवजोत सिंह सिद्धू फाइल

- पंजाब में मुख्यमंत्री से बढ़ी नवजोत सिंह सिद्धू की दूरी, घर में की पत्रकार वार्ता

पंजाब में मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह और कैबिनेट मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू के बीच दूरियां बढ़ गई हैं। लोकसभा चुनाव के बाद गुरुवार को हुई पहली कैबिनेट बैठक में सिद्धू शामिल नहीं हुए। उन्होंने अपने घर पर चुनिंदा पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि उन्हें जानबूझकर टारगेट किया जा रहा है। देर शाम कैप्टन ने सिद्धू से स्थानीय निकाय विभाग वापस लेकर ऊर्जा विभाग दे दिया। कुछ और मंत्रियों के विभाग भी बदल दिए। ज्ञात हो, कैप्टन ने चुनाव नतीजे आने के बाद कहा था कि सिद्धू के कारण कांग्रेस शहरी क्षेत्रों में हारी है। इससे साफ हो गया था कि जल्द ही सिद्धू का विभाग बदला जाएगा।

सिद्धू ने पत्रकारों से कहा, उनकी जवाबदेही किसी व्यक्ति नहीं, जनता के प्रति है। इसलिए वह अपने विभाग पर उठे सवालों पर सफाई जरूर देंगे क्योंकि उन पर सार्वजनिक रूप से आरोप लगाए गए हैं। कैबिनेट बैठक में न जाने के सवाल पर बोले, कैसे जाता? मेरे विभाग का कोई एजेंडा नहीं है। अगर सामूहिक जवाबदेही की बात करें तो जिनको (कैप्टन का नाम लिए बिना) मेरे ऊपर विश्वास ही नहीं है उनके बगल में तीन इंच के फासले पर बैठने का क्या औचित्य है? अगर वह मेरे से खफा थे तो बुलाकर कुछ भी कह देते, लेकिन उन्होंने सार्वजनिक तौर पर पार्टी की हार के लिए मुझे जिम्मेवार ठहरा दिया, जबकि आंकड़े कुछ और बोलते हैं। कैप्टन ने आधा सच बताया है, मैं पूरा सच बताऊंगा। सिद्धू ने कहा, 2014 के चुनाव में भी मोदी लहर थी तब कांग्रेस ने पंजाब की 13 में से तीन सीटें जीतीं थी जिनमें 37 विधानसभा क्षेत्र आते हैं। इस चुनाव में आठ सीटें जीती हैं जिनमें 69 विधानसभा सीटें हैं।

43.9 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान गुरुवार को दर्ज किया गया दिल्ली में। यह सामान्य तापमान से चार डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 28.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। अगले कई दिनों तक तापमान में कमी के कोई आसार नहीं हैं।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शुक्रवार 7 जून 2019

न्यूज गैलरी

इंडिया बुल्स कंपनी में फोन कर दस करोड़ रुपये रंगदारी मांगी

गुरुग्राम : जानी-मानी फाइनेंस कंपनी इंडिया बुल्स के कार्यालय में फोन कर 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। फोन करने वाले ने कहा कि कंपनी का डाटा उसके पास है। अगर पैसे नहीं दिए तो वह कंपनी का नाम खराब कर देगा। फोन लैंड लाइन पर आया था। आरोपित से रिसेप्शनिस्ट के साथ ही कंपनी के एक अधिकारी ने बात की। शिकायत के आधार पर उद्योग विहार थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। कंपनी के अधिकारी अशोक सहरावत ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि मंगलवार को एक व्यक्ति ने फोन करके रंगदारी मांगी। पहली किस्त में पांच करोड़ रुपये देने की बात की। इससे पहले भी एक बार फोन आया था। दो बार फोन आने के बाद लगा कि मामला गंभीर है। (जासं)

नमाजियों की भीड़ में तेज रफ्तार कार चलाने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली : ईद के मौके पर खुरेजी खास स्थित जामा मस्जिद के बाहर बुधवार सुबह तेज रफ्तार और बेतरतीब तरीके से कार चलाने वाले को पुलिस ने दबोच लिया। आरोपित की पहचान शाहरुख (26) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसकी प्रेमिका यशिका को भी गिरफ्तार किया है। घटना के वक्त दोनों होंडा सिटी कार में सवार थे। इससे पहले पुलिस ने कार आनंद विहार इलाके से बरामद किया था। आरोपितों के पास से एक स्कूटी भी बरामद हुई है, जो शाहरुख ने बुधवार रात को चुराई थी। (जासं)

मास्टर शेफ जसपाल कालरा का हुआ अंतिम संस्कार

नई दिल्ली : भारत के जाने-माने शेफ जसपाल इंदर सिंह कालरा (जिग्स) का उनके परिवार के सदस्यों व करीबी लोगों की उपस्थिति में लोधी रोड स्थित दयानंद मुक्ति धाम में अंतिम संस्कार किया गया। श्मशान घाट पर उनकी पत्नी लवजीत कालरा, दो बेटे अजीत कालरा, जोरावर कालरा व अन्य रिश्तेदार मौजूद थे। प्रसिद्ध शेफ जिग्स का मंगलवार को निधन हो गया था। (जासं)

आनंद विहार-दरभंगा के बीच विशेष ट्रेन

नई दिल्ली : रेलयात्रियों की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे ने आनंद विहार टर्मिनल और दरभंगा के बीच विशेष ट्रेन चलाने का फैसला किया है। 04026 नंबर की ट्रेन सात से 14 जून तक प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार को आनंद विहार टर्मिनल से पूर्वाह्न 11.30 बजे प्रस्थान करके अगले दिन सुबह 09.30 बजे दरभंगा पहुंचेगी। वापसी में 04025 नंबर की ट्रेन आठ से 15 जून तक प्रत्येक बुधवार और शनिवार को दरभंगा से दोपहर 12 बजे प्रस्थान करके अगले दिन दोपहर 12.40 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। (जासं)

मुफ्त सफर पर केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी का तंज

आपत्ति ▶ दिल्ली के मुख्यमंत्री की मंशा पर उठाए सवाल, कहा-प्रस्ताव तक तैयार नहीं और कर डाली घोषणा

पुरी ने केजरीवाल के लिए ब्रोकन विंडो फ्राड टर्म का किया इस्तेमाल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के महिलाओं को मुफ्त सफर कराने की घोषणा पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने तंज किया है। उन्होंने कहा कि योजना का प्रस्ताव तक तैयार नहीं है और घोषणा कर डाली। उन्होंने तो मुख्यमंत्री के लिए ब्रोकन विंडो फ्रॉड शब्द तक का इस्तेमाल कर डाला। जाहिर तौर पर उन्होंने यह संकेत देने की कोशिश की है कि अंदरूनी चक्रवात में फंसे मुख्यमंत्री अब केवल धोखा देकर समस्याओं से निपटना चाहते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह योजना जरूर अच्छी है, लेकिन दिल्ली के सीएम जिस तरह इसे लागू करना चाहते हैं, उससे उनकी मंशा जाहिर होती है।

पुरी 'स्वच्छ सर्वेक्षण-2020' को लांच करने के बाद पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। महिलाओं की मुफ्त सवारी के मुद्दे पर शहरी विकास मंत्री ने कहा कि दिल्ली में 11 हजार बसों की खरीद की मंजूरी के बाद खरीद नहीं हो पाई है। दिल्ली में बसें नहीं है, इस बारे में केजरीवाल से पूछा जाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संसद में उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों और छात्रों को सुविधा देने के बारे में कहा था। राज्य सरकार से कहा कि इस बारे में प्रस्ताव तैयार करे। लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ।

हरदीप सिंह पुरी। (फाइल)

दिल्ली का कुल 50 हजार करोड़ रुपये का बजट है। दिल्ली में गरीबों के इलाज की आयुष्मान योजना और स्वच्छता जैसे मिशन लागू नहीं हो पा रहे हैं और 2500 करोड़ रुपये की सब्सिडी देने की बात कर रहे हैं। अवैध कालोनियों के बारे में लगातार घोषणाएं हो रही है, लेकिन अभी तक सरकार के पास प्रस्ताव नहीं आया है।

दिल्ली में स्वच्छ भारत मिशन के तहत दी गई धनराशि का उपयोग नहीं हो रहा है। दिल्ली में केंद्र की एक भी योजना लागू नहीं की जाती है। वजह जांचने पर पता चला कि 10 फीसद की मैचिंग ग्रांट तक मिलाने को यहां की सरकार तैयार नहीं है।

'मेट्रो व बसों में महिलाओं के मुफ्त यात्रा के लिए है पैसा'

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

मेट्रो और बस में महिलाओं को मुफ्त सफर की योजना पर दिए गए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के बयान पर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने उन्हें आड़े हाथों लिया है। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मैं आदर और सम्मान के साथ पुरी जी से कहना चाहता हूं कि दिल्ली की महिलाओं को मेट्रो और बसों में मुफ्त यात्रा कराने के लिए दिल्ली सरकार के पास प्लान भी है और पैसा भी है। आप तो बस मुस्करा कर आशीर्वाद देते रहिए। दिल्ली के लोगों और दिल्ली की महिलाओं के लिए आप अपना आशीर्वाद बनाए रखिए। दिल्ली सरकार इसे बहुत अच्छे से लागू कर देगी।

सिसोदिया ने कहा, पुरी जी ने कहा है कि मेट्रो और बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने के लिए दिल्ली सरकार के पास प्लान और पैसा नहीं है। पिछले तीन-चार दिन में हमने कई बैठकें की हैं। परिवहन मंत्री ने परिवहन विभाग और मेट्रो के अधिकारियों साथ कई बैठकें की हैं। खुद मैंने और मुख्यमंत्री जी ने भी कई बैठकें की हैं। जनता की तरफ से भी काफी फीडबैक आ रहे हैं। एक बार इसको अंतिम रूप देने के बाद हम सभी को योजना पर किए जा रहे काम के बारे में बताएंगे। उन्होंने

दिल्ली सचिवालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत। साथ में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया। जागरण

कहा कि बतौर वित्त मंत्री मैं यह भी कहना चाहूंगा कि हमारे पास पैसे की भी कमी नहीं है। दिल्ली में ईमानदार सरकार काम कर रही है। जो बजट पहले 30 हजार करोड़ रुपये का था, वह अब 60 हजार करोड़ रुपये हो गया है।

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि हमने तीन जून को परिवहन आयुक्त को आदेश जारी किए। इसमें लिखा गया है कि डीटीसी, कलस्टर और डीएमआरसी (दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन) से लेकर पूरा प्लान दीजिए। तीन जून को ही परिवहन आयुक्त ने डीएमआरसी को चिट्ठी लिखी है। लगातार बैठकें चल रही हैं। इसलिए यह कहना ठीक नहीं है कि कोई बैठक नहीं हुई, कोई संवाद नहीं हुआ। गुरुवार को भी परिवहन आयुक्त ने डीएमआरसी, डीटीसी, कलस्टर बस सेवा को लेकर बैठक ली है। उन्होंने कहा कि डीएमआरसी भी इस पर विस्तार से प्रस्ताव तैयार कर रहा है।

आप सरकार महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं : मनोज तिवारी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : भाजपा का कहना है कि दिल्ली सरकार महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं है। वह महिला सुरक्षा को लेकर प्रभावी कदम उठाने के बजाय बहानेबाजी कर रही है। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी का कहना है कि आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली की जनता से 70 वादे किए थे, जिनमें महिलाओं की सुरक्षा के लिए बसों में सीसीटीवी व जीपीएस लगाना शामिल था। सीसीटीवी कैमरे व जीपीएस लगाने का टेंडर रद होने का बहाना बनाकर सरकार अपने वादे से मुकर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत नई टेंडर प्रक्रिया में सात से आठ माह का समय लगने की बात कर रहे हैं। उस समय तक विधानसभा के लिए चुनाव आचार संहिता लागू हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार टेंडर रद होने की आड़ में दिल्लीवासियों के साथ धोखा कर रही है। उन्होंने कहा कि दो बार पहले भी टेंडर रद हो चुके हैं। इससे केजरीवाल सरकार की मंशा पर संदेह होता है। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती तो दिल्ली की बसों में बहुत पहले सीसीटीवी व जीपीएस लग जाते, लेकिन यह काम करने के बजाय लोगों को गुमराह करने की नीति पर चल रही है।

आप ने सीसीटीवी लगाने, मुफ्त वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध कराने, नई बसें खरीदने व बसों में मार्शल की तैनाती करने, 500 नए स्कूल और 20 नए कॉलेज खोलने का वादा किया था, लेकिन इन्हें पूरा करने के बजाय आम आदमी पार्टी आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति कर रही है।

दिल्ली में करारी हार पर राहुल सख्त

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली

इस्तीफे की राजनीति के बीच कांग्रेस आलाकमान राहुल गांधी ने दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों पर हार को लेकर सख्त तेवर अख्तियार कर लिए हैं। उन्होंने सभी प्रत्याशियों से हार की रिपोर्ट देने को कहा है। इस रिपोर्ट में उन्होंने बूथ स्तर तक जानकारी मांगी है कि कहां क्या स्थिति रही और कहां पर कितना काम हुआ, कितना नहीं। दूसरी तरफ प्रदेश अध्यक्ष शीला दीक्षित ने भी पांच सदस्यीय समीक्षा कमेटी से हार पर अपनी रिपोर्ट जल्द देने को कहा है। ये दोनों रिपोर्ट ही प्रदेश संगठन में बदलाव और आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति का आधार बनेंगी।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस अध्यक्ष हार की वजह जानने के लिए हर बूथ तक जाना चाहते हैं। यही वजह है कि उन्होंने बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं से बातचीत कर हार के कारणों का पता लगाने का निर्देश दिया है। प्रत्याशी अपनी रिपोर्ट तैयार करके प्रदेश प्रभारी पीसी चाको को देंगे और चाको के माध्यम से यह रिपोर्ट आलाकमान को भेज दी जाएगी। माना जा रहा है कि इस रिपोर्ट के आने के बाद पार्टी की कार्यशैली और संगठन स्तर पर आवश्यक बदलाव भी किए जाएंगे।

राहुल गांधी। फाइल फोटो

- शीला ने समीक्षा कमेटी से कहा, जल्द तैयार करे रिपोर्ट
- दोनों रिपोर्ट के आधार पर तय होगी विधानसभा चुनाव की रणनीति

दूसरी तरफ प्रदेश अध्यक्ष शीला दीक्षित ने हार की समीक्षा के लिए गठित पांच सदस्यीय कमेटी से अपनी रिपोर्ट जल्द देने को कहा है ताकि उस पर कार्रवाई कर आगे बढ़ाया जा सके। बताया जाता है कि कमेटी की रिपोर्ट में देर इसलिए हो रही है क्योंकि सात में से चार प्रत्याशी और 14 से तीन जिलाध्यक्ष अभी तक कमेटी के समक्ष प्रस्तुत ही नहीं हुए हैं। ऐसे में कमेटी ने बचे हुए जिलाध्यक्षों को जहां शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय बुलाया है। एक-दो दिन में सभी ब्लॉक अध्यक्षों से भी हार पर उनकी राय लेने का निर्णय किया है। बताया जाता है कि बचे हुए प्रत्याशी भी अपनी राय कमेटी के बजाये बंद लिफाफे में शीला को सौंप सकते हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले सप्ताह कमेटी अपनी रिपोर्ट तैयार कर देगी।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक इस रिपोर्ट के आधार पर संगठन में तो फेरबदल होगा ही, प्रदेश कार्यकारिणी को भी जल्द ही गठित किया जाएगा। पार्टी इस पर भी गंभीरता से विचार कर रही है कि विधानसभा चुनाव के लिए समय से पूर्व प्रत्याशियों को क्षेत्र में उतार दिया जाए ताकि उन्हें काम और प्रचार के लिए पर्याप्त समय मिल सके। कांग्रेस संभावित प्रत्याशियों को विधानसभा प्रभारी के रूप में भी नियुक्त कर सकती है। जिन प्रभारियों का काम बेहतर होगा, उन्हें ही बाद में टिकट दे दिया जाएगा। इसके अलावा कांग्रेस इस बार सख्ती के साथ टिकट वितरण में यह नियम भी लागू करने पर विचार कर रही है कि जो प्रत्याशी लगातार दो बार चुनाव हार चुके हैं, उन्हें कहीं से प्रत्याशी नहीं बनाया जाए।

सिख विरोधी दंगे में कांग्रेस नेता समेत आठ पर आरोप तय

जासं, नई दिल्ली : कड़कड़डूमा कोर्ट ने 1984 के सिख विरोधी दंगे के मामले में आरोपित उत्तर-पूर्वी दिल्ली के कांग्रेस जिलाध्यक्ष कैलाश चंद जैन व पूर्व जिलाध्यक्ष जगदीश प्रसाद वशिष्ठ समेत आठ लोगों को दोषी ठहराया। इनके खिलाफ आइपीसी की धारा 120बी, 147, 148, 149, 302 समेत 11 धाराओं के तहत आरोप तय हुए हैं। कड़कड़डूमा कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जगदीश कुमार ने विशेष जांच दल (एसआइटी) की रिपोर्ट पर कैलाश चंद जैन, पूर्व जिला अध्यक्ष जगदीश वशिष्ट, वीरेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, राजपाल सिंह, अशोक सिंह, विजय सिंह व कालीचरन के खिलाफ आरोप तय किए गए हैं। मामले की अगली सुनवाई 29 से 31 अगस्त को होगी। उस दिन फैसला सुनाया जाएगा।

मामला दो नवंबर 1984 को नाथा सिंह और उनके परिवार की हत्या से जुड़ा है। 1991 में वेलकम थाने में कैलाश चंद जैन व पूर्व जिलाध्यक्ष जगदीश प्रसाद वशिष्ठ समेत आठ के खिलाफ छज्जूपुर निवासी शिकायतकर्ता सरदूल सिंह उर्फ अनिल कुमार ने पिता समेत परिवार के सात सदस्यों की हत्या और अन्य आरोप लगाकर एफआइआर दर्ज कराई थी।

पहली महिला ऑटो चालक की मदद

लूट की शिकार होने वाली राजधानी की पहली महिला ऑटो रिक्शा चालक को राज्यसभा सदस्य व पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री विजय गोयल ने आर्थिक सहायता की। रिक्शा चालक सुनीता से लुटेरों ने तीस हजार रुपये लूट लिए थे। वह इस राशि से नया ऑटो रिक्शा लेना चाहती थी। इसकी जानकारी गोयल को मिली तो उन्होंने गुरुवार को उन्हें अपने आवास पर बुलाकर तीस हजार रुपये का चेक दिया। (विजय गोयल द्वारा भेजी गई फोटो)

98 खरीदारों को बिल्डरों से वापस मिलेगी अपनी जमा पूंजी

पंकज मिश्रा, ग्रेटर नोएडा

उत्तर प्रदेश भूसंपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) ने मई में विभिन्न बिल्डर परियोजनाओं में फंसे चार हजार से ज्यादा खरीदारों के मामलों पर सुनवाई की है। सूत्रों के मुताबिक इनमें से 98 मामलों में बिल्डर के खिलाफ रिकवरी सर्टिफिकेट (आरसी) जारी किया गया है। इसमें से 69 मामलों में बिल्डर से गौतमबुद्ध नगर जिला प्रशासन पैसों की रिकवरी करेगा। वहीं, 29 मामलों में पैसों की वसूली के लिए प्रदेश के अन्य जिलाधिकारियों को बिल्डर का ब्योरा भेजा गया है। गौतमबुद्ध नगर के बाद सबसे ज्यादा 15 मामलों में लखनऊ जिला प्रशासन बिल्डरों से खरीदारों के पैसों की रिकवरी करेगा। अब इन सभी 98 खरीदारों को रिफंड का पैसा दिलाने के लिए पूरा दारोमदार संबंधित जिला प्रशासन पर है।

ज्ञात हो कि खरीदारों की याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए रेरा पहले संबंधित बिल्डर को ही रिफंड का आदेश देता है, लेकिन आदेश का अनुपालन न करने पर संबंधित जिला प्रशासन को पैसों की रिकवरी के लिए आरसी जारी की जाती है।

प्रशासन की कार्रवाई से असंतुष्ट खरीदार : पैसों की रिकवरी को लेकर प्रशासनिक कार्यशैली से ज्यादातर खरीदार असंतुष्ट हैं। खरीदारों का कहना है कि रेरा में लंबी सुनवाई प्रक्रिया के बाद रिफंड के लिए आरसी जारी होती है, लेकिन जिला प्रशासन की पैसों की रिकवरी को लेकर बेहद लचर कार्यशैली रहती है। नोएडा स्थित एक परियोजना में फंसे खरीदार ने बताया कि रेरा द्वारा पिछले वर्ष दिसंबर में ही आरसी जारी कर दी गई थी, लेकिन उनको आज तक रिफंड नहीं मिल पाया है।

शासकीय संस्थाओं ने भी की है धोखाधड़ी : खास बात यह है कि खरीदार निजी बिल्डरों के साथ ही शासकीय संस्थाओं के भी धोखे के शिकार हैं। मई में जिनके खिलाफ यूपी रेरा ने आरसी जारी की है, उनमें उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद व लखनऊ विकास प्राधिकरण के मामले भी हैं। दो मामले लखनऊ विकास प्राधिकरण से संबंधित हैं। वहीं, निजी बिल्डरों में सर्वोत्तम रियलकॉन, सहारा प्राइम सिटी, अंसल प्रॉपर्टीज, लॉजिक्स सिटी, सुपरटेक लिमिटेड, प्रिमरोज इंफास्ट्रक्चर, सनशाइन इंफ्राहाइट्स, गार्डेनिया एम्स डेवलपर्स, अर्थ इंफ्रास्ट्रक्चर, सिक्का, इंटेलसिटी, शुभकामना बिल्डटेक लिमिटेड समेत अन्य बिल्डर परियोजनाएं शामिल हैं।

अप्रैल में 25 बिल्डरों के खिलाफ जारी हुई थी आरसी : अप्रैल में भी यूपी रेरा ने 25 बिल्डरों के खिलाफ आरसी जारी की थी। रेरा की तरफ से जिन बिल्डरों के खिलाफ आरसी जारी की जा रही है, उनमें से ज्यादातर की परियोजनाएं गौतमबुद्धनगर में निर्माणाधीन हैं। उल्लेखनीय है कि रेरा द्वारा जारी की गई आरसी के आधार पर पिछले दिनों जिला प्रशासन ने जेपी ग्रुप से 83 लाख रुपयों की वसूली की है।

खादी की चटाई पर योगासान करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नेमिष हेमंत,नई दिल्ली

इस बार झारखंड की राजधानी रांची में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हजारों लोगों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खादी की चटाई पर योगासन करेंगे। इसके लिए खादी ग्रामोद्योग आयोग (केवीआइ) को योग चटाई का ऑर्डर मिला है। आयुष मंत्रालय ने 21 जून को आयोजित होने योग दिवस के लिए विशेष तौर पर खादी ग्रामोद्योग को 6000 योग चटाई का ऑर्डर दिया है। इसके लिए मंत्रालय द्वारा केवीआइ को प्रति चटाई 320 रुपये का भुगतान किया जाएगा। पूरा ऑर्डर एक करोड़ 92 लाख रुपये का है। इस विशेष योग चटाई को केवीआइ द्वारा उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड व हरियाणा की खादी की 17 संस्थाओं में तैयार कराया जा रहा है। इसकी आपूर्ति 12 जून तक आयुष मंत्रालय को की जानी है।

वैसे, खादी व योग को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रेम जगजाहिर है। वह अपने भाषणों व मन की बात में भी आम लोगों को इनसे जुड़ने का आह्वान करते रहे हैं। रांची में प्रधानमंत्री मोदी के साथ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन व आयुष राज्य मंत्री श्रीपद नाईक भी मौजूद रहेंगे। आयुष मंत्रालय ने योग महोत्सव के लिए विशेष तौर पर दो आकार में चटाई तैयार करने को कहा है। केवीआइ के एक अधिकारी के मुताबिक, योग दिवस के लिए विभिन्न मंत्रालय, सार्वजनिक उपक्रम और सिविक एजेंसियों द्वारा भी ऑर्डर मिलते हैं। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) के एक अधिकारी ने बताया कि इस बार योग दिवस पर खादी की चटाई के उपयोग पर गंभीरतापूर्वक विचार हो रहा है। एक-दो दिनों में इस पर फैसला ले लिया जाएगा।

खादी ने पेश की आकर्षक योग किट : इस बार खादी ग्रामोद्योग आयोग ने आकर्षक योग किट पेश किया है। किट में कुर्ता-पायजामा के साथ योग चटाई भी है। कनॉट प्लेस के खादी इंडिया आउटलेट्स में मौजूद किट में टोपी व तिरंगा माला भी है। योग किट की कुल कीमत करीब दो हजार रुपये है।

योग किट में उपलब्ध उत्पाद व उसकी कीमत : कुर्ता-पायजामा- 1310 व 1470 रुपये, टोपी-110 रुपये, तिरंगा माला-15 रुपये, थैला-133 रुपये, योग चटाई- 374 रुपये, रुमाल-15 रुपये।

जेवर एयरपोर्ट के निर्माण में एक दर्जन कंपनियों ने दिखाई रुचि

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए एक सप्ताह में चार निविदा प्रपत्रों की बिक्री हो चुकी है। एयरपोर्ट निर्माण में रुचि दिखाते हुए बड़ी संख्या में कंपनियों ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट कंपनी लिमिटेड (निआल) से संपर्क किया है। उम्मीद जताई जा रही है कि कंपनियां जल्द ही निविदा में भागीदारी करेंगी। हालांकि अभी तक रुचि दिखाने वाली कंपनियों में अधिकतर देश की ही हैं, जो विभिन्न एयरपोर्ट का संचालन कर रही हैं। नवंबर में एयरपोर्ट के लिए कंपनी के चयन की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। निविदा प्रपत्र खरीदने की तिथि को 15 दिन के लिए बढ़ा दिया। अब निविदा प्रपत्र जमा करने के दिन तक इसे खरीदा जा सकेगा।

निआल ने तीस मई को एयरपोर्ट के लिए निविदा जारी की थी। इसके बाद से प्रोजेक्ट में कंपनियों की रुचि बढ़ गई है। एक सप्ताह के दौरान ही करीब एक दर्जन कंपनियों ने एयरपोर्ट प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी ली है। चार कंपनियों ने निविदा प्रपत्र भी खरीद लिया है। निआल ने अभी इन कंपनियों के नाम उजागर नहीं किए हैं। वैश्विक निविदा में विदेशी कंपनियों को आकर्षित करने के लिए निआल ने विदेशी समाचार पत्रों में विज्ञापन भी दिए हैं। एयरपोर्ट के निर्माण एवं संचालन के लिए कंपनी का चयन सिंगल स्टेज बिड प्रोसेस के तहत होना है। निविदा प्रक्रिया नवंबर के अंत तक पूरी हो जाएगी। तकनीकी बिड में सफल छह शीर्ष कंपनियों की फाइनेंशियल बिड खोली जाएगी। इसमें से अंतिम रूप से कंपनी का चयन होगा। एयरपोर्ट के पहले चरण के निर्माण पर पांच हजार करोड़ की लागत का अनुमान है। निविदा में शामिल होने की इच्छुक कंपनियों की आपत्ति के बाद निआल ने इसमें कुछ संशोधन भी किया है।

मौजूदा प्रक्रिया के तहत निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय शर्तों की जानकारी लेने के लिए कंपनी को प्रपत्र डाउनलोड करने से पहले दो लाख 36 हजार रुपये का भुगतान करना पड़ रहा था। इसके बाद निआल की ओर से उन्हें पासवर्ड देने के बाद ही वह प्रपत्र डाउनलोड कर पा रहे थे। जो कंपनियां तकनीकी व वित्तीय शर्त पर खरी नहीं उतर रही थीं, उन्हें नुकसान हो रहा था। कंपनियों की आपत्ति के बाद निआल ने तकनीकी व वित्तीय शर्त संबंधी प्रपत्र डाउनलोड करने में पासवर्ड की बाध्यता समाप्त कर दी है। निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने के लिए ही पासवर्ड की जरूरत होगी। इसके लिए पहले निआल के खाते में दस लाख रुपये प्रोसेस शुल्क व जीएसटी जमा कराना होगा। निविदा जमा करने के लिए सौ करोड़ की धरोहर सिक्योरिटी राशि देनी होगी।

- चार निविदा प्रपत्र बिके, नवंबर में हो जाएगा एयरपोर्ट के लिए कंपनी का चयन
- पीपीपी मॉडल पर बनेगा जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट

एयरपोर्ट की निविदा जारी होने के बाद से काफी कंपनियों ने इस प्रोजेक्ट के लिए रुचि दिखाई है। एयरपोर्ट के लिए कंपनी चयन की प्रक्रिया समय से पूरी कर ली जाएगी।

-शैलेंद्र भाटिया, ओएसडी निआल

चिंताजनक

सीएसई की स्टेट ऑफ इंडियाज एनवायरमेंट रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली के औद्योगिक कचरे का न तो निपटान किया जाता है और न ही उसको रिसाइकल करने की कोई व्यवस्था है

औद्योगिक कचरे का डंप यार्ड बन रही राजधानी दिल्ली

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली

विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में शुमार दिल्ली औद्योगिक कचरे का भी डंप यार्ड बनती जा रही है। यहां के औद्योगिक कचरे का न तो निपटान किया जाता है और न ही उसको रिसाइकल करने की कोई व्यवस्था है। यहां तक कि शहर के कुल ठोस कचरे का भी लगभग 50 फीसद ही निस्तारण हो रहा है।

यह तथ्य सामने आया है सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर जारी की गई स्टेट ऑफ इंडियाज की अपडेटेड रिपोर्ट में। मालूम हो कि यह रिपोर्ट यूं तो फरवरी माह में जारी की गई थी, लेकिन इसका अपडेटेड वर्जन बुधवार देर रात जारी किया गया है। रिपोर्ट दिल्ली-एनसीआर सहित देश भर के प्रदूषण पर खासी तथ्यात्मक जानकारियां सामने लाती है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में 1,13,600 ऐसी औद्योगिक इकाइयां हैं, जिनसे सालाना 4,19,736 मिलियन टन खतरनाक कचरा निकलता है। लेकिन इसका न तो कहीं निस्तारण किया जाता है और न ही इसके रिसाइकल की कहीं कोई व्यवस्था है। इसी तरह दिल्ली में निकलने वाले ठोस कचरे का भी बमुश्किल 55 फीसद ही निपटान हो रहा है। शेष 45 फीसद भलस्वा, गाजीपुर व ओखला लैंडफिल साइट पर डंप हो रहा है।

रिपोर्ट बताती है कि दिल्ली में वन क्षेत्र को बचाने के लिए भी उदासीनता बरती जा रही है। इसका अंदाजा इससे लगता है कि वन क्षेत्र के लिए वित्त वर्ष 2016-2017 में 50 लाख रुपये का बजट जारी किया गया था। वित्त वर्ष 2017-2018 में यह 40 फीसद घटकर 30 लाख रह गया, जबकि वित्त वर्ष 2018-2019 में वन क्षेत्र के लिए एक रुपये का बजट भी जारी नहीं किया गया है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की लक्ष्य प्राप्ति को लेकर भी दिल्ली की स्थिति संतोषजनक नहीं है। सरकारी दावों के अनुसार 2023 तक दिल्ली के कुल वाहनों को 25 फीसद इलेक्ट्रिक वाहनों में तब्दील कर देने का लक्ष्य है, जबकि हकीकत इससे कोसों दूर है। इस समय दिल्ली में पंजीकृत कुल वाहनों की संख्या करीब एक करोड़ दस लाख है, लेकिन यहां चल रहे इलेक्ट्रिक वाहन मुश्किल से 20-22 हजार ही हैं।

रिपोर्ट के अनुसार स्मार्ट सिटी के मानकों में भी संस्थागत श्रेणी में दिल्ली को एक सौ में से केवल 19 अंक मिले हैं। आवासीय सुख सुविधाओं के मामले में यह अंक 65 और सामाजिक ढांचा श्रेणी में 70 है। यह भी हैरत की बात है कि दिल्ली की 11 फीसद आबादी अब भी स्लम बस्तियों में ही रहती है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली- एनसीआर में वायु प्रदूषण का मिक्स ट्रेंड रहा है और इसमें साल दर साल इजाफा हो रहा है। यह सही है कि कई साल बाद सर्दी के पिछले सीजन में खतरनाक श्रेणी के प्रदूषित दिनों की संख्या कुछ कम हुई है, लेकिन इससे प्रदूषण घटने का अनुमान नहीं लगाया जा सकता। इससे इतर स्थिति तो यह हो गई है कि गर्मी में भी अब दिल्ली की हवा खराब रहने लगी है। ऐसे में सच्चाई और जरूरत यह है कि सरकारी स्तर पर योजनाएं बनाने और लागू करने के साथ-साथ उन पर गंभीरता से अमल भी सुनिश्चित कराया जाना चाहिए।

दिल्ली-एनसीआर सहित देश भर में प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है। दिल्ली में तो कमोबेश हर नागरिक प्रदूषित हवा में सांस लेने को विवश है। दिल्लीवासी शुद्ध हवा के लिए अन्य शहरों में पलायन करने के बारे में भी सोचने लगे हैं। हालांकि इससे निपटने के लिए योजनाएं तमाम हैं, लेकिन उन पर गंभीरता से अमल बहुत कम होता है। प्रदूषण से जंग में ईमानदारी और गंभीरता दोनों लानी होंगी।

-सुनीता नारायण, महानिदेशक, सीएसई

यूनिटेक को दो फ्लैट खरीददारों को 53 लाख रुपये लौटाने का निर्देश

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) ने रियल एस्टेट कंपनी यूनिटेक को दो घर खरीददारों को उनके फ्लैटों का कब्जा न देने पर 53 लाख रुपये से अधिक की रकम लौटाने को कहा है। सर्वोच्च उपभोक्ता आयोग ने गुरुवार को कंपनी को निर्देश दिया कि वह तीन महीने के अंदर 53,73,561 रुपये गुड़गांव निवासी अभिषेक और मणि अग्रवाल को वापस लौटाए। इसके साथ ही इन पीड़ित उपभोक्ताओं को दस फीसद की ब्याज दर पर फ्लैट देने में सात साल की देरी के हिसाब से हर्जाना भी देना होगा।

आयोग के जस्टिस वीके जैन ने कहा कि यूनिटेक कंपनी को 53,73,561 रुपये के मूलधन के साथ ही दस फीसद सालाना की दर से साधारण ब्याज भी देना होगा। आयोग ने कंपनी को निर्देश दिया कि उसे फ्लैट खरीददारों को मुकदमे की लागत के रूप में 25 हजार रुपये भी चुकाने होंगे।

- सात साल बाद भी घर का कब्जा नहीं मिलने पर एनसीडीआरसी ने दिया निर्देश
- तीन माह में दस फीसद के साधारण ब्याज पर सालों की देरी के हर्जाने का भी करना है भुगतान

अग्रवाल ने यूनिटेक रियलबल प्रोजेक्ट लिमिटेड के ग्रेटर नोएडा स्थित यूनिवर्ल्ड सिटी के 'कापैला' में रिहायशी फ्लैट बुक कराया था। एलॉटमेंट लेटर के अनुसार, अपार्टमेंट उन्हें 30 नवंबर, 2011 तक मिल जाना था, लेकिन बाद में उनका एलॉटमेंट दूसरे प्रोजेक्ट 'यूनिटेक वर्व' में कर दिया गया। इसमें पोजेशन उन्हें 15 महीने के अंदर यानी 29 जून, 2012 को मिलना था, जो कि सात साल के बाद भी संभव नहीं हुआ। इसके बाद इन उपभोक्ताओं ने बिल्डर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

14 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए थे मेडिकल की प्रवेश परीक्षा नीट में। नीट का आयोजन 11 भाषाओं में किया गया। परीक्षा का आयोजन 154 शहरों में किया गया। पास प्रतिशत में दिल्ली ने बाजी मारी।

कांग्रेस ने शुरू की हार की पड़ताल

समीक्षा ▸ हर लोकसभा क्षेत्र में बूथवार पार्टी के प्रदर्शन की राज्यों से जल्द मांगी गई रिपोर्ट

प्रियंका ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के बूथ कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेने का शुरू किया सिलसिला

प्रियंका गांधी वाड्रा फाइल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव की हार से उबरने की पहल शुरू करते हुए सभी राज्य इकाइयों से खराब नतीजों की समीक्षा रिपोर्ट मंगाने का फैसला किया है। पार्टी ने इसके लिए राज्य इकाइयों से प्रतिकूल चुनावी नतीजों के कारणों की बूथ स्तर पर पड़ताल कर रिपोर्ट भेजने को कहा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने तो खुद बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से सीधे सियासी हार की वजहों पर फीडबैक लेने का सिलसिला शुरू कर दिया है।

लोकसभा चुनाव में हार के स्तर को अप्रत्याशित मान रही कांग्रेस जमीनी सियासी हकीकत का गहराई से अध्ययन करने की कोशिश कर रही है। इसीलिए महासचिवों और राज्यों के प्रभारियों ने प्रदेश इकाइयों को हर लोकसभा क्षेत्र की हार की विस्तृत रिपोर्ट जून के दूसरे हफ्ते तक भेजने को कहा है। इतना ही नहीं प्रदेश अध्यक्षों से लोकसभा क्षेत्र के सभी विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी के प्रदर्शन की समीक्षा रिपोर्ट के साथ बूथवार कांग्रेस के प्रदर्शन की जानकारी भी मांगी गई है।

कांग्रेस नेतृत्व ने राज्य इकाइयों से जिलेवार रिपोर्ट मांगने के अलावा पार्टी के सभी लोकसभा प्रत्याशियों से भी चुनावी नतीजों पर आकलन रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया है। राज्यों के प्रभारी महासचिवों से हार की समीक्षा से जुड़ी शुरुआती रिपोर्ट तय समय में मांगने को कहा गया है, ताकि संगठन में आमूल चूल बदलाव की कांग्रेस कार्यसमिति के प्रस्ताव पर जल्द अमल किया जा सके। पार्टी सूत्रों ने बताया कि सभी महासचिव समीक्षा रिपोर्ट को लेकर सक्रिय हो गए हैं और प्रियंका गांधी बकायदा पूर्वी उत्तरप्रदेश के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से पिछले कुछ दिनों से सीधे रूबरू होकर हार की जमीनी पड़ताल करने का प्रयास कर रही हैं। वहीं राजस्थान के प्रभारी महासचिव अविनाश पांडेय ने तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट से लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन की यह समीक्षा रिपोर्ट 11 जून तक हाईकमान को भेजने का निर्देश दिया है।

वायनाड की जनता को शुक्रिया कहने के साथ फिर आरंभ होगी राहुल की सक्रियता

नई दिल्ली : कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी चुनाव में पार्टी की करारी शिकस्त के बाद पहली बार राजनीति के मंच पर सीधे जनता से रूबरू होंगे। वायनाड लोकसभा सीट पर मिली जीत के लिए वहां की जनता का आभार जताने के लिए राहुल गांधी शुक्रवार से केरल के दो दिनों का दौरा करेंगे। आम चुनाव में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की पेशकश करने के बाद से राहुल ने अपनी राजनीतिक सक्रियता बेहद सीमित रखी है। इसीलिए पार्टी में उम्मीद की जा रही है कि वायनाड दौरे के जरिये कांग्रेस अध्यक्ष सियासी सक्रियता को फिर से गति देंगे क्योंकि कार्यसमिति उनके इस्तीफे की पेशकश खारिज कर चुकी है। साथ ही अधिकांश राज्य इकाइयों ने राहुल गांधी के नेतृत्व में पूरा विश्वास जताया है। इसीलिए पार्टी में उम्मीद की जा रही है कि वायनाड से लौटने के बाद राहुल कांग्रेसजनों के मनोबल को अगली सियासी लड़ाइयों के लिए फिर से तैयार करने में जुटेंगे। राहुल अमेठी की अपनी परंपरागत सीट पर अप्रत्याशित रूप से चुनाव हार गए थे, मगर केरल की वायनाड सीट से वे भारी मतों से जीते हैं।

त्रिभाषा फॉर्मूले में हिंदी की जगह शामिल हो संस्कृत : साय

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : राष्ट्रीय शिक्षा नीति के त्रिभाषा फॉर्मूले में हिंदी को शामिल करने को लेकर उठे विवाद के बीच राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) अध्यक्ष नंद कुमार साय ने हिंदी की जगह संस्कृत को शामिल करने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि संस्कृत के शामिल होने से इसका विरोध नहीं होगा। यह और बात है कि विरोध को देखते हुए मानव संसाधन मंत्रालय ने पहले ही संशोधन करते हुए मनपसंद की तीन भाषाओं को चुनने का अधिकार राज्यों को दे दिया है। ज्ञात हो, त्रिभाषा फार्मूला में हिंदी, अंग्रेजी के साथ एक स्थानीय भाषा को शामिल करने की बात कही गई थी।

साय ने संस्कृत को आधिकारिक भाषा बनाने की भी मांग की और कहा, सरकार को इस दिशा में गंभीरता से सोचना चाहिए। दक्षिण के राज्यों का संस्कृत के साथ गहरा जुड़ाव है। उदाहरण के रूप में वहां के नामों में रामचंद्रन, रामेश्वरम जैसे शब्दों को प्रमुखता से इस्तेमाल होता है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के त्रिभाषा फॉर्मूले में हिंदी को शामिल किए जाने का तमिलनाडु सहित कई दक्षिण भारतीय राज्यों ने कड़ा विरोध किया है। द्रमुक के मुताबिक, केंद्र सरकार इस फैसले की आड़ लेकर दक्षिण भारतीय लोगों पर हिंदी थोपना चाहती है।

डिप्टी स्पीकर का पद हमारी मांग नहीं, दावा है : शिवसेना

▸ यह पद बीजद को देने की संभावनाओं को देखते हुए मुखर हुई उद्धव की पार्टी

संजय राउत फाइल

नई दिल्ली, एएनआइ : शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने गुरुवार को कहा कि लोकसभा के डिप्टी स्पीकर का पद पार्टी की मांग नहीं, बल्कि उसका स्वाभाविक दावा है। इस पद पर शिवसेना का अधिकार है और जब इस पर पार्टी का अधिकार है तो उसे इसकी मांग क्यों करनी चाहिए।

राउत ने यह बयान ऐसे समय दिया है जब संभावना जताई जा रही है कि यह पद नवीन पटनायक के नेतृत्व वाले बीजू जनता दल (बीजद) को दिया जा सकता है। राउत ने कहा, 'हमारे 18 सांसद हैं। लेकिन ऐसी खबरें हैं कि यह पद किसी और पार्टी को दिया जाएगा जो हमारी भी मित्र है। बीजद ने आम चुनाव राजग के खिलाफ लड़ा था, वे यह पद उन्हें कैसे दे सकते हैं? सिर्फ शिवसेना को यह पद मिलना चाहिए।' ऐसी भी खबरें हैं कि शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने यह मांग भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के समक्ष भी रखी है। भाजपा के एक अन्य सहयोगी दल जदयू को राज्यसभा में उपसभापति का पद दिया गया है।

'इस बार राम मंदिर का वादा नहीं निभाया तो जनता जूतों से मारेगी' : शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि अगर इस बार भी राम मंदिर निर्माण का वादा नहीं निभाया तो जनता जूतों से मारेगी। उन्होंने कहा, '2014 में हमने राम मंदिर निर्माण का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया। हालिया चुनाव भी भगवान राम के नाम पर लड़ा गया। चुनाव से पहले हम पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे जी के साथ अयोध्या गए थे। हमने मंदिर निर्माण का प्रण लिया है और मुझे लगता है कि इस बार राम मंदिर का निर्माण शुरू हो जाएगा। क्योंकि अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो देश हम पर भरोसा करना छोड़ देगा और जनता गुस्से में हमें जूतों से मारेगी। अब भाजपा के 303, शिवसेना के 18 और राजग के 350 से ज्यादा सांसद हैं, मंदिर निर्माण के लिए इससे ज्यादा क्या चाहिए?'

राकांपा प्रमुख ने कहा जनसंपर्क करना आरएसएस से सीखें

राज्य ब्यूरो, मुंबई : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार ने कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क की कला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से सीखने की सलाह दी है। राकांपा प्रमुख भी सार्वजनिक रूप से आरएसएस की आलोचना करने वाले नेताओं में शामिल रहे हैं।

लोकसभा चुनाव में पार्टी को मिली करारी हार के बाद शरद पवार इन दिनों कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें करने में व्यस्त हैं। इसी कड़ी में गुरुवार से राकांपा कार्यकर्ताओं की विभागवार बैठकें शुरू हुई हैं। पवार ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संघ की कार्यशैली की तारीफ की। कहा कि आरएसएस के लोग कैसे प्रचार करते हैं, हमें उस पर ध्यान देना चाहिए। वे अगर पांच घरों में प्रचार के लिए गए और उनमें से एक घर बंद मिला तो शाम को उस घर में फिर जाएंगे। तब भी बंद मिला तो अगली सुबह भी जाएंगे। लेकिन उस घर में जाकर ही आते हैं। पवार ने कहा कि लोकसभा में हुई पराजय से हमें सीखने की जरूरत है। हमें घर-घर जाकर लोगों से जनसंपर्क करना चाहिए। यदि आज से जनसंपर्क अभियान चलाते रहेंगे तो ऐन मौके पर दिक्कत नहीं आएगी। शरद पवार स्वयं भी इन दिनों पूरे राज्य में सूखा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं।

पीएम मोदी की मालदीव और श्रीलंका यात्रा आठ जून से

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पड़ोसियों को प्राथमिकता देने की अपनी नीति पर आगे बढ़ते हुए आठ और नौ जून को मालदीव और श्रीलंका की यात्रा करेंगे। दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी की यह पहली विदेश यात्रा होगी।

विदेश सचिव विजय गोखले ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले चरण में आठ जून को मालदीव जाएंगे। गोखले ने बताया कि 2011 के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की मालदीव की यह पहली यात्रा होगी। हालांकि, पिछले साल नवंबर में मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम सोलिह के शपथग्रहण समारोह में शामिल होने प्रधानमंत्री गए थे, लेकिन यह द्विपक्षीय यात्रा नहीं थी। विदेश सचिव ने बताया कि प्रधानंत्री वहीं से नौ जून को श्रीलंका चले जाएंगे। श्रीलंका में ईस्टर के पर्व पर हुए धमाकों के बाद होने वाली प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा का संदेश साफ है कि भारत मुश्किल घड़ी में अपने पड़ोसियों के साथ है। दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर बातचीत होगी। उल्लेखनीय है कि मोदी मौजूदा समय में विश्व के सबसे लोकप्रिय नेताओं में शुमार हैं। ट्विटर और फेसबुक पर उनके फॉलोअर्स की संख्या इसकी गवाह है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फाइल

बिश्केक में मिलेंगे मोदी-शी

बीजिंग, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की अगले हफ्ते बिश्केक में एससीओ सम्मलेन के दौरान अलग से बैठक होगी। भारत में नई सरकार के गठन के बाद दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात होगी। चीन में भारत के राजदूत विक्रम मिस्री ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एससीओ चीन के नेतृत्व वाला आठ देशों का संगठन है। भारत और पाकिस्तान को इसमें 2017 में शामिल किया गया था।

वाजपेयी का आवास '6-ए, कृष्णा मेनन मार्ग' होगा अमित शाह का नया पता

नई दिल्ली, प्रेट्र/आइएएनएस : करीब 14 साल तक पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का आवास रहा कृष्णा मेनन मार्ग पर स्थित बंगला नंबर 6-ए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का नया पता होगा। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

अटल बिहारी वाजपेयी 2004 में इस बंगले में आए थे। पिछले साल अगस्त में वाजपेयी जी के निधन के बाद उनके परिवार ने नवंबर में यह बंगला खाली कर दिया था। सूत्रों ने बताया कि अमित शाह ने हाल ही में बंगले का निरीक्षण किया था और कुछ बदलाव करने के निर्देश दिए थे। बदलाव का काम शुरू हो गया है और यह एक-दो महीने में पूरा हो जाएगा। मध्य दिल्ली में स्थित यह बंगला स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) के दायरे में आता है। इससे पहले राज्यसभा सदस्य के रूप में अमित शाह को मध्य दिल्ली में ही अकबर रोड पर बंगला नंबर-11 आवंटित किया गया था।

मालूम हो कि 2014 में मोदी के नेतृत्व वाली राजग-1 सरकार ने सत्ता संभालने के बाद फैसला लिया था कि दिल्ली में किसी नेता के अधिकार में रहा सरकारी बंगला उनके निधन के बाद स्मारक में तब्दील नहीं किया जाएगा। अटल बिहारी वाजयेपी की याद में सरकार पहले ही राष्ट्रीय समाधि स्थल के नजदीक 'सदैव अटल' के नाम से स्मारक का निर्माण करवा चुकी है।

विदेश मंत्री बोले-सार्क में हैं कुछ खास समस्याएं, बिम्सटेक में संभावनाएं

▸ एस. जयशंकर ने कहा, आर्थिक समृद्धि और क्षेत्रीय एकीकरण के लिए महत्वपूर्ण माध्यम हो सकता है बिम्सटेक

नई दिल्ली, प्रेट्र/एएनआइ : विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि भारत बिम्सटेक देशों के बीच क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने पर जोर देगा, क्योंकि सार्क को लेकर कुछ खास समस्याएं हैं। उन्होंने कहा कि सार्क (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) में समस्याएं हैं तो बिम्सटेक में संभावनाएं।

विदेश मंत्री ने एक सेमिनार में कहा कि पड़ोसी देशों और अन्य क्षेत्रों में विकासात्मक प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन उनकी प्राथमिकताओं में होगा। विदेशी मंत्री का पद संभालने के बाद अपने पहले सार्वजनिक बयान में जयशंकर ने कहा कि क्षेत्रीय कनेक्टिविटी भारत के लिए एक प्रमुख प्राथमिकता होने जा रही है और बिम्सटेक (बंगाल की खाड़ी के तटवर्ती देशों का संगठन) आर्थिक समृद्धि और क्षेत्रीय एकीकरण के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम हो सकता है। दक्षिण एशिया दुनिया का ऐसा क्षेत्र है जहां आपस की कनेक्टिविटी सबसे खराब है।

जयशंकर ने कहा कि बिम्सटेक एक सकारात्मक ऊर्जा का साक्षी बना रहा है। इसका लाभ उठाने के लिए भारत ने पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में बिम्सटेक देशों के राष्ट्राध्यक्षों को निमंत्रित करने का फैसला किया था। एक सवाल पर उन्होंने कहा कि अमेरिका-चीन के बीच जारी ट्रेड वार से भारत के लिए बेहतर अवसर पैदा हुआ है।

पाकिस्तान की तरफ इशारा करते हुए विदेश मंत्री ने कहा, 'सार्क के साथ कुछ खास दिक्कतें हैं जिसे हम सभी जानते हैं। आप आतंकवाद के मुद्दे को अलग भी कर देते हैं तो कनेक्टिविटी के मुद्दे हैं, व्यापार के मुद्दे हैं।' पाकिस्तान की तरफ से सीमा पार आतंकवाद को मिल रहे समर्थन का उल्लेख करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत का स्पष्ट मत है कि मौजूदा हालात में सार्क सम्मेलन को जारी रखना बहुत कठिन है। पिछला सार्क सम्मेलन 2014 में काठमांडू में हुआ था, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी शामिल हुए थे। 2016 में सार्क सम्मेलन इस्लामाबाद में होना था। लेकिन उसी साल 18 सितंबर को उरी में भारतीय सैन्य शिविर पर आतंकी हमले के बाद भारत ने उसका बहिष्कार किया था। भारत के समर्थन में बांग्लादेश, भूटान और अफगानिस्तान द्वारा भी बहिष्कार किए जाने के बाद सार्क सम्मेलन को ही रद करना पड़ा था। भारत पिछले कुछ वर्षों से बिम्सटेक को बढ़ावा दे रहा है।

दुनिया में भारत का कद बढ़ा

नई दिल्ली, प्रेट्र : विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि देश के लोगों ने यह माना है कि पिछले पांच साल के दौरान दुनिया में भारत का कद बढ़ा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक संतुलन आकार ले रहा है और चीन का उदय और कुछ हद तक भारत का उदय इसका सबसे सटीक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की विदेश नीति का उसकी सत्ता में वापसी में बहुत अहम योगदान रहा है।

चीनी प्रतिनिधिमंडल से मिले

नई दिल्ली, एएनआइ : चीन के एक प्रतिनिधिमंडल ने वहां की कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो सदस्य के नेतृत्व में विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। इनके बीच भारत और चीन के द्विपक्षीय और आर्थिक संबंधों पर बातचीत हुई। मुलाकात के बाद विदेश मंत्री ने ट्वीट किया, 'चीनी कम्युनिस्ट पार्टी पोलित ब्यूरो के सदस्य और गुआंगडांग पार्टी के सचिव ली क्सी से आज मिलकर खुशी हुई। द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा हुई। भारत-चीन के आर्थिक संबंधों में संतुलन बनाने के लिए गुआंगडांग से नेतृत्व करने की अपील की।'

प्रफुल्ल पटेल पेशी से रहे नदारद ईडी ने अगले हफ्ते फिर बुलाया

नई दिल्ली/मुंबई, प्रेट्र : यूपीए सरकार में नागरिक उड्डयन मंत्री रहे राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल गुरुवार को पूछताछ के लिए केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश नहीं हुए। लिहाजा, ईडी ने करोड़ों के एयर इंडिया एयरलाइंस घोटाले में पूछताछ के लिए उन्हें अगले हफ्ते फिर तलब किया है। इस बार उन्हें दस या 11 जून को पेश होने को कहा गया है।

ईडी के अधिकारियों ने बताया कि 62 वर्षीय पटेल को ईडी ने एविएशन लॉबिस्ट दीपक तलवार की कुछ अरसे पहले गिरफ्तारी के बाद तलब किया है। ईडी ने अदालत में दायर अपने आरोप पत्र में कहा है कि दीपक तलवार उनका करीबी था। उनका दावा है कि तलवार नियमित रूप से प्रफुल्ल पटेल के संपर्क में था।

सूत्रों का कहना है कि ईडी ने पहले ही इस सिलसिले में सरकारी एयरलाइंस एयर इंडिया के कई वरिष्ठ अफसरों और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के लोगों से पूछताछ की है। पटेल से गुरुवार को ईडी के समक्ष तलवार के दिए बयानों और पूछताछ के दौरान खोले कई राज के बारे में जानकारी ली जानी थी। लेकिन फिलहाल उनका बयान लिया जाना उनकी गैरहाजिरी के चलते टल गया है। राज्यसभा सदस्य प्रफुल्ल पटेल का बयान प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया जाना है।

प्रफुल्ल पटेल फाइल

इस बार उन्हें दस या 11 जून को पेश होने को कहा गया

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र की भंडारा-गोंडिया लोकसभा सीट से चार बार लोकसभा सदस्य रह चुके पटेल ने पहले कहा था कि वह नागरिक उड्डयन उद्योग की जटिलताओं को समझते हैं। वह खुशी से ईडी से सहयोग करेंगे।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता और वर्ष 2004 से 2011 तक नागरिक उड्डयन मंत्रालय संभालने वाले पटेल को फिलहाल इस मामले में बतौर आरोपित पेश नहीं किया गया है। आरोप है कि तलवार ने एमिरेट्स और एयर अरेबिया एयरलाइंस की ओर से पटेल को लिखे गए कई पत्रों को खुद ही अंतिम रूप दिया था। तलवार पर आरोप है कि अपने संपर्कों का इस्तेमाल करके उसने निजी एयरलाइनों से बहुत से फायदे लिए हैं। ईडी का दावा है कि उसने एयर इंडिया की उड़ान वाले कई व्यावसायिक रूटों को वर्ष 2008-09 के बीच अवैध रूप से एमिरेट्स, एयर अरेबिया एयरलाइंस और कतर एयरवेज की झोली में डलवा दिया था। इसके बदले में उसे 272 करोड़ रुपये की दलाली मिली थी।

दूसरे राज्यों में बंगाली लड़के साफ करते हैं फर्श, लड़कियां बार में हैं डांसर : तथागत राय

▸ मेघालय के राज्यपाल के एक ट्वीट पर बंगाल में मचा बवाल

▸ तृणमूल कांग्रेस ने मुद्दा बनाकर खोला मोर्चा, किया विरोध प्रदर्शन

जेएनएन, कोलकाता

मेघालय के राज्यपाल तथागत रॉय के एक बयान से पश्चिम बंगाल में बवाल मच गया है। रॉय ने ट्वीट कर कहा है कि बंगाल कभी महान हुआ करता था, लेकिन अब उसकी महानता चली गई है। अब बंगाली लोग अन्य राज्यों में फर्श साफ कर रहे हैं और बंगाली लड़कियां बार में डांस। वह स्कूली पाठ्यक्रम में हिंदी की अनिवार्यता को लेकर हो रहे विरोध पर गुस्सा जाहिर कर रहे थे। इसी कड़ी में उन्होंने कई ट्वीट किए। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस ने मुद्दा बनाकर रॉय के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कई जगह प्रदर्शन भी किए। उल्लेखनीय है कि तथागत रॉय पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं और लंबे समय तक भाजपा में रहे हैं। उनके भाई प्रोफेसर सौगत रॉय तृणमूल कांग्रेस पार्टी के दमदम इलाके से सांसद हैं।

तथागत ने अपने ट्विटर हैंडल से हिंदी का विरोध करने वालों पर निशाना साधते हुए कई ट्वीट किए। उन्होंने बंगालियों द्वारा हिंदी सीखने के विरोध को ज्ञान की कमी और राजनीतिक कारण बताया। रॉय ने कहा कि असम, महाराष्ट्र व ओडिशा भी गैर-हिंदी भाषी राज्य हैं, लेकिन वे लोग हिंदी का विरोध नहीं कर रहे हैं। इतना ही नहीं तर्क दे रहे हैं कि बंगाल विद्यासागर, विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भूमि है, बंगालियों को हिंदी क्यों सीखनी चाहिए? इन महापुरुषों और विपक्षियों के बीच हिंदी सीखने को लेकर क्या संबंध है? इन दिग्गजों का युग अब चला गया है और बंगाल की महानता भी चली गई है। अब हरियाणा से लेकर केरल तक बंगाली लड़के घरों में फर्श साफ कर रहे हैं और बंगाली लड़कियां मुंबई के बार में डांस कर रही हैं। अब यहां के लड़के-लड़कियां वह कर रहे हैं, जो पहले अकल्पनीय था। हालांकि, रॉय के इन ट्वीट पर कई ट्विटर यूजर ने पलटवार किया।

तथागत रॉय फाइल

उधर, तृणमूल कांग्रेस ने राज्यपाल के बयान पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने हाजरा इलाके में धरने का नेतृत्व किया। तृणमूल ने इस मामले में आगे भी प्रदर्शन जारी रखने की योजना बनाई है। आपको बता दें कि नई शिक्षा नीति के मसौदे में स्कूली शिक्षा में तीन भाषाओं को आवश्यक रूप से पढ़ाए जाने की बात कही गई है। दक्षिण भारतीय राज्यों के विरोध के बाद केंद्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि वह किसी पर भी हिंदी को थोपना नहीं चाहती। साथ ही सरकार ने स्कूली शिक्षा में हिंदी की अनिवार्यता संबंधी प्रावधान को हटा दिया है।

बंग जननी वाहिनी का प्रदर्शन : तृणमूल में गठित की गई 'बंग जननी वाहिनी' की महिला सदस्यों ने भाजपा की हिंसक राजनीति व तथागत रॉय की टिप्पणी के विरोध में हाजरा में धरना प्रदर्शन किया गया। इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए राज्य की पंचायत राज्य मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा कि ऐसे बयानों को हलके में नहीं लिया जा सकता है। राज्य की महिला विकास मंत्री शशि पांजा ने कहा कि जिस तरह से मेघालय के राज्यपाल ने महिलाओं को लेकर विवादित बयान दिया है, वो सहने योग्य नहीं है, उन्हें बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए।

राजनाथ सिंह ने दिया रक्षा खरीद में तेजी लाने का निर्देश

▸ रक्षा मंत्री ने अधिकारियों से कहा, मंत्रालय के काम में तेजी लाएं ताकि रक्षा उपकरणों के निर्यात में सक्षम हो सके देश

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

रक्षा मंत्री का कार्यभार संभालते ही राजनाथ सिंह ने काम तेजी से शुरू कर दिया है। राजनाथ सिंह ने गुरुवार को रक्षा मंत्रालय के विभिन्न अधिकारियों के साथ अहम बैठक की। रक्षा खरीद पर जानकारी लेते हुए रक्षा मंत्री ने बैठक में अधिकारियों को इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। रक्षा मंत्री ने अधिकारियों को सुझाव दिया कि मंत्रालय अपने काम में तेजी लाए ताकि देश रक्षा उपकरणों का निर्यात करने में भी सक्षम हो सके। इस बैठक में रक्षा सचिव संजय मित्रा, रक्षा अधिग्रहण विभाग के महानिदेशक (डीजी) अपूर्वा चंद्र आदि मौजूद थे।

अपूर्वा चंद्र ने अलग-अलग रक्षा खरीद की स्थिति के बारे में राजनाथ सिंह को जानकारी दी। रक्षा मंत्री ने अधिकारियों को रक्षा खरीद परिषद को मजबूती देने का निर्देश दिया है।

इस बैठक में अधिकारियों ने राजनाथ सिंह को विदेशी मित्र देशों से होने वाली रक्षा सहयोग गतिविधियों से अवगत कराया। साथ ही उन्हें तीनों सेनाओं के ट्राई सर्विस से जुड़ी भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया। रक्षा मंत्री को इस बैठक में डिफेंस साइबर एजेंसी, डिफेंस स्पेस एजेंसी और आर्म्ड फोर्स के विशेष बल की जानकारी दी गई, जिसका गठन इसी वर्ष किया गया है। अधिकीरियों ने रक्षा मंत्री को डिफेंस प्लानिंग कमिटी और उसके कामकाज की भी पूरी जानकारी दी। रक्षा मंत्री ने सहयोगी देशों के साथ होने वाले द्विपक्षीय और बहुपक्षीय युद्ध अभ्यास और उससे जुड़े नीतिगत पहलुओं पर गहन चर्चा की।

राजनाथ सिंह ने तीनों सेनाओं की हथियारों की मौजूदा जरूरत, उसका बजट, खरीद की प्रक्रिया और उसमें आने वाले व्यवधान पर अधिकारियों से बात की। याद रहे कि राफेल विमान वर्ष 2001 में चर्चा में आया था पर उसपर आखिरी मुहर पिछली सरकार के कार्यकाल में लगी थी। सिंह ने इस बैठक में भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं पर भी जानकारी जुटाई। गौरतलब है कि अभी हाल में राजनाथ सिंह सियाचिन के दौरे पर गए थे और जवानों का हौसला बढ़ाया था।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के चेयरमैन जी. सतीश रेड्डी ने गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। रक्षा मंत्री को रक्षा एवं डीआरडीओ में 'मेक इन इंडिया' पहल और इस दिशा में योगदान के बारे में बताया गया। उन्हें ए-सैट मिसाइल का माडल भी दिया गया।

कह के रहेंगे — माधव जोशी

ईडी ने विदेशी एजेंसियों से ब्रिटेन में वाड्रा की संपत्ति पर मदद मांगी

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ अपनी जांच का दायरा बढ़ा दिया है। ब्रिटेन की अपनी समकक्ष एजेंसियों से वहां स्थित वाड्रा से जुड़ी आधा दर्जन से अधिक संपत्तियों तथा संबंधित वित्तीय लेन-देन का ब्योरा साझा करने का आग्रह किया है। ईडी का दावा है कि ये संपत्तियां मनी लांड्रिंग से खरीदी गई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि ईडी ने इन संपत्तियों को खरीदने में इस्तेमाल हुए धन के प्रवाह का पता लगाने के लिए कुछ देशों की वित्तीय खुफिया इकाइयों से भी मदद मांगी है। उन्होंने कहा कि एजेंसी लंदन और आसपास के क्षेत्रों में स्थित इन अचल संपत्तियों को मनी लांड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कुर्क करने के लिए एक ब्लूप्रिंट तैयार कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के बहनोई वाड्रा से ईडी लंदन के 12, ब्रायंस्टन स्क्वायर स्थित संपत्ति के संबंध में कई बार पूछताछ कर चुकी है। एजेंसी का दावा है कि यह वाड्रा की संपत्ति है। सूत्रों ने बताया कि एजेंसी के पास सबूत हैं कि ब्रिटेन में कुछ और संपत्तियां वाड्रा से 'जुड़ी' हैं। इनमें दो मकान शामिल है। उन्होंने बताया कि संघीय मनी लांड्रिंग रोकथाम एजेंसी ने इन संपत्तियों की खरीद के लिए वाड्रा से जुड़े लोगों द्वारा साइप्रस और दुबई से किए गए गुप्त लेन-देन का पता लगाया है।

रॉबर्ट वाड्रा फाइल

सूत्रों ने कहा कि इन संपत्तियों के संबंध में वाड्रा से पूछताछ में एजेंसी को ज्यादा सुराग नहीं मिले हैं। अब वह वाड्रा से सतत पूछताछ चाहती है और उनकी अग्रिम जमानत रद कराने के लिए कोर्ट पहुंची है। पचास वर्षीय कारोबारी वाड्रा ने अपने बचाव में कहा था, 'सनसनी और अनावश्यक नाटक खड़ा करने के लिए' ईडी उन्हें बार-बार तलब कर रहा है।

संपत्ति संबंधी लेन-देन में ईडी की नजरों में एक प्रमुख संदिग्ध एनआरआइ कारोबारी सीसी थंपी है। एजेंसी ने उस पर हवाला लेन-देन तथा देश में 2017 में अवैध रूप से जमीन खरीदने का आरोप लगाया है। थंपी को अब ईडी ने वाड्रा और भगोड़ा हथियार डीलर संजय भंडारी से उसके संबंधों को लेकर पूछताछ के लिए समन जारी किया है। थंपी ने ईडी के समक्ष पेश होने के लिए कुछ और समय मांगा है और खुद के अस्वस्थ होने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि वाड्रा तथा भंडारी से जुड़े कुछ अन्य लोगों को भी समन जारी किया गया है।

आइसीआइसीआइ बैंक-वीडियोकॉन मनी लांड्रिंग में बढ़ेगा जांच का दायरा

नई दिल्ली, प्रेट्र : आइसीआइसीआइ बैंक-वीडियोकॉन मनी लांड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जल्द ही अपनी जांच का दायरा बढ़ाने जा रहा है। इसके चलते इस निजी बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर से दोबारा पूछताछ होगी। इस सिलसिले में बैंक के अन्य अफसरों से भी फिर से गहन पूछताछ की जाएगी। साथ ही संबंधित सभी आरोपितों की संपत्ति अटैच की जाएगी।

अधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि जांच एजेंसी ईडी अब कुछ अन्य बैंक अफसरों को तलब करने पर विचार कर रही है। वह चंदा कोचर के दिए बयानों के संबंध में उनसे पूछताछ करेंगे। ताकि इस सौदे को लेकर तस्वीर और साफ हो सके। सूत्रों ने यह भी बताया कि चंदा कोचर को भी जल्द ही जांच एजेंसी के समक्ष फिर से पेश होना है। चूंकि हाल ही में कुछ स्वास्थ्य कारणों और निजी प्रतिबद्धताओं का हवाला देकर उन्होंने ईडी से कुछ मोहलत मांगी थी। बताया जाता है कि चंदा कोचर को गुरुवार को ही ईडी के समक्ष पेश होना था, लेकिन वह पेश नहीं हुईं।

जनार्दन रेड्डी ने सुप्रीम कोर्ट से बेल्लारी जाने की मांगी इजाजत

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : अवैध खनन के आरोपित कर्नाटक के पूर्व मंत्री जी. जनार्दन रेड्डी ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर बेल्लारी जाने की इजाजत मांगी है। रेड्डी ने ससुर की बीमारी का हवाला दिया है। कोर्ट मामले पर शुक्रवार को सुनवाई करेगा। मालूम हो कि सुप्रीम कोर्ट ने रेड्डी को 2015 में अवैध खनन मामले में जमानत देते हुए उनके गृह नगर बेल्लारी और आंध्र प्रदेश के अनंतपुर व कडप्पा जाने पर रोक लगा दी थी।

REUNION IAS
IAS V.K.TRIPATHI PCS
राजनीति विज्ञान (Optional) 11 JUNE 2019 3:30 PM TO 6 PM
सामान्य अध्ययन-II (MAINS) सामाजिक न्याय (Social Justice) से कक्षा प्रारम्भ... 11 JUNE 2019 11:30 AM TO 2 PM
सामान्य अध्ययन-IV (MAINS) नीतिशास्त्र ETHICS 11 JUNE 2019 6:15PM TO 8:30PM
301, 307 TOP FLOOR, SATIJA HOUSE, MUKHERJEE NAGAR DELHI-9
9999421659-58

15 दिनों के भीतर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने पश्चिम बंगाल के शिक्षण संस्थानों में 22 नई शाखाएं खोल ली हैं। परिषद ने जून तक राज्यभर में 500 नई शाखाएं खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शुक्रवार 7 जून 2019

अब ममता के लिए रणनीति बनाएंगे प्रशांत किशोर

नई राह ▸ चुनावी रणनीतिकार ने बंगाल की मुख्यमंत्री से की मुलाकात

कोलकाता में करीब दो घंटे की बैठक के बाद दोनों के बीच बनी सहमति

जागरण संवाददाता, कोलकाता

ममता बनर्जी

प्रशांत किशोर (फाइल)

2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा, 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में जदयू, 2017 के पंजाब विस चुनाव में कांग्रेस और हालिया संपन्न हुए आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में वाईएसआर कांग्रेस को बड़ी जीत दिलाने वाले चुनावी रणनीतिकार एवं जनता दल युनाइटेड के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रशांत किशोर अब ममता बनर्जी के लिए चुनावी रणनीति बनाएंगे। वह 2021 में पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की जीत के लिए रास्ता बनाएंगे।

प्रशांत किशोर ने गुरुवार को राज्य सचिवालय नवान्न में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की। दोनों के बीच करीब दो घंटे बैठक चली। सूत्रों के मुताबिक इस बाबत समझौता पत्र पर हस्ताक्षर भी हो चुका है।

एक माह बाद शुरू करेंगे कार्य: प्रशांत किशोर एक माह बाद ममता बनर्जी के लिए काम शुरू करेंगे। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान उन्हें राज्य के मौजूदा परिदृश्य से अवगत कराया। दोनों में राज्य में बढ़ते भाजपा के रसूख को कम करने को लेकर अहम विषयों पर बातचीत हुई। प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री से राज्य में चल रही योजनाओं को लेकर भी बातचीत की। मुख्यमंत्री के सांसद भतीजे अभिषेक बनर्जी प्रशांत किशोर को लेकर राज्य सचिवालय पहुंचे थे।

बंगाल में भाजपा की बढ़ती ताकत है चिंता का विषय : हालिया संपन्न लोकसभा चुनाव में भाजपा ने बंगाल में 18 सीटें जीतकर तृणमूल नेतृत्व को भारी चिंता में डाल दिया है। इस ऐतिहासिक जीत के बाद अब भाजपा की नजर बंगाल की सत्ता पर है। इसके लिए भगवा दल ने तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। भाजपा ने बंगाल में विधानसभा चुनाव में 220 सीटों का लक्ष्य रखा है।

चुनावी रणनीति के माहिर खिलाड़ी हैं प्रशांत : 2014 के आम चुनाव में प्रशांत किशोर यानी पीके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्य चुनावी रणनीतिकार रहे थे। अब उन्होंने आंध्र प्रदेश में जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआर कांग्रेस की जीत में अहम भूमिका निभाई है। अब भाजपा और जदयू के बीच कुछ दूरियां बढ़ीं हैं। राजनीतिक रूप से बदले समीकरण के बीच प्रशांत की ममता से मुलाकात के और भी सियासी मायने हो सकते हैं।

जदयू ने कहा-प्रशांत किशोर की ममता से मुलाकात की जानकारी नहीं

जनता दल युनाइटेड (जदयू) ने ममता बनर्जी एवं प्रशांत किशोर की मुलाकात की जानकारी होने से इन्कार किया है। गौरतलब है कि प्रशांत किशोर जदयू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। जदयू के प्रवक्ता अजय आलोक ने कहा- 'ममता से प्रशांत किशोर की मुलाकात की पार्टी को कोई जानकारी नहीं है। वे क्यों मिले? उनमें क्या बातचीत हुई? इस बारे में प्रशांत किशोर ही स्पष्ट कर सकते हैं। अजय आलोक ने हालांकि यह जरूर कहा कि किसी भी पार्टी का चुनावी रणनीतिकार बनने के लिए प्रशांत किशोर को जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष की अनुमति लेनी पड़ेगी।

बंगाल में भाजपा के विजय जुलूस पर लगाई रोक

जासं, कोलकाता : ममता बनर्जी ने बंगाल में भाजपा के सभी तरह के विजय जुलूस निकालने पर रोक लगाने का निर्देश जारी कर दिया। यही नहीं, राज्य के पुलिस महानिदेशक वीरेंद्र के साथ पूरे पुलिस महकमा को विजय जुलूस की इजाजत नहीं देने और इस पर कड़ी नजर रखने का निर्देश भी जारी कर दिया। इसकी जानकारी खुद ममता ने दी। वह गुरुवार को उत्तर 24 परगना जिले के निमता स्थित पार्टी नेता निर्मल कुंडू के घर पहुंची थीं, जिनकी गत चार जून को गोली मार कर हत्या कर दी गई है। मुख्यमंत्री के साथ ही सीआइडी और पुलिस के अधिकारी भी मौजूद थे। ममता ने कुंडू के परिजनों से मुलाकात करने के बाद कहा, भाजपा ने पैसों के बल पर 18 सीटें जीती हैं। भाजपा बंगाल की सत्ता पर काबिज नहीं हुई है, जो चुनाव परिणाम आने के 14 दिन बीत जाने के बाद भी विजय जुलूस निकाल रही है। उन्होंने कहा कि मनाही के बावजूद कहीं विजय जुलूस निकाला गया और हिंसा हुई तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ममता बनर्जी की मौजूदगी में काजी ने दी मुस्लिम समुदाय को नसीहत

जागरण संवाददाता, कोलकाता

- मुस्लिम उपदेशक काजी फजलुर रहमान ने कहा–इस या उस पार्टी पर निर्भर ना रहें
- बोले–अपने भीतर झांकिए, अल्लाह पर कीजिए भरोसा
- एनआरसी पर चेताया, नफरत करने वालों से भी कीजिए प्यार

पश्चिम बंगाल में ईद के मौके पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ अल्पसंख्यक आबादी से बातचीत में मुस्लिम उपदेशक काजी फजलुर रहमान ने उन्हें किसी भी राजनीतिक पार्टी पर निर्भर न रहने की नसीहत दी।

गौरतलब है कि हर बार ईद के मौके पर मौलाना रहमान समुदाय विशेष के लोगों को संबोधित करते हैं। इस बार ममता बनर्जी भी उनके साथ मंच पर थीं। अल्पसंख्यक समुदाय को संबोधित करते हुए रहमान ने किसी भी राजनीतिक पार्टी या किसी व्यक्तिगत राजनेता का नाम नहीं लिया। हालांकि, जिस किसी ने भी उनके संबोधन को सुना, उसने यह जरूर कहा कि पहली बार समुदाय विशेष के नेता ने समाज के भविष्य की झलक दिखाने की कोशिश की।

अपने संबोधन में रहमान ने कहा कि अपने अधिकारों की रक्षा के लिए इस या उस पार्टी पर निर्भर ना रहें। इस समय कई ऐसे लोग आगे आए हैं, जिनके पास एक प्लान और एजेंडा है और यह समुदाय के पक्ष में नहीं है। मैंने सुना है कि कई मुस्लिम कहते हैं कि यह पार्टी हमारे हितों की रक्षा करेगी या फिर वह पार्टी हमारे विकास के लिए काम करेगी। कोई नहीं करेगा। आपने देखा है कि क्या हुआ है। खुद के भीतर झांकिए और अल्लाह में विश्वास कीजिए। आज कई अहम पदों पर ऐसे लोग बैठे हैं जो किसी खास प्लान और अजेंडा से काम कर रहे हैं। वे आपकी हर गतिविधि पर नजरें टिकाए हैं। गृह मंत्री (अमित शाह) ने पहले से ही कहा हुआ है कि बंगाल में एनआरसी लागू करेंगे। आप अपने व्यवसाय और बच्चों की शिक्षा पर ध्यान दीजिए।

उन्होंने आगे कहा, यदि कोई आपसे नफरत करता है या फिर हिंसक है तो आप उससे उलझिए मत। उसे फूल दीजिए। इस्लाम ने हमें यही सिखाया है। विचारधारा के स्तर पर कोई आपका विरोध करता है तो आप उसकी तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाइए। ऐसा कोई नियम नहीं है कि जो हमारा विरोध करता है हम उससे हाथ ना मिलाएं या उसके साथ मिलकर ना रहें। यह मत भूलिए कि हम इस देश के नागरिक हैं और यहां हमारा बराबर का अधिकार है।

2011 में भी तृणमूल को चेताया था : बता दें कि 2011 में भी रहमान ने सत्तारूढ़ तृणमूल को चेताते हुए कहा था कि वह समाज विशेष के लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह समर्पित नहीं दिख रही है, जबकि इस समाज के मतदाताओं की बदौलत वह सरकार में आई है। माना जा रहा है कि ईद के मौके पर ममता की मौजूदगी में रहमान ने इस पार्टी और उस पार्टी के बयान के जरिये अप्रत्यक्ष रूप से तृणमूल को भी कड़ा संकेत दिया है।

तेल देखो और तेल की धार... राजनीति में कुछ भी संभव

हरियाणा की दस लोकसभा सीटों पर हुई हार के बाद कांग्रेस में घमासान मचा हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा समर्थक विधायक जहां इस हार में संगठन की कमी को अहम कारण मान रहे, वहीं उन्होंने मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर को पद से हटाने की मुहिम भी तेज कर रखी है। अब अगली लड़ाई अक्टूबर में होने वाले विधानसभा चुनाव में नेतृत्व संभालने को लेकर है। कांग्रेस प्रभारी गुलाम नबी आजाद की मौजूदगी में अशोक तंवर जब यह कहें कि मुझे गोली मार दो और हुड्डा समथर्क कहें कि तंवर ने कांग्रेस को रसातल में पहुंचा दिया तो जाहिर है कि सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। तमाम घटनाक्रम के बीच हुड्डा ने नौ जून को दिल्ली में अपने खास समर्थकों की बैठक बुला ली है। चंडीगढ़ पहुंचे हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री **भूपेंद्र सिंह हुड्डा** से दैनिक जागरण के स्टेट ब्यूरो प्रमुख **अनुराग अग्रवाल** ने तमाम मसलों पर बातचीत की। पेश है प्रमुख अंश :

इंटरव्यू

● **दस साल सत्ता में रही कांग्रेस सभी दस लोकसभा सीटें हार गई। इसकी कोई खास वजह?**

- कांग्रेस अकेले हरियाणा में चुनाव नहीं हारी। कई राज्यों में कांग्रेस को पराजय का सामना करना पड़ा। जनतंत्र में हार जीत लगी रहती है। देश और प्रदेश के लोग भाजपा के छद्म राष्ट्रवाद को समझ नहीं पाए और भावना में बह गए।

● **समीक्षा बैठकों में आपके समर्थक विधायक कह रहे हैं कि संगठन की कमी की वजह से कांग्रेस हारी?**

- कांग्रेस प्रभारी ने अभी तक दो बैठकें ली हैं। संगठन की कमी भी हार का एक कारण रही है। अकेले संगठन की कमी को दोष नहीं दिया जा सकता। यह पहला चनाव है, जिसमें बहुमत से जीत के बावजूद सिर्फ भाजपा दफ्तरों में जश्न मना। आम लोगों के दिलों में पटाखे नहीं बजे। यह भाजपा के छद्म राष्ट्रवाद का बड़ा उदाहरण है।

● **आपके विधायक लगातार अशोक तंवर को बदलने की मांग कर रहे हैं। क्या इस बदलाव से पार्टी में कोई जान आ सकती है?**

- संगठन की बैठकों में सब लोग अपनी-अपनी बात रखते हैं। कुछ विधायकों ने अपनी बात रखी। प्रदेश नेतृत्व में बदलाव का फैसला हाईकमान को करना है। हमने इसका अधिकार राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंप रखा है।

● **प्रदेश अध्यक्ष पद की लड़ाई कांग्रेस में बरसों से चल रही। कांग्रेस आपकी बात पर गौर नहीं कर रहा। अब आप अलग बैठक कर रहे हैं?**

- अक्टूबर में विधानसभा चुनाव हैं। हाल ही में लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार हुई है। हार की समीक्षा और नए सिरे से चुनाव जीतने की रणनीति पर चर्चा होगी। नौ जून को दिल्ली में होने वाली बैठक में यही दो बिंदु हैं, जिन पर चर्चा होगी। मैंने अपने खास कार्यकर्ताओं को इस बैठक के लिए बुलाया है।

● **चर्चा है कि इस बैठक में आप हाईकमान पर दबाव बनाने के लिए कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। कहीं अलग डंडे और झंडे का इरादा तो नहीं?**

- यह मीडिया के ख्याली पुलाव हैं। कांग्रेस पार्टी मेरी मां है। हम चर्चा करेंगे कि आखिर किन कमियों की वजह से लोकसभा चुनाव में हार हुई, ताकि विधानसभा चुनाव में उन्हें दूर किया जा सके। कांग्रेस को सत्ता में लाना हमारा लक्ष्य है।

● **पूर्व केंद्रीय मंत्री विनोद शर्मा, गोपाल कांडा और अशोक अरोड़ा सरीखे नेताओं के आपके संपर्क में होने की खबरें आ रही हैं। क्या कोई नई खिचड़ी पक रही है?**

- मुझसे हर पार्टी के लोग मिलते हैं। मैं हर पार्टी के लोगों से मिलता हूं। इसका मतलब यह नहीं कि सब मेल जोल राजनीतिक वजह से ही होते हैं। भाजपा वाले भी मुझे मिलते हैं। मैं प्रधानमंत्री से मिलता रहता हूं।

● **भाजपा ने सभी दस सीटें जीत लीं। विधानसभा की 79 सीटों पर उसे बढ़त मिल रही है। भाजपा को रोकने के लिए कोई खास रणनीति?**

- राजनीति में कभी भी और कुछ भी संभव है। बसपा का गठबंधन पहले इनेलो से और अब लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी से टूट चुका है। कांग्रेस के साथ महागठबंधन की बातें भी चली थी। तेल देखो और तेल की धार...भविष्य में कुछ भी संभव है। यह राजनीति है।

● **कांग्रेस और इनेलो के बेहद पुराने राजनीतिक मतभेद रहे। इसके बावजूद चौटाला ने पिछले दिनों दीपेंद्र हुड्डा की तारीफ की। इसका क्या मतलब निकाला जाए?**

- आपको सिर्फ मुद्दा चाहिए। मेरे बच्चे चौटाला साहब के बच्चों जैसे हैं और चौटाला साहब के बच्चे मेरे बच्चों जैसे हैं। रिश्तों को राजनीति की तराजू में नहीं तोला जाता। चौटाला से मेरे राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, मगर पारिवारिक मतभेद नहीं हैं।

● **तो क्या यह मान लिया जाए कि 9 जून के बाद कांग्रेस में बदलाव और भाजपा के खिलाफ महागठबंधन की नींव पड़ सकती है?**

- हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। गठबंधन की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता। वर्कर पूरी मजबूती से काम करेंगे।

● **चर्चा है कि कांग्रेस की बैठक में अशोक तंवर ने तंग आकर कह दिया था कि मुझे गोली मार दो?**

- दरअसल, मीडिया को पूरी बात पता नहीं होती। कुलदीप शर्मा ने बैठक में कहा कि तंवर ने हार की समीक्षा के लिए जो बैठक बुलाई, उसकी मुझे तक जानकारी नहीं दी गई। इसमें क्या गलत कहा। एक विधायक ने कहा कि संगठन कमजोर है। जिला व ब्लॉक कार्यकारिणी नहीं बनी। इन सवालों का सीधा जवाब देने की बजाय अगर कोई अनर्गल बात करने लगे तो क्या किया जाए।

कमलनाथ के भांजे को 'वीआइपी सुविधा' पर सियासी बवाल

नईदुनिया, उज्जैन

गत चार जून को देव दर्शन करने उज्जैन आए मुख्यमंत्री कमलनाथ के भांजे रतुल पुरी व अन्य परिचितों को कथित 'वीआइपी सुविधा' दिए जाने को लेकर सियासी बवाल खड़ा हो गया है। मामले में भाजपा ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा है कि वीआइपी संस्कृति कांग्रेस की है। उधर, कांग्रेस ने भाजपा पर सरकार को बदनाम करने का आरोप लगाते हुए सफाई दी है।

गौरतलब है कि चार जून को रतुल पुरी अपनी पत्नी और परिचित कैप्टन अरुण कुमार के साथ उज्जैन देव दर्शन करने पहुंचे थे। सभी विशेष विमान से दताना-मताना हवाई पट्टी पर उतरे थे। इसके बाद महाकाल मंदिर में अभिषेक-पूजन के साथ मंगलनाथ मंदिर में भात पूजा करवाने गए। इस दौरान उनके साथ एक शासकीय एंबुलेंस, एक डॉक्टर तथा सुरक्षा के लिए पुलिस उपनिरीक्षक थे। रतुल पुरी किसी संवैधानिक पद पर नहीं हैं। इसके बावजूद उनको ये सुविधाएं देने को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल पड़ी। बाद में मामले ने सियासी रंग भी ले लिया। गौरतलब है कि राजकीय अतिथियों को प्रोटोकॉल के तहत ऐसी सुविधाएं सरकार की ओर से उपलब्ध कराई जाती हैं। हालांकि, एंबुलेंस व डॉक्टर की सुविधा आम व्यक्ति भी निश्चित राशि के भुगतान के बाद रोगी कल्याण समिति में आवेदन कर प्राप्त कर सकता है।

कांग्रेस का स्पष्टीकरण : मामले में कांग्रेस की ओर से स्पष्टीकरण आया है। शहर कांग्रेस प्रवक्ता विवेक गुप्ता ने बताया कि रतुल पुरी और उनके साथ मौजूद परिचितों के लिए हर तरह की औपचारिकताएं पूरी की गई थीं। हवाई पट्टी के उपयोग के लिए लोक निर्माण विभाग में पांच हजार रुपये, एंबुलेंस के लिए रोगी कल्याण समिति में एक हजार रुपये और मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश के लिए तय राशि की रसीद कटवाई गई थी। इसके बाद इन सुविधाओं का उपयोग किया गया था। इसके साथ ही सुरक्षा के लिए एसपी को आवेदन भी दिया गया था। गुप्ता ने रसीद की कॉपी मीडिया को भी उपलब्ध कराई है।

भाजपा ने लगाया आरोप : इस पूरे मामले में भाजपा ने कांग्रेस को घेरा है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता राजपाल सिंह सिसौदिया ने कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश से वीआइपी संस्कृति खत्म कर रहे हैं और दूसरी ओर प्रदेश में मुख्यमंत्री के रिश्तेदारों को वीआइपी ट्रीटमेंट दिया गया है।

हरियाणा में भाजपा का विजय रथ रोकने के लिए दीपेंद्र पर दांव खेल सकती है कांग्रेस

बिजेंद्र बंसल, नई दिल्ली

दीपेंद्र हुड्डा (फाइल)

लोकसभा चुनाव में हार के बाद हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा समर्थक नेता राज्य कांग्रेस में अपने वर्चस्व को लेकर आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे। इसके तहत पार्टी हाईकमान के समक्ष लोकसभा चुनाव में सबसे ज्यादा मत लेने वाले पूर्व सांसद दीपेंद्र हुड्डा का नाम प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए रखा जा सकता है। दीपेंद्र को राज्य कांग्रेस का ऐसा चेहरा पेश किया जाएगा जो भाजपा के विजय रथ को रोक सकता है। इसके लिए हुड्डा समर्थकों ने रणनीति तो तैयार कर ली है। इसका एलान 9 जून को नई दिल्ली में हुड्डा निवास पर होने वाली बैठक में किया जा सकता है। मौजूदा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर के खिलाफ हुड्डा गुट का यह अंतिम प्रयास होगा। इसके बाद भी यदि कांग्रेस आलाकमान ने हुड्डा गुट को राज्य में एकतरफा पार्टी नेतृत्व नहीं सौंपा तो पूर्व सीएम समर्थक अपनी राह भी बदल सकते हैं।

तंवर के खिलाफ राहुल गांधी को भी पत्र भेजेंगे दहिया : सोनीपत के राई हलके से कांग्रेस विधायक जयतीर्थ दहिया अब पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को भी प्रदेशाध्यक्ष डॉ.अशोक तंवर के खिलाफ शिकायत भेजेंगे। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को यह पत्र राहुल गांधी को भेज दिया जाएगा। दहिया ने मंगलवार को 15 गुरुद्वारा रकाबगंज रोड स्थित पार्टी कार्यालय में हुई प्रदेश नेताओं की बैठक के बाद प्रदेशाध्यक्ष डॉ.अशोक तंवर द्वारा अपशब्द कहे जाने का पूरा वृतांत पहले ही प्रदेश प्रभारी राष्ट्रीय महासचिव गुलाम नबी आजाद को दिया हुआ है। दहिया ने कांग्रेस आलाकमान को अल्टीमेटम दिया है कि यदि प्रदेशाध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो वे न सिर्फ पार्टी से त्यागपत्र देंगे बल्कि पार्टी मुख्यालय के खिलाफ धरना भी देंगे।

गोली मारने के प्रकरण पर होने लगी राजनीति : मंगलवार को हुई कांग्रेस की बैठक के दौरान पूर्व विधानसभाध्यक्ष कुलदीप शर्मा के साथ वाद-विवाद में प्रदेशाध्यक्ष अशोक तंवर ने यहां तक कह दिया कि था कि अनुसूचित जाति का होने के कारण उन्हें दबाया जा रहा है। पहले भी उन पर जानलेवा हमला हो चुका है। लोकसभा चुनाव में हार का ठीकरा उन पर फोड़ने की बजाय तो उन्हें गोली मार दें। कुलदीप ने भी तब कह दिया था कि उनकी करनाल की समीक्षा बैठक में बेइज्जती की गई जबकि उन्हें उस बैठक में बुलाया भी नहीं गया था। गोली मारने के जवाब में भी शर्मा और तंवर के बीच तू-तू, मैं-मैं हुई थी। अब दिल्ली के कांग्रेस नेताओं के बीच यह मामला और गंभीरता लेता जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि तंवर ने कांग्रेस में अनुसूचित जाति के कुछ बड़े नेताओं से भी हुड्डा समर्थकों की टिप्पणियों के खिलाफ संपर्क किया है। 9 जून को नई दिल्ली में हुड्डा समर्थकों के शक्ति प्रदर्शन से पहले कांग्रेस के अनुसूचित जाति के नेता भी राहुल गांधी से तंवर के समर्थन में मिल सकते हैं।

चित्रकोट विस सीट भी हुई खाली, दो सीटों पर उपचुनाव की तैयारी

नईदुनिया, रायपुर : छत्तीसगढ़ की छह महीने पहले गठित विधानसभा की दो सीटें खाली हो गई हैं। दोनों ही सीटें बस्तर संभाग की हैं। इनमें दंतेवाड़ा विधानसभा सीट विधायक भीमा मंडावी की मौत के कारण खाली हुई है, जबकि दूसरी चित्रकोट सीट विधायक दीपक बैज के इस्तीफा देने की वजह से खाली हुई है। इन दोनों सीटों पर उपचुनव होंगे। नियमानुसार सीट खाली होने के छह महीने में भीतर उपचुनाव कराया जाना है। ऐसे में सितंबर में दोनों सीटों के लिए एक साथ उपचुनाव कराए जा सकते हैं।

चित्रकोट विधानसभा सीट से विधायक चुने गए कांग्रेस के दीपक बैज अब बस्तर के सांसद बन गए हैं। इस वजह से उन्होंने छत्तीसगढ़ विधानसभा से इस्तीफा दे दिया है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा से अशोक चंदेल की सदस्यता समाप्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सामूहिक हत्या के आरोप में चंदेल को मिली है सजा

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर से विधायक अशोक कुमार चंदेल की सदस्यता समाप्त कर दी गई है। चंदेल की सदस्यता 19 अप्रैल से समाप्त मानी जाएगी। 22 साल पहले हुई सामूहिक हत्या के आरोप में चंदेल को आजीवन कारावास की सजा 19 अप्रैल को सुनाई गई थी। इससे हमीरपुर में भी उप चुनाव होना तय हो गया है। 11 विधायकों के सांसद बन जाने के बाद अब कुल 12 विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव होगा।

हाई कोर्ट के फैसले का संज्ञान लेते हुए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आवश्यक औपचारिकता पूरी किये जाने के बाद विधानसभा सचिवालय ने गुरुवार को चंदेल की सदस्यता निरस्त होने के कारण विधानसभा में उनका स्थान रिक्त घोषित कर दिया। संबंधित अधिसूचना के मुताबिक यह स्थान 19 अप्रैल, 2019 से रिक्त माना जाएगा। हमीरपुर के भाजपा विधायक अशोक कुमार सिंह चंदेल को 22 वर्ष पहले हुए सामूहिक हत्याकांड के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सहारनपुर के गंगोह, अलीगढ़ के इगलास, फीरोजाबाद के टुंडला, प्रतापगढ़, कानपुर के गोविंदनगर, चित्रकूट के मानिकपुर, बाराबंकी के जैदपुर, लखनऊ की कैंट और बहराइच के बलहा विधानसभा क्षेत्र के सदस्यों के लोकसभा सदस्य बनने के बाद यहां उप चुनाव होगा।

रमन के पुत्र अभिषेक पर चिटफंड घोटाले की आंच

नईदुनिया, अंबिकापुर : छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के पुत्र और राजनांदगांव सीट से सांसद रहे अभिषेक सिंह चिटफंड घोटाले में घिरते नजर आ रहे हैं। अंबिकापुर की जिला कोर्ट ने अभिषेक व अन्य भाजपा नेताओं समेत 20 लोगों के खिलाफ दर्ज परिवाद में पुलिस को जांच कर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। परिवाद में अभिषेक समेत अन्य पर चिटफंड कंपनी के संचालक मंडल में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। लुंड्रा थाना प्रभारी प्रफुल्ल नरेश तिग्गा ने बताया कि ग्राम सुमेरपुर निवासी ज्ञान दास चिटफंड कंपनी अनमोल इंडिया में बतौर अभिकर्ता काम करता था। उसने खुद भी राशि जमा की गई थी। अवधि पूरी होने पर कंपनी ने रकम वापस नहीं की। इसके बाद ज्ञान दास ने वकील के माध्यम से जिला व सत्र न्यायाधीश बीपी वर्मा की कोर्ट में परिवाद दायर किया।

शाह के साथ तैयार होगा चुनाव का खाका

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

- हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा कोर ग्रुप की बैठक रविवार को
- 90 में से 67 सीटें जीतने का लक्ष्य किया जाएगा तय

लोकसभा चुनाव में हरियाणा की सभी दस सीटों पर जीत के बाद भाजपा अब विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। इसका खाका 9 जून को नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में होने वाली प्रदेश भाजपा कोर ग्रुप की बैठक में खुद पार्टी अध्यक्ष अमित शाह बनाएंगे। बैठक में ही राज्य विधानसभा की 90 में से 67 सीट जीतने का लक्ष्य तय किया जाएगा। इस लक्ष्य को साधने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ प्रदेश के उन मुद्दों पर भी चर्चा होगी जो चुनाव के दौरान उठ सकते हैं।

इससे पहले मुख्यमंत्री मनोहर लाल की शाह से अलग बैठक भी तय की गई है। इसलिए मुख्यमंत्री फरीदाबाद में कार्यकर्ताओं के अभिनंदन समारोह से 11 बजे तक नई दिल्ली पहुंच जाएंगे।

प्रदेश भाजपा कोर ग्रुप में पार्टी के प्रदेश प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव डॉ. अनिल जैन, मुख्यमंत्री मनोहर लाल, प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला, केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह, रतन लाल कटारिया और कृष्णपाल गुर्जर सहित प्रदेश के मंत्री रामबिलास शर्मा, कैप्टन अभिमन्यु, ओमप्रकाश धनखड़, अनिल विज सहित पार्टी के तीनों महामंत्री भी शामिल हैं। इस बार पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह इस बैठक में हिस्सा लेंगे या नहीं, यह तय नहीं है, क्योंकि पहले उन्हें केंद्र में मंत्री होने के नाते बुलाया जाता था। हालांकि पार्टी सूत्र बताते हैं कि बीरेंद्र सिंह को भी बैठक में हिस्सा लेने के लिए निमंत्रण भेजा जाएगा।

शाह ने ही तैयार किया था लोकसभा चुनाव का खाका : लोकसभा चुनाव से पहले अमित शाह ने ही हरियाणा भवन में प्रदेश की लोकसभा चुनाव समिति के साथ राज्य की सभी दस सीटों पर जीत दर्ज करने का खाका तैयार किया था। तब शाह ने प्रदेश के नेताओं को इस बात को लेकर भी हड़काया था कि उनकी बूथ स्तर पर तैयारी रखने के अलावा संगठन को प्रदेश में एक राजनीतिक मुद्दा अवश्य खड़ा करना चाहिए। शाह के बाद प्रदेश प्रभारी अनिल जैन ने गुरुग्राम में कोर कमेटी की बैठक में लोकसभा चुनाव की तैयारियों को राष्ट्रीय अध्यक्ष के अनुरूप अंतिम रूप दिया था।

मजबूत इरादे

विजन डाक्यूमेंट को लेकर भोपाल में अलख जगा रहे पूर्व मुख्यमंत्री, एनसीआर की तर्ज पर भोपाल मेट्रोपोलिटन रीजन की तैयारी में जुटे

चुनाव हारने के बाद भी भोपाल में सक्रिय हैं दिग्विजय

नईदुनिया, भोपाल

दिग्विजय सिंह (फाइल)

देशभर में चर्चित रही हाईप्रोफाइल मध्य प्रदेश की भोपाल लोकसभा सीट से चुनाव हारने के बाद भी पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह राजधानी में डटे हुए हैं। चुनाव के दौरान उन्होंने एलान किया था कि वह भोपाल नहीं छोड़ेंगे। यही कारण है कि संसदीय क्षेत्र में वह लगातार सक्रिय हैं और अपने 'विजन डाक्यूमेंट' को जमीन पर उतारने व विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बनाने में जुटे हैं। इसके साथ उन्होंने अब निकाय चुनाव की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। दिग्विजय सिंह के बंगले पर इन दिनों सुबह से रात तक सैकड़ों की संख्या में मुलाकातियों की भीड़ उमड़ रही है।

एनसीआर की तर्ज पर 'बीएमआर' : पिछले पखवाड़े 23 मई को नतीजे घोषित होने के बाद एक दिन बाद ही दिग्विजय फिर मैदान में उतर गए और मायूस कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाते देखे गए। उन्होंने चुनाव के दौरान ही घोषित किया था कि भोपाल नहीं छोड़ूंगा। हाल ही में दिग्विजय ने नेशनल कैपिटल रीजन (एनसीआर) की तर्ज पर भोपाल मेट्रोपोलिटन रीजन (बीएमआर) बनाने के लिए मुख्यमंत्री कमलनाथ से एलान करा दिया। इसके तहत भोपाल के आसपास सैटेलाइट टाउन विकसित करने की कार्ययोजना पर काम शुरू कराया जा रहा है। इस सप्ताह उन्होंने मामले से जुड़े सभी मंत्रियों और विधायकों को बुलाकर समन्वय के साथ इस योजना पर काम की जरूरत बताई। इनमें से एक प्रमुख नगरीय विकास एवं आवास विभाग दिग्विजय के पुत्र जयवर्धन सिंह के पास ही है।

सैटेलाइट टाउन और कॉरिडोर : बताया जाता है कि भोपाल के विकास की इस योजना के तहत भोपाल-रायसेन, भोपाल-विदिशा, भोपाल-सीहोर और भोपाल-औबेदुल्लागंज के बीच सैटेलाइट टाउन और कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे। मुख्य सड़कों के किनारे एजुकेशन हब, लॉजिस्टिक हब, मेडिकल हब, एग्रीकल्चर हब और फिल्म सिटी हब बनाने की परिकल्पना को जमीन पर उतारने के लिए वह तेजी से जुट गए हैं। दिग्विजय पूरी तरह भोपाल संसदीय क्षेत्र में ही सक्रिय है। हाल ही में उन्होंने राजधानी के कोचिंग क्लास संचालकों और छात्रों को बुलाकर भावी योजनाओं पर चर्चा की। गैर सरकारी संस्थाओं के संचालक, मठ-मंदिर व ट्रस्ट, नर्मदा परिक्रमा पथ और न्यास को लेकर भी अधिकारियों की बैठक बुलाकर कामकाज की समीक्षा कर दी। राजधानी के आसपास जलसंकट वाले क्षेत्रों आष्टा, सीहोर और बैरसिया में भी दिग्विजय फेरी लगा चुके हैं। उनकी पत्नी अमृता सिंह ने भी बुधवार को शहर के जलसंकट वाले क्षेत्रों का दौरा किया।

शुरू कराएंगे औबेदुल्ला खां हॉकी टूर्नामेंट : भोपाल की पहचान रहे औबेदुल्ला खां हॉकी टूर्नामेंट को पुनः शुरू कराने को लेकर भी उन्होंने प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसका आयोजन ऐशबाग स्टेडियम अथवा स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) में कराएं, इसको लेकर चर्चा चल रही है। चुनाव के बाद आई पहली ईद पर तो सुबह साढ़े छह बजे से ईदगाह से जो बधाई देने का सिलसिला शुरू हुआ, वह पूरे शहर में रात 11 बजे तक चलता रहा। इस दौरान शहर काजी, मुफ्ती, शहर के दोनों मुस्लिम विधायक और पार्षदों के घर भी वह मीठी सिवईयों के साथ बधाइयां देते रहे। इस दौरान कई जगह मुख्यमंत्री कमलनाथ, मंत्री पीसी शर्मा, विधायक और स्थानीय कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। दिग्विजय के करीबी बताते हैं कि पिछले एक सप्ताह से बंगले पर दिनभर मुलाकातियों की भीड़ उमड़ रही है। उनका कहना है कि लोग निकाय चुनावों में टिकट पाने के लिए जुगत लगा रहे हैं।

जैन बोले–कमलनाथ सरकार चल नहीं पा रही, अपनी गलती से गिरेगी

नईदुनिया, भोपाल

- भाजपा राष्ट्रीय महासचिव ने कहा, साध्वी प्रज्ञा का मामला पार्टी की अनुशासन समिति के पास
- छत्तीसगढ़ में बदलापुर वाली सरकार चलने का लगाया आरोप

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अनिल जैन ने आरोप लगाया है कि मध्य प्रदेश में वादाखिलाफी और लूट की सरकार चल रही है। लोकसभा चुनाव में मोदी लहर के साथ राज्य सरकार के खिलाफ जनाक्रोश के चलते मप्र की 29 में से 28 सीटें भाजपा को मिलीं। कमलनाथ सरकार चल नहीं पा रही, वह अपनी गलती से ही गिरेगी। सरकार गिराने में भाजपा को भरोसा नहीं।

राजधानी प्रवास पर आए जैन ने एक सवाल के जवाब में बताया कि गांधीजी के हत्यारे नाथूराम गोडसे पर साध्वी प्रज्ञा ठाकुर के विवादास्पद बयान का मामला पार्टी की अनुशासन समिति को सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि वैसे साध्वी ने ट्वीट कर माफी मांग ली थी। गलती का प्रायश्चित करने के लिए उन्होंने 21 प्रहर का उपवास भी रखा। उन्होंने अपनी गलती भी मान ली है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मप्र में ट्रांसफर उद्योग चल रहा है। इतने कम समय की सरकार पर जनता को गुस्सा आया और यही कारण है कि प्रदेश की 29 में से 28 लोकसभा सीट भाजपा ने जीत ली।

छत्तीसगढ़ सरकार पर भी साधा निशाना : अनिल जैन ने छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वहां बदलापुर वाली सरकार चल रही है। छग सरकार ने अपना सारा ध्यान पूर्ववर्ती रमन सरकार और अधिकारियों से बदला लेने में लगाया। यही कारण है कि वहां भी लोकसभा चुनाव में 11 में से नौ सीटें भाजपा के खाते में गईं। प्रदेश संगठन में बदलाव से इनकार कर बोले कि अभी इसकी जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि कश्मीर, नक्सली, एनआरसी, पुलिसिंग, आंतरिक अथवा बाह्य सुरक्षा जैसे हर मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह का पूरा ध्यान है।

50 लाख रुपये जुर्माना वसूलेगी हिमाचल प्रदेश सरकार पवन हंस कंपनी से। ऐसा कंपनी द्वारा तीन माह से हेलीकॉप्टर सेवा मुहैया नहीं कराने के कारण किया जा रहा है। यह जुर्माना परफार्मेंस गारंटी के तौर पर लगाया जाएगा।

ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर लगे खालिस्तान जिंदाबाद के नारे

हिमाकत ▶ श्री अकाल तख्त साहिब के कौम के नाम संदेश पर भड़का विवाद

गर्मख्याली सिख संगठनों के कार्यकर्ताओं ने हवा में लहराईं तलवारें

जागरण संवाददाता, अमृतसर

ऑपरेशन ब्लू स्टार की 35वीं बरसी पर गुरुवार को श्री अकाल तख्त साहिब के कार्यवाहक जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह के कौम के नाम संदेश देने के बाद विवाद बढ़ गया। गर्मख्याली सिख संगठनों के कार्यकर्ताओं ने खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते हुए हवा में नंगी तलवारें लहराईं और खालिस्तान का झंडा फहराया। हाथापाई और धक्कामुक्की के बीच जत्थेदार ध्यान सिंह मंड के समर्थकों ने बैरिकेड तोड़ दिए। कुछ लोगों की पगड़ियां भी उतर गईं।

गुरुवार सुबह श्री अकाल तख्त साहिब पर श्री अखंड पाठ साहिब के भोग डाले गए। ऑपरेशन ब्लू स्टार में जान गंवाने वाले लोगों की आत्मिक शांति के लिए अरदास की गई। श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने पहली बार संक्षेप में सिर्फ तीन पंक्तियों में कौम के नाम संदेश दिया और जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को सम्मानित किया। हालात उस समय बिगड़ गए जब सरबत खालसा के जत्थेदार ध्यान सिंह मंड ने कौम के नाम अपना संदेश पढ़ना शुरू किया। एसजीपीसी कर्मियों ने श्री हरिमंदिर साहिब में चल रहे कीर्तन के स्पीकरों की आवाज ऊंची कर दी ताकि जत्थेदार मंड का संदेश संगत न सुन सके।

एसजीपीसी के सचिव मंजीत सिंह ने ध्यान सिंह मंड को संदेश पढ़ने से रोका तो मंड समर्थक भड़क गए। वे खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने लगे। इसके बाद श्रद्धांजलि देने पहुंचे अकाली दल (अमृतसर) के अध्यक्ष सिमरनजीत सिंह मान के भाषण में अवरोध पर उनके समर्थकों ने खालिस्तान के झंडे लहराए। श्री अकाल तख्त साहिब के कार्यवाहक जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह और एसजीपीसी के अध्यक्ष गोबिंद सिंह लोंगोवाल ने कहा कि यह सबकुछ श्रद्धांजलि कार्यक्रम को प्रभावित करने की साजिश थी।

ऑपरेशन ब्लू स्टार की 35वीं बरसी पर गुरुवार को पंजाब के अमृतसर स्थित श्रीहरिमंदिर साहिब परिसर में तलवारें लहराते खालिस्तान समर्थक। राघव शिकारपुरिया

पंजाब रहा शांत, लुधियाना और जालंधर में हल्की झड़पें

कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर पंजाब का माहौल शांत रहा। लुधियाना और जालंधर में सिख संगठन और शिव सेना के कार्यकर्ताओं में हलकी झड़पें हुईं। लुधियाना में शिवसेना पंजाब के पोस्टरों पर सिख युवकों ने आपत्ति जताई और चौड़ा बाजार के शहीद काली चरण चौक में लगे बैनर फाड़ दिए। इसके बाद दोनों ओर से एक-दूसरे पर बोतलें और पत्थर चलने लगे। जालंधर के अली मोहल्ला में सिख संगठनों और शिवसेना बाल ठाकरे के कार्यकर्ताओं में झड़प हो गई। दोनों तरफ से पुलिस को शिकायत दी गई है।

सुखबीर ने शाह से भेंट कर जब्त दस्तावेज लौटाने की मांग की

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : शिरोमणि अकाली दल के नेता और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर बादल ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान सेना द्वारा स्वर्ण मंदिर से जब्त किए गए दस्तावेज को लौटाने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद भावना में बहकर सेना छोड़ने वाले जवानों की पेंशन बहाल करने और गुरु नानक देव की 550वीं जयंती पर पाकिस्तान के श्री ननकाना साहिब तक नगर कीर्तन आयोजित करने की मांग की।

शाह से मुलाकात के बाद बादल ने कहा कि 1984 में ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान सेना ने कई हस्तलिखित धर्मग्रंथ, ऐतिहासिक पुस्तकें और सिख धर्म से संबंधित लाइब्रेरी की किताबें अपने साथ ले गई थी। इन दस्तावेज व पुस्तकों को अभी तक लौटाया नहीं गया है। उन्होंने कहा कि ये स्वर्ण मंदिर को तत्काल वापस किए जाने चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने ब्लू स्टार के बाद भावना में बहकर सेना छोड़ने वाले जवानों की पेंशन बहाली की मांग की। उनका कहना था कि लगभग 300 जवान सेना छोड़कर आ गए थे। उनमें अब 100 से भी कम जिंदा हैं।

सुखबीर ने कहा कि गुरु नानक देव की 550 वीं जयंती पर होने वाले कार्यक्रमों से वह संतुष्ट हैं। हम इस मौके पर भारत से पाकिस्तान में स्थित श्री ननकाना साहिब तक एतिहासिक नगर कीर्तन निकालना चाहते हैं। केंद्र सरकार से अनुरोध है कि वह इस नगर कीर्तन के सफल आयोजन के लिए पाक सरकार से तत्काल बातचीत करे।

बैंक फ्रॉड मामले में रत्नाकर गट्टे के ठिकानों पर ईडी के छापे

राज्य ब्यूरो, मुंबई

- राष्ट्रीय समाज पक्ष के नेता ने फर्जी तरीके से हजारों किसानों के नाम पर कर्ज लिया
- गट्टे हिंदी फिल्म 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' के निर्देशक के पिता हैं

हजारों किसानों के नाम पर फर्जी ऋण लेने के मामले में राष्ट्रीय समाज पक्ष के नेता रत्नाकर गट्टे के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापामारी की। गट्टे हिंदी फिल्म 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' के निर्देशक विजय गट्टे के पिता हैं, और उनकी पार्टी महाराष्ट्र में भाजपा की सहयोगी है।

रत्नाकर महाराष्ट्र में शक्कर कारखाना चलाते हैं। गुरुवार को उनके परभणी, नागपुर और मुंबई के कई ठिकानों पर ईडी ने छापामारी की। करोड़ों के बैंक ऋण घोटाले के मामले में महाराष्ट्र पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर यह कार्रवाई की गई है।

रत्नाकर पर पांच राष्ट्रीयकृत और एक निजी क्षेत्र के बैंक से ऐसे हजारों किसानों के नाम पर कर्ज लेने का आरोप है जिन्हें पता भी नहीं था कि उनके नाम पर कोई ऋण लिया गया है। ये सभी किसान उनके द्वारा चलाए जा रहे शक्कर कारखाने गंगाखेड़ सुगर एंड एनर्जी प्रा. लि. के सदस्य हैं। जब एक किसान यूको बैंक में फसली ऋण का आवेदन करने गया तब इस घोटाले का पता चला। उसे बताया गया कि उसके नाम पर नागपुर में आंध्रा बैंक की धरमपेठ शाखा में पहले से ही एक ऋण चल रहा है।

यह मामला सामने आने के बाद उस किसान ने बांबे हाई कोर्ट की औरंगाबाद पीठ में जांच की मांग करते हुए याचिका दायर की। औरंगाबाद पीठ के निर्देश पर महाराष्ट्र पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि कुल छह बैंकों से हजारों के किसानों के नाम पर 328 करोड़ रुपये का कर्ज लिया गया है।

जांच एजेंसी का मानना है कि जिन किसानों के नाम पर रत्नाकर ने ऋण लिए हैं उनमें से बहुतों का तो अस्तित्व ही नहीं है। कुछ मर चुके हैं और जो जीवित हैं, उन्हें अपने नाम पर कर्ज लिए जाने की कोई जानकारी नहीं है। रत्नाकर गट्टे ने 2014 में राष्ट्रीय समाज पक्ष के टिकट पर विधानसभा चुनाव भी लड़ा था। लेकिन वह राकांपा से हार गए थे।

रत्नाकर के फिल्म निर्देशक पुत्र विजय गट्टे भी पिछले वर्ष सीजीएसटी घोटाले में जेल जा चुके हैं। उन के खिलाफ सीजीएसटी एक्ट की धारा 132(1)(सी) के तहत मामला दर्ज किया गया था। उन पर 170 करोड़ रुपये का जीएसटी घोटाला करने वाली एक कंपनी से फर्जी बिलों के जरिये व्यापार करने का आरोप लगा था, जिसमें 34 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी की गई थी। तीन फिल्मों का निर्माण और एक का निर्देशन कर चुके विजय मुंबई की आर्थर रोड जेल में बंद रहे।

कर्मचारी चयन आयोग ने लौटाए पटवारी क्लर्क और ग्रुप-डी की भर्तियों के मांगपत्र

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

- नए सिरे से होगा पदों का निर्धारण, आज पंचकूला में जुटेंगे 152 विभागों के नोडल अधिकारी
- पिछड़ा वर्ग की सी ब्लॉक कैटेगरी, विशेष पिछड़ा वर्ग और ईबीपीजी कोटे में बदलाव से बदला भर्तियों का शेड्यूल

पिछड़ा वर्ग की सी ब्लॉक कैटेगरी में शामिल छह जातियों, विशेष पिछड़ा वर्ग और ईबीपीजी कोटे (सामान्य जातियों में आर्थिक आधार पर पिछड़े लोग) को आरक्षण खत्म करने के बाद अब प्रदेश में सरकारी नौकरियों में रिक्त पदों का निर्धारण नए सिरे से होगा। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) ने विभिन्न महकमों और बोर्ड-निगमों के नोडल अधिकारियों द्वारा पिछले महीने दिया गया भर्तियों का मांगपत्र वापस लौटा दिया है। सभी महकमों को नई व्यवस्था के अनुसार जूनियर इंजीनियर, पटवारी, क्लर्क और चतुर्थ श्रेणी पदों के लिए ऑनलाइन मांगपत्र फिर से एचएसएससी को भेजने होंगे।

सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी प्रशासनिक सचिवों को निर्देश दिया है कि उनके महकमों में रिक्त पदों पर भर्तियों के लिए नियुक्त नोडल अधिकारियों को सुबह दस बजे पंचकूला भेजें। बैठक में आरक्षण के नए प्रावधानों के अनुसार रिक्त पदों को वर्गीकृत करते हुए मांगपत्र तैयार किए जाएंगे। सभी नोडल अफसरों को मांगपत्र की हार्ड कॉपी के साथ एचकेसीएल (हरियाणा नॉलेज कॉरपोरेशन लिमिटेड) ऑफिस बुलाया गया है, ताकि तकनीकी दिक्कतों को दूर किया जा सके। इससे पहले मई के दूसरे पखवाड़े में लगातार चार दिन तक 152 विभागों और बोर्ड-निगमों के नोडल अधिकारियों ने लगातार बैठकें कर कुल स्वीकृत पदों, मौजूदा स्टाफ और रिक्त पदों पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की थी। इसके बाद सभी विभागों की ओर से रिक्त सीटों के मांगपत्र एचएसएससी को ऑनलाइन भेजे गए। इन पदों पर भर्ती की तैयारी चल ही रही थी कि बुधवार को सरकार ने हाई कोर्ट में चल रहे केसों के चलते आरक्षण को लेकर नई गाइडलाइन तय कर दी। अब आरक्षण के नए प्रावधानों के अनुसार रिक्त पदों के मांगपत्र तैयार कर कर्मचारी चयन आयोग को भेजे जाएंगे।

सामान्य जातियों से भरे जाएंगे आरक्षित पद : बता दें कि नई व्यवस्था के अनुसार जाट, जट सिख, रोड़, बिश्नोई, त्यागी और मुल्ला जाट-मुस्लिम जाटों के लिए आरक्षित पदों को सामान्य जातियों के उम्मीदवारों से भरा जाएगा। विशेष पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित पदों पर भी सामान्य वर्ग के युवाओं की भर्ती की जाएगी। इसी तरह ईबीपीजी (सामान्य जातियों में आर्थिक आधार पर पिछड़े लोग) कैटेगरी में शामिल ब्राह्मण, बनिया, राजपूत व पंजाबी के लिए आरक्षित पदों को दूसरी जातियों के आर्थिक रूप से कमजोर उम्मीदवारों से भरा जाएगा।

विशेष कोटे के आरक्षण पर लगी है रोक : पिछड़ा वर्ग की सी ब्लॉक कैटेगरी में आने वाली छह जातियों सहित विशेष पिछड़ा वर्ग और ईबीपीजी कोटे के तहत आरक्षण पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने रोक लगाई हुई है। कानूनी अड़चनों के चलते विभिन्न सरकारी विभागों, बोर्ड-निगमों व सरकारी कंपनियों, विश्वविद्यालयों और हाई कोर्ट में आरक्षित श्रेणी के हजारों पद खाली हैं जिन्हें अदालत के फैसले के इंतजार में भरा नहीं जा रहा था। सरकार के निर्देश पर अब मुख्य सचिव ने सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्ष, हाई कोर्ट व यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार, उपायुक्त, एसडीएम, बोर्ड-निगमों व सरकारी कंपनियों के प्रबंध निदेशक और मुख्य प्रशासकों को कोटे के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए मांग पत्र हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग और हरियाणा लोक सेवा आयोग को भेजने का लिखित आदेश जारी किया है।

तेलंगाना में भाजपा कार्यकर्ता की पीट-पीटकर हत्या

महबूबनगर, एएनआइ : तेलंगाना में भाजपा कार्यकर्ता की कुछ लोगों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को बताया कि आरोपित तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) कार्यकर्ता हो सकते हैं। मृतक की पहचान प्रेम कुमार रेड्डी के रूप में हुई।

घटना महबूबनगर जिले के डोकुर गांव में हुई। टीआरएस नेता के बेटे श्रीकांत रेड्डी ने स्थानीय निकाय चुनाव में दांव आजमाया था और हार गया था। हत्या के पीछे उसका ही नाम आ रहा है। श्रीकांत समेत कुल छह लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

प्रदेश भाजपा ने दावा किया है कि राजनीतिक दुश्मनी में पार्टी कार्यकर्ता की हत्या की गई है। पार्टी ने हत्या के लिए टीआरएस को जिम्मेदार ठहराया। भाजपा नेताओं ने न्याय की मांग को लेकर जिले में प्रदर्शन किया। उन्होंने महबूबनगर जिले के पुलिस अधीक्षक आर. राजेश्वरी से मुलाकात की और हत्या में शामिल आरोपितों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की।

पुलिस निरीक्षक पी. रेड्डी ने कहा, 'चुनाव की तिथि की घोषणा के बाद से ही प्रेम और श्रीकांत के बीच संबंध अच्छे नहीं रहे थे। श्रीकांत ने प्रेम को पहले भी नुकसान पहुंचाने की कोशिश की थी।'

बिहार में फिर टूट की ओर बढ़ रही महागठबंधन की मतलब की यारी

अरविंद शर्मा, पटना

बिहार की सियासत में सांकेतिक गतिविधियां सिर्फ राजग में ही नहीं, बल्कि दूसरी तरफ भी चल रही हैं। घटक दलों की बेकरारी बता रही है कि महागठबंधन में मतलब की यारी फिर टूटने वाली है। जिनके बीच याराना था, वे अब कन्नी काटने लगे हैं। दुश्मन की भाषा बोलने लगे हैं। लोकसभा चुनाव से पहले राजग के खिलाफ बिहार में पांच दल एकजुट हुए थे। राजद-कांग्रेस गठबंधन से जदयू के हटने के बाद हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम), राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (रालोसपा) और नवगठित वीआइपी का महागठबंधन में प्रवेश हुआ था। सबने मिलकर संयुक्त मोर्चा बनाया। चुनाव लड़े और हार गए। अब यूपी की तरह फिर नई राह पर हैं।

लोकसभा चुनाव में करारी शिकस्त के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अज्ञातवास में हैं। नतीजे के बाद से ही बिहार से बाहर हैं। दोनों सीटों पर खुद हारकर रालोसपा प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा दोहरे सदमे में हैं। समीक्षा करा रहे हैं। रिपोर्ट का इंतजार है कि लालू का वोट बैंक ट्रांसफर हुआ या नहीं। यादवों ने अगर वोट नहीं किया तो गठजोड़ का मतलब क्या रह जाएगा। कुशवाहा की गतिविधियां बता रही हैं कि धीरे-धीरे एकला चलो की राह पर बढ़ रहे हैं। मुकेश सहनी सियासत की दुनिया से निकलकर मुंबई लौट गए हैं। व्यवसाय में व्यस्त हो गए हैं। जीतनराम मांझी को महागठबंधन का माहौल रास नहीं आ रहा है। वह नए कुनबे से प्रेरित-प्रोत्साहित हो रहे हैं। इफ्तार की दावत के बहाने आना-जाना शुरू हो चुका है। गले मिल चुके हैं। दिल का मिलन अभी बाकी है। कांग्रेस और राजद के रिश्ते में भी पहले जैसा भाव नहीं दिख रहा है। कांग्रेस के कुछ लोग अकेले चलने के पक्ष में हैं तो कुछ को आलाकमान का अनुसरण करना है। दिल्ली से निर्देश मिलना बाकी है। फिलहाल नफा-नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

लोकसभा चुनाव के पहले जातीय गठजोड़ करके एक-दूसरे के सहारे संसद पहुंचने के सपने सजाए कई दल सक्रिय हो गए थे। सबको राजद का माय (मुस्लिम-यादव) समीकरण दिख रहा था। राजद के नए उत्तराधिकारी को भी जातियों की व्यापक गोलबंदी दिख रही थी। कुशवाहा, मांझी और सहनी एक-एक करके राजग की गोद से उछलकर राजद-कांग्रेस गठबंधन के साथ खड़े हो गए। पाला बदला तो मौकापरस्ती की परिभाषा भी बदल दी। चार साल तक जिनके पास शिक्षा महकमा था, उन्हें शिक्षा व्यवस्था में अचानक खोट दिखने लगी है। समाजवादी नेता शरद यादव ने भी जब जैसा-तब तैसा की बड़ी नजीर पेश की। राजद की राजनीति का विरोध करके मधेपुरा से लालू को हराने वाले शरद इस बार मतलब निकालने के लिए गोद में बैठ गए। इसी तरह मंडल की राजनीति से पहले लालू प्रसाद ने कांग्रेस के विरोध के लिए भाजपा से भी परहेज नहीं किया था। लालू खुद को जेपी की संपूर्ण क्रांति की उपज बताते हैं। जेपी की यह क्रांति कांग्रेस के विरोध में हुई थी, किंतु लालू आज कांग्रेस के बड़े साझीदार हैं।

चुनाव प्रक्रिया के दौरान भी यू-टर्न : बिहार में महागठबंधन का नेतृत्व करने वाले तेजस्वी यादव ने प्रारंभ में तो बाहुबली विधायक अनंत सिंह को बैड एलीमेंट बताया। कांग्रेस अड़ी और राजद को जरूरत महसूस हुई तो तेजस्वी ने अनंत को गले से भी लगा लिया। अपने प्रमुख नेता रघुवंश प्रसाद सिंह के समर्थन में वैशाली में अनंत सिंह का रोड शो कराया। पाटलिपुत्र सीट पर अपनी बहन डॉ. मीसा भारती की जीत सुनिश्चित कराने के लिए भी तेजस्वी को अनंत के बाहुबल की जरूरत महसूस हुई। तेजस्वी ने खुद भी अनंत के लिए मुंगेर में चार-चार सभाएं की। महज कुछ दिनों के दौरान ही विचारों की पलटी का यह बड़ा उदाहरण है।

मालेगांव धमाके में गवाह के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

मुंबई, एएनआइ : विशेष अदालत ने गुरुवार को 2008 के मालेगांव धमाके से जुड़े एक गवाह के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। कोर्ट ने अभियोजन पक्ष को गवाह को हरहाल में पेश करने का निर्देश दिया है।

विशेष अदालत के जज विनोद पडलकर ने धमाके में होने वाले नुकसान के आकलन के दौरान पंचनामे पर हस्ताक्षर करने वाले गवाह के खिलाफ जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। जज ने कहा, मुकदमे की सुनवाई रोजाना हो रही है और सप्ताह में एक दिन आरोपितों को पेश होने का निर्देश दिया गया है। कई तिथियों पर जांच एजेंसी ने केवल एक गवाह को बुलाया, जबकि अन्य पेश नहीं हुए। ऐसे में कोर्ट के लिए इस मामले में तेजी लाना और इसका हल निकालना संभव नहीं है, जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है। इसलिए, आदेश की कॉपी राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) के उच्चाधिकारियों को अग्रसारित की जाएगी।'

इससे पहले कोर्ट ने मंगलवार को भोपाल की सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह की उपस्थिति से छूट की अर्जी को स्वीकार करते हुए सुनवाई गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी थी।

विशेषज्ञ दल सुझाएगा प्लास्टिक पैकेजिंग पर रोक का तरीका

नई दिल्ली, प्रेट्र : खाद्य पदार्थों की प्लास्टिक पैकेजिंग को रोकने के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) तरीकों की तलाश के वास्ते विशेषज्ञों का पैनल नियुक्त करेगा। खाद्य पदार्थों की प्लास्टिक पैकेजिंग से स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के उल्लेख वाली एक याचिका पर सुनवाई के दौरान एनजीटी प्रमुख जस्टिस आदर्श कुमार गोयल ने यह बात कही। याचिका में प्लास्टिक पैकेजिंग पर अविलंब रोक की मांग की गई है।

एनजीटी द्वारा नियुक्त पैनल में फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआइ), ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स, सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड और डायरेक्ट्रेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज के प्रतिनिधि शामिल होंगे। याचिका की सुनवाई कर रही पीठ ने कहा, पैनल से हमारा सवाल होगा कि फूड पैकेजिंग में प्लास्टिक का इस्तेमाल रोकने के लिए क्या कानून हैं ? क्या इन कानूनों के इस्तेमाल से स्थायी रोक संभव है ? अगर संभव नहीं है तो और किन संशोधनों की आवश्यकता है ? पीठ यह भी देखेगी कि प्लास्टिक पैकेजिंग पर रोक लगाने के लिए मौजूदा कानूनों का इस्तेमाल हो रहा है या नहीं। इस मामले में नोडल एजेंसी का कार्य एफएसएसएआइ करेगी।

एनजीटी दफ्तर (फाइल)

प्लास्टिक पैकेजिंग पर रोक लगाने वाली याचिका गैर सरकारी संगठन हिम जागृति उत्तरांचल वेलफेयर सोसायटी ने दायर की है। इसमें खाद्य और पेय पदार्थों की पैकेजिंग में प्लास्टिक का इस्तेमाल पूरी तरह से प्रतिबंधित करने की मांग की गई है। बताया गया है कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की अधिसूचना के बावजूद इस सिलसिले में रोक नहीं लग पा रही है।

जम्मू-कश्मीर में परिसीमन के इरादे पर शिवसेना ने थपथपाई शाह की पीठ

राज्य ब्यूरो, मुंबई

भाजपा की सबसे पुरानी सहयोगी शिवसेना ने जम्मू-कश्मीर में परिसीमन कराने के केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के इरादे पर उनकी जमकर पीठ थपथपाई है। पार्टी का मानना है कि शाह के नेतृत्व में न सिर्फ विधानसभा सीटों का, बल्कि संपूर्ण कश्मीर का भूगोल बदल जाए तो आश्चर्य नहीं होगा।

बता दें कि शिवसेना शुरू से अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण एवं कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने को लेकर भाजपा पर दबाव बनाती रही है। पिछले चार वर्षों में संबंध तनावपूर्ण रहने के दौरान भी वह भाजपा को घेरने के लिए इन्हीं मुद्दों का उपयोग करती आई है। अब नई सरकार में भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के केंद्रीय गृहमंत्री बनते ही जम्मू-कश्मीर को लेकर जिस प्रकार के प्रयास शुरू हुए हैं, शिवसेना उससे प्रसन्न दिखाई दे रही है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र 'सामना' में गुरुवार को इस मुद्दे पर गृहमंत्री शाह की शान में जमकर कसीदे काढ़े हैं। सामना लिखता है कि गृहमंत्री के रूप में शाह ने क्या करना तय किया है, यह स्पष्ट हो गया है। घाटी में हमेशा के लिए शांति स्थापित करना तो एक मामला है ही, पाकिस्तान और अलगाववादियों को यह अंतिम संदेश देना भी जरूरी है कि कश्मीर सिर्फ हिंदुस्तान का है। शाह इस दिशा में कदम उठा रहे हैं।

अमित शाह (फाइल)

सामना ने लिखा है कि अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर की विधानसभा सीटों का भूगोल बदलना तय किया है। जम्मू-कश्मीर में अगला मुख्यमंत्री हिंदू ही हो, इसके लिए मतदाता क्षेत्रों के परिसीमन का निर्णय किया है। परिसीमन न हो, इसके लिए राज्य के स्थानीय दल 2002 से केंद्र पर दबाव बनाते रहे हैं। ऐसा भय दिखाया जाता है कि परिसीमन किया गया तो स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ जाएगा। इस भय के आगे कांग्रेसी सरकारों के गृहमंत्री हथियार डालते आए हैं। सामना ने इस बात पर भी खेद जताया है कि जम्मू-कश्मीर के राजा हरि सिंह हिंदू थे, लेकिन स्वतंत्रता के बाद एक बार भी कोई हिंदू जम्मू-कश्मीर का मुख्यमंत्री नहीं बना। जैसे, हिंदू के हाथ में सत्ता चली गई तो आसमान टूट पड़ेगा। इस मानसिकता को बदलने की कोशिश कभी नहीं की गई। यदि अब ऐसा होने जा रहा है, तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए।

कमलनाथ के बेटे की संस्था को बड़ी राहत

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के बेटे की संस्था लाजपतराय एजुकेशनल सोसायटी राजेंद्रनगर गाजियाबाद को बड़ी राहत दी है। सोसायटी की ओर से जीडीए यानी गाजियाबाद डेवलपमेंट अथॉरिटी में पांच करोड़ रुपये जमा करने पर भूमि का आवंटन निरस्त करने के आदेश पर राज्य सरकार को पुनर्विचार करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने प्रमुख सचिव नगर विकास को किए गए निर्णय से 20 अगस्त तक अवगत कराने का आदेश दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज मिश्र व न्यायमूर्ति एसएस शमशेरी की खंडपीठ ने सोसायटी की याचिका पर दिया है। गाजियाबाद के राजेंद्रनगर में सोसायटी के नाम 11 हजार वर्ग गज जमीन आवंटित की गयी। सोसायटी को कई बार कीमत अदा कर रजिस्ट्री कराने का अवसर दिया गया। बैनामा न कराने के कारण सोसायटी का आवंटन निरस्त कर निर्माण हटाने का आदेश दिया गया है।

जीडीए की इस कार्यवाई को कोर्ट में चुनौती दी गयी है। इससे पहले कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा था कि क्या किसी कानून के तहत देरी के बावजूद भुगतान लेकर जमीन वापस की जा सकती है। राज्य सरकार की तरफ से सकारात्मक जानकारी मिलने पर कोर्ट ने प्रमुख सचिव को निर्णय लेकर अवगत कराने का आदेश दिया। साथ ही कहा कि याची आदेश से संतुष्ट न हो तो चुनौती दे सकेगा। याचिका की सुनवाई अब 20 अगस्त को होगी।

सौगात

गोरेगांव स्थित हरे-भरे आरे कॉलोनी क्षेत्र में 120 एकड़ में बने रानी बाग प्राणि उद्यान का किया जाएगा विस्तार, खुले में घूमते जीव-जंतुओं को देख सकेंगे लोग

मुंबई को जल्द मिलेगा एक नया प्राणि उद्यान

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

मुंबई को जल्द ही एक ऐसे प्राणि उद्यान का तोहफा मिलने जा रहा है, जहां पर्यटक खुले वायुमंडल में घूमते जीव-जंतुओं को देख सकेंगे। यह मुंबई में पहले से मौजूद रानी बाग प्राणि उद्यान का विस्तारित हिस्सा होगा।

मुंबई जैसे भीड़भाड़ वाले महानगर में 87 वर्ग किलोमीटर में फैला संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान पहले से प्रकृति प्रेमियों को लुभाता रहा है। अब उसके निकट ही गोरेगांव स्थित हरेभरे आरे कॉलोनी क्षेत्र में 120 एकड़ में रानी बाग प्राणि उद्यान का विस्तार किया जाएगा। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे तथा राज्य के वन एवं वित्त मंत्री सुधीर मुनगंटीवार की उपस्थिति में बुधवार को मुंबई महानगरपालिका और राज्य सरकार के बीच इस नए प्राणि उद्यान से संबंधित करार पत्र पर हस्ताक्षर हुए। इसके अनुसार, राज्य सरकार आरे मिल्क कॉलोनी की 120 एकड़ भूमि मात्र एक रुपये के प्रतीकात्मक किराये पर वन विभाग को सौंपेगी। इस पर करीब 500 करोड़ की लागत से यह खुला प्राणि उद्यान विकसित किया जाएगा।

रात में भी ले सकेंगे जंगल में घूमने का आनंद : दक्षिण मुंबई के भायखला क्षेत्र में 60 एकड़ भूखंड पर रानी बाग प्राणि उद्यान पहले से मौजूद है। केंद्रीय प्राणि उद्यान प्राधिकरण के नियमानुसार एक शहर में दो प्राणि उद्यान नहीं हो सकते। इसलिए 120 एकड़ पर बनने वाले नए प्राणि उद्यान को पुराने के विस्तारित स्वरूप में ही विकसित किया जाएगा। यहां पर्यटक जीव-जंतुओं को उनके प्राकृतिक स्वरूप में खुले में घूमते देख सकेंगे। यहां दिन के अलावा रात में भी जंगल घूमने का आनंद लिया जा सकेगा। इससे यहां पर्यटकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। इससे राज्य सरकार का राजस्व भी बढ़ेगा और लोगों को रोजगार भी मुहैया होगी।

केंद्र सरकार की मदद की भी पड़ेगी जरूरत : मुंबई के महापौर विश्वनाथ महादेश्वर के अनुसार, चूंकि यह एक बड़ी परियोजना है। इसलिए इसे विकसित करने में केंद्र सरकार की सहायता की भी जरूरत पड़ेगी। यहां विश्वस्तरीय प्राणि उद्यान तैयार होने में करीब तीन साल का समय लग सकता है।

दूध आपूर्ति के लिए विकसित हुई थी आरे मिल्क कॉलोनी

जिस आरे मिल्क कॉलोनी में 120 एकड़ पर यह खुला प्राणि उद्यान विकसित करने की योजना है, उसे मुंबई में दूध आपूर्ति के लिए 1949 में वनभूमि पर विकसित किया गया था। 3,180 एकड़ में बनी इस कॉलोनी का उद्घाटन 1951 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने किया था। इस कॉलोनी में करीब 16 हजार दुधारू पशुओं के रहने की व्यवस्था है। आरे कॉलोनी के वनों से सटी 520 एकड़ भूमि पर मुंबई फिल्म सिटी एवं उसके बाद संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान है। अब यहां नया प्राणि उद्यान बनने के बाद पर्यटक जहां दक्षिण मुंबई में नए भारत की चमक-दमक देख सकेंगे, वहीं संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान एवं आरे कॉलोनी के प्राणि उद्यान में प्रकृति का भी सानिध्य पा सकेंगे।

राजीव सक्सेना के विदेश जाने पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक

अगस्ता वेस्टलैंड मामला

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- निचली अदालत के अनुमति देने पर केंद्र व ईडी ने जताई थी आपत्ति
- ईडी की चुनौती पर राजीव सक्सेना से 10 जून तक जवाब मांगा

अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर घोटाले में आरोपित से सरकारी गवाह बने बिचौलिए राजीव सक्सेना को निचली अदालत से मिली विदेश जाने की अनुमति पर दिल्ली हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति चंद्र शेखर की पीठ ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चुनौती याचिका पर राजीव सक्सेना से 10 जून तक जवाब मांगा है।

राउज एवेन्यू स्थित विशेष अदालत ने सक्सेना को यूरोप, युनाइटेड किंगडम और दुबई जाने की अनुमति दी थी। केंद्र सरकार के स्थायी अधिवक्ता अमित महाजन एवं ईडी के अधिवक्ता नितेश राणा ने याचिका दायर कर सक्सेना को विदेश जाने की अनुमति को चुनौती दी थी। याचिका में कहा था कि मामले की जांच अहम पड़ाव पर है। ऐसे समय में सक्सेना को विदेश जाने की अनुमति का असर जांच पर पड़ेगा।

दुबई निवासी राजीव सक्सेना को अगस्ता वेस्टलैंड घोटाले में बिचौलिए की भूमिका निभाने के आरोप मेंप्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था। बाद में उसने सरकारी गवाह बनने की अर्जी दी थी, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया था। अब उसने इलाज के लिए चिकित्सकीय आधार पर विदेश जाने की अनुमति मांगी थी, जिस पर निचली अदालत ने गत 1 जून को 50 लाख रुपये एफडी जमा करने के निर्देश देते हुए इसकी अनुमति दी थी।

जनमत
मुद्दा

क्या आज के दौर की लोकलुभावन राजनीति ने वाम विचारधारा को अप्रासंगिक कर दिया है?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर **MUDDA** लिखें, स्पेस देकर **YES** या **NO** लिखकर 57272 पर भेजें।

facebook.com/muddajagran
mudda@jagran.com

10 लोगों को दुबई से मुक्त कराने का आग्रह किया है पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से। बंधक बनाए गए लोग ओडिशा के हैं। ये लोग एशिया पैसेफिक बिल्डिंग कांट्रैक्टिंग एलएलसी दुबई में काम करते हैं।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शुक्रवार 7 जून 2019

खाद सब्सिडी पर डीबीटी के दूसरे चरण की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) योजना के दूसरे चरण के तहत किसानों को उर्वरक सब्सिडी सीधे उनके खाते में देने पर विचार कर रही है। उर्वरक मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'हम सीधे किसानों के बैंक खातों में उर्वरक सब्सिडी देने की कोशिश कर रहे हैं। अब हम दूसरे चरण के कार्यान्वयन के लिए तैयार हैं। इसे कब और कैसे लागू किया जाए, इस पर चर्चा चल रही है।'

अक्टूबर, 2017 में उर्वरक डीबीटी का पहला चरण शुरू किया गया था। इसके तहत पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनों के माध्यम से दर्ज खुदरा बिक्री के आंकड़ों की जांच के बाद कंपनियों को सब्सिडी ट्रांसफर की जा रही है। डीबीटी के दूसरे चरण में नीति आयोग से विमर्श के बाद खाद सब्सिडी की रकम सीधे किसानों के बैंक खातों में डालने का काम किया जाना था। सरकार किसानों को सस्ता कृषि पोषण पदार्थ प्रदान करने के लिए उर्वरक सब्सिडी के रूप में सालाना 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बोझ वहन करती है।

अब लैपटॉप-डेस्कटॉप के इस्तेमाल की अनुमति : इसके अलावा, सरकार खुदरा विक्रेताओं को सुचारू संचालन के लिए पीओएस मशीनों के साथ डेस्कटॉप या लैपटॉप का उपयोग करने की अनुमति देकर मौजूदा उर्वरक डीबीटी में कुछ सुधार लाने की योजना बना रही है। अधिकारी ने कहा, 'अब, डीबीटी प्लेटफॉर्म पीओएस मशीन पर आधारित है। हम डेस्कटॉप या लैपटॉप संस्करण के साथ आ रहे हैं।

अपने मकान की राह में रोड़ा बने लाभार्थी

जागरण पड़ताल ▶ झारखंड में पीएम आवास योजना की राशि हड़प गए 25000 लोग

कई पर प्रशासन ने दर्ज की प्राथमिकी, जियो टैगिंग के बाद भी फर्जीवाड़े से सिस्टम पर भी उठे सवाल

जेएनएन, रांची

अपना आवास सबका सपना होता है। इसी सोच के साथ सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरुआत की। शहरों और गांवों के लिए अलग-अलग स्तरों पर चल रही इस योजना के तहत जहां व्यापक स्तर पर लोगों का चयन कर उन्हें आवास उपलब्ध कराने की कोशिश हुई, वहीं बड़ी संख्या में अधूरे पड़े आवास इस योजना पर ब्रेक लगा रहे हैं। खास बात यह है कि ज्यादातर मामलों में खुद लाभार्थी ही अपने मकान की राह में बाधक बने हैं। घर बनाने के लिए मिली राशि को या तो ये लाभार्थी गटक गए या अपने अन्य निजी मामलों में खर्च कर दिया। पूरे प्रदेश में ऐसे 20 हजार से अधिक मामले हैं।

बार-बार की नोटिस के बाद भी जब लाभार्थियों ने आवास निर्माण का काम पूरा नहीं किया तो प्रशासन ने अब उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की है। प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद काम पूरे करने के लिए एक निश्चित समय सीमा तय कर थाने में इनसे बांड भी भरवाया जा रहा है। चतरा में 165, जमशेदपुर में 20, हजारीबाग में 24, साहिगंज में 15 और कोडरमा में 28 लाभार्थियों पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। सैकड़ों लोग ऐसे भी हैं जिनपर नोटिसों का असर नहीं हुआ तो राशि वसूली करने के लिए प्रशासन ने उनके खिलाफ नीलाम पत्र में मामला दर्ज किया है।

> प्रधानमंत्री आवास योजना में किसी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभागीय सचिव को ऐसी किसी भी तरह की गड़बड़ी की आशंका मात्र को भी गंभीरता से लेने को कहा है। जिलों से योजना की अद्यतन रिपोर्ट तलब की गई है। योजना की निगरानी के लिए जिला से लेकर राज्य स्तर तक पर कई चेक प्वाइंट बनाए गए हैं। इसकी भी समीक्षा होगी। जियो टैगिंग में अगर कहीं कोई लीकेज है तो प्रोपरली जांच होगी।
>
> **-नीलकंठ सिंह मुंडा मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग**

हर जिले में हजारों की संख्या में पीएम आवास के डिफॉल्टर हैं, जो इस योजना के लक्ष्य को पूरा करने में बाधक बने हैं। पूरे राज्य में लगभग एक तिहाई लाभार्थी हर साल किसी न किसी कारण से आवासों का काम या तो अधूरा छोड़ रहे हैं या काम ही शुरू नहीं करा रहे हैं। राजधानी रांची में केवल शहरी क्षेत्र में 2000 से अधिक आवासों के लाभार्थियों ने पैसे लेने के बाद भी मकान बनाने का काम शुरू नहीं किया, जबकि ग्रामीण इलाकों में यह संख्या 25 हजार से अधिक है। इसी तरह चतरा में 4153 आवास अधूरे हैं, जबकि गढ़वा में ऐसे 4718 मामले हैं।

बड़ा सवाल : कई लाभार्थी ऐसे हैं जिन्हें मकान की वह किश्त भी मिल गई जो उन्हें आंशिक निर्माण के बाद मिलनी थी। प्रक्रिया के अनुसार सरकारी प्रतिनिधि जांच के बाद मकान की फोटो खींचकर जियो टैगिंग करते हैं जिसके बाद पैसा रिलीज करना है, लेकिन यहां फर्जीवाड़ा हुआ है। लाभार्थियों से सेटिंग कर फर्जीवाड़ा किया गया है।

क्या है योजना : प्रधानमंत्री आवास योजना के वर्टिकल - 4 के तहत गरीबों को आवास के लिए राशि दिए जाने की व्यवस्था है। शहरी क्षेत्र के लोगों को अपनी जमीन पर आवास बनाने के लिए 2 लाख 25 हजार रुपये सरकार की ओर से दिए जाते हैं, जबकि लगभग एक लाख रुपये या चाहें तो उससे अधिक लाभार्थी को खर्च करने हैं।

इसी तरह ग्रामीण इलाकों में आवास के लिए एक लाख 20 हजार और नक्सल प्रभावित इलाकों में एक लाख 30 हजार रुपये लाभार्थियों को दिए जाने का प्रावधान है। सरकार की ओर से दी जाने वाली रकम का 60 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार और 40 प्रतिशत राज्य सरकार वहन करती है। इसमें पहली किस्त के रूप में लाभार्थी को 45 हजार और 25 हजार रुपये दिए जाते हैं। बाकी किस्तें काम के आगे बढ़ने के निर्धारित क्रम में दिए जाने का प्रावधान है। योजना में जियो टैगिंग भी अनिवार्य है।

इन कारणों से अधूरे हैं आवास

- राशि लेने के बाद भी लाभार्थियों ने काम शुरू ही नहीं किया या बीच में छोड़ा
- काम शुरू करने के बाद प्रस्तावित स्थल पर कोई जमीन विवाद शुरू हो गया
- लाभार्थियों की मृत्यु हो जाने की स्थिति में भी कई आवास अधूरे पड़े हैं, इन्हें चिन्हित कर योजना को लॉक किया जा रहा है
- मकान का आकार बड़ा करने के चक्कर में निर्धारित और अनुमानित राशि से अधिक खर्च हो जाने पर
- सरकार से मिली राशि के अलावा अपनी ओर से लगाई जाने वाली रकम का इंतजाम न हो पाने के कारण

क्या है प्रक्रिया

- लाभार्थियों को नोटिस देकर उन्हें अधूरे आवास पूरे करने के लिए प्रेरित किया जाता है
- तीन बार की नोटिस के बाद भी असर न हुआ तो प्राथमिकी दर्ज कराने और लाभार्थियों से थाने में बांड भराया जाता है।
- इन सबके बाद भी असर न होने पर नीलाम पत्र में मामला दर्ज करवा कर लाभार्थी से राशि वसूली की प्रक्रिया अपनाई जाती है।

चार दिन बाद भी वायुसेना खाली हाथ लापता विमान का नहीं कोई सुराग

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिले विमान में सवार क्रू मेंबर्स के परिजन

वायुसेना के चार दिन पहले लापता हुए रूस निर्मित एएन-32 विमान का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। विमान का पता लगाने के लिए अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम सियांग में मेंचुका पर्वत पर तीनों सेनाओं का तलाशी अभियान जारी है। जंगली इलाके, दुर्गम घाटी और खराब मौसम होते हुए भी सेना ने खोज और बचाव अभियान तेज कर दिया है। वायुसेना के मुताबिक, हवाई सेंसर से मिली अहम सूचनाओं का गहन आकलन किया जा रहा है। बावजूद इसके लगातार हो रहे हवाई हादसों और तलाशी अभियान में हो रही देरी ने वायुसेना द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे विमान और उससे जुड़ी तकनीक पर गंभीर प्रश्न चिन्ह लगा दिए हैं।

इस बीच, विमान में सवार क्रू मेंबर्स के परिजनों ने यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। इसमें राजनाथ सिंह ने परिवार वालों को ढांढस बंधाते हुए आश्वासन दिया कि सेना विमान को खोजने की हरसंभव कोशिश कर रही है। वायुसेना का यह एएन-32 विमान सोमवार दोपहर असम के जोरहाट से चीन से लगी सीमा के पास मेंचुका एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड के लिए रवाना हुआ था। उड़ान भरने के करीब आधे घंटे बाद उसका एटीसी से संपर्क टूट गया था। इसमें 13 लोग सवार थे। जिसमें एक विंग कमांडर, चार फ्लाइट लेफ्टिनेंट, एक स्क्वाड्रन लीडर और सात एयरमैन शामिल हैं।

वायुसेना प्रवक्ता ग्रुप कैप्टन अनुपम बनर्जी ने बताया कि दिन में खराब मौसम के कारण वायुसेना और सेना के हेलीकॉप्टरों से चलाए जा रहे खोज अभियान पर असर जरूर पड़ा, लेकिन थल सेना, नौसेना, पुलिस और प्रशासन की सहायता के कारण जमीन पर दलों का काम रातभर चलता रहेगा। वायुसेना अधिकारियों के मुताबिक अभियान में चौथे दिन दो सुखोई-30 विमानों, मानवरहित विमानों (यूएवी) और चीता हेलीकॉप्टरों को लगाया गया। इसके अलावा सी-130जे और एएन-32 विमानों और दो मिग-17 और दो एएलएच हेलीकॉप्टरों की भी सेवाएं ली जा रही हैं।

गांव वालों ने पहाड़ पर देखा था काला धुआं : अरुणाचल प्रदेश में तुंबिन गांव के तीन निवासियों ने गुरुवार को बताया कि सोमवार को उन्होंने सियांग जिले के मोलो गांव के पास एक पहाड़ पर काला घना धुआं उठता देखा था। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक एसबीके सिंह ने बताया कि इसकी पुष्टि की जा रही है। इसके अलावा मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने लापता विमान के रास्ते में पड़ने वाले गांववासियों से अपील की है कि अगर उन्हें विमान के बारे में कोई भी जानकारी हो तो वे उसे नजदीकी प्रशासनिक मुख्यालय या पुलिस आउटपोस्ट को दें। इस बीच, मुख्यमंत्री ने सियांग, पश्चिमी सियांग, निचले सियांग और शी-योमी जिलों के उपायुक्तों से बात की और उन्हें खोज अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए।

कार्रवाई से बचने को यूपीपीएससी ने ली कोर्ट की शरण

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : एलटी ग्रेड परीक्षा पेपर लीक मामले में एसटीएफ की कार्रवाई के खिलाफ उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग ने हाई कोर्ट की शरण ली है। आयोग ने परीक्षा से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए एसटीएफ द्वारा जारी किए गए समन को कोर्ट में चुनौती दी है। साथ ही एसटीएफ की ओर से संभावित किसी उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है।

आयोग की याचिका पर गुरुवार को न्यायमूर्ति केएन बाजपेयी और न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की खंडपीठ ने सुनवाई की। आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप त्रिवेदी का कहना था कि एसटीएफ ने धारा 91 सीआरपीसी के तहत समन जारी कर एलटी ग्रेड परीक्षा से संबंधित प्रश्नपत्र और अन्य दस्तावेज मांगे हैं। एसटीएफ के आदेश का पालन नहीं किया जा सकता, क्योंकि आयोग के दस्तावेज गोपनीय हैं जिनको नियमानुसार किसी को नहीं दिया जा सकता है। इस आधार पर आयोग ने एसटीएफ को दस्तावेज देने से इन्कार कर दिया है। अब आयोग को आशंका है कि एसटीएफ उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने या दूसरी कोई उत्पीड़नात्मक कार्रवाई कर सकती है।

86 साल में तीसरी बार किसी दल ने पार किया चमोली का गुप्तखाल ट्रैक

जागरण संवाददाता, उत्तरकाशी

1933 में एक अंग्रेज दल ने पहली बार यहां की थी ट्रैकिंग

▶ 2010 में भी दिल्ली के ट्रैकरों ने इस ट्रैक को पार किया था

उत्तराखंड के चमोली में स्थित विकट ट्रैकों में शामिल गुप्तखाल ट्रैक को बेंगलुरु के पांच ट्रैकरों ने उत्तरकाशी के गाइड-पोर्टरों की मदद से पार करने में सफलता पाई है। समुद्रतल से 5,830 मीटर ऊंचे इस ट्रैक पार करने में उन्हें 11 दिन लगे। खास बात यह कि इस ट्रैक को पार करने वाला यह मात्र तीसरा दल है। इससे पूर्व 2010 में दिल्ली के ट्रैकरों ने इस ट्रैक को पार किया था। जबकि, 1933 में एक अंग्रेज दल ने यहां ट्रैकिंग की थी।

उत्तरकाशी की क्रिस्टल एडवेंचर ट्रैकिंग एजेंसी के सहयोग से बेंगलुरु निवासी भूपेंद्र सिंह पुंडीर, सूरज कुमार, युधिष्ठिर जगाधीश, अनुदित काला और गौतम बालिगा का दल 25 मई को जोशीमठ से गुप्तखाल ट्रैक पर रवाना हुआ। क्रिस्टल एडवेंचर के अनुभवी गाइड जुगुल्डी (उत्तरकाशी) निवासी विनोद पंवार के नेतृत्व में यह पर्यटक दल गमसाली से आगे बढ़ा। ऐरी उडियार, रतावन, वनकुंड, वनकुंड बैंड, गढ़ कैंपिंग होते हुए दल एक जून को गुप्तखाल के बेस कैंप पहुंचा। दो जून की सुबह दल ने गुप्तखाल के 80 डिग्री पर खड़े बर्फ के 350 मीटर ऊंचे पहाड़ को रस्सियों के सहारे पार किया। चोटी पर तिरंगा फहराने के बाद दल नागथनी ग्लेशियर और मुसापारी होते हुए माणा गांव पहुंचा।

उत्तरकाशी के 5830 मीटर ऊंचे गुप्तखाल ट्रैक पर तिरंगा फहराते बेंगलुरू के ट्रैकर। जागरण

दल के गाइड विनोद पंवार ने बताया कि 1933 में सबसे पहले एक अंग्रेज दल इस ट्रैक पर गया था। इसका उल्लेख दल ने अपनी किताब में भी किया है। उसी किताब के मैप के अनुसार 2010 में दिल्ली के एक पर्यटक दल ने गुप्तखाल ट्रैक को पार किया। इसके बाद कई दल इस ट्रैक पर गए, लेकिन गुप्तखाल को पार नहीं कर सके।

कश्मीर में मस्जिदों में चंदा मांग रहे हैं आतंकी संगठन

राज्य ब्यूरो, जम्मू

▶ सीमा पर चौकसी, नोटबंदी और ऑपरेशन ऑल आउट से टूटी आतंक की कमर

▶ कुलगाम की मस्जिद में चंदा मांगने का वीडियो आया सामने

सीमा पर कड़ी चौकसी, नोटबंदी और फिर ऑपरेशन ऑल आउट से आतंकी संगठनों की कमर टूटती जा रही है। आर्थिक तंगी के कारण उन्हें अपने संगठन को चलाना मुश्किल हो रहा है। यही कारण है कि अब आतंकी मस्जिदों में जाकर लोगों से आजादी के नाम पर चंदा देने की अपील कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर इन दिनों ऐसा ही एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें आतंकी एक मस्जिद में लोगों से आजादी के नाम पर दिल खोल कर चंदा देने के लिए कह रहे हैं। यह मस्जिद दक्षिण कश्मीर के कुलगाम की बताई जा रही है। यह वीडियो एक दिन पुराना है। ईद के मौके पर जब मस्जिद में मौलाना नमाजियों को नेकी और इबादत का पाठ पढ़ा रहे थे, उसी समय लश्कर-ए-तैयबा के कुछ आतंकी वहां पहुंचे और मौलाना की तकरीर को रोक कर खुद बोलने लगे। पहले तो उन्होंने मस्जिद में लोगों से भावनात्मक अपील की फिर कहने लगे कि उन्होंने अपने घर, परिवार और गांव सिर्फ आप लोगों के लिए छोड़े हैं। इस मकसद को कामयाब बनाने के लिए लश्कर को आर्थिक मदद की जरूरत है।

एक तरफ आतंकी लोगों से कह रहे थे कि वे उनसे जोर जबरदस्ती नहीं कर रहे हैं। दूसरी ओर उन्हें धमकाने के लिए अपने हथियारों को हवा में लहरा रहे थे। करीब एक मिनट 32 सेकेंड की इस वीडियो में आतंकी बार-बार आजादी और चंदा देने की बात कह रहे थे। इस दौरान उन्होंने देश विरोधी नारे लगाए। गौरतलब है कि दक्षिण कश्मीर आतंकियों का गढ़ माना जाता है, लेकिन पिछले कुछ महीनों में सेना की ऑपरेशन ऑल आउट में आतंकियों के कई नामी कमांडर मारे गए हैं।

आतंकी हरचरण के रिश्तेदारों के घर पर पुलिस ने दी दबिश

जागरण संवाददाता, अमृतसर : पुलिस द्वारा पकड़े गए बब्बर खालसा इंटरनेशनल के तीसरे आतंकी हरचरण सिंह के बताए कुछ ठिकानों पर गुरुवार को स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल की टीम ने दबिश दी। बताया जा रहा है कि पुलिस की टीम ने दिल्ली के नांगलोई इलाके में तीन स्थानों पर छापामारी की। यहां हरचरण सिंह के दोस्त और रिश्तेदार रहते हैं। सूत्रों के अनुसार इस छापामारी में पुलिस को कोई बड़ी कामयाबी नहीं मिली परंतु उसके मोबाइल से मिले नंबरों की जांच की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही आतंकी नेटवर्क के संबंध में कई पुख्ता जानकारियां सामने आएंगी। वहीं, हरचरण सिंह और उसके साथी जगदेव सिंह व रविंदरपाल सिंह से लगातार पूछताछ जारी है।

स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल के प्रवक्ता के अनुसार मलेशिया में रह रहे बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकी कुलविंदर सिंह खानपुरिया और पाकिस्तान में बैठे आतंकी हरमीत सिंह पीएचडी की ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर रची गई आतंकी हमले की साजिश को नाकाम कर दिया गया है। अब पुलिस पकड़े गए तीनों आतंकियों की निशानदेही पर आतंक फैलाने वाले लोगों के नाम उगलवा रही है।

गया में दबोचे गए विस्फोटक लेकर जा रहे नक्सली

जागरण संवाददाता, शेरघाटी (गया)

कई राज्यों में विस्फोटक पहुंचाने वाले हार्डकोर नक्सली समेत तीन को पुलिस ने गुरुवार की सुबह डोभी में दबोच लिया। दबोचा गया हार्डकोर रूपेश कुमार सिंह प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के क्राइम ब्यूरो टेक्निकल की स्पेशल एरिया कमेटी का सदस्य है।

रूपेश डुमरिया थाना क्षेत्र के छकरबंधा में नक्सलियों को विस्फोटक की आपूर्ति करने जा रहा था। छकरबंधा क्षेत्र में हाल ही में नक्सलियों ने पूर्व विधान पार्षद अनुज कुमार सिंह का मकान भी उड़ाया था। पुलिस ने रूपेश के साथ उसके सहयोगी मिथिलेश कुमार सिंह और वाहन चालक मो. कलाम को भी गिरफ्तार किया है। ये दोनों झारखंड के रामगढ़ के निवासी हैं। रुपेश भागलपुर जिले के शाहकुंड थाना क्षेत्र के सरौनी गांव का है।

डीएसपी रवीश कुमार ने पत्रकारों को बताया कि पुलिस को सूचना थी कि हजारीबाग की ओर से नक्सली विस्फोटक लेकर छकरबंधा जा रहे हैं। तत्काल डोभी मोड़ पर वाहन चेकिंग शुरू कर दी गई। इसी दौरान झारखंड के नंबरवाली एक कार से पुलिस ने विस्फोटक के साथ तीनों को गिरफ्तार कर लिया। वाहन से भारी मात्रा में नक्सली साहित्य भी बरामद किए गए हैं। रूपेश ने पूछताछ में स्वीकार किया कि इससे पहले भी वह तीन खेप आपूर्ति कर चुका है। वह जिस टीम का सदस्य है, उसका काम विस्फोटक की आपूर्ति करना है।

बरामद विस्फोटक व अन्य सामग्री : कार से 15 बंडल डेटोनेटर बरामद किए गए हैं। प्रत्येक बंडल में 25 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर है। इसके अलावा 32 पीस जिलेटिन छड़, नक्सली साहित्य, तीन मोबाइल और एक चिप बरामद किया गया है। अनुमान है कि चिप से ही संदेशों का आदान-प्रदान होता था।

शोध गांधी विचार पर, काम दहशत फैलाने का : एसटीएफ टीम का नेतृत्व कर रहे एसपी नक्सल अभियान अरूण कुमार सिंह ने बताया कि पता लगाया जा रहा है कि कार किसकी और कहां की है। रुपेश ने अपने को झारखंड से प्रकाशित एक पत्रिका का कथित संपादक बताया। उसने खुद को पोस्ट ग्रेजुएट बताया। वह तिलकामांझी विश्वविद्यालय भागलपुर से 2012 में गांधी विचार पर शोध कर रहा था।

पुलवामा में हथियार समेत दो एसपीओ हुए गायब

राज्य ब्यूरो, जम्मू : दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में पुलिस के दो एसपीओ अपने हथियारों संग गायब हो गए हैं। दोनों जिला पुलिस लाइन पुलवामा में तैनात थे। वे दोपहर बाद से ही हथियारों समेत गायब हैं। सूत्रों के अनुसार दो एसपीओ शब्बीर अहमद निवासी तुजान पुलवामा और सलमान अहमद निवासी अथमुला शोपियां दोनों ही पुलिस लाइन से अपने हथियारों के साथ गायब हैं।

हालांकि, पुलिस के अधिकारी इस मामले पर अभी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है, लेकिन कश्मीर के विभिन्न भागों से इससे पहले भी कई बार पुलिस कर्मी अपने हथियारों के साथ गायब हुए हैं। पिछले साल पीडीपी के पूर्व विधायक के घर से एक एसपीओ सात राइफलें और गोला बारूद लेकर गायब हो गया था। पिछले साल पांपोर पुलिस स्टेशन से एक एसपीओ हथियार लेकर भाग गया था और आतंकी संगठन में शामिल हो गया था। पिछले साल ही शोपियां जिले में भी एक एसपीओ एके-47 के साथ गायब हो गया था। साल 2016 के बाद आतंकी घटनाओं में हुई वृद्धि के बाद से ही इस प्रकार की घटनाएं सामने आती रहती हैं।

चीन सीमा पर दो सड़क व एक पुल राष्ट्र को समर्पित

जागरण संवाददाता, उत्तरकाशी

▶ नेलांग घाटी में यह सबसे ऊंचा प्रीस्ट्रैस्ड कंक्रीट पुल है

▶ राजकीय शोक की जानकारी न मिलने से गुरुवार को ही हुआ लोकार्पण

भारत-चीन सीमा पर सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण दो सड़क और एक प्रीस्ट्रैस्ड कंक्रीट पुल सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के जनरल ऑफिसर कमांडिग (उत्तर भारत एरिया) ले. जनरल हरीश ठुकराल ने गुरुवार सुबह राष्ट्र को समर्पित किए। हालांकि, सूबे के वित्त मंत्री प्रकाश पंत के आकस्मिक निधन के कारण प्रदेश सरकार ने सूबे में राजकीय शोक घोषित किया हुआ है। लेकिन, बॉर्डर एरिया में संचार सुविधा न होने के कारण बीआरओ अधिकारियों को इसकी जानकारी गुरुवार दोपहर को मिली। इससे लोकार्पण का कार्यक्रम नहीं टाला जा सका।

भारत-चीन सीमा से लगे नेलांग क्षेत्र में गुरुवार सुबह बीआरओ ने नेलांग-नागा और नागा-सोनम डबल लेन सड़कों के अलावा नागा सेक्टर में समुद्रतल से 12,680 फीट की ऊंचाई पर बने 45 मीटर लंबे प्रीस्ट्रैस्ड कंक्रीट पुल का लोकार्पण किया। इस कार्यक्रम में बीआरओ के जनरल ऑफिसर कमांडिग (उत्तर भारत एरिया) ले. जनरल हरीश ठुकराल सहित बीआरओ और सेना के बड़े अधिकारी पहुंचे। ले. जनरल ठुकराल ने पुल और सड़कों के बेहतर निर्माण के लिए बीआरओ के महानिदेशक ले. जनरल हरपाल सिंह और शिवालिक परियोजना के मुख्य अभियंता आशु सिंह राठौर समेत अन्य अधिकारियों और जवानों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इन सड़कों और पुल के बनने से सेना और आइटीबीपी को अग्रिम चौकियों तक पहुंचने में काफी आसानी होगी।

बीआरओ शिवालिक परियोजना के मुख्य अभियंता एएस राठौर ने कहा कि बीआरओ ने सड़क निर्माण के लिए पर्यावरण के अनुकूल नई कोल्ड मिक्स तकनीक का इस्तेमाल किया है। इससे पर्यावरण को कम से कम नुकसान होता है। बीआरओ ने विषम परिस्थितियों एवं अत्याधिक ठंड के बीच 12,680 फीट की ऊंचाई पर प्रीस्ट्रैस्ड कंक्रीट पुल का निर्माण किया है। नेलांग घाटी का यह सबसे ऊंचाई वाला प्रीस्ट्रैस्ड कंक्रीट पुल है। बताया कि चीन की ओर से सीमावर्ती क्षेत्रों के तेजी से आधुनिकीकरण को देखते हुए बीआरओ भी भारतीय सीमा में सड़क और पुलों के निर्माण में तेजी से कार्य कर रहा है। उत्तराखंड में शिवालिक परियोजना पूरी शिद्दत से सीमावर्ती क्षेत्रों को मजबूत बनाने में जुटी हुई है। इस वर्ष बीआरओ की ओर से सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कई और सड़क और पुलों का निर्माण पूरा किया जाना है। जो कि राष्ट्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

दो सड़कों और एक प्री-स्ट्रेस कंक्रीट पुल को गुरुवार को सीमा सड़क संगठन के जनरल ऑफिसर कमांडिग (उत्तर भारत एरिया) ले. जनरल हरीश ठुकराल ने देश को समर्पित किया। जागरण

उत्तरकाशी में भारत-चीन सीमा पर नागा सेक्टर की नेलांग घाटी में बना पुल। जागरण

विरासत

भारतीय भवन निर्माण कला की बेजोड़ धरोहर को सहेजने में नाकाम हो रहा तंत्र, पत्थरों के अवैध खनन के लिए हो रहे विस्फोट ने हालात बनाए बदतर, चीनी यात्री ह्वेन सांग, इरानी यात्री अब्दुल लतीफ एवं फ्रांसिस बुकानन ने किया है इस किले का वर्णन

दरक रहा तेलियागढ़ी किला, खतरे में गेट-वे ऑफ बंगाल

धनंजय मिश्र, साहिबगंज

संताल परगना का राजमहल इलाका। पहाड़ियों से भरपूर इस क्षेत्र का नाम इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है। यहीं पर राजमहल की पहाड़ियों के बीच मंडरो के गढ़ी मौजा में गेट-वे ऑफ बंगाल के नाम से मशहूर तेलियागढ़ी किला है। तंत्र की लापरवाही से यह धरोहर कब खत्म हो जाएगी, कहा नहीं जा सकता। आज इस किले की दीवारें दरक रही हैं। भारतीय पुरातत्व विभाग ने इसे संरक्षित करने की घोषणा भी की। बावजूद किले के आसपास पहाड़ी पर पत्थर के अवैध खनन के लिए हो रहे विस्फोट इसे लील लेने को आतुर हैं। इस किले की दीवारें दरक रही हैं।

चीनी यात्री ह्वेन सांग, इरानी यात्री अब्दुल लतीफ एवं फ्रांसिस बुकानन ने अपनी रचनाओं में इस किले का उल्लेख किया है। ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल ने वर्ष 2009-10 में 15 लाख की लागत से किले की चारदिवारी एवं अन्य जगह मरम्मत कराई थी, लेकिन इसके बाद भी देखरेख के अभाव में किले की दीवारें जगह-जगह दरक और ढह रही हैं।

संताल परगना के राजमहल में स्थित प्राचीन तेलियागढ़ी किला। जागरण

सामरिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण था तेलियागढ़ी किला : तेलियागढ़ी का ऐतिहासिक किला कभी आर्थिक एवं सामरिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण था। इस किले का 15 वीं शताब्दी में हिंदू साहू राजा ने निर्माण कराया। 16 वीं शताब्दी में बंगाल के मुगल शासक जलाल ने साहू राजा को परास्त कर इस किले पर अधिपत्य स्थापित किया। उन्होंने इसे दुर्ग का स्वरूप दिया। बंगाल पर किसी भी आक्रमण को रोकने के लिए यहां सेना की एक टुकड़ी हमेशा रहती थी।

प्राचीन बंगाल में प्रवेश करने के लिए संताल से यही प्रवेश द्वार था। राजमहल की पहाड़ी के रास्ते सेना के आने जाने का रास्ता भी यहां से ही था। महान सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य के शासनकाल में आए यवन राजदूत मेगास्थनीज ने गंगा नदी से सटे पहाड़ पर काले पत्थरों व ईंटों से बने इस किले का उल्लेख अपनी पुस्तक में किया है। चीनी यात्री ह्वेन सांग ने भी इसका उल्लेख किया है। सोलहवीं सदी में भारत आए इरानी यात्री अब्दुल लतीफ एवं अठारहवीं सदी में आए फ्रांसिस बुकानन ने भी अपनी रचनाओं में इसका उल्लेख किया है।

> साहिबगंज जिले में पर्यटन विकास को लेकर प्लान तैयार कर राज्य सरकार को भेजा है। यहां के सभी ऐतिहासिक स्थलों व किले को संरक्षित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। किले के आसपास जो भी खनन हो रहा है तो उसे बंद कराया जाएगा। किले को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा।
>
> **-संदीप सिंह, उपायुक्त, साहिबगंज**

भारतीय वास्तुकला का बेजोड़ नमूना : तेलियागढ़ी किला भारतीय वास्तुकला का बेजोड़ नमूना है। जो बताता है कि अतीत में हमारा भवन निर्माण ज्ञान कितना समृद्ध था। इस किले में जगह-जगह बने मेहराब इसकी गौरवगाथा सुनाते हैं। सुर्खी और चूने के मिश्रण से ईंटों की ऐसी जुड़ाई की गई जो सैकड़ों वर्षों बाद भी अपनी मजबूती को बयां कर यहां के कला का नमूना पेश कर रही है। बावजूद आज मानवीय क्रियाकलाप और शासन की अनदेखी इस धरोहर को खत्म करने पर तुली है।

मेरठ में फरहीन से बनी अन्नू हिंदू रीति-रिवाज से की शादी

जागरण संवाददाता, मेरठ

▶ नवदंपती ने जान का खतरा बताकर मांगी सुरक्षा

▶ एक साल पूर्व पहले पति ने दे दिया था तीन तलाक

मेरठ के मवाना के गांव खेड़ी मनिहार में फरहीन से अन्नू बनी युवती ने गुरुवार दोपहर मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से प्रेमी संग सात फेरे लिए। इस दौरान युवती की मां व लड़के के भाई के साथ हिंदू जागरण मंच पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

खेड़ी मनिहार निवासी तलाकशुदा फरहीन का एक साल से गांव के ही अमरदीप चौधरी से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। काफी समय से दोनों एक-दूसरे के साथ ही रह रहे थे। लड़की पक्ष के कुछ लोग इसका विरोध कर रहे थे। उन्होंने 100 नंबर पर फोन कर गांव का माहौल बिगड़ने का अंदेशा जताया। इस पर गुरुवार दोपहर पुलिस अमरदीप को थाने ले आई। पीछे-पीछे युवती अपनी मां शाहिदा के साथ पहुंच गई। उन्होंने अमरदीप को हिरासत में लेने का विरोध किया। लड़के का भाई अमित भी पहुंच गया तो दोनों के परिजनों के बीच लंबी वार्ता हुई। परिजन दोनों की शादी पर सहमत हो गए। इस बीच हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारी भी पहुंच गए। इसके बाद गुरुवार को दोनों ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई और अग्नि के सात फेरे लेकर विवाह बंधन में बंध गए। इस दौरान लड्डू भी बांटे गए। शादी के बाद थाने पहुंचे नवदंपती ने पुलिस से सुरक्षा मांगी। आरोप लगाया कि कुछ शरारती तत्व शादी का विरोध कर रहे हैं और उन्हें व परिजनों को जानमाल का खतरा है। दोनों ने अपने ऊपर हमले की आशंका भी जताई।

पति ने दे दिया था तीन तलाक : युवती का एक साल पूर्व मेरठ निवासी युवक के साथ निकाह हुआ था, लेकिन 15 दिन में ही उसे तीन तलाक बोलकर छोड़ दिया था। युवती मायके में आकर रहने लगी। बुरी तरह टूट चुकी युवती को अमरदीप का साथ मिला तो दोनों का प्यार आगे बढ़ गया।

12 गुना ज्यादा दूषित है गैर ओडीएफ गांवों का भूजल। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने अपनी एक रिपोर्ट पेश की है। इन गांवों में मिट्टी की गुणवत्ता ओडीएफ गांव की तुलना में 1.1 गुना और भोजन की गुणवत्ता 2.16 गुना दूषित पाई गई है। पेयजल की गुणवत्ता भी 2.4 गुना अधिक दूषित पाई गई है।

बड़े भूकंप के मुहाने पर खड़ा उत्तराखंड

सुमन सेमवाल, देहरादून

- वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान ने उत्तराखंड में वर्ष 2007 से 2018 तक आए भूंकपों का किया अध्ययन
- 3628 भूकंपों से निकली महज पांच फीसद ऊर्जा, 95 फीसद ऊर्जा का भूगर्भ में ही जमा होना भविष्य में बड़े खतरे का संकेत

उत्तराखंड की धरती भविष्य में बेहद बड़े (आठ रिक्टर स्केल तक) भूकंप का संकेत दे रही है। यहां पिछले 11 साल में आए भूकंपों से महज पांच फीसद ही ऊर्जा बाहर निकल पाई है, जबकि 95 फीसद ऊर्जा अभी भी भूगर्भ में जमा है। इस बात का राजफाश वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के वैज्ञानिकों ने वर्ष 2007 से 2018 के बीच आए भूकंपों के अध्ययन से किया। संस्थान में गुरुवार को शुरू हुई नेशनल जियो-रिसर्च स्कॉलर्स मीट में इस ताजातरीन अध्ययन को साझा भी किया गया।

'एनालिसिस ऑफ सिस्मोसिटी इन दि सेंट्रल सिस्मिक गैप इन दि हिमालय' नामक शोध पत्र को प्रस्तुत करते हुए रिसर्च स्कॉलर अनिल तिवारी ने बताया कि वर्ष 2007 से 2018 के बीच उत्तराखंड में 3628 भूकंप आए हैं। ये भूकंप पांच से 50 किलोमीटर तक की गहराई में आए हैं। एक सामान्य भूकंप में 150 से 200 बार (भूकंपीय ऊर्जा मापने की इकाई) तक की ऊर्जा बाहर निकलती है। जबकि अध्ययन में देखा गया कि इन भूकंपों में 10 बार के बराबर ही ऊर्जा बाहर निकली। अधिकांश भूकंपीय ऊर्जा का बाहर न निकल पाना इसलिए भी चिंता की बात है कि हिमालयी क्षेत्र में भूगर्भ में निरंतर हलचल मची है और ऊर्जा बन रही है। इससे पूरे क्षेत्र में बेहद बड़े भूकंप की आशंका लगातार बनी है।

चमोली व उत्तरकाशी सर्वाधिक संवेदनशील : अध्ययन में यह भी बताया गया कि वर्ष 1991 में उत्तरकाशी में 6.8 व वर्ष 1999 में चमोली में 6.6 रिक्टर स्केल के भूकंप में भी अधिकांश ऊर्जा बाहर नहीं निकल पाई और भूगर्भीय हलचल बरकरार है। चमोली वाली भूकंपीय बेल्ट में ही रुद्रप्रयाग में फरवरी 2017 में 5.7 रिक्टर स्केल का भूकंप आया और फिर उसी जगह दिसंबर 2017 में ही 5.3 रिक्टर स्केल का भूकंप रिकॉर्ड किया गया। इससे स्पष्ट होता है कि इन दोनों क्षेत्रों में सर्वाधिक भूकंपीय ऊर्जा जमा है।

पूर्व के अध्ययन से समानता ने बढ़ाई चिंता : इससे पहले वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान ने ही हिमालय (उत्तर-पश्चिम) में करीब 20 हजार किलोमीटर क्षेत्रफल में वर्ष 1968 से 2017 के बीच 423 छोटे (1.8 से 5.6 रिक्टर स्केल तक) भूकंपों के अध्ययन के बाद कहा था कि तीन से पांच फीसद तक ऊर्जा बाहर निकली है। अब उत्तराखंड में बड़े पैमाने पर किए गए अध्ययन में भी इसी तरह की बात सामने आई है।

> भूकंपों की अधिकांश ऊर्जा भूगर्भ में ही रहना भविष्य के लिए चिंता की बात है। क्योंकि अभी हम यह बता पाने की स्थिति में नही है कि अगला भूकंप कब और कितनी क्षमता का आएगा। फिर भी भूकंप के पूर्वानुमान को लेकर निरंतर शोध किए जा रहे हैं।
> -डॉ. कलाचंद सांई, निदेशक (वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान, देहरादून)

उत्तराखंड में 11 साल में आए भूकंप (2.2 से 5.7 रिक्टर स्केल के बीच)

वर्ष	संख्या
2007	94
2008	352
2009	340
2010	392
2011	311
2012	211
2013	177
2014	274
2015	386
2016	461
2017	491
2018	139
कुल	3628

सीबीएसई 12वीं में दो अंक बढ़े तो देश में पाया तीसरा स्थान

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद

तनीषा बंसल

- निरीक्षक की गलती से तनीषा को गणित में दो अंक मिले थे कम
- उत्तर पुस्तिका की दोबारा जांच में 98 से बढ़कर 100 हुए अंक

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के निरीक्षक द्वारा 12वीं कक्षा की उत्तर पुस्तिका की जांच में चूक का मामला सामने आया है। निरीक्षक की गलती के कारण छात्रा तनीषा बंसल को गणित में दो अंक कम दिए थे। उत्तर पुस्तिका की दोबारा जांच में दो अंक बढ़ने से वह राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। इसी के साथ अब देश भर में तीसरे स्थान पर 19 विद्यार्थी हो गए हैं।

उल्लेखनीय है कि सीबीएसई ने 2 मई को 12वीं कक्षा का परिणाम जारी किया था। इसमें बल्लभगढ़ की अज्जी कालोनी निवासी तनीषा बंसल 500 में से 495 अंक प्राप्त करके जिले में पहले स्थान पर रही थीं। गणित में उसके 98 अंक थे। उसे विश्वास था कि गणित में सौ फीसद अंक आने चाहिए थे। पिता राजेश बंसल ने 4 मई को उत्तर पुस्तिका की दोबारा जांच कराने के लिए फार्म भरा। बोर्ड के निरीक्षक ने तनीषा को प्रश्न नंबर 13 और 35 में एक-एक अंक कम दिए थे। बोर्ड के पैनल द्वारा उत्तर पुस्तिका की दोबारा जांच की गई तो उक्त प्रश्नों के उत्तर में कोई गलती नहीं थी। इसके बाद दो अंक बढ़ाकर 100 कर दिए गए। राजेश बंसल ने बताया कि दोबारा जांच का फार्म भरने पर उन्हें उत्तर पुस्तिका की फोटो कॉपी मिल गई थी, जिसे लेकर कई अध्यापकों से जांच कराई थी।

डीयू में आवेदन की तिथि समाप्त होने का था भय : राजेश बंसल ने बताया कि तनीषा दिल्ली यूनिवर्सिटी से इकोनॉमिक्स विषय से ऑनर्स करना चाहती है। मगर दोबारा उत्तर पुस्तिका जांच का फार्म भरने की वजह से आवेदन नहीं कर पाई थी। उन्हें आवेदन तिथियों के समाप्त होने चिंता सता रही थी। दो अंक बढ़ने के बाद अब वह सोमवार को आवेदन करेगी।

उत्तर प्रदेश में आंधी, बारिश-ओलावृष्टि, आठ लोगों की मौत

जेएनएन, लखनऊ : गुरुवार को प्रदेश में खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में आंधी-बारिश, ओलावृष्टि और वज्रपात हुआ। इस दौरान आठ लोगों की लोगों की मौत हो गई। हालांकि, पूर्व और मध्य पूर्वी उत्तर प्रदेश में मौसम के तेवर अलहदा रहे। यहां गर्मी चरम पर है। गुरुवार को झांसी सबसे अधिक गर्म रहा। यहां पारा 47 के पार पहुंच गया।

राजधानी लखनऊ में मौसम की तल्खी पिछले दो-तीन दिन से फिर बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक राहत के आसार नहीं हैं। गुरुवार सुबह से गर्म हवा लू का अहसास कराती रही।

गुरुवार को झांसी 47.4 डिग्री तापमान के साथ प्रदेश में सर्वाधिक गर्म रहा। बांदा में 46.2 और आगरा में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इटावा और उरई में 45 डिग्री जबकि हमीरपुर में 44.2 व बस्ती 44 रहा। इलाहाबाद और कानपुर में 43.4 डिग्री रिकार्ड किया गया। आगरा में गुरुवार को आसमान से दिनभर सूरज की किरणें आग बरसाती रहीं पर शाम को आंधी, बारिश के साथ ही जमकर ओलावृष्टि हुई। इसके बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

बीच सड़क पर बीजद विधायक ने इंजीनियर को कराई उठक-बैठक

जेएनएन, भुवनेश्वर : ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल के विधायक सरोज कुमार मेहर ने बलांगीर जिले के बेलपाड़ा प्रखंड में बीच सड़क पर जूनियर इंजीनियर को 100 बार उठक-बैठक कराई। घटना बुधवार की बताई जाती है, लेकिन इसका पर्दाफाश सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने पर हुआ। वीडियो वायरल होते ही बलांगीर के जिलाधिकारी ने पतनागढ़ के उपजिलाधिकारी से रिपोर्ट मांगी है। मेहर पहली बार विधायक निर्वाचित हुए हैं।

दरअसल, पतनागढ़ विधायक मेहर बुधवार को बलांगीर जिले के बेलपाड़ा प्रखंड के दौरे पर थे। दौरे के क्रम में स्थानीय लोगों ने मांडल-बेलपाड़ा बाईपास सड़क निर्माण में अनियमितता की शिकायत की। घटिया निर्माण कार्य की शिकायत पर मेहर ने जूनियर इंजीनियर को तलब किया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में मेहर अभियंता को फटकार लगाते हुए और उसे बीच सड़क पर 100 बार उठक-बैठक कराते नजर आ रहे हैं। इसमें जूनियर इंजीनियर माफी भी मांगते देखा जा रहा है। साथ ही आदेश नहीं मानने पर इंजीनियर को पीटने की भी धमकी देते विधायक देखे जा सकते हैं।

निपाह वायरस के छह संदिग्ध मरीजों के टेस्ट निगेटिव, नहीं फैला वायरस

राहत की सांस ▶ तिरुवनंतपुरम में अभी भी दो संदिग्ध मरीज मेडिकल कॉलेज में भर्ती

निपाह वायरस संक्रमित छात्र की हालत में भी आया सुधार

कोच्चि, प्रेट्र/एएनआइ : केरल में निपाह वायरस के छह संदिग्ध मरीजों की जांच के नतीजे निगेटिव आए हैं। केरल की स्वास्थ्य मंत्री केके शैलजा ने गुरुवार को यह बताया। उन्होंने कहा कि जांच नतीजे निगेटिव आने से पता चलता है कि निपाह वायरस फैला नहीं है, लेकिन तिरुवनंतपुरम में दो संदिग्ध मरीजों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, दोनों को तेज बुखार है। उनके सैंपल जांच के लिए भेज दिए गए हैं और उन्हें आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है। वहीं, निपाह वायरस से संक्रमित छात्र की हालत में सुधार हो रहा है।

शैलजा ने बताया कि निपाह वायरस से पीड़ित छात्र के सीधे संपर्क में आने वाले छह लोगों को कलामसेरी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनका सैंपल जांच के लिए पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआइवी) भेजा गया था। गुरुवार को रिपोर्ट आई तो नतीजे निगेटिव पाए गए, जो राहत की बात है। हालांकि, अभी सभी मरीजों को आइसोलेशन वार्ड में ही रखा गया है। इनके अलावा राज्य में 314 लोगों को भी निगरानी में रखा गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन लगातार केरल की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। वह राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के संपर्क में भी बने हुए हैं।

कर्नाटक में हाई अलर्ट : केरल के हालात को देखते हुए कर्नाटक के स्वास्थ्य विभाग ने सर्कुलर जारी कर राज्य में निगरानी गतिविधियों को तेज करने को कहा है। सर्कुलर में चामराजनगर, मैसूरु, कोडागु, दक्षिण कन्नड़, उत्तरी कन्नड़, उडुपी, शिवमोग्गा और चिकमंगलूर जैसे जिलों में पशु चिकित्सा विभाग, आइएमए, आइएपी विभागों के समन्वय समिति की तत्काल बैठक बुलाकर हालात पर चर्चा करने को कहा गया है। समाचार एजेंसी आइएएनएस के मुताबिक तमिलनाडु सरकार ने केरल से आने वाले लोगों की जांच के लिए राज्य के सीमावर्ती सात जिलों में चेकपोस्ट पर मेडिकल टीम तैनात की है। हालांकि, अभी तक तमिलनाडु में निपाह वायरस का कोई मामला नहीं मिला है।

केरल के कोच्चि में गुरुवार को मेडिकल कॉलेज में निपाह वायरस के मद्देनजर पूर्ण सुरक्षात्मक आवरण में चिकित्साकर्मी। एएफपी

अरब में रहने वाले केरल निवासी चिंतित

दुबई, प्रेट्र : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रहने वाले केरल के लोगों की चिंता बढ़ गई है। उन्हें अपने परिजनों और जानने वालों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता सताने लगी है। कारोबारी भी केरल आने से कतराने लगे हैं। शरजाह में रहने वाले एरनाकुलम निवासी एस राजेंद्रन ने कहा कि उनके परिवार के लोग केरल में रहते हैं। उनका बेटा भी उसी कॉलेज में पढ़ता है जहां के छात्र को निपाह संक्रमण हुआ है। इसलिए हालात को लेकर उनकी चिंता बढ़ गई है। राजेंद्रन की तरह ही बहुत सारे लोग हैं जो निपाह वायरस से सहमे हुए हैं।

अगले महीने शुरू होगा जागरण फिल्म फेस्टिवल

फरहा खान, केतन मेहता और दीया मिर्जा ज्यूरी में

फरहा खान और दीया मिर्जा • फाइल

जेएनएन, नई दिल्ली: दुनिया के सबसे बड़े घुमंतू फिल्म फेस्टिवल, जागरण फिल्म फेस्टिवल (जेएफएफ) की तिथियों और ज्यूरी सदस्यों की घोषणा कर दी गई है। देशभर के महानगरों के अलावा छोटे शहरों में फिल्म संस्कृति के विकास के लिए आयोजित किया जाने वाला जागरण फिल्म फेस्टिवल इस वर्ष 18 जुलाई से शुरू होकर 29 सितंबर तक चलेगा। जागरण फिल्म फेस्टिवल का आगाज दिल्ली से होगा और देशभर के कई शहरों में इसके आयोजन के बाद समापन मुंबई में होगा। लखनऊ, पटना, भोपाल, रांची, इंदौर, वाराणसी के अलावा कई अन्य शहरों में जेएफएफ का आयोजन होगा। जागरण फिल्म फेस्टिवल का यह दसवां संस्करण होगा। पिछले नौ सालों में इस फेस्टिवल ने देशभर के सिनेमा प्रेमियों के बीच अपनी एक खास जगह बनाई है और सालभर इस फेस्टिवल का इंतजार करते हैं।

इस बार मशहूर फिल्म निर्देशक फरहा खान, केतन मेहता के साथ निर्माता-निर्देशक निखिल आडवाणी और अभिनेत्री दीया मिर्जा समेत फिल्म से जुड़ीं कई नामचीन हस्तियां ज्यूरी में शामिल की गई हैं। बेस्ट फीचर फिल्म का अवार्ड तय करेंगे ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली के प्रोड्यूसर एस यारलगड्डा, फराह खान और केतन मेहता। शॉर्ट फिल्म कैटेगरी में बेस्ट फिल्म को चुनने के लिए मंथन करेंगी अभिनेत्री दीया मिर्जा, निर्माता-निर्देशक निखिल आडवाणी और लेखक-निर्देशक समीर सक्सेना।

जागरण प्रकाशन लिमिटेड के ब्रांड और स्ट्रेटजी के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट बसंत राठौड़ ने कहा कि वह नामचीन हस्तियों के जागरण फिल्म फेस्टिवल की ज्यूरी से जुड़ने पर उत्साहित हैं। ज्यूरी के सदस्यों को बेहतरीन फिल्मों के बीच से एक अच्छी फिल्म का चुनाव करने में आनंद आएगा। जागरण फिल्म फेस्टिवल में भारतीय फिल्मों के अलावा चर्चित विदेशी फिल्में भी दिखाई जाती हैं। किसी एक भारतीय कलाकार पर रेट्रोस्पेक्टिव भी होगा यानी उसके फिल्मी सफर को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके तहत संबंधित कलाकार की लोकप्रिय फिल्में दिखाई जाती हैं।

ईद मनाकर लौट रहे युवकों की गाड़ी ट्राले से टकराई, छह की मौत

जागरण संवाददाता, जींद : शहर के तलौडा खेड़ी गांव के समीप सड़क पर खड़े ट्रक से इनोवा कार के टकरा जाने से हुए हादसे दो सगे भाइयों सहित छह युवकों की मौत हो गई। घटना बृहस्पतिवार तड़के की है। ये सभी ईद मनाकर शामली (उप्र) से सिरसा लौट रहे थे। इनमें से चार युवक सोनू, उसका छोटा भाई फिरोज, 14 वर्षीय रेहान और मोइन शामली के बनत गांव के रहने वाले थे। वे यहां सिरसा में रेडीमेड गारमेंट्स का कारोबार करते थे। बाकी दो गाड़ी चालक राजकुमार और राहुल सिरसा के रहने वाले थे। इनोवा में पीछे बैठे बनत गांव निवासी नावेद, शौकीन, साहिब और सिरसा निवासी गौरव, मनीष और काकू भी गंभीर रूप से घायल हैं।

सिरसा लौटते समय तलौडा खेड़ी गांव के निकट ढाबे के सामने सड़क पर खड़े ट्रॉले से उनकी इनोवा टकरा गई। इससे इनोवा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। आसपास के लोगों ने शवों को बाहर निकाला और घायलों को नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया। वहां से एक घायल साहिब को छोड़कर बाकी सभी को रोहतक पीजीआइएमएस रेफर कर दिया गया, लेकिन उनके परिवार वालों ने उन्हें वहां न ले जाकर निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।

कैलास यात्रा की तैयारी अंतिम दौर में, 12 को पहुंचेगा पहला दल

जागरण संवाददाता, पिथौरागढ़

- यात्रा के बाद वापसी में पिथौरागढ़ आएंगे कैलास मानसरोवर यात्री

कैलास मानसरोवर यात्रा शुरू होने में अब सिर्फ छह दिन का समय शेष रह गया है। ऐसे में जिला प्रशासन ने यात्रा तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इस बार भी कैलास मानसरोवर के दर्शन करने के बाद यात्री वापसी में पिथौरागढ़ होते हुए लौटेंगे। जबकि यात्रा में जाते समय यात्री बेरीनाग के चौकोड़ी नामक स्थान पर जिले की सीमा में प्रवेश करेंगे। सितंबर तक चलने वाली कैलास यात्रा में इस बार 18 दल बाबा कैलास के दर्शन को जाएंगे।

कैलास मानसरोवर यात्रा आगामी 12 जून से प्रारंभ हो रही है। पहले दल के लिए चयनित यात्री नई दिल्ली पहुंचने लगेंगे। जहां पर यात्रियों के कागजात तैयार होंगे और स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जाएगा। इसमें सफल यात्रियों को दल में शामिल किया जाएगा। दल 12 जून को दिल्ली से काठगोदाम के लिए रवाना होगा। काठगोदाम पहुंचने के बाद उसी दिन अल्मोड़ा पहुंचेगा। दूसरे दिन अल्मोड़ा से आधार शिविर धारचूला को प्रस्थान कर देर सायं धारचूला पहुंचेगा। तीसरे दिन से पैदल यात्रा प्रारंभ होगी। कुमाऊं मंडल विकास निगम के प्रबंधक दिनेश गुरुरानी ने बताया कि यात्रा में जाते समय दल जिला मुख्यालय पिथौरागढ़ नहीं आएगा। वापसी में आधार शिविर धारचूला से पिथौरागढ़ आएगा।

डीएम विजय कुमार जोगदंडे ने बताया कि पिथौरागढ़ धारचूला और अल्मोड़ा धारचूला मार्गों को ठीक रखने के निर्देश सीमा सड़क संगठन और लोक निर्माण विभाग को दिए गए हैं। मार्ग बंद होने पर तत्काल खोलने के लिए मार्ग पर अतिरिक्त गैंग, जेसीबी, बुलडोजर तैनात रखने को कहा गया है। किसी भी मार्ग के बंद होने पर दूसरे मार्ग से आवाजाही कराई जाएगी।

नजंग से आगे होगी पैदल यात्रा : 14 जून को दल धारचूला से नजंग तक वाहन से पहुंचेगा। जहां से पैदल यात्रा प्रारंभ होगी। पहले दिन दल प्रथम पैदल पड़ाव बूंदी, दूसरे दिन गुंजी पहुंचेगा उस दिन गुंजी में प्रवास करने के बाद अगले दिन नाबी होम स्टे में प्रवास को जाएगा। एक दिन नाबी में प्रवास कर फिर अगले दिन गुंजी लौटेगा। यहां आइटीबीपी के चिकित्सक मेडिकल परीक्षण करेंगे। इस परीक्षण में सफल यात्री आगे की यात्रा करेंगे। इसके बाद दल कालापानी जाएगा जहां रात्रि विश्राम कर दूसरे दिन अंतिम भारतीय पड़ाव नावीढांग जाएगा।

मेरठ में अपहृत बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या पर बवाल

जागरण संवाददाता, मेरठ : मेरठ के खरखौदा क्षेत्र से मंगलवार रात अगवा की गई नौ साल की बच्ची का शव गुरुवार को माधवपुरम के नाले में मिला। इससे लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। लोगों ने हापुड़ रोड पर जाम लगा दिया। हिरासत में लिए गए ट्यूशन टीचर के पति और उसके भाई को भीड़ ने पुलिस से छुड़ाकर जमकर पीटा। पुलिस से भी हाथापाई की गई। पुलिस जीप में तोड़फोड़ कर दी। लोगों ने हिरासत में लिए गए युवकों के घर में तोड़फोड़ कर आग लगाने की कोशिश की। आरोप है कि बच्ची के साथ दरिंदगी भी की गई। पीएसी और आसपास के थानों की पुलिस लगाकर भीड़ को काबू किया गया। रात में पुलिस सुरक्षा में शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया।

खरखौदा थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले की रहने वाली बच्ची मंगलवार रात नौ बजे घर के पास की दुकान पर चावल लेने गई थी, जो देर रात तक भी वापस नहीं लौटी। परिवार के लोगों ने रात 12 बजे खरखौदा थाने पर पहुंचकर बच्ची के अगवा होने की जानकारी दी। परिवार का आरोप है कि पुलिस ने लापरवाही बरती। दो दिनों से लगातार बच्ची के फोटो ही मांगते रहे। मुकदमा दर्ज करने के बाद भी बच्ची की तलाश नहीं की। गुरुवार सुबह चादर में लिपटी बच्ची की लाश माधवपुरम स्थित नाले में मिली।

पंजाब में बुजुर्ग ने डेढ़ साल की बच्ची से किया दुष्कर्म

संवाद सहयोगी, मोगा

- आरोपित को ग्रामीणों ने पीटकर किया अधमरा, पुलिस ने लिया हिरासत में
- 14 घंटे बाद भी केस दर्ज नहीं होने पर भड़के लोगों ने चौक पर लगाया जाम
- पुलिस ने बल प्रयोग कर प्रदर्शन कर रहे लोगों को खदेड़ा

कस्बा कोटईसे खां के निकटवर्ती गांव में बुधवार रात एक डेढ़ साल की बच्ची से नशे में धुत 65 साल के पड़ोसी ने दुष्कर्म किया। ग्रामीणों को जब पता चला तो उन्होंने आरोपित को पीटकर अधमरा कर दिया। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में ले लिया है। वहीं, जब 14 घंटे बाद भी केस दर्ज नहीं हुआ तो लोग और भड़क गए। उन्होंने कोटईसे खां चौक में पुलिस के खिलाफ धरना दे दिया। रोड जाम कर दिया जिससे राहगीरों को बहुत परेशानी हुई। इस दौरान विरोध करने पर कुछ राहगीरों से मारपीट भी हो गई। इस पर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर उनको शांत किया।

मोगा के निकट रहने वाली डेढ़ साल की बच्ची बुआ के पास गांव आई हुई थी। बुधवार शाम आरोपित बुजुर्ग उसे खाने-पीने की चीजें दिलाने के बहाने वहां से ले गया। बच्ची के न मिलने पर परिवार ने तलाश शुरू कर दी और पुलिस को सूचित किया। बच्ची को ढूंढते हुए लोग जब गांव के बाहर पहुंचे, तो उन्होंने बुजुर्ग को संदिग्ध अवस्था में देखा और बच्ची उसके पास ही लहुलुहान पड़ी थी।

इस पर गुस्साए लोगों ने आरोपित को बुरी तरह पीटा। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपित को भीड़ से छुड़ाकर अपनी हिरासत में ले लिया।

उधर, दर्द से कराहती बच्ची को परिजन कोटईसे खां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले गए। वहां मौजूद चिकित्सकों ने महिला पुलिसकर्मी न होने की वजह से पीड़िता का इलाज इसलिए शुरू नहीं किया। करीब आधे घंटे के बाद महिला पुलिस के पहुंचने पर बच्ची का इलाज शुरू किया गया। प्राथमिक उपचार देने के बाद पीड़ित बच्ची को मोगा सिविल अस्पताल में रेफर कर दिया गया। थाना प्रमुख दविंदर प्रकाश ने बताया है कि हिरासत में लिए गए आरोपित बुजुर्ग के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर ली गई है।

टप्पल में बच्ची की हत्या मामले में क्रिकेटर और बॉलीवुड हस्तियां आहत

जागरण संवाददाता, अलीगढ़ : अलीगढ़ के टप्पल में 30 मई को हुई ढाई साल की बच्ची की हत्या से क्रिकेटर व बॉलीवुड हस्तियां भी स्तब्ध हैं। सभी ने ट्वीट कर हत्याकांड पर आक्रोश जताते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। ट्वीट में दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या करने की बात लिखी गई है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई है।

क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने ट्वीट किया है कि टप्पल में सबसे भयानक तरीके से ढाई साल की बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या की खबर से बेहद परेशान हूं। वह न्याय की हकदार है। ट्विंकल खन्ना ने लिखा है कि बच्ची की हत्या के बारे में सुनकर दिल दहल जाता है। स्मृति ईरानी से अनुरोध है कि अपराधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। रवीना टंडन ने लिखा है कि यह भयानक, बर्बर घटना है। अभिषेक बच्चन ने ट्वीट किया है कि बच्ची के बारे में सुनकर गुस्सा आ गया। कोई ऐसा काम करने की सोच भी कैसे सकता है। आयुष्मान खुराना ने कहा कि यह अमानवीय और बर्बर है। उसके परिवार के लिए प्रार्थना है। न्याय होना चाहिए। सिद्धार्थ मल्होत्रा ने लिखा है कि इस खबर से बेहद परेशान हूं। यह एक ऐसी दुनिया में रहने के लिए डरावना है।

तैयारी

अगले साल तक हासिल होगा लक्ष्य, ऐसा करने वाला मध्य प्रदेश का पहला एयरपोर्ट बनेगा, अभी यह एयरपोर्ट है प्लास्टिक फ्री

इंदौर एयरपोर्ट हासिल करेगा जीरो वेस्ट प्रोड्यूस का तमगा

नवीन यादव, इंदौर (मप्र)

मध्य प्रदेश में इंदौर का देवी अहिल्याबाई होलकर इंटरनेशनल एयरपोर्ट अगले साल तक जीरो वेस्ट प्रोड्यूस का तमगा हासिल कर लेगा। प्रबंधन इसके लिए योजना बना रहा है। ऐसा करने वाला इंदौर एयरपोर्ट प्रदेश का पहला एयरपोर्ट होगा। अभी इंदौर एयरपोर्ट प्लास्टिक फ्री है।

इंदौर एयरपोर्ट पर केवल पानी की बोतल और खान-पान की वे वस्तुएं, जो कंपनी से ही प्लास्टिक पैकिंग में आती हैं, ला सकते हैं। इसके अलावा प्लास्टिक की बोतल को क्रश करने के लिए मशीन लगा दी गई है। प्लास्टिक की बोतल क्रश करने पर फूड काउंटर पर डिस्कांउट दिया जा रहा है। इसके अलावा फूड कांउटर से दिए खाने को भी इको फ्रेंडली प्लेट्स में दिया जा रहा है जबकि डस्टबिन में कचरा प्लास्टिक बैग की जगह बायो बैग्स में डाला जा रहा है। वहीं बुधवार से सेनेटरी पैड के निपटान के लिए इंसीनेटर लगा दिए गए हैं।

नहीं जाएगा कोई कचरा बाहर : जानकारी के अनुसार इंदौर एयरपोर्ट से हर दिन करीब 550 किलो कचरा निकलता है। इसमें से 20 किलो कचरा गीला कचरा होता है।

इसे एयरपोर्ट पर ही प्रोसेस कर इसकी खाद बना ली जाती है। इसे एयरपोर्ट कॉलोनी में उपयोग में लाया जाता है। बाकी कचरा ठोस कचरा होता है। पहले इसकी मात्रा कम थी लेकिन जब एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या बढ़ी तो कचरा भी बढ़ गया। अब अन्य सूखे कचरे के निपटान को लेकर भी योजना बना रहे हैं जिससे एयरपोर्ट से किसी तरह का कोई कचरा बाहर नहीं जाएगा। सारे कचरे को वहीं रिसाइकल कर दिया जाएगा। इसके लिए जरूरत पड़ने पर किसी निजी कंपनी की मदद भी ली जाएगी। संभवतः अगले साल के प्रारंभ तक यह लक्ष्य पा लिया जाएगा।

एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआइ) प्रदान करती है सर्टिफिकेट। फाइल

> पिछले पर्यावरण दिवस पर हमने प्लास्टिक फ्री होने का लक्ष्य निर्धारित किया था, जो प्राप्त कर लिया है। इस बार हमने जीरो वेस्ट प्रोड्यूस एयरपोर्ट बनने का लक्ष्य बनाया है। इसकी तैयारी कर रहे हैं।
> -अर्यमा सान्याल, एयरपोर्ट डायरेक्टर, इंदौर

कार्बन मैनेजमेंट सर्टिफाइड एयरपोर्ट बनाने की भी तैयारी : प्रबंधन अभी देश का पहला कार्बन मैनेजमेंट सर्टिफाइड एयरपोर्ट बनने की तैयारी कर रहा है। पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से यह महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। विश्व के लगभग सभी प्रमुख एयरपोर्ट को रैंकिंग देने वाली एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) इसके लिए सर्टिफिकेट प्रदान करती है। भारत में चार एयरपोर्ट को लेवल 1 का सर्टिफिकेट मिला है। कार्बन मैनेजमेंट सर्टिफाइड लेवल 3 कैटेगरी है।

गुना के एडीएम का तबादला एसडीएम पर होगी कार्रवाई

नईदुनिया, गुना (मप्र)

- मध्य प्रदेश के गुना में प्रशासनिक वॉट्सएप ग्रुप पर एसडीएम ने एडीएम के खिलाफ दिया था आदेश

मध्य प्रदेश में गुना जिले के एडीएम दिलीप मंडावी का भोपाल तबादला कर दिया गया है। उनके खिलाफ एसडीएम शिवानी गर्ग ने प्रशासनिक वॉट्सएप ग्रुप पर मैसेज पोस्ट किया था। इस मामले में ग्वालियर कमिश्नर ने एसडीएम को भी दोषी मानते हुए कार्रवाई की बात कही है।

उल्लेखनीय है कि गुना एसडीएम शिवानी गर्ग ने जिले के प्रशासनिक वॉट्सएप ग्रुप 'रिवेन्यु ग्रुप' पर एडीएम दिलीप मंडावी के खिलाफ मैसेज पोस्ट किया था। इसमें अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों को संबोधित करते हुए लिखा था कि अगर किसी ने भी एडीएम को दारू, चिकन आदि पहुंचाया तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बाद में सभी को बुलाकर उनके मोबाइल से यह मैसेज डिलीट करा दिया था। नईदुनिया ने गुरवार के अंक में इस मामले का खुलासा किया था। इस पर संज्ञान लेकर सामान्य प्रशासन विभाग ने एडीएम दिलीप मंडावी का तबादला भोपाल करते हुए उन्हें मंत्रालय में उप सचिव बनाया है।

बदले की भावना से लिखा मैसेज: इस बारे में एडीएम दिलीप मंडावी ने कहा कि निर्वाचन कार्य में लापरवाही के दौरान मैंने एसडीएम शिवानी गर्ग को डांटा था। उसी का बदला लेने के लिए उन्होंने मुझ पर दारू, चिकन मांगने जैसा आरोप लगाने वाला मैसेज ग्रुप में पोस्ट कर दिया। यदि एक भी अधीनस्थ अधिकारी या कर्मचारी यह साबित कर दें कि मैंने कभी ऐसी मांग की है, तो मैं किसी भी जांच और कार्रवाई के लिए तैयार हूं। ग्वालियर संभाग के कमिश्नर बीएम शर्मा ने बताया कि कलेक्टर से जांच रिपोर्ट तलब की है। जांच रिपोर्ट आने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। वहीं, प्रदेश के सामान्य प्रशासन मंत्री गोविंद सिंह ने भी जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

Downloaded from :iascgl.com

दैनिक जागरण
पहले कार्य की योजना बनाएं और फिर योजना अनुरूप कार्य करें

दिशाहीन कांग्रेस

लोकसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद जब यह उम्मीद की जा रही थी कि कांग्रेस अपनी रीति-नीति में व्यापक बदलाव लाएगी तब वह दिशाहीनता से ग्रस्त दिख रही है। किसी को नहीं पता कि राहुल गांधी ने अध्यक्ष पद छोड़ने की जो पेशकश की थी उसका क्या हुआ? इस बारे में भी कोई खबर नहीं कि एक और करारी हार पर कोई आत्ममंथन किया जा रहा है या नहीं? चूंकि यह पता नहीं कि कांग्रेस में शीर्ष स्तर पर क्या हो रहा है इसलिए इस पर हैरानी नहीं कि राज्यों में भी उठापटक तेज होती दिख रही है। तेलंगाना में कांग्रेस के 18 में से 12 विधायक सत्ताधारी तेलंगाना राष्ट्र समिति में शामिल होने को तैयार हैं। पता नहीं कांग्रेस से मुक्त होने को तैयार इन विधायकों की यह इच्छा पूरी होगी या नहीं कि राज्य कांग्रेस का विलय तेलंगाना राष्ट्र समिति में हो जाए, लेकिन अगर वे पार्टी छोड़ देते हैं तो एक और राज्य में कांग्रेस अस्तित्व के संकट से जूझती दिखाई देगी। कांग्रेस के लिए यह भी शुभ संकेत नहीं कि पंजाब में मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह और उनके बड़बोले मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू के बीच तनातनी बढ़ती जा रही है। यदि यह तनातनी और अधिक बढ़ी तो इसका असर कांग्रेस की एकजुटता और साथ ही उसकी छवि पर भी पड़ेगा। पार्टी नेतृत्व को इसकी चिंता करनी चाहिए कि पंजाब में कांग्रेस आपसी कलह का शिकार न होने पाए।

कांग्रेस नेतृत्व को यह समझना होगा कि अगर मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह क्रिकेटर से नेता बने नवजोत सिंह सिद्धू के रुख-रवैये से नाखुश हैं तो इसके लिए उन्हें दोष नहीं दिया जा सकता। नवजोत सिंह सिद्धू एक अर्से से यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि उन्हें अमरिंदर सिंह की परवाह नहीं है। भले ही नवजोत सिंह यह कह रहे हों कि उन्हें हल्के में लिया जा रहा है, लेकिन सच यही है कि वह खुद मुख्यमंत्री को यथोचित महत्व देने को तैयार नहीं दिख रहे हैं। क्या ऐसा इसलिए है, क्योंकि कांग्रेस नेतृत्व उनकी पीठ पर हाथ रखे हुए है? सच्चाई जो भी हो, इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पंजाब के साथ-साथ अन्य अनेक राज्यों में भी कांग्रेस गुटबाजी और दिशाहीनता से ग्रस्त है। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच सब कुछ सही नहीं दिख रहा है। जैसे यह नहीं पता कि राहुल गांधी पार्टी अध्यक्ष बने रहेंगे या नहीं वैसे ही इस बारे में भी संशय ही अधिक है कि विभिन्न राज्यों के पार्टी अध्यक्ष अपने-अपने पद पर बने रहेंगे या नहीं? सबसे खराब बात यह है कि कांग्रेस नेतृत्व और खासकर गांधी परिवार की ओर से ऐसे संकेत दिए जा रहे हैं जैसे लोकसभा चुनावों में पराजय के लिए उसके अलावा अन्य सब जिम्मेदार हैं। कहीं राज्यों के नेतृत्व पर दोष मढ़ा जा रहा है तो कहीं सहयोगी दलों पर। इसके अतिरिक्त यह भी प्रतीति कराई जा रही है कि भाजपा गलत तौर-तरीके अपनाकर चुनाव जीत गई। इस सबसे तो यही लगता है कि कांग्रेस नेतृत्व हार के मूल कारणों से जानबूझकर मुंह मोड़ रहा है। ऐसा करना मुसीबत मोल लेना ही है।

सिक्योर हिमालय

चीन और नेपाल की सीमा से सटे उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्र में चल रही सिक्योर हिमालय परियोजना में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की उत्तरकाशी के डीएम की पहल सराहनीय मानी जा सकती है। इससे जहां इस क्षेत्र के निवासियों के हितों के संरक्षण में मदद मिलेगी, वहीं आजीविका के साधन भी विकसित होंगे। जाहिर है कि इससे स्थानीय निवासियों की आर्थिकी संवरने के साथ ही उनके जीवनस्तर में सुधार आएगा। साथ ही वे हिमालयी क्षेत्र में वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण में सक्रिय रूप से भागीदारी भी करेंगे। फिर वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण के साथ ही आजीविका विकास सिक्योर हिमालय परियोजना का अहम हिस्सा भी है। बता दें कि उत्तराखंड सहित देश के चार हिमालयी राज्यों में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के सहयोग से दो अक्टूबर, 2017 से इस परियोजना की शुरुआत की गई। उत्तराखंड में गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान एवं गोविंद वन्यजीव विहार से लेकर अस्कोट अभयारण्य तक के उच्च हिमालयी क्षेत्र को इस परियोजना में शामिल किया गया है। इस क्षेत्र के अंतर्गत 60 गांव भी हैं, जिनमें गोविंद वन्यजीव विहार में आने वाले 43 और अस्कोट अभयारण्य के 17 गांव शामिल हैं। इन गांवों के बाशिंदे भी राज्य के अन्य क्षेत्रों की भांति वन कानूनों की बंदिशों से जूझ रहे हैं। ऐसे में सिक्योर हिमालय परियोजना के शुरू होने से वहां के निवासियों की उम्मीदें परवान चढ़ी हैं। असल में परियोजना के अंतर्गत इन उच्च हिमालयी क्षेत्रों में जैवविविधता के साथ ही हिम तेंदुओं के संरक्षण के अलावा स्थानीय निवासियों के लिए आजीविका विकास को प्रभावी कदम उठाए जाने हैं। इसके लिए एक्शन प्लान को अंतिम रूप दिया जा रहा है। गंगोत्री से लेकर अस्कोट तक के संरक्षित क्षेत्र में पड़ने वाले गांवों में आजीविका विकास के तहत ईको टूरिज्म, जड़ी-बूटी और फलोत्पादन, रोजगारपरक प्रशिक्षण, चारा विकास से संबंधित कार्यक्रम विभिन्न विभागों के सहयोग से संचालित किए जाएंगे। ऐसे में यह आवश्यक है कि स्थानीय निवासियों को केंद्र में रखकर आजीविका विकास के कार्यक्रम तय किए जाएं। इसके लिए वहां के लोगों विशेषकर महिलाओं से सुझाव और जानकारियां ली जानी आवश्यक हैं कि वे क्या चाहते हैं। वजह ये कि ग्रामीण इलाकों में महिलाएं ही पर्यावरण से सीधे तौर पर जुड़ी होती हैं।

शुरुआती सौ दिनों का एजेंडा

जीएन वाजपेयी

मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में कामकाज की शुरुआती सफलता ही मंत्रियों के उनके पदों पर बने रहने का पैमाना बनाई जानी चाहिए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नई मंत्रिपरिषद के गठन के बाद से तमाम जानकार मोदी सरकार को सलाह देने में लगे हुए हैं। एक भारतीय नागरिक के रूप में मैं भी सरकार को यह सुझाव देना चाहता हूं कि शुरुआती सौ दिनों के लिए उसका एजेंडा क्या होना चाहिए। भारतीय अर्थव्यवस्था में सुस्ती के संकेत स्पष्ट रूप से झलकते हैं। रोजगार के अवसर नहीं बढ़ रहे हैं। मांग के मोर्चे पर भी फिसलन है। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध से वैश्विक अनिश्चितता, मंदी और मुश्किल हालात पैदा होंगे। पहले कार्यकाल में मोदी ने जीएसटी, आइबीसी, रेरा और एमपीसी जैसे कुछ एकल सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया था। दूसरे कार्यकाल में मोदी को श्रम और भूमि सुधारों जैसे उन सुधारों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि उत्पादकता में वृद्धि हो और भारतीय अर्थव्यवस्था को दहाई अंकों वाली जीडीपी वृद्धि के दौर में दाखिल किया जा सके। शुरुआती सौ दिनों का समग्र एजेंडा मुख्य रूप से अर्थव्यवस्था को मंदी की जकड़न से बाहर निकालने पर केंद्रित होना चाहिए।

अर्थव्यवस्था के तीन भाग होते हैं। प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक। प्राथमिक अर्थव्यवस्था में कृषि, द्वितीयक में विनिर्माण और तृतीयक में सेवा क्षेत्र को शामिल किया जाता है। भारत में विनिर्माण और सेवा से जुड़े बैंकिंग, बीमा, वाणिज्य, उद्योग और यहां तक कि रेल और सड़क परिवहन जैसे मंत्रालयों की गिनती भी आर्थिक मंत्रालयों में की जाती है।

जीडीपी में कृषि का योगदान भले ही 15.7 प्रतिशत हो, लेकिन देश में रोजगार के 60 प्रतिशत साधन और तकरीबन 70 प्रतिशत लोग कृषि पर निर्भर हैं। इसके बावजूद न तो इसे आर्थिक मंत्रालय का दर्जा दिया जाता है और न ही इसे खास तवज्जो दी जाती है। एक को छोड़कर किसी भी आर्थिक अखबार ने नवनियुक्त कृषि मंत्री का प्रोफाइल भी प्रकाशित नहीं किया। कृषि अर्थव्यवस्था की सुस्ती और ग्रामीण क्षेत्र में बदहाली स्पष्ट रूप से झलक रही है और इससे समग्र मांग बुरी तरह प्रभावित हो रही है। नई सरकार कृषि अर्थव्यवस्था की अनदेखी करने का जोखिम नहीं ले सकती। यदि उसने इसे नजरअंदाज किया तो ग्रामीण बाजार के हालात और खराब होकर अर्थव्यवस्था की तस्वीर और बिगाड़ेंगे। कृषि मंत्रालय को भी आर्थिक मंत्रालय का दर्जा दिया जाना चाहिए और उसके विचारों, सुझावों और प्रस्तावों को भी अन्य आर्थिक मंत्रालयों जितनी तवज्जो मिलनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को सीसीईए में शामिल कर एकदम सही किया। माना जा रहा है कि पिछली सरकार में राधामोहन सिंह अपने काम से कोई खास छाप नहीं छोड़ पाए तो इस बार प्रधानमंत्री मोदी ने तोमर को कृषि मंत्री बनाया है। ऐसे में नए मंत्री को भी वैसे ही सक्रिय हो जाना चाहिए जैसे त्वरित प्रभाव डालने के लिए वित्त मंत्री को सक्रिय होना होता है। कृषि मंत्रालय की समीक्षा भी पूरी सतर्कता के साथ निरंतर की जानी चाहिए।

बीते चार वर्षों से कंस्ट्रक्शन उद्योग कुछ ठहराव का शिकार रहा है। इसके लिए जीएसटी और रेरा जैसे सुधार भी कुछ जिम्मेदार रहे हैं। इस उद्योग का तुरंत कायाकल्प करना होगा। यह भारत में दूसरा सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता क्षेत्र है। इस क्षेत्र को मदद पहुंचाने के लिए किफायती आवास योजना को अतिरिक्त सहारा दिया जाना चाहिए। आवासीय कंपनियों सहित इस पूरे क्षेत्र के लिए वित्तीय प्रवाह सुनिश्चित किया जाए। कंस्ट्रक्शन उद्योग करीब 150 से अधिक अन्य उद्योगों को प्रभावित करता है और कृषि क्षेत्र के साथ मिलकर यह रोजगार सृजन के मामले में बड़ा प्रभाव पैदा कर सकता है। सड़क, बंदरगाह, रेलवे, हवाई अड्डे और अस्पताल इत्यादि के रूप में विकसित किए जा रहे बुनियादी ढांचे के विकास को और अधिक रफ्तार दी जानी चाहिए। इससे कई खस्ताहाल क्षेत्रों के हालात सुधरेंगे और नई नौकरियों के तमाम अवसर पैदा होंगे। साथ ही साथ बुनियादी ढांचे के विकास में निजी क्षेत्र को जोड़ने के प्रयास करने होंगे। बीते पांच वर्षों से इसका बीड़ा अकेले सरकार ने ही उठा रखा है।

अगले पांच वर्षों के दौरान भारत को बुनियादी ढांचे में दस लाख करोड़ डॉलर से अधिक के निवेश की दरकार है। इसकी पूर्ति सरकारी खर्च से होना असंभव है। बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं के मामले में एक सख्त समयसीमा निर्धारित करना अनिवार्य होगा ताकि उनके क्रियान्वयन में देरी की गुंजाइश न रहे। परियोजनाओं में देरी पर दंडित करने और समय से पहले पूरी करने पर पुरस्कृत करने की व्यवस्था बनानी होगी।

अवधेश राजपूत

हालांकि 2014 के चुनाव के बाद निजी निवेश में तेजी आई थी, मगर शुरुआती तेजी के बाद तमाम कारणों के चलते उसमें गतिरोध आ गया। शिथिल पड़े उद्योगपतियों में गर्मजोशी का भाव भरा जाना चाहिए। जब तक उनके भरोसे में बहाली नहीं होती और निजी निवेश रफ्तार नहीं पकड़ता तब तक सरकार को अपने खर्च से वृद्धि को गति देना जारी रखना चाहिए। इसके साथ ही अब समय आ गया है कि भारत राजकोषीय घाटे के बजाय संरचनागत ढांचे पर ध्यान केंद्रित करे। यह अधिक स्थायित्व वाली व्यवस्था होगी। साथ ही वित्त मंत्री को संसाधन जुटाने के मसले का भी समाधान तलाशना होगा। जीएसटी की कमियों को दूर करना और आसान एवं सरल प्रत्यक्ष कर संहिता भी सौ दिनों के एजेंडे में शामिल होनी चाहिए। शुरुआती सौ दिनों में नकदी और तरलता की स्थिति बेहतर बनाने पर भी काम करना होगा। आइएलएंडएफ संकट के बाद से खासकर एनबीएफसी और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों और यहां तक कि सामान्य कंपनियों के लिए तरलता का संकट पैदा हो गया है। उधारी में भारी कमी आई है। आरबीआइ ने जरूर कुछ कदम उठाए हैं जिससे कुछ तात्कालिक राहत मिली है। हालांकि मध्यम और दीर्घावधिक उपायों के अभाव में इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है।

सरकारी बैंकों के बहीखातों में सुधार दूर की कौड़ी लगता है, लेकिन इसे युद्ध स्तर अंजाम देना होगा। फिलहाल महंगाई मुंह नहीं फैला रही है और काबू में है। इससे रिजर्व बैंक को वास्तविक ब्याज दरें 2.5 प्रतिशत तक कम करनी चाहिए। वर्ष 2003-04 में जब भारत की जीडीपी वृद्धि नौ प्रतिशत के आसपास थी तब आवासीय ऋण पर ब्याज दर 7.5 प्रतिशत थी और कारोबारियों को भी 7.5 से 7.75 प्रतिशत की दर पर कर्ज मिल रहा था।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार युद्ध से भारत के लिए बने अवसरों को भुनाने के लिए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को तेजी से प्रयास करने चाहिए। साथ ही अमेरिकी प्रतिबंधों का भी तोड़ निकालना होगा। अवसरों की यह खिड़की हमेशा नहीं खुली रहेगी। गोयल काबिल मंत्री रहे हैं, लेकिन अब उन्हें एक कुशल राजनयिक वाली भूमिका भी निभानी होगी। राज्य मंत्री के रूप में हरदीप पुरी उनके बहुत काम आएंगे।

सौ दिवसीय एजेंडे की सफलता ही मंत्रियों के उनके पदों पर बने रहने का पैमाना बनाई जानी चाहिए। खराब प्रदर्शन करने वालों को बाहर का रास्ता दिखाना होगा। व्याकुल भारत ने मोदी में भारी भरोसा दिखाया है और उसे उम्मीद है कि मोदी उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। सौ दिनों का प्रदर्शन इस भरोसे पर खरा उतरना चाहिए।

(लेखक सेबी और एलआइसी के पूर्व चेयरमैन हैं)

response@jagran.com

राजनीतिक सबक सिखाने वाले नतीजे

मालिनी अवस्थी

राजनीति गणित नहीं, बल्कि केमिस्ट्री होती है, इसे उत्तर प्रदेश की जनता ने साबित करके दिखाया

लोकसभा चुनावों के नतीजे सामने आने के बाद से ही इस पर हैरानी जताई जा रही है कि आखिर 80 लोकसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश में सामाजिक केमिस्ट्री के आगे जातीय अंकगणित कामयाबी क्यों नहीं हो सका? इस सवाल का जवाब देने के लिए दो प्रसंगों का उल्लेख आवश्यक है। पहला, गोरखपुर से आगे महाराजगंज का है। एक कार्यक्रम के लिए मैं वहां गई थी। वहां ग्रामीण महिलाओं की हालत पर बात चल निकली तो 20-22 बरस की एक युवती कहने लगी, 'दीदी, मोदी जी घर-घर शौचालय बनवाइन हैं। पहले तो सब हंसत रहे, लेकिन ई समझ ल्यो ई बहुत बड़ा काम हुआ है।' उसका आदमी रामाधीन भी बोल उठा, 'हमारे गांव में अब एक भी घर ऐसा नहीं बचा जहां शौचालय न बना हो। एक आदमी ने शौचालय की जगह कमरा बनवा लिया तो हमारे गांव प्रधान ने मोबाइल से फोटो खींच कर मोदी जी से शिकायत करने की धमकी दे डाली।' यह सुनकर उसकी पत्नी बड़े आत्मसंतोष के साथ बोली, 'चार दिन में उई पड़ोसी ठीक हुई गे, शौचालय बन गइल।' फिर उत्सुकता से पूछने लगी, 'दीदी जीत त जइहें न मोदी जी?' ऐसे तमाम अनुभवों से मेरा सामना हुआ।

दूसरा प्रसंग लखनऊ से बलिया जाते समय ड्राइवर आबिद से चुनावी चर्चा का है। आबिद से बातचीत के दौरान एक रोचक तथ्य उजागर हुआ। आबिद बोला, 'मैडम, हमारी अम्मी ने हमारे अब्बू की ही बात नहीं मानी और मोदी को वोट डाल आई हैं। इस पर मैंने पूछा-आबिद, मोदी को वोट क्यों दिया अम्मी ने? अब आबिद नहीं, एक भावुक बेटा बोल रहा था-कहने लगा-'जबसे हमने होश संभाला, अम्मी को घर में खटते ही देखा। हमारी अम्मी को पहली बार सोने के लिए छत नसीब हुई। अम्मी कहती हैं, 'अपना घर भी होगा, ऐसा सोचना बंद कर दिया था, तो जिसने हमारे लिए किया, उसका हक अदा करना ही चाहिए।'

इन दो प्रसंगों में उत्तर प्रदेश और शायद देश के भी वोटर के मन की थाह छिपी है, लेकिन यह बात दिल्ली का बुद्धिजीवी और वहां का मीडिया नहीं समझ पा रहा था। शौचालय निर्माण पर हंसने वाला बुद्धिजीवी जमीन से इतना कटा हुआ था कि वह समझ ही नहीं सका कि घर में बना शौचालय, एक स्त्री के लिए सुरक्षा और आत्मसम्मान का कितना बड़ा संबल बन चुका था! दिल्ली के बड़े-बड़े पत्रकार मानने को ही तैयार नहीं होते थे कि उत्तर प्रदेश में गठबंधन के सामने भाजपा खड़ी भी हो सकेगी। उन्हें लगता था कि सपा-बसपा मिलकर भाजपा को बीस सीटों पर रोक लेंगे। दिल्ली के राजनीतिक विश्लेषक एवं पत्रकार सब यही मानते थे कि समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के

वोट प्रतिशत को जोड़ने से भाजपा का सफाया हो जाएगा। वे भूल गए कि राजनीति गणित नहीं होती है, राजनीति केमिस्ट्री होती है और जिसे प्रदेश की जनता ने फिर साबित किया।

मुझे लोगों से मिलते और उनको सुनते हुए एक लंबा समय गुजर गया। लोक में भ्रमण करने के दौरान खेत-खलिहान, घर-आंगन से लेकर चाय-पान की गुमटी की चर्चाएं मेरे कान में पड़ती हैं। इस दौरान मैं उनका मन पढ़ने की कोशिश करती हूं। उत्तर प्रदेश में चुनाव परिणाम को लेकर मुझे कभी कोई शंका नहीं थी। मैं देख रही थी कि गठबंधन की मजबूती के दावे मीडिया में चल रहे हैं, जबकि जनता तो उसका नाम ही नहीं ले रही थी। इसलिए मुझे नतीजे अलग दिख रहे थे। दूरस्थ गांवों में पहुंची बिजली और बुनियादी सुविधाओं का असर भी बोल रहा था। पहली बार गरीबों को अपना घर नसीब हुआ था। उनके अपने बैंक खाते खुल गए थे जिनमें बिना किसी बिचौलिए के सीधे धनराशि पहुंच रही थी। घर-घर बने शौचालयों और उज्ज्वला गैस योजना ने महिलाओं को एक बेहतर जीवनशैली प्रदान की थी। गरीब आदमी के लिए इलाज बेहद खर्चीला होता है। इलाज का भारी-भरकम खर्च किसी भी आम आदमी की जैसे जान निकाल लेता है। इसलिए ग्रामीण जनता को जब पहली बार आयुष्मान स्वास्थ्य बीमा योजना के माध्यम से सस्ता इलाज मुहैया होने लगा तो लोग मोदी सरकार के प्रति कृतज्ञता से भर उठे। ऐसा नहीं कि आम आदमी के लिए योजनाएं पहले नहीं बनीं, लेकिन बिना किसी भेदभाव और पक्षपात के इतनी ईमानदारी से क्रियान्वित अवश्य पहली बार हुईं। यही ईमानदारी लोगों के दिलों में घर कर गई।

आम तौर पर देखा गया है कि ग्रामीण वोटर सांसद के चुनाव में उदासीन रहता है। वोटर वह उत्साह नहीं दिखाता जो अमूमन ग्राम प्रधान या विधायक के चुनाव में दिखता है, लेकिन लोकसभा चुनाव में गांव, खेत, घर-आंगन तक मोदी के व्यक्तित्व का जादू ऐसा चढ़ा कि वोटर ने बढ़ चढ़कर भाजपा के पक्ष में मतदान किया। भाजपा को इस चुनाव में मिले पचास प्रतिशत वोट भी यही सत्य सुना रहे हैं। यह पहली बार था कि दो रुपये किलो चावल जैसी योजनाएं या फ्री फोन, फ्री लैपटॉप या सब कुछ मुफ्त मिलेगा जैसी योजनाएं छोड़कर जनता को मुख्यधारा में शामिल होने का अहसास दिलाया गया। घर बनाने के लिए सरकार ने कहा-भूमि तुम्हारी हो तो घर हम बनाएंगे और खर्चे में भी धन साझा करेंगे। ग्राम प्रधानों ने आगे बढ़कर सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाएं अमल कराईं। राज्य सरकार की मशीनरी इन योजनाओं पर बारीक नजर रख रही थी। पैसा खाने-खिलाने का चक्कर था नहीं और बिचौलिए समाप्त कर दिए गए थे। कानून व्यवस्था उत्तर प्रदेश में हमेशा एक मुद्दा रहा है। योगी आदित्यनाथ की सरकार ने पिछले दो वर्षों में अराजकता पर अंकुश लगाने में सफलता पाई है। कानून एवं व्यवस्था सुधरने के अतिरिक्त कई वर्ष पूर्व प्रस्तावित हुए फ्लाईओवर बने, हर मुख्य सड़क का चौड़ीकरण और शहरों का सौंदर्यकरण हुआ, बिजली आने लगी और ईमानदार व्यापारी के लिए व्यापार करना आसान हुआ है। अयोध्या में दीपावली पर्व का सुरुचिपूर्ण उत्सव हो या प्रयाग में कुंभ का अभूतपूर्व संयोजन, उत्तर प्रदेश के सांस्कृतिक वैभव का वैश्विक प्रदर्शन सभी के मन को भा गया। वर्षों से सोया हुआ स्वाभिमान जागा और राष्ट्रभक्ति का मंत्र जन-जन तक फूंकने में सफल मोदी सरकार के प्रति आम जनता का भरोसा बढ़ा। 2014 और 2017 के चुनाव में भाजपा को खुले हाथों से विजयी बनाने वाले उत्तर प्रदेश ने इस बार फिर वही प्रदर्शन तिहरा दिया। कई दशकों तक जातिवाद और भ्रष्टाचार का दंश झेल चुके उत्तर प्रदेश ने लोकसभा चुनाव नतीजों के जरिये देश को एक नया संदेश दिया है।

(लेखिका जानी-मानी लोक गायिका हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

सत्य

सदियों से धर्मग्रंथों का उद्घोष है कि सत्य को जीवन में धारण करके ही मनुष्य परम लक्ष्य की प्राप्ति कर सकता है। सत्य एक भाव है जो निश्छलता, पवित्रता और अहिंसा का प्रतीक है। गुरुदेव टैगोर ने कहा था कि जो व्यक्ति सत्य के साथ जीवन जीता है, अपने कर्तव्यों के प्रति सचेत एवं सजग रहता है, उसके मार्ग का बाधक बनना इतना सरल नहीं होता है, क्योंकि सत्य के साथ तो स्वयं सच्चिदानंद परमात्मा होता है। जो लोग सत्यनिष्ठ होते हैं, वे परमात्मा के प्यारे होते हैं। कथन और आचरण दोनों का जब तक समन्वय नहीं होगा, सत्य का दर्शन दुर्लभ होगा। मन पहली बार ही अपनी आवाज सुनाकर सत्य और असत्य का भेद बताता है। इस राह में कठिनाइयां अनेक आती हैं, लेकिन जो दृढ़ संकल्पित होते हैं, वे इन्हें भी पार कर ही जाते हैं। असत्य ज्यादा समय तक नहीं टिका रह सकता है।

यह देश सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र का है, धर्मराज युधिष्ठिर का है। सत्य को अनुभूत किया जा सकता है, लेकिन उसके लिए हमारा हृदय मंदिर पवित्र हो। आध्यात्मिक दृष्टि से हम कह सकते हैं कि सत्य मात्र परमात्मा है, बाकी सारा संसार नश्वर है। जो व्यक्ति सत्यनिष्ठ होगा, उसकी यात्रा शून्य से महाशून्य की होगी। अंधकार से प्रकाश की तरफ होगी। अमृतत्व प्राप्ति की होगी। वह हमेशा असत्य को जीवन से निकालने का प्रयास करेगा। जो बुरे काम का बुरा नतीजा मानकर जीवन को जानते और समझते हैं, वे सदैव सत्य का अनुपालन करते हैं। सत्य चर्चा नहीं, चर्या का विषय है।

स्वामी रामतीर्थ ने भी कहा है कि सत्य का जीवन में अनुपालन करके मनुष्य असीम ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है, क्योंकि असत्य का कोई पैर नहीं होता है। अंततः सत्य ही विजयी होता है। दुनिया के सारे ताने-बाने और सपने झूठे हैं, मनुष्य को जिस दिन यह आध्यात्मिक बोध हो जाए, वह सत्य के करीब पहुंचता है। सत्य को जानना या समझना इतना आसान भी नहीं है। सत्य बोलें, सत्य का आचरण करें, सत्य ही जीवन का आधार बन जाए। तब जाकर कहीं बात बनती है। तभी मनुष्य के अंदर देवत्व भी आता है। अनेक विधाओं और पूजा-पाठ की पद्धतियों को अपनाकर भी यदि जीवन में सत्य नहीं उतरा तो समझें सब निरर्थक है।

शंभू नाथ पांडेय

बेरोजगारी की बढ़ती समस्या

सुधीर कुमार

बढ़ती जनसंख्या और तद्नुसार रोजगार सृजन नहीं हो पाने से देश में बेरोजगारी का ग्राफ दिनोंदिन बढ़ता ही गया है

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा हाल में जारी आंकड़ों के अनुसार 2017-18 के दौरान देश में बेरोजगारी की दर पिछले 45 सालों में सबसे अधिक 6.1 फीसद रही। आंकड़ें के मुताबिक देश में 15 से 29 साल के युवा बेरोजगारी की समस्या से सर्वाधिक प्रभावित हैं। शहरी युवाओं में बेरोजगारी की दर 7.8 फीसद, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह दर 5.3 फीसद है। बेरोजगारी की बढ़ती समस्या को लेकर विपक्ष जहां मोदी सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है, वहीं सरकार ने घटती विकास दर और बढ़ती बेरोजगारी जैसी आर्थिक समस्याओं के समाधान को लेकर गंभीरता दिखाते हुए कैबिनेट समितियों का गठन किया है।

हालांकि देश में सरकार चाहे किसी भी दल की रही हो, बेरोजगारी की समस्या सदैव बरकरार ही रही है। क्योंकि इतनी बड़ी जनसंख्या को रोजगार उपलब्ध कराना किसी भी सरकार के लिए मुश्किल भरा कार्य रहा है! दरअसल बढ़ती जनसंख्या और तद्नुसार रोजगार सृजन नहीं हो पाने से देश में बेरोजगारी दर का ग्राफ दिनोंदिन बढ़ता ही गया है। मौजूदा समय में भारत की गिनती दुनिया के सर्वाधिक बेरोजगार आबादी वाले देशों में की जाने लगी है। बेरोजगारी ऐसी आग है, जिसकी लौ में दिन-रात युवाओं को जलना पड़ रहा है। वहीं कई प्रतिभा संपन्न युवाओं का देश में सम्मान नहीं हो पाने के कारण उनका पलायन विदेशों की ओर हो रहा है!

आमतौर पर योग्यता के अनुसार काम न मिलने की दशा को बेरोजगारी कहा जाता है। प्रच्छन्न, खुली, चक्रीय, मौसमी और शिक्षित आदि बेरोजगारी के ही प्रकार हैं। इनमें शिक्षित बेरोजगारी राष्ट्र की प्रगति में सबसे बड़ी बाधक साबित होती है। बेरोजगारी की यह स्थिति भुक्तभोगी युवा के मन में सरकार के प्रति आक्रोश का भाव जगाती है। क्षमता एवं संभावना से परिपूर्ण युवा जब नौकरी के लिए बहाली की बाट जोहता है या फिर अपनी योग्यता से नीचे की नौकरी करने को लाचार होता है तो वह क्षुब्ध मन से काम करना प्रारंभ कर देता है। विडंबना यह है कि एक तरफ देश में रोजगार के अवसरों की भारी कमी है तो दूसरी तरफ बेरोजगारी का दंश झेल रहे भुक्तभोगियों को उचित मार्गदर्शन नहीं मिल पा रहा है। फलस्वरूप बेरोजगारी की गर्त में फंसे रहना उनकी विवशता हो गई है। इसी बेबसी की आड़ में कई युवा नकारात्मक मार्ग अख्तियार कर लेते हैं, जो एक खतरनाक स्थिति को जन्म देती है। विश्व के सबसे बड़े युवा राष्ट्र में शिक्षित और डिग्रीधारी बेरोजगार युवाओं की फौज भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। यह चिंतन करने का समय है कि कहीं हमारी मौजूदा शिक्षा व्यवस्था में खोट तो नहीं! क्योंकि ऐसी शिक्षा ग्रहण करने से क्या फायदा, जो कल युवाओं को जीविकोपार्जन के लिए दर-दर भटकने को मजबूर करे!

बहरहाल बेरोजगारी की समस्या से निपटने के लिए सरकार को जहां ठोस नीति के जरिये बेकारी उन्मूलन और अवसरों के सृजन के प्रति संजीदा होना चाहिए, वहीं नौकरी के लिए केवल सरकार पर आश्रित न होकर स्वरोजगार की ओर कदम बढ़ाना युवाओं के लिए भी फायदेमंद हो सकता है।

(लेखक बीएचयू में अध्येता हैं)

मेलबाक्स

हिंदी की अनिवार्यता

हिंदी के प्रति अनावश्यक दुराग्रह शीर्षक से लिखे अपने लेख में प्रोफेसर निरंजन कुमार ने नई शिक्षा नीति में हिंदी की अनिवार्यता को लेकर उठे विवाद को अनुचित एवं अनावश्यक ठहराया है। सभी जानते हैं कि हिंदी हमारे देश की सबसे बड़ी संपर्क भाषा है। ऐसे में हिंदी को अनिवार्य कर दिया जाए तो भाषा के स्तर पर राष्ट्रीय एकता ही स्थापित होगी। वहीं अंतरराष्ट्रीय भाषा अंग्रेजी होने के नाते उसे भी नई शिक्षा नीति में अहम स्थान मिलना ही चाहिए। भाषा में एकरूपता होने से राष्ट्रीय एकीकरण में मदद मिलती है। अब चूंकि युवा रोजगार, व्यापार, शिक्षा एवं पर्यटन के लिए एक राज्य से दूसरे राज्यों में जा रहे हैं तो भाषा ही एक ऐसा माध्यम होती है जो एक-दूसरे को जोड़ने में सहायक होती है। अतः पूरे देश में एक भाषा तो ऐसी होनी ही चाहिए जो लोगों को जोड़ने का कार्य करे और वह हिंदी से बेहतर कोई दूसरी भाषा नहीं हो सकती। हिंदी की अनिवार्यता से किसी तरह की कोई विषमता नजर नहीं आती और इसलिए इसे राजनीतिक तूल देना उचित प्रतीत नहीं होता। उम्मीद है कि नई शिक्षा नीति देश को आगे ले जाने एवं राष्ट्रीय एकता स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएगी।

सर्वजीत आर्या, कन्नौज, उत्तर प्रदेश

कल्पनाओं से परे है संघ

संघ से वैचारिक संघर्ष की अधूरी तैयारी शीर्षक से प्रकाशित अपने आलेख में लेखक बद्री नारायण ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आरएसएस से मुकाबला करने के लिए जयहिंद वाहिनी और दूसरी बंग जननी वाहिनी के बनाए जाने का उल्लेख किया है। संघ के मुकाबले इस तरह के संगठन बनाने का एक मात्र मकसद पार्टी की खिसक रही राजनीतिक जमीन को सुदृढ़ करना है। यह किसी भी राजनीतिक पार्टी के लिए अनिवार्य भी है। परंतु दूसरी अन्य राजनीतिक पार्टियों की तरह दीदी की भी यही सोच है कि आरएसएस राजनीतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए संगठनात्मक कार्य करता है। शायद देश की राजनीतिक पार्टियों की भी यह बहुत बड़ी भूल है। संघ का उद्देश्य केवल राजनीतिक नहीं है। संघ का असली उद्देश्य राष्ट्रीय शक्ति को मजबूत कर राष्ट्र का संपूर्ण विकास करना है। विश्व का सबसे बड़ा समाजसेवी संगठन 'संघ' लाठी डंडे व हिंसा के सहारे स्थापित नहीं हुआ है। संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार ने संघ की स्थापना से पूर्व सैकड़ों वर्षों के इतिहास व भविष्य का गौरवशाली भारत का निर्माण कैसे हो, इसका गहन अध्यन व चिंतन किया तब जाकर संघ की स्थापना की थी। अपने देश को केवल संस्कृति, धर्म, परंपराओं के द्वारा ही देश के जन जन को एक साथ जोड़ा जा सकता है। संघ आज अपने उसी उद्देश्य में आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। ऐसे संगठन की कल्पना दीदी तो क्या विश्व में कहीं भी करना बहुत मुश्किल कार्य है।

sureshgoyal8@gmail.com

दो टूक जवाब

भारत हमेशा पड़ोसी देश का अपना फर्ज निभाता रहता है और बातचीत के लिए पाक को आमंत्रित भी करता है, लेकिन पाकिस्तान विश्वासघात की नाव पर हमेशा सवारी करने के लिए तैयार रहता है। पाक का आतंक प्रेम इस कदर उस पर हावी है कि ये इस रास्ते को छोड़ना नहीं चाहता। इस वजह से विश्व में पाकिस्तान को सबसे ज्यादा खतरनाक देशों की श्रेणी में गिना जाने लगा है। इसी कारण पाक की अर्थव्यवस्था भी खराब होती जा रही है। इसीलिए अब पाक हर हाल में भारत के साथ अच्छे संबंध बनाना चाहता है, लेकिन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाक को दो टूक शब्दों में बता दिया है कि पाकिस्तान जब तक आतंक का रास्ता नहीं छोड़ता तब तक भारत के साथ बात नहीं हो सकती।

नीरज कुमार पाठक, नोएडा

बिजली विभाग की लापरवाही

हर दिन के साथ गर्मी का पारा बढ़ता ही जा रहा है। लोग घरों में कैद रहने को मजबूर हैं। गर्मी के कारण बिजली की खपत भी बढ़ रही है। ऐसे में बिजली विभाग की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है, लेकिन हो यह रहा है कि विभाग के कर्मचारियों की गलती का खामियाजा लोगों को गर्मी में झुलस कर भुगतना पड़ रहा है। हाल ही में एक महिला के घर साठ लाख का भारीभरकम बिजली का बिल आया। इस मामले में जांच-पड़ताल होती, उससे पहली ही महिला के घर की बिजली काट दी गई। उसका समस्त परिवार इस जानलेवा गर्मी को झेलने को मजबूर है।

निशांत रावत, डॉ. भीमराव आंबेडकर कॉलेज

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 23359961-62, नोएडा कार्यालय : 0120-3915800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

5.7 प्रतिशत लोग देश में तमिल भाषा बोलने वाले हैं। सबसे ज्यादा 43 प्रतिशत लोग हिंदी भाषी हैं देश भर में। दूसरे स्थान पर आठ प्रतिशत बांग्ला बोलने वाले हैं। तीसरे स्थान पर हैं सात फीसद मराठीभाषी, जबकि चौथे स्थान पर करीब इतने ही तेलुगु बोलने वाले हैं।

अवधेश कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

आजकल

कांग्रेस पार्टी का आत्मघाती रवैया

कांग्रेस पार्टी आज अगर दुर्दशा का शिकार हुई है तो उसकी मूल जिम्मेदारी पार्टी अध्यक्ष के नाते राहुल गांधी के सिर ही आती है। सारी रणनीतियां उनके नेतृत्व में बनी। अपने घोषणा पत्र में देशद्रोह कानून खत्म करने से लेकर अफस्पा के महत्वपूर्ण प्रावधान हटाने, जम्मू कश्मीर में इसकी समीक्षा करने तथा वहां सुरक्षा बलों की संख्या कम करने का वादा उनकी सहमति से दिया गया था जिसने भाजपा की राष्ट्रवाद और सुरक्षा की पिच को और मजबूत कर दिया

कांग्रेस संसदीय दल की बैठक से बाहर आई खबरें केवल कांग्रेस के लिए नहीं, भारतीय लोकतंत्र के भविष्य की दृष्टि से भी चिंता पैदा करने वाली है। देश में सबसे ज्यादा समय तक शासन करने वाली पार्टी दो करारी पराजय के बाद भी या तो यह समझ नहीं रही या समझने के लिए तैयार नहीं कि इस दुर्दशा के लिए उसका स्वयं का विचार और व्यवहार जिम्मेदार है। राहुल गांधी का यह कहना कि हम 52 लोग भाजपा से लड़ने के लिए काफी हैं, का मतलब यही है कि कांग्रेस नरेंद्र मोदी सरकार से केवल टकराव की रणनीति अपनाएगी। संसद का टकराव केवल वहीं तक सीमित नहीं रहता, उसका असर देश के पूरे राजनीतिक माहौल पर पड़ता है। 16वीं लोकसभा के कार्यकाल में पहले एक वर्ष को छोड़ दें तो कांग्रेस लगातार सरकार से मोर्चाबंदी करती रही। इससे उसे कोई राजनीतिक लाभ नहीं हुआ। इसके बावजूद यदि वह उससे ज्यादा तीखी लड़ाई की रणनीति अपना रही है तो फिर इसके उल्टे परिणाम होंगे।

संघर्ष के लिए राहुल गांधी ने जिस सिद्धांत को आधार बनाया वह कहीं ज्यादा चिंताजनक है। उन्होंने मोदी सरकार को ब्रिटिश सरकार साबित कर दिया। इस आपत्तिजनक विशेषण के लिए शब्द तलाशना मुश्किल है। उनसे यह तो पूछा ही जा सकता है कि भारत के मतदाताओं द्वारा संवैधानिक प्रक्रिया के तहत निर्वाचित किसी सरकार को आप ब्रिटिश सरकार कैसे कह सकते हैं? क्या मोदी सरकार ने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की तरह बाहर से आकर देश पर कब्जा करके हमें गुलाम बनाया है? अगर ऐसी गुलामी होती तो सोनिया गांधी और राहुल गांधी संसदीय सौंध में न अपने संसदीय दल की बैठक कर पाते और न ही वे इतने आक्रामक ढंग से सरकार के खिलाफ बोल पाते। वे कह रहे हैं कि संविधान की, संस्थाओं की रक्षा के लिए हमें लड़ना है। यही बात वे पूरे चुनाव अभियान में बोलते रहे। अब उनका कहना है कि हमें पहले से ज्यादा आक्रामक होना है तथा जोर से बोलना है। वे कहते हैं कि जिस ढंग से ब्रिटिश काल में हमें किसी संस्था से कोई मदद नहीं मिली फिर भी हम जीते, उसी तरह हमें किसी संस्था की मदद नहीं मिलेगी, लेकिन हम जीतेंगे। पार्टी नेतृत्व की यह सोच साफ कर रही है कि वह दिशाभ्रम का शिकार है और आने वाले समय में उसकी भूमिका सकारात्मक विपक्ष की नहीं होगी।

राहुल गांधी ने स्वयं चुनाव परिणाम के बाद कहा था कि उनकी पार्टी सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएगी। इससे एक उम्मीद बंधी थी कि कांग्रेस जनता द्वारा नकारे जाने के बाद अपने विचार और व्यवहार में शायद परिवर्तन करने के लिए तैयार हो रही है। प्रश्न है कि इतने ही दिनों में ऐसा क्या हो गया कि सोच और तेवर पूरी तरह बदल गए? शायद राहुल गांधी एवं सोनिया गांधी के रणनीतिकारों ने यह समझाया है कि अगर

> चौकीदार चोर है– नारा बनाया चाहे जिसने हो, लेकिन आरंभ राहुल गांधी ने ही किया जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा है

मोदी सरकार के प्रति विनम्र और सहयोगी रहे तो कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच निराशा का संदेश जाएगा। यह समय उनको यह विश्वास दिलाने का है कि हम चुनाव जरूर हारे हैं, पर लड़ने का माद्दा नहीं खोया है। कांग्रेस के लिए कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आत्मविश्वास बनाए रखना जरूरी है, लेकिन एक तिलमिलाई हुई संतुलन खो चुकी पार्टी का चरित्र ग्रहण करना तो नुकसान ही पहुंचाएगा। कांग्रेस के जो विवेकशील कार्यकर्ता व समर्थक हैं वो भी इससे सहमत नहीं होंगे कि मोदी सरकार ब्रिटिश सरकार है जिसने हमको गुलाम बना लिया है और संविधान को नष्ट कर संस्थाओं का गला दबा दिया है।

यह भी नहीं भूलना चाहिए कि लड़ने की एक सीमा होती है। कोई राजनीतिक दल सतत लड़ते नहीं रह सकता। आक्रामक होने की एक सीमा होगी। इसमें आप थक जाएंगे और पार्टी को संगठित करने, खोए समर्थन आधार पाने के लिए काम करने की शक्ति और समय नहीं बचेगा। उल्टे ऐसे व्यवहार से मोदी और भाजपा के समर्थक ज्यादा संगठित होंगे। कांग्रेस के लिए यह रणनीति आत्मविनाशक साबित होगी। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के अंदर से जितनी खबर आई थी उसके अनुसार राहुल ने कई नेताओं को गुस्से का निशाना बनाया। तीन राज्यों के मुख्यमंत्रियों सहित कई राज्यों के अध्यक्षों द्वारा दिए गए गलत फीडबैक पर उन्होंने प्रश्न किया। यहां तक कहा कि कुछ बड़े नेताओं ने अपने बेटे को टिकट देने का दबाव बनाया और अपना ज्यादा समय उसे जिताने के लिए लगाया। अगर राहुल गांधी को अपनी पार्टी नेताओं के चरित्र का पहले से पता नहीं था तो यही माना जाएगा कि वे कांग्रेस के अध्यक्ष हैं ही नहीं। प्रियंका वाड्रा ने तो बैठक में यहां तक कह दिया कि कांग्रेस के हत्यारे इसी कमरे में बैठे हैं। राहुल और प्रियंका यह क्यों नहीं सोचते कि जनता ने उनकी अपील और आक्रामकता को क्यों नकार दिया?

बहरहाल कांग्रेस अध्यक्ष के पद से राहुल गांधी ने इस्तीफा देने का प्रस्ताव दिया जिसे कांग्रेस कार्यसमिति ने अस्वीकार किया, पर वे अड़े रहे। पता नहीं उनके मन में अभी क्या है? इसी बीच सोनिया गांधी का पत्र सार्वजनिक हुआ जिसमें उन्होंने राहुल गांधी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे निडरतापूर्वक लड़े हैं। कठिन समय में अच्छा नेतृत्व दिया पार्टी को। साफ है कि यह पत्र रणनीति के तहत लिखा गया। पार्टी दुर्दशा का शिकार हुई है तो उसकी मूल जिम्मेदारी अध्यक्ष के नाते राहुल के सिर ही आती है। सारी रणनीतियां उनके नेतृत्व में बनी। घोषणा पत्र में भी उनकी सहमति रही होगी। संभव है राहुल अध्यक्ष भी बने रहें। वैसे राहुल अध्यक्ष रहें या कोई और, कांग्रेस उस स्थिति में नहीं कि परिवार के नियंत्रण से बाहर जाए। आखिर सोनिया गांधी को संसदीय दल का अध्यक्ष बना ही दिया गया। पार्टी का नेतृत्व परिवार के ही ईर्द-गिर्द रहेगा तो नई दिशा से कुछ हो पाना संभव नहीं है चाहे जो कवायद की जाए।

इन सब घटनाओं को साथ मिलाकर देखें तो कई निष्कर्ष आता है। एक, राहुल गांधी अमेठी में अपनी पराजय के आघात से उबर नहीं पा रहे हैं। दो, कांग्रेस अभी तक यह समझ नहीं पा रही है कि केरल और पंजाब को छोड़कर उसकी इतनी बुरी पराजय क्यों हुई? तीन, जिस मोदी और भाजपा को वे अलोकप्रिय मान चुके थे उसे इतना बड़ा बहुमत कहां से प्राप्त हो गया? चार, राहुल और प्रियंका की अपीलों व आक्रामकता का असर क्यों नहीं हुआ? पांच, उसके साथ सहयोगी दलों को भी जनता ने क्यों नकार दिया? और उन्हें इस प्रश्न का उत्तर नहीं मिल रहा कि आखिर राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस का दुर्दिन खत्म क्यों नहीं हो रहा? यह ऐसा प्रश्न है जिसका उत्तर मिलना तभी संभव होगा जब सोनिया गांधी, राहुल और उनकी सलाहकार मंडली भी सच को देख सकें। इससे इतर रास्ते से कांग्रेस केवल अपना नुकसान करेगी और चूंकि भाजपा के बाद वही एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी है, इसलिए लोकतंत्र भी इससे बुरी तरह प्रभावित होगा। काश कांग्रेस को सुबुद्धि आए और वह अपनी नीति-रीति व नेतृत्व की भूलों को समझकर आंतरिक सुधार की दिशा में आगे बढ़े और आत्मविनाश से स्वयं को बचा सके। इस समय की अवस्था देखते हुए तो लगता नहीं कि कांग्रेस को सुबुद्धि मिलने वाली है।

नए सिरे से बनाए रणनीति

दिलीप अग्निहोत्री

कांग्रेस कार्यसमिति ने वही किया, जिसकी संभावना थी। राहुल गांधी को इस्तीफा नहीं देने के लिए आसानी से मना लिया गया। इतना ही नहीं, उनका गुणगान भी हुआ। कहा गया कि पार्टी को उनके मार्गदर्शन की बहुत आवश्यकता है। यह तय हुआ कि कांग्रेस पहले की ही तरह राहुल गांधी के नेतृत्व में कार्य करती रहेगी। लेकिन यह तय नहीं हो सका कि राहुल गांधी अपनी कार्यप्रणाली और भाषण में बदलाव करेंगे या नहीं, क्योंकि कांग्रेस की बदहाली के लिए यही तत्व जिम्मेदार है, और इन्हीं को जवाबदेही स्वीकार करनी चाहिए। लेकिन ऐसा लगा कि जैसे कार्यसमिति के सदस्य अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे थे। राहुल को इस्तीफा न देने से मना लेना ही एकमात्र उद्देश्य था। इसके लिए खास प्रयास भी नहीं करना था। कांग्रेस के पास विकल्प भी क्या है। राहुल की विफलता के बाद कुछ लोग प्रियंका को पार्टी की कमान सौंपने की दबे स्वर में मांग करते थे, लेकिन अब उनकी असलियत भी सामने आ गई। वह महासचिव भी बनाई गईं, खूब प्रचार किया, लेकिन जहां जहां वह गईं, पार्टी का बंटाधार हो गया। इसलिए यह विकल्प भी निष्प्रभावी हो गया। गांधी परिवार के बाहर जितने प्रमुख नेता हैं, उन सभी की विश्वनीयता, जनाधार और संगठन क्षमता सवालों के घेरे में है। ऐसे में कहा जा सकता है कि कांग्रेस कार्यसमिति ने केवल खानापूर्ति से अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह कर लिया।

बताया जा रहा है कि राहुल गांधी ने अपरोक्ष रूप से उन दिग्गजों पर ठीकरा फोड़ा जो अपने परिजनों के चुनाव में परेशान थे। पहले इन्होंने टिकट के लिए दबाव बनाया, फिर उनके प्रचार में बहुत समय लगाया। पार्टी का चुनाव जीतना उनकी प्राथमिकता में नहीं था। लेकिन इस समस्या को उठाने के बाद भी समाधान संभव नहीं होगा। जिस पार्टी में राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद ही परिवारवाद पर आधारित हो वहां इन बातों का कोई मतलब नहीं रह जाता। कांग्रेस कार्यसमिति में तो राहुल गांधी पर ही प्रमुखता से विचार होना चाहिए था। चुनाव उन्हीं के नेतृत्व में हुए थे। राहुल स्वयं को नरेंद्र मोदी के सीधे मुकाबले में लेकर आए थे। मोदी पर ही उनका पूरा फोकस था। विचार यह होना चाहिए था कि राहुल की यह रणनीति लगातार दूसरी बार औंधे मुंह क्यों गिरी? विचार यह होना चाहिए था कि राहुल के गब्बर सिंह टैक्स मुद्दे का क्या हुआ, नोटबंदी को बर्बादी का कारण बताने का क्या हुआ, चौकीदार को चोर बताने का क्या हुआ, मोदी गरीब विरोधी हैं, उन्होंने गरीबों से पैसा छीनकर कुछ गिने-चुने अमीरों को दे दिया, आदि आरोपों का क्या हुआ।

क्या इन बातों से राहुल को ईमानदार और गरीबों का हितैषी मान लिया गया? क्या राहुल के बार बार चिल्लाने के बाद आमजन ने मोदी को चोर मान लिया? क्या जीएसटी की राहुल की परिभाषा स्वीकार की गई, क्या कांग्रेस के 'न्याय' पर विश्वास किया गया? लेकिन कांग्रेस कार्यसमिति ने इनमें से किसी विषय पर विचार नहीं किया। बैठक में केवल लीपापोती ही की गई। राहुल गांधी की प्रशंसा में होड़ मची थी। कहा गया कि इस बार पार्टी को आठ सीटों की बढोतरी हुई। शायद इसी को उपलब्धि मान लिया गया। मध्य प्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव में जीत की खुमारी उतरी नहीं थी, लोकसभा में बाजी पलट गई। ऐसा लगा कि यहां के मतदाता कांग्रेस से पांच महीने में ही ऊब गए। कर्नाटक में कांग्रेस ने भाजपा को सरकार बनाने से रोक दिया था, पर इस बार भाजपा ने 28 में से 25 सीट हथिया कर कांग्रेस को झटका दिया है। कांग्रेस को सिर्फ एक सीट पर संतोष करना पड़ा।

खरी-खरी

शहर दी कुड़ियां और माचो कवि

शशांक भारतीय

राष्ट्रकवि, जनकवि, बागी कवि, बहेल्ला कवि के दिन अब लद चुके। मैं माचो कवि बनना चाहता हूं। मैं ऐसी कविता लिखना चाहता हूं, जिसमें मेरे गबरू होने का जिक्र हो, नायिका के महाठगिनी होने का जिक्र हो, बीएमडब्ल्यू का जिक्र हो। यह यथार्थवादी युग है और मुझे इंदीवर की 'होठों से छू लो तुम' जैसी बातें बिल्कुल पसंद नहीं। ऐसी ही बातें करके स्त्री को 5,000 वर्षों से गुमराह किया गया है। मगर मैं नायिका की एक्स्पेक्टेशंस का सम्मान करने वाला कवि हूं। मैं उससे सारी बातें साफ-साफ कर लेना चाहता हूं। जैसे मेरे साथ होने पर मैं उसे महल दिलवा दूंगा, उसके आशिक और टीचर को देख लूंगा, उसका गाना बजा दूंगा। मैं उसे दीपिका की 'माय च्वाइस' देते हुए पूछूंगा कि घर पे चलना है कि पहले जाएगी क्लब? चूंकि ड्यूरेक्स के राष्ट्रीय सर्वे में यह बात आई है कि भारत की सत्तर प्रतिशत महिलाएं असंतुष्ट हैं, बाकी बची हुई कविता में मैं। पुराने आशिकगण यह बात नहीं समझ पा रहे हैं कि 21वीं सदी के दूसरे दशक की नायिका प्रयोगवादी मूड की है। डैड-मम्मी के घर ना होने पर वह पिछले कमरे में जाकर नारी मुक्ति के कुछ प्रयोग करना चाहती है। और बेवकूफ सामंतवादी आशिक उसे 'अहसान तेरा होगा मुझ पर' जैसी याचिका कविताओं से पटाना चाहते हैं।

मैंने कल एक गाना सुना। बोल थे, 'मैंने सुना ए मुंबई-दिल्ली दियां कुड़ियां, रात भर नहीं सोंदियां।' क्या ये नए एग्जिट पोल आ गए हैं?

मैं चिंतित हो उठा। अर्थ है- मैंने सुना है कि मुंबई और दिल्ली की लड़कियां, रात भर नहीं सोतीं। हे प्रभु! तुम्हारी बनाई सृष्टि के सात अरब लोगों में से एक ने भी ऐसा नहीं कहा। इस कवि ने कहां सुन लिया? क्या इसने अज्ञेय की तरह अनुभूति के स्तर पर जान लिया? सोचकर रश्क होता है।

मेरे मन में ये मौलिक कल्पनाएं क्यूं नहीं आ पातीं? परंतु तुमने मुझे वह प्रतिभा ही नहीं दी है प्रभु। तुम क्यूं नहीं समझते प्रभु कि समय और मूल्यों के संकट से टकराते-जूझते कवि थक चुका है। कवि पार्टी करना चाहता है। वह इस नई सभ्यता को, जो हफ्ते के पांच दिन किसी दूसरे की जिंदगी जीती है, और एक दिन सोती है, क्लबकूदन के कुछ गीत देना चाहता है। समय की मांग को पूरा करना चाहता है। बाजार के दबाव में कवि नॉटी हो चला है। वह इस माचो रूप में अपनी नई अस्मिता तलाश रहा है।

ट्वीट-ट्वीट

मोदी से लेकर नीतीश, राहुल से लेकर जगन, अमरिंदर से लेकर शिवसेना तक और अब ममता बनर्जी से ताल मिलाने जा रहे प्रशांत किशोर को एक दिन विविधतापूर्ण राजनीतिक प्रबंधन की कला में अपना खुद का महागठबंधन स्कूल खोलना चाहिए।

राजदीप सरदेसाई@sardesairajdeep

त्रिभाषा फार्मूले का मूल स्वरूप यही था कि हिंदी भाषी राज्य भी दक्षिण भारतीय भाषाएं सीखते, लेकिन उन्होंने तीसरी भाषा के रूप में संस्कृत, उर्दू का सहारा लेकर उसे पलीता लगा दिया। इसका हल त्रिभाषा फार्मूले से मुक्ति नहीं, बल्कि उसे सही स्वरूप में लागू करने में निहित है।

योगेंद्र यादव@_YogendraYadav

भाषाएं बोलने-बरतने से बचती-बढ़ती हैं। जीवन, कर्म, ज्ञान के जितने क्षेत्रों में जिस भाषा का जितना प्रयोग उसका समाज करेगा वह उतनी बढ़ेगी। प्रयोग से बाहर होना ही भाषा की मृत्यु है। प्रयोग में लाना संजीवनी। अंतत: भाषा का जिंदा रहना उसके अपने समाज पर निर्भर है। अन्य कारक गौण हैं।

राहुल देव@rahuldev2

राज्यनामा — झारखंड

अभी से शुरू हो गई विधानसभा चुनाव की तैयारी

झारखंड में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होंगे। लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन करने वाली सत्ताधारी भाजपा ने इसके लिए अभी से तैयारी आरंभ कर दी है। इसका फायदा उसे चुनाव में मिलेगा। इससे ठीक उलट विपक्षी दल एक-दूसरे पर हार का ठीकरा फोड़ने में लगे हैं। आश्चर्यजनक तौर पर राज्य में भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ा है। लोकसभा चुनाव में उसे 50 फीसद से ज्यादा वोट पड़े हैं। सहयोगी आजसू का वोट प्रतिशत जोड़ दिया जाए तो यह 55 फीसद तक पहुंच जाता है। ऐसे में भाजपा का उत्साहित होना भी स्वाभाविक है, लेकिन पार्टी के रणनीतिकार आत्ममुग्ध नहीं हैं और उन्होंने गंभीरता से तैयारी आरंभ कर दी है। इसके तहत एक-एक विधानसभा सीट की जिम्मेदारी तय कर पार्टी जीत की रणनीति तैयार करेगी। स्वयं मुख्यमंत्री रघुवर दास इस मुहिम में जुटे हुए हैं। उन्होंने शानदार चुनाव परिणाम देकर भाजपा आलाकमान का विश्वास जीता है। वे फिलहाल पार्टी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। भाजपा को इसका अहसास है कि निचले स्तर पर कड़ी मेहनत करने वाले उनके कार्यकर्ताओं की बदौलत जीत मुमकिन हो पाई है। इन कार्यकर्ताओं को श्रेय देने का एक मकसद यह भी है कि वे उत्साह के साथ विधानसभा चुनाव की तैयारी में लगें। कार्यकर्ताओं की एक शिकायत सरकारी अधिकारियों द्वारा तवज्जो नहीं देने का है जिसका भी हल खोज निकाला गया है। झारखंड में भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को पहचानपत्र देगी। अधिकारियों को हिदायत दी गई है कि अगर कार्यकर्ता किसी प्रकार की शिकायत या सुझाव लेकर उनके समक्ष आएं तो बेहतर रिस्पांस दें। हालांकि विपक्ष इसे सरकारी मशीनरी के बेजा इस्तेमाल के रूप में देख रहा है। उधर विपक्षी दलों में समन्वय का अभाव इस कदर है कि लोकसभा चुनाव में एक-दूसरे के ऊपर हार का ठीकरा फोड़ा जा रहा है। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने एक कदम आगे बढ़कर स्पष्ट कहा है कि चुनाव में उसने सहयोगी दलों को वोट ट्रांसफर कराए, लेकिन कांग्रेस, झाविमो, राजद आदि दल अपना

वोट उनके प्रत्याशियों को ट्रांसफर नहीं करा पाए। झारखंड मुक्ति मोर्चा के लिए सबसे बड़ा झटका अध्यक्ष शिबू सोरेन की करारी हार है। इससे भाजपा को मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल हुई है जबकि झामुमो का शीर्ष नेतृत्व सदमे में है। झामुमो ने जल्दबाजी करते हुए विपक्षी महागठबंधन से जल्द से जल्द विधानसभा सीटों का बंटवारा करने की अपील की है। अगर ज्यादा उठापटक हुई तो महागठबंधन का कुनबा धराशायी भी हो सकता है।

कांग्रेस की किचकिच : लोकसभा चुनाव में पटखनी खा चुकी कांग्रेस में दिल्ली से लेकर रांची तक बवाल मचा है। झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार विरोधियों के निशाने पर हैं। परेशानी से बचने के लिए उन्होंने इस्तीफे की पेशकश की है, लेकिन इससे उनके विरोध में स्वर मद्धिम नहीं पड़े हैं। लगातार वे पार्टी नेताओं के निशाने पर हैं। उन्हें राज्य में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार बताया जा रहा है, दूसरी तरफ प्रदेश अध्यक्ष के समर्थक उनके पक्ष में तर्क देते फिर रहे हैं। उनका कहना है कि लोकसभा चुनाव में पार्टी ने एक सीट जीतने में कामयाबी पाई और वोटों का प्रतिशत भी बढ़ा। विरोधी इस दलील को सुनने को तैयार नहीं हैं। उनका मत है कि प्रदेश अध्यक्ष पद छोड़ दें। दरअसल कांग्रेस के साथ यही मुसीबत है कि संगठन में कार्यकर्ता कम और बड़बोले नेताओं की तादाद ज्यादा है। यही कारण है कि सात लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद पार्टी के हिस्से में सिर्फ एक सीट आई। सिंहभूम सीट पर मिली जीत की वजह प्रत्याशी गीता कोड़ा की लोकप्रियता और क्षेत्र में उनकी पहचान बताई जाती है। सीट चयन में आपाधापी से लेकर प्रत्याशी का नाम तय करने में कांग्रेस बैकफुट पर रही। अनमने तरीके से चुनाव लड़ने के कारण कांग्रेस के हिस्से में पराजय आई। आगे पार्टी की चुनौती और बढ़ेगी। आगामी विधानसभा चुनाव में उसे क्षेत्रीय दल झारखंड मुक्ति मोर्चा की अगुआई में चुनाव लड़ना पड़ेगा। इसी शर्त पर लोकसभा चुनाव के दौरान विपक्षी दलों का गठबंधन हुआ था। मोर्चा ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। ऐसे में अलग-अलग गुटों में बंटी कांग्रेस के समक्ष मुश्किलें पैदा होना स्वाभाविक है। सीटों के बंटवारे में उसे अधिकाधिक तालमेल बनाना होगा। ऐसा नहीं होने पर इसकी संभावना प्रबल है कि तालमेल नहीं हो पाए। पिछले विधानसभा चुनाव में भी यही हुआ था।

लोकसभा चुनाव में गठबंधन के तहत चुनाव लड़ने के बावजूद विधानसभा चुनाव में गठबंधन नहीं हो पाया था। हालांकि चुनाव के बाद विपक्षी दलों के रणनीतिकारों ने यह भी स्वीकार किया कि गठबंधन नहीं करना बड़ी भूल थी। देखना यह होगा कि पुरानी भूल को इस दफा विपक्षी दलों के नेता सुधारने की कोशिश करते हैं या नहीं? अगर दलों की महत्वाकांक्षा हावी हुई तो तालमेल करना मुश्किल होगा। कार्यकर्ताओं को भी इस बाबत तैयार करना विपक्षी दलों के लिए एक बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि आलाकमान के स्तर पर तालमेल होने के बावजूद निचले स्तर पर राजनीतिक कार्यकर्ता एकजुट नहीं हो पाते।

जागरण जनमत — कल का परिणाम

दिल्ली में महिलाओं के लिए मेट्रो व बस की यात्रा मुफ्त करने का प्रस्ताव व्यावहारिक है?

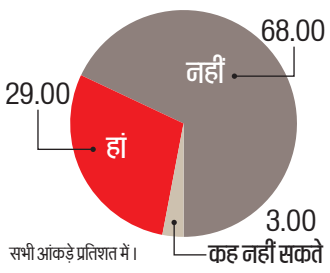

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या अलग-अलग चुनाव लड़ने से सपा-बसपा को राजनीतिक रूप से फायदा होगा?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर **POLL** लिखें, स्पेस देकर **Y, N** या **C** लिखकर *57272* पर भेजें
Y -हां, **N**-नहीं, **C**-कह नहीं सकते

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

सुविधा 'अच्छी' चाहिए या सुविधाएं 'मुफ्त', सीएम को बतलाइए यह रहस्य अब गुप्त।
यह रहस्य अब गुप्त खोल दें यदि तुम औ हम,
हो जाएगी खत्म वोट की सारी तिकड़म।
मां-बहनें सच बोल मिटा दें उनकी दुविधा,
नहीं चाहिए मुफ्त हमें कोई भी सुविधा!

– ओमप्रकाश तिवारी

मुद्दा

भाषा के सवाल पर संयम बरतने की जरूरत

हर्षवर्धन त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

वर्ष 2019 में 1947 या 1967 वाली गलती नरेंद्र मोदी के साथ देश के लिए भी घातक हो सकती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, मूल त्रिभाषा फॉर्मूले के साथ लागू करना नए भारत के लिए पहली और सबसे जरूरी शर्त है

प्रचंड बहुमत से नरेंद्र मोदी की सरकार दोबारा सत्ता में आई तो दूसरे दिन ही अंग्रेजी मीडिया में ऐसे लेख लिखे गए कि कैसे मोदी दक्षिणपंथ के नेहरू बन सकते हैं। जो अंग्रेजीदां बुद्धिजीवी मोदी का मजाक बना रहे थे कि नेहरू के सामने मोदी की हैसियत ही क्या है, अब जब वह लगातार दूसरी बार पूर्ण बहुमत वाली सरकार के प्रधानमंत्री बन गए हैं तो उनके लिए नेहरू बनने का मौका आ गया है, ऐसा अंग्रेजीदां बुद्धिजीवी बताने लगे। मोदी को नेहरू बनने की सलाह देने वाले ये लोग वही हैं जो गलती से भी नहीं चाहते कि दोबारा कोई मोदी इस देश की राजनीति में तैयार हो। दरअसल मोदी की राजनीति की विकास यात्रा ही नेहरू न बन जाने की जनता की उम्मीद पर टिकी हुई है और उसी बुनियाद को ध्वस्त कर देने के लिए नेहरुवियन मॉडल के समर्थक अंग्रेजीदां बुद्धिजीवी पहले वाजपेयी को नेहरू बनाते रहे और अब मोदी को नेहरू बना देना चाहते हैं या कहिए कि मोदी के मन में नेहरू जैसा बन पाने की इच्छा पैदा कर देना चाह रहे हैं। वैसे मोदी इस बात को अच्छी तरह समझते हैं और शायद ही ऐसी गलती करें, पर अंग्रेजीदां गुलाम मानसिकता से भारतीयों को गुलाम बनाए रखने वाले बुद्धिजीवियों का तंत्र बहुत खतरनाक है, क्योंकि शायद इनके ही दबाव में मोदी सरकार शिक्षा नीति के सबसे अहम प्रस्ताव को वापस लेने पर मजबूर हो गई। ठीक वैसे ही जैसे 1965 में हिंदी को राजभाषा बनाने के बावजूद अंग्रेजी को महत्व दिए जाने की शर्त 1967 में जोड़ दी गई थी।

दरअसल हिंदी भाषा के विरोध का पूरा आधार ही घोर राजनीतिक है। इसका विरोध करने वाले जानते हैं कि अंग्रेजी बनाम हिंदी या भारतीय भाषा की लड़ाई हुई तो अंग्रेजी को ऐसी पटखनी मिलेगी कि उसका दर्द दुनिया के अंग्रेजीदां लोगों को होगा, लेकिन हिंदी बनाम तमिल की लड़ाई, हिंदीभाषी राज्य बनाम दक्षिण भारतीय राज्य की लड़ाई कर इसका राजनीतिक आधार तैयार कर दिया गया है। इसे हिंदी, हिंदू, हिंदुस्तान में बड़े शातिर तरीके से बदल दिया जाता है। इसके पीछे वजह यही रही कि दक्षिण भारत की पार्टियां किसी भी हाल में राष्ट्रीय पार्टियों का वर्चस्व अपने राज्य में

नहीं होने देना चाहतीं। डीएमके और एडीएमके की राजनीति का आधार ही हिंदी विरोध है।

देश में हिंदी को राष्ट्रीय संपर्क भाषा होना चाहिए, लेकिन पहले समझ लीजिए कि हिंदी विरोध करने वाले कौन हैं। चर्च, अंग्रेजी बोलने वाले, इसमें मीडिया घरानों से लेकर अंग्रेजी में पारंगत परिवार भी हैं। विदेशी कंपनियों के लिए भी इससे अच्छा क्या हो सकता है कि भारत में हिंदी सीखने का परिश्रम उन्हें न करना पड़े और भारत में अपनी भाषा को लेकर हीनभावना से ग्रसित भारतीय उनके सामने अचंभित खड़ा रहे। 26 जनवरी 1965 को देश की राजभाषा के तौर पर हिंदी को स्वीकार किया गया, लेकिन दक्षिण भारतीय राज्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। वर्ष 1967 में राजभाषा कानून में संशोधन करके अंग्रेजी को राजभाषा के तौर पर इजाजत दे दी गई, जब तक गैर-हिंदी भाषी राज्य चाहते हों।

इससे देश के करोड़ों लोगों को हीनभावना में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा और यह हीनभावना हिंदी और तमिल या दूसरी किसी भारतीय भाषा की लड़ाई का मसला नहीं था। यह हीनभावना उस अंग्रेजी भाषा के सामने हिंदी भाषियों को हो रही थी जो सोच रहे थे कि ब्रिटेन का राज खत्म हो गया, लेकिन हिंदुस्तानी ठगे जा चुके थे, भारत में राज कर रहे अंग्रेजों के गुलाम हिंदी को दुरदुराकर अंग्रेजी को सिर माथे पर बिठाए जा रहे थे।

देश में भाषा के आधार पर समूहों की पहचान की जाए तो तमिल बोलने वाले देश में 5.7 प्रतिशत हैं। आजादी के समय देश में करीब 46 प्रतिशत लोग हिंदी भाषी थे और आज थोड़ा घटकर 43 प्रतिशत हैं। दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा बंगाली आठ प्रतिशत से ज्यादा लोग बोलते हैं। तीसरे स्थान पर सात प्रतिशत मराठीभाषी हैं। चौथे स्थान पर करीब इतने ही तेलुगूभाषी हैं और पांचवें स्थान पर छह प्रतिशत से कम तमिलभाषी हैं, लेकिन हिंदी विरोध की लड़ाई का ठेका इन्हीं के कांधे पर डाल दिया गया है, जबकि आज भी तमिलनाडु के गांवों में अंग्रेजी मुश्किल से बोलने वाले मिल पाते हैं। चेन्नई में भी तमिल के बाद लोग हिंदी ही समझते हैं। तमिलनाडु के लोगों को अंदाजा ही नहीं है कि देश को कमजोर करने के लिए उनका इस्तेमाल किया जा रहा है। गुजराती भाषी करीब पांच प्रतिशत और उर्दू बोलने वाले चार प्रतिशत हैं। कन्नड़भाषी साढ़े तीन प्रतिशत और ओड़िया व मलयालमभाषी तीन-तीन प्रतिशत हैं। तमिलनाडु के अलावा देश के किसी हिस्से में हिंदी को लेकर ऐसा विरोध न तो 1965 में कहीं दिखा था और न अभी है।

नरेंद्र मोदी के आने से किसी भारतीय भाषा को चोट नहीं पहुंची है, चोट पहुंची है अंग्रेजीदां संस्कृति को। मोदी सरकार की हिंदी और दूसरी भारतीय भाषाओं में काम करने की प्राथमिकता से डरे अंग्रेजीदां बुद्धिजीवी तमिल-हिंदी को भिड़ाकर अंग्रेजी को जिताने की चाल कामयाबी से चल रहे हैं। वर्ष 2014 से 2019 में अंग्रेजी से भारत को आजादी के रास्ते में अहम पड़ाव तय किए जा चुके हैं, अब आखिरी धक्का 2019 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिये लगना था और लगा भी, पर अंग्रेजीदां संस्कृति के लोगों ने गुलाम मानसिकता के भारतीयों पर फिर से फूट डालो और राज करो वाला फॉर्मूला इस्तेमाल कर लिया और तमिलनाडु के लोगों को देश की मुख्यधारा में आने से वैसे ही रोक दिया जैसे जम्मू कश्मीर के मुसलमानों को धारा 370 के खांचे में बांधकर किया गया है। प्रचंड बहुमत की मोदी सरकार को अपने मतदाताओं की आकांक्षाओं पर खरा उतरना चाहिए। त्रिभाषा फॉर्मूला लागू करना ही चाहिए और उत्तर भारतीयों के लिए एक दक्षिण भारतीय भाषा और दक्षिण भारतीयों के लिए हिंदी लागू करना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय भाषा के लिए अंग्रेजी के साथ दूसरे विकल्प भी देने चाहिए।

फिएट क्रिस्लर-रेनों का नहीं होगा विलय

मिलान, रायटर : अंतरराष्ट्रीय ऑटो कंपनी फिएट क्रिस्लर (एफसीए) और रेनों का विलय नहीं होगा। एफसीए के चेयरमैन ने इस मामले पर स्थिति स्पष्ट करते हुए अपने कर्मचारियों को लिखे एक पत्र में कहा कि वार्ता में प्रगति की संभावना नहीं दिखने पर एफसीए ने फ्रांस की कंपनी रेनों के साथ विलय का प्रस्ताव वापस ले लिया। जॉन एकान ने पत्र में कहा कि रेनों के साथ वार्ता करने का फैसला एक सही फैसला था और कई पहलुओं पर गौर करने के बाद यह फैसला लिया गया था।

हुआवे पर फैसला सरकार को ही लेना है। हम केवल इतना चाहते हैं कि हमें इसकी जानकारी समय पर मिल जाए, ताकि कंपनियां वित्तीय नुकसान से बच जाएं।

– राजन मैथ्यूज
महानिदेशक, सीओएआइ

सेंसेक्स	39,529.72 ▼ 553.82	निफ्टी	11,843.75 ▼ 177.90	सोना प्रति दस ग्राम	₹ 33,490 ▲ ₹120	चांदी प्रति किलोग्राम	₹ 37,900 ▲ ₹50	$ डॉलर	₹ 69.28 ▲ ₹0.02	क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल	$ 60.50

बड़े कर्ज संकट की ओर जा रहा डीएचएफएल का डिफॉल्ट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- एजेंसियों का अनुमान - एक लाख करोड़ रुपये की उधारियों पर बढ़ा खतरा
- रेटिंग घटने के बाद कंपनी के शेयर में करीब 16 फीसद की गिरावट

संपत्ति की बिक्री से वित्तीय संकट टालने की कोशिशों में जुटी है कंपनी। (फाइल)

करीब 900 करोड़ रुपये की देनदारी के डिफॉल्ट की वजह से घटी डीएचएफएल की रेटिंग का असर और व्यापक हो सकता है। अनुमान है कि दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (डीएचएफएल) का यह डिफॉल्ट एक लाख करोड़ रुपये तक की उधारियों के लिए संकट का सबब बन सकता है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल और इकरा ने नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) के ब्याज का भुगतान नहीं करने की वजह से डीएचएफएल की रेटिंग को घटाकर 'डिफॉल्ट' की श्रेणी में डाल दिया है। शेयर बाजार में गुरुवार को इसकी तीखी प्रतिक्रिया हुई और कंपनी का शेयर करीब 16 फीसद लुढ़क गया।

वैश्विक रिसर्च और ब्रोकरेज कंपनी सीएलएसए ने अनुमान लगाया है कि डीएचएफएल के इस डिफॉल्ट का पूरे वित्तीय क्षेत्र पर दूरगामी असर होगा। सूत्रों के मुताबिक ब्रोकरेज कंपनी ने अपने एक ताजा विश्लेषण में माना है कि कुछ गैर-बैंकिंग कंपनियों, हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों, रियल एस्टेट, ऑटो और एसएमई पर इसका असर होने की आशंका है। माना जा रहा है कि डीएचएफएल पर करीब एक लाख करोड़ रुपये की उधारी है। इसमें से आधी रकम बैंकों की, जबकि शेष बीमा और म्यूचुअल फंड कंपनियों की है। कुल कर्ज का करीब 10 फीसद हिस्सा कंपनी ने डिपॉजिट के जरिए जुटाया है। इस राशि में सरकारी और निजी दोनों बैंकों द्वारा दिया गया कर्ज शामिल है। सूत्रों के मुताबिक जिन बैंकों का नाम सामने आ रहा है उनमें यस बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और पंजाब नेशनल बैंक शामिल हैं। म्यूचुअल फंडों का इस उधारी में एक्सपोजर करीब 5,000 करोड़ रुपये का बताया जा रहा है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि बैंक और म्यूचुअल फंडों को अपने कर्ज में बड़ा नुकसान झेलना पड़ सकता है।

बुधवार को इकरा और क्रिसिल के रेटिंग घटाने के एलान के बाद गुरुवार को शेयर बाजार में डीएचएफएल के शेयर में तेज प्रतिक्रिया हुई। बीएसई के कारोबार में इसका शेयर 91.50 रुपये के निचले स्तर तक आ गया। जबकि एनएसई में इसमें करीब 15 फीसद की गिरावट दर्ज की गई और यह 94.30 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी का बाजार पूंजीकरण भी 555.2 करोड़ रुपये घटकर 2,946.80 करोड़ रुपये रह गया।

पूरे सेक्टर पर असर की आशंका : वित्तीय क्षेत्र के लिए आइआइएफसीएल से शुरू हुआ यह संकट अब डीएचएफएल तक पहुंच गया है। जानकारों का मानना है कि इसका असर पूरे वित्तीय क्षेत्र पर पड़ने की आशंका है। हालांकि भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति के बाद दिए अपने बयान में एनबीएफसी क्षेत्र पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में हो रही हलचल पर केंद्रीय बैंक कड़ी निगरानी रख रहा है। दास ने वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने का भरोसा भी दिया।

जानकारों का यह भी मानना है कि डीएचएफएल भविष्य में संभावित डिफॉल्ट को अपनी परिसंपत्तियों की बिक्री के माध्यम से टाल सकती है। सूत्रों के मुताबिक अगले दो तीन महीनों में डीएचएफएल को करीब 6,000 करोड़ रुपये का भुगतान करना है। जबकि इस दौरान उसका कलेक्शन लगभग 4000 करोड़ रुपये रहने वाला है। वैसे, बुधवार को ही डीएचएफएल ने शेयर बाजारों को बताया है कि रिजर्व बैंक से उसे अवांस फाइनेंशियल में अपनी हिस्सेदारी बेचने की मंजूरी मिल गई है। कंपनी अपनी पूरी 30 फीसद इक्विटी हिस्सेदारी बेच रही है।

सब्सिडी पर निर्भरता छोड़ें उद्योग व निर्यातक

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सरकार का मानना है कि उद्योग जगत और निर्यातकों को उसकी तरफ से मिलने वाली सब्सिडी पर निर्भर रहने के बजाय बाजार में खुद को प्रतिस्पर्धी बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। व्यापार बोर्ड और व्यापार विकास व संवर्धन परिषद की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि उनका अनुभव है कि जिन क्षेत्रों से सब्सिडी समाप्त हुई है, उनमें उद्योग और व्यापार ने तेज गति से वृद्धि की है। सरकार उद्योग और निर्यातकों को मिलने वाले प्रोत्साहनों की समीक्षा करके इस पूरी व्यवस्था को व्यापक बनाना चाहती है।

वैश्विक कारोबार में भारत की स्थिति को मजबूत बनाने पर विचार विमर्श करने को बुलाई गई इस बैठक में निर्यात संवर्धन परिषदों से लेकर उद्योग चैंबर और व्यापार परिषद के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक में राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों के अतिरिक्त कई मंत्रालयों के सचिव भी उपस्थित थे। बैठक करीब नौ घंटे चली जिसमें कई प्रजेंटेशन पेश किए गए। बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि उद्योग ने इस बात पर सहमति जताई कि अब सब्सिडी जैसे मुद्दों को छोड़कर प्रतिस्पर्धी बनने की दिशा में कदम आगे बढ़ाना चाहिए। अमेरिका की तरफ से जीएसपी रियायतें समाप्त किए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि भारत अब अल्पविकसित देश नहीं है, जिसे आगे बढ़ने के लिए कहीं से मदद की दरकार हो।

कर्ज मुहैया कराने पर चर्चा : बैठक में उद्योगों और निर्यातकों को कर्ज मुहैया कराने की जरूरत पर भी चर्चा हुई। साथ ही कृषि उत्पादों के निर्यात को लेकर भी चर्चा हुई। सरकार खासतौर पर कृषि क्षेत्र के वैल्यू एडेड उत्पादों के निर्यात को सरकार बढ़ावा देना चाहती है। गोयल ने कहा कि उद्योग भी चाहता है कि उनके कारोबार में सरकार की दखलंदाजी कम हो।

इससे पहले सुबह बैठक को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि कोई भी कार्यक्रम या महत्वाकांक्षी स्कीम केवल सब्सिडी या सरकार की मदद से ही चल सकती है। हमें इस मांग और इसके लिए किए जाने वाले प्रयासों से बाहर निकलना होगा।' वाणिज्य व उद्योग मंत्री ने उद्योगों को मजबूत करने पर जोर दिया ताकि मैन्यूफैक्चरिंग और निर्यात दोनों की रफ्तार को बढ़ाया जा सके।

कारोबार को नए नजरिये से देखें : गोयल ने कहा कि अब उद्योग और कारोबार को नए नजरिये से देखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमें विश्व के समक्ष बराबरी की शर्तों पर कारोबार करने वाला देश बनना होगा। इसलिए देश को अपनी प्रतिस्पर्धी क्षमताओं को विकसित करना होगा। उन्होंने उद्योग और निर्यातकों से इस दिशा में नीतियां बनाने के लिए सुझाव भी मांगे।

नई दिल्ली में गुरुवार को व्यापार बोर्ड और व्यापार विकास व संवर्धन परिषद की संयुक्त बैठक के दौरान अभिवादन स्वीकार करते केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल। इस मौके पर राज्यमंत्री हरदीप सिंह पुरी भी मौजूद रहे। प्रेट्र

आरबीआइ ने घटाया विकास दर अनुमान

अनुमान ▶ कहा – कई तरफ से दबाव के चलते चालू वित्त वर्ष में जीडीपी विकास दर सात फीसद रह सकती है

पिछले कुछ समय के दौरान कई मोर्चे पर सुस्ती को बताया विकास दर घटने का कारण

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

(प्रतीकात्मक)

विश्व बैंक को भले ही भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज विकास दर का भरोसा हो, लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने चालू वित्त वर्ष में यह अनुमान घटा दिया है। आरबीआइ का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष (2019-20) में विकास दर सात फीसद रहेगी। इससे पूर्व आरबीआइ ने विकास दर 7.2 फीसद रहने का अनुमान जताया था।

रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति ने कहा कि वित्त वर्ष 2018-19 की चौथी तिमाही के आंकड़ों से पता चलता है कि घरेलू निवेश पड़ा है। हालांकि सकारात्मक पहलू यह है कि राजनीतिक स्थिरता, शेयर बाजार में उछाल और व्यवसायिक क्षेत्र के लिए नकदी का बढ़ता प्रवाह निवेश गतिविधियों के अनुकूल है।

ताजा अनुमान के मुताबिक चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में विकास दर 6.4-6.7 फीसद तथा दूसरी छमाही में 7.2-7.5 फीसद रहने की उम्मीद है। रिजर्व बैंक ने अप्रैल में कहा था कि चालू वित्त में विकास दर 7.2 फीसद रहने का अनुमान है। उस वक्त आरबीआइ ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में विकास दर 6.8-7.1 प्रतिशत और दूसरी छमाही में 7.3-7.4 फीसद रहने का अनुमान जताया था। उल्लेखनीय है कि इसी हफ्ते विश्व बैंक ने कहा था कि चालू वित्त वर्ष में भारत की विकास दर 7.5 फीसद रहने का अनुमान है। विश्व बैंक का इससे पहले का अनुमान भी इतना ही था।

एनपीए पर अगले 3-4 दिनों में जारी होगा संशोधित परिपत्र : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) के गर्वनर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक समीक्षा बैठक के बाद बैंकों के फंसे कर्ज (एनपीए) को लेकर भी एक बड़ी घोषणा की है। आरबीआइ एनपीए की पहचान के लिए अगले तीन-चार दिनों में संशोधित परिपत्र जारी करेगा। संशोधित परिपत्र 12 फरवरी 2018 को जारी हुए पुराने परिपत्र का स्थान लेगा। बता दें कि पुराने परिपत्र को सुप्रीम कोर्ट ने दो अप्रैल के अपने एक निर्णय में रद कर दिया था। उस परिपत्र में बैंक के कर्ज की किस्त के भुगतान में ग्राहक की ओर से एक दिन की देरी होने पर भी उस कर्ज को एनपीए करार देने का प्रावधान था।

स्मॉल फाइनेंस बैंक की ऑन टैप लाइसेंसिंग पर दिशानिर्देश अगस्त में आएगा

मुंबई, प्रेट्र : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने कहा कि वह ऑन टैप आधार पर स्मॉल फाइनेंस बैंक का लाइसेंस देने के लिए अगस्त 2019 में दिशानिर्देश जारी करेगा। इसका मकसद छोटे कर्जधारकों के लिए बैंकिंग की सुविधा को बढ़ावा देना और बाजार में प्रतियोगिता को प्रोत्साहित करना है। सितंबर 2015 में आरबीआइ ने 10 कंपनियों को स्मॉल फाइनेंस बैंकिंग क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दी थी।

एनईएफटी व आरटीजीएस पर अब नहीं लगेगा शुल्क

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के मकसद से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने आरटीजीएस व एनईएफटी के माध्यम से धनराशि ट्रांसफर करने पर लगनने वाले शुल्क को खत्म कर दिया है। आरबीआइ ने बैंकों से इसका फायदा ग्राहकों तक पहुंचाने का आग्रह किया है।

आरटीजीएस और एनईएफटी दोनों ही ऑनलाइन फंड ट्रांसफर के तरीके हैं। आरटीजीएस यानी रियल टाइम ग्रॉस सैटलमेंट सिस्टम का इस्तेमाल बड़ी राशि का ट्रांसफर करने के लिए किया जाता है। नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड्स ट्रांसफर यानी एनईएफटी का इस्तेमाल दो लाख रुपये तक की राशि ट्रांसफर करने के लिए किया जाता है। आरबीआइ ने एटीएम के इस्तेमाल पर लगने वाले चार्ज की समीक्षा करने के लिये एक समिति का गठन करने का फैसला किया है। समिति अपनी पहली बैठक के दो महीने के भीतर रिपोर्ट देगी। एक सप्ताह के भीतर इस समिति के गठन और सेवा शर्तें जारी की जाएंगी।

अभी यह शुल्क : देश का सबसे बड़ा बैंक एसबीआइ फिलहाल एनईएफटी से रकम ट्रांसफर करने पर एक से पांच रुपये तथा आरटीजीएस से रकम ट्रांसफर करने पर पांच रुपये से 50 रुपये शुल्क लेता है।

बिल में हेराफेरी से देश को 90,000 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, प्रेट्र : व्यापारियों द्वारा बिलिंग में की जाने वाली हेराफेरी की वजह से भारत को 2016 में 13 अरब डॉलर (करीब 90,000 करोड़ रुपये) के राजस्व का नुकसान हुआ। अमेरिकी थिंक टैंक ग्लोबल फाइनेंशियल इंटिग्रिटी (जीएफआइ) की एक रिपोर्ट के मुताबिक नुकसान की यह रकम 2016 में देश की कुल राजस्व वसूली का 5.5 फीसद है। जीएफआइ की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2016 में राजस्व को संभावित नुकसान पहुंचाने के जोखिम वाले आयात में से दो-तिहाई आयात सिर्फ एक देश चीन से हुआ था। उस वर्ष चीन भारतीय आयात का सबसे बड़ा स्रोत था।

'इंडिया : पोटेंशियल रिवेन्यू लॉसेज एसोसिएटेड विद ट्रेड मिसइनवॉयसिंग' शीर्षक वाली रिपोर्ट में 2016 के द्विपक्षीय व्यापार आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। यह आखिरी वर्ष है, जिसके लिए समुचित आंकड़े थिंक टैंक को मिल सके। इस रिपोर्ट को संयुक्त राष्ट्र (कॉमट्रेड) ने प्रकाशित किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यापारियों द्वारा बिल में की जाने वाली हेराफेरी एक वास्तविकता है और इससे भारत सहित दूसरे सभी देश प्रभावित हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक देश से बाहर पैसा भेजने के लिए आयात के बिल में कीमत को बढ़ा चढ़ाकर दिखाया जा सकता है। इसी तरह से सीमा शुल्क या मूल्यवर्धित कर (वैट) का भुगतान करने से बचने के लिए आयात बिल में कीमत को कम करके दिखाया जा सकता है। निर्यात के मामले में भी बिल में इसी प्रकार से हेराफेरी की जाती है। देश से पैसा बाहर भेजने के लिए निर्यात बिल में बाहर भेजे जाने वाले उत्पादों की कीमत को कम दिखाया जा सकता है। इसी तरह से निर्यात में कीमत को अधिक दिखाकर वैट टैक्स का रिक्लेम किया जा सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके लिए चाहे जो भी तरीका इस्तेमाल किया जाए उसका अंतिम नतीजा यही होता है कि भारी मात्रा में कर राजस्व की वसूली नहीं हो पाती। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि भारत को अपने सभी सरकारों को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की एंटी-मनी लांड्रिंग सिफारिशों को पूरी तरह से लागू करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। यह कानून पहले से बने हुए हैं। इसे कड़ाई से लागू किए जाने की जरूरत है।

लेखाजोखा

- यह यह रकम 2016 में देश की कुल राजस्व वसूली का 5.5 फीसद थी
- 2016 में संभावित हेराफेरी वाले दो-तिहाई आयात सिर्फ चीन से हुए

वित्त मंत्री से मिले वित्त आयोग चेयरमैन

वित्त आयोग के चेयरमैन एनके सिंह ने गुरुवार को वित्त और कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण से नॉर्थ ब्लॉक स्थित उनके दफ्तर में मुलाकात की। यह एक शिष्टाचार मुलाकात थी। जागरण

सरकार ने किया नीति आयोग का पुनर्गठन

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नीति आयोग का पुनर्गठन कर दिया। अर्थशास्त्री डा. राजीव कुमार नीति आयोग के वाइस चेयरमैन बने रहेंगे। उनके साथ ही वीके सारस्वत, प्रोफेसर रमेश चंद और डा. वीके पॉल की पूर्णकालिक सदस्यता बरकरार रहेगी। हालांकि प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष विवेक देबरॉय को इस बार नीति आयोग का सदस्य नहीं बनाया गया है।

प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार आयोग में चार पदेन सदस्य - गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर भी आयोग में शामिल होंगे। इसके अलावा सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, सामाजिक अधिकारिता मंत्री थावर चंद गहलौत, रेल मंत्री पीयूष गोयल और सांख्यिकी राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार राव इंद्रजीत विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे। राव इंद्रजीत पहले इसमें पदेन सदस्य थे। इससे पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री नीति आयोग में विशेष आमंत्रित सदस्य थे, लेकिन इस बार उन्हें हटा दिया गया है।

विप्रो का चेयरमैन पद छोड़ेंगे प्रेमजी

- बोर्ड में गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में अगले पांच साल तक बने रहेंगे
- रिशद प्रेमजी अगले कार्यकारी चेयरमैन की जिम्मेदारी संभालेंगे

नई दिल्ली, प्रेट्र : दिग्गज आइटी कारोबारी अजीम एच प्रेमजी 30 जुलाई को सॉफ्टवेयर सेवा कंपनी विप्रो के कार्यकारी चेयरमैन और एमडी का पद छोड़ देंगे। कंपनी ने कहा कि वह हालांकि गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में जुलाई 2024 तक कंपनी के बोर्ड में बने रहेंगे। उन्हें संस्थापक चेयरमैन का भी दर्जा दिया गया है। अजीम प्रेमजी के पुत्र रिशद प्रेमजी कंपनी के अगले कार्यकारी चेयरमैन की जिम्मेदारी संभालेंगे। उन्हें पांच साल तक के लिए फिर से पूर्णकालिक निदेशक भी नियुक्त किया जाएगा। रिशद अभी मुख्य रणनीति अधिकारी और बोर्ड सदस्य हैं। वर्तमान सीईओ आबिदली जेड नीमचवाला कंपनी के नए एमडी होंगे। वह सीईओ के पद पर भी बने रहेंगे।

कंपनी ने गुरुवार को कहा कि अगले महीने 74 वर्ष के होने जा रहे अजीम प्रेमजी का वर्तमान कार्यकाल 30 जुलाई 2019 को पूरा हो रहा है। इसके बाद वह पद छोड़ देंगे। उन्होंने 53 साल से कंपनी का नेतृत्व किया है। कंपनी के बयान के मुताबिक ये सभी बदलाव 31 जुलाई 2019 से लागू होंगे। हालांकि इसके लिए शेयरधारकों से मंजूरी ली जाएगी।

प्रेमजी ने 53 वर्ष तक विप्रो का नेतृत्व किया। फाइल

पद्म भूषण और पद्म विभूषण पुरस्कार हासिल कर चुके अजीम प्रेमजी ने अपनी भावी योजना को लेकर कहा कि अब वह परोपकार के कार्यों पर अधिक ध्यान दे सकेंगे। अजीम प्रेमजी भारत के दूसरे सबसे धनी व्यक्ति हैं। वह एक विख्यात परोपकारी भी हैं। उन्होंने 1946 में स्थापित वनस्पति तेल कंपनी विप्रो को 8.5 अरब डॉलर की एक अंतरराष्ट्रीय आइटी कंपनी के रूप में स्थापित कर दिया है। इस साल मार्च में उन्होंने कंपनी की 52,750 करोड़ रुपये की अतिरिक्त हिस्सेदारी परोपकार के कार्यों के लिए दान कर दी थी।

अमेरिका की कंपनी आइटीआइ का अधिग्रहण करेगी विप्रो

बेंगलुरु : विप्रो अमेरिका की डिजिटल इंजीनियरिंग एंड मैनयूफैक्चरिंग समाधान कंपनी 'इंटरनेशनल टेक्नीग्रुप इनकॉरपोर्टेड' (आइटीआइ) का अधिग्रहण कर रही है। यह अधिग्रहण करीब 4.5 करोड़ डॉलर (करीब 312 करोड़ रुपये) में होगा। पूरी रकम का भुगतान नकद में होगा। कंपनी ने बीएसई को दी गई सूचना में कहा कि 30 सितंबर तक आइटीआइ के 100 फीसद अधिग्रहण के लिए समझौते पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। आइटीआइ का मुख्यालय मिडवेस्ट ओहायो के मिलफोर्ड में स्थित है। यह दुनियाभर में कंपनियों को कंप्यूटर एडेड डिजाइन (सीएडी) और प्रोडक्ट लाइफसाइकिल मैनेजमेंट (पीएलएम) इंटर-ऑपरेबिलिटी सॉफ्टवेयर सेवा प्रदान करती है।

मुसीबत

डीएचएफएल के शेयर इंट्रा-डे में 18 फीसद तक गिर गए थे। बैंकिंग सेक्टर पर दबाव से पूरा बाजार हलकान रहा

एनबीएफसी की चिंता में लुढ़के शेयर बाजार

मुंबई, प्रेट्र : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) की मुख्य नीतिगत ब्याज दरों में कटौती के बावजूद नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों (एनबीएफसी) से जुड़ी चिंता के हावी होने से गुरुवार को देश के शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई। बीएसई का सेंसेक्स 553.82 अंकों की गिरावट के साथ 39,529.72 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 177.90 अंकों की गिरावट के साथ 11,843.75 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स में इंडसइंड बैंक में सर्वाधिक 6.97 फीसद गिरावट रही। यस बैंक में 6.15 फीसद और भारतीय स्टेट बैंक में भी 4.34 फीसद गिरावट रही। दूसरी ओर कोल इंडिया में सर्वाधिक 1.92 फीसद तेजी रही। बीएसई के सभी सेक्टरों में गिरावट रही। तेल एवं गैस सेक्टर सर्वाधिक 3.04 फीसद लुढ़का। बीएसई के मिडकैप सूचकांक में 1.77 फीसद और स्मॉलकैप में 1.60 फीसद गिरावट रही।

आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स में फंडामेंटल रिसर्च (इन्वेस्टमेंट सर्विसेज) - एवीपी इक्विटी रिसर्च के प्रमुख नरेंद्र सोलंकी ने कहा कि आरबीआइ की मुख्य नीतिगत दरों में कटौती बाजार में उत्साह का संचार करने में विफल रही। आइएलएंडएफएस और डीएचएफएल जैसे मुद्दों के कारण निकट अवधि में नकदी किल्लत पैदा होने और अन्य वित्तीय संस्थानों पर इसके नकारात्मक असर की आशंका से बाजार में गिरावट का माहौल बना। बीएसई पर दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन (डीएचएफएल) 15.86 फीसद गिरकर 93.90 रुपये पर बंद हुआ। श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस, इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस और एलएंडटी हाउसिंग फाइनेंस में भी 8.61 फीसद तक गिरावट रही। सोलंकी ने कहा कि आरबीआइ द्वारा चालू वित्त वर्ष के लिए विकास दर का अनुमान कम रखने और नकदी के मुद्दे पर सिर्फ ध्यान दिए जाने का आश्वासन मिलने तथा कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिलने से बाजार में गिरावट और गहरा गई।

एशिया के अन्य प्रमुख बाजारों में मिला-जुला रुझान रहा। यूरोप के बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी देखी गई।

- सेंसेक्स 553.82 अंकों की गिरावट के साथ 39,529.72 पर बंद
- निफ्टी 177.90 अंकों के नुकसान के साथ 11,843.75 पर स्थिर

डीएचएफएल शेयरों में बड़ी गिरावट से पूरा सेक्टर दबाव में रहा। (प्रतीकात्मक)

स्थानीय ज्वेलरों की खरीदारी से सोना चमका, चांदी उछली

नई दिल्ली, प्रेट्र : विदेशी बाजारों के मजबूत रुझानों और स्थानीय ज्वेलरों की खरीदारी से राष्ट्रीय राजधानी में गुरुवार को सोना 120 रुपये उछलकर 33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। ऑल इंडिया सराफा एसोसिएशन के मुताबिक औद्योगिक इकाइयों और सिक्का निर्माताओं के द्वारा खरीदारी बढ़ाने से चांदी भी 50 रुपये उछलकर 37,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

कारोबारियों ने कहा कि स्थानीय ज्वेलरों की ओर से खरीदारी बढ़ने और विदेशी बाजारों में मजबूती के कारण सोने की कीमत बढ़ी है। न्यूयॉर्क में सोने में 1,336.50 डॉलर प्रति औंस (28.35 ग्राम) पर और चांदी में 15.02 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार हुआ। राष्ट्रीय राजधानी में 99.9 फीसद खरा सोना 120 रुपये उछलकर 33,490 रुपये और 99.5 फीसद खरा सोना भी इतनी ही मजबूती के साथ 33,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया। आठ ग्राम सोने की गिन्नी हालांकि 26,700 रुपये प्रत्येक के भाव पर कायम रही।

कार-बाइक का थर्ड पार्टी बीमा 16 जून से हो जाएगा महंगा

- इरडा ने प्रीमियम में 21% तक बढ़ोतरी को दी मंजूरी, नई दरें 16 जून से होंगी लागू

नई दिल्ली, प्रेट्र : कारों व दोपहिया वाहनों का थर्ड पार्टी बीमा 16 जून से महंगा हो जाएगा। बीमा नियामक इरडा ने कुछ श्रेणियों के लिए थर्ड पार्टी मोटर बीमा प्रीमियम में 21 फीसद तक बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। आमतौर पर अनिवार्य थर्ड पार्टी बीमा की दरें पहली अप्रैल से बदलती हैं। लेकिन इस बार वर्ष 2019-20 के लिए नई दरें 16 जून से लागू होंगी।

अब इरडा ने माल ढोने वाले सार्वजनिक व निजी वाहनों का थर्ड पार्टी बीमा भी बढ़ा दिया है। ई-रिक्शा के मामले में दरें यथावत रहेंगी। लेकिन स्कूल बसों का थर्ड पार्टी बीमा प्रीमियम बढ़ जाएगा। लांग टर्म की सिंगल प्रीमियम दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कारों के लिए यह तीन वर्ष और दुपहिया वाहनों के लिए पांच वर्ष है। इस वर्ष मार्च में लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू हो जाने की वजह से बीमा नियामक थर्ड पार्टी इंश्योरेंस को लेकर कोई फैसला चुनाव खत्म हो जाने तक नहीं लिया। पिछले महीने नियामक ने कहा था कि वह इस मामले में जल्द फैसला लेगा।

इस तरह तरह बदलेगा प्रीमियम कारों के लिए :

1000 सीसी से कम :	12 फीसद बढ़ोतरी के बाद 2072 रुपये
1,000 से 1,500 सीसी :	12.5 फीसद बढ़कर 3,221 रुपये
1500 सीसी से ऊपर :	7,890 रुपये के पिछले स्तर पर
दुपहिया वाहनों के लिए	
75 सीसी से कम :	12.88 फीसद बढ़कर 482 रुपये
75 से 150 सीसी :	752 रुपये
150 से 350 सीसी :	1,193 रुपये

10 लाख रुपये का जुर्माना और पांच साल की सजा होगी सोशल मीडिया में झूठी खबर और घृणा फैलाने पर श्रीलंका में। एक सरकारी बयान के मुताबिक इस संबंध में कैबिनेट ने एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

अब ताइवान को हथियार बेचेगा अमेरिका

चीन ने जताई चिंता, कहा-द्विपक्षीय संबंधों को होगा नुकसान

108 एम1ए2 एबरैम्स टैंक और एंटी-टैंक मिसाइल बेचे जाने की है संभावना

जॉर्जिया में 18 मई 2016 को संयुक्त सैन्य अभ्यास के दौरान अमेरिका का एम1ए2 एबरैम्स टैंक। रक्षा सौदे के तहत अमेरिका द्वारा इस टैंक को ताइवान को बेचे जाने की उम्मीद है। रायटर

वाशिंगटन, रायटर : अमेरिका बड़े रक्षा सौदे के तहत ताइवान को टैंक और कई हथियार बेचने की तैयारी कर रहा है। इन हथियारों की कीमत दो अरब डॉलर (करीब 14 हजार करोड़ रुपये) से ज्यादा बताई जा रही है। इस बिक्री पर चिंता जाहिर करते हुए चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों को नुकसान से बचाने के लिए ताइवान को हथियार बेचना बंद करे।

इस हथियार सौदे से जुड़े सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित खरीद के बारे में अमेरिकी संसद को सूचित किया जा चुका है। उन्होंने कहा, 'ताइवान को 108 एम1ए2 एबरैम्स टैंक के साथ ही एंटी-टैंक और एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल बेचे जाने की संभावना है।' ताइवान को अपना हिस्सा बताने वाला चीन उस पर कब्जे के लिए कई बार सैन्य कार्रवाई की धमकी दे चुका है। वह द्वीपीय क्षेत्र ताइवान के साथ अमेरिका के संबंधों से चिढ़ता है।

अमेरिका, ताइवान का मुख्य हथियार आपूर्तिकर्ता देश है। ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन ने गत मार्च में कहा था, 'चीन के बढ़ते दबाव के मद्देनजर अमेरिका हमारी रक्षा क्षमता बढ़ाने के लिए नए हथियार खरीदने के हमारे आग्रह पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दे रहा है।'

पिछले साल सैन्य उपकरण बेचने को दी थी मंजूरी : अमेरिका ने पिछले साल सितंबर में ताइवान को 33 करोड़ डॉलर के सैन्य उपकरणों की बिक्री को मंजूरी दी थी। इसमें एफ-16 लड़ाकू विमान और अन्य सैन्य विमानों के कलपुर्जे शामिल थे। इससे चिढ़े चीन ने अमेरिका को चेताया है कि उसके नए कदम से दोनों देशों के रिश्ते खतरे में पड़ सकते हैं।

भारतीय कारोबारी ने पाकिस्तान में लगवाए हैंडपंप

दुबई, प्रेट्र : भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव से दूर दुबई में रहने वाले एक भारतीय कारोबारी ने पाकिस्तान के पिछड़े इलाके में 60 से ज्यादा हैंडपंप लगवाए हैं। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में ट्रांसपोर्ट का कारोबार करने वाले जोगिंदर सिंह सलारिया ने पाकिस्तान के सिंध प्रांत के थारपारकर जिले में ये हैंडपंप लगवाए हैं।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, सलारिया ने गरीबी से जूझ रहे पाकिस्तानी जिले के लोगों के लिए अनाज से भरी बोरियां भी भिजवाई हैं। सोशल मीडिया के जरिये इलाके का पिछड़ापन जानने के बाद सलारिया ने थारपारकर जिले के लोगों की मदद करने की ठानी। इसके लिए उन्होंने पहले इलाके का दौरा किया। फिर पहल चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना की और पाकिस्तान के स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं की मदद से जिले में मदद कार्यों की शुरुआत की। सलारिया के साथ काम करने वाले एक सामाजिक कार्यकर्ता ने बताया कि इस जिले के 87 प्रतिशत लोग गरीब हैं। मीडिया से बातचीत में सलारिया ने कहा, जब दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण थे, हम पिछड़े गांवों में हैंडपंप लगवा रहे थे।

अमेरिका की बेरुखी के बाद रूस भी स्टार्ट संधि खत्म करने के पक्ष में

पुतिन ने आगाह किया, फिर शुरू हो जाएगी दुनिया में हथियारों की दौड़

व्लादिमीर पुतिन। फाइल

सेंट पीटर्सबर्ग, एएफपी/रायटर : परमाणु हथियारों के खतरे से जूझ रही दुनिया के लिए बड़ी खबर है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि परमाणु हथियारों की संख्या सीमित करने से संबंधित समझौते 'स्टार्ट' से पूरी तरह से हटने पर विचार कर रहे हैं। यह विचार नए समझौते के लिए अमेरिका की रुचि न देखते हुए करना पड़ रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का नाम लिए बगैर पुतिन ने कहा, अगर कोई समझौते के विस्तार के लिए इच्छुक नहीं है, तो वह क्या कर सकते हैं। हमने सौ बार कहा है कि हम नए समझौते के लिए तैयार हैं लेकिन किसी ने बात करने की जरूरत नहीं समझी। पुतिन का इशारा वाशिंगटन की ओर था। 2021 में यह समझौता पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा। सन 2010 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने रूसी समकक्ष दिमित्री मेदवेदेव के साथ यह समझौता किया था। इस समझौते के तहत परमाणु हथियारों की संख्या को सीमित करना था। इसी के साथ एक समझौता और हुआ था, वह मध्यम दूरी तक परमाणु हथियारों को ले जाने की क्षमता वाली मिसाइलों से संबंधित था।

यह समझौता दोनों देशों ने इसी साल खत्म कर लिया है। कारोबार से जुड़े एक सेमिनार में आए पुतिन ने कहा, स्टार्ट के पूरी तरह से खत्म होने के बाद कोई तरीका नहीं होगा जिससे दुनिया में परमाणु हथियारों की दौड़ को रोका जा सके। इसके बाद अंतरिक्ष में निशाना बनाने वाले हथियार भी तैनात किए जा सकते हैं।

ब्रिटेन से अच्छे संबंधों की उम्मीद

ब्रिटेन में निकट भविष्य में होने वाले सत्ता परिवर्तन की संभावना देखते हुए पुतिन ने कहा है कि अब सर्गेई स्क्रिपल प्रकरण से आगे बढ़कर दोनों देशों को संबंधों में विस्तार देखना चाहिए। स्क्रिपल दोनों देशों का डबल एजेंट था, जो अब ब्रिटेन में रह रहा है। रासायनिक पदार्थ के इस्तेमाल से उसे मारने की कोशिश का आरोप रूस पर है। 2018 की इस घटना के बाद दोनों देशों के रिश्ते बुरी तरह से बिगड़ गए और दोनों ने अपने राजनयिक वापस बुला लिए थे।

न्यूज गैलरी

अफगान सेना ने तालिबान की जेल से छुड़ाए 83 नागरिक

काबुल : अफगान सुरक्षा बलों ने फरयाब प्रांत के कैसर जिले में आतंकी संगठन तालिबान की एक जेल पर धावा बोलकर 83 नागरिकों को छुड़ा लिया। इस अभियान को अफगानिस्तान की सेना के विशेष दस्ते ने बुधवार रात अंजाम दिया।

अफगान सेना की शाहीन कोर के प्रवक्ता मुहम्मद हनीफ रेजाई ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में सैनिकों को आते देख जेल की सुरक्षा में तैनात तालिबान आतंकी भाग खड़े हुए। जेल से छुड़ाए गए नागरिकों को सेना के कैंप में ले जाया गया है। पहचान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद वे जल्द ही अपने परिवार से मिलेंगे। तालिबान ने अभी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सुरक्षा बलों के लिए मुखबिरी के शक में तालिबान आतंकी आए दिन गांवों से नागरिकों को उठा ले जाते हैं। (एएनआइ)

जर्मनी में 85 मरीजों की जान लेने वाले पुरुष नर्स को उम्रकैद

ओल्डेनबर्ग : जर्मनी की एक अदालत ने 85 मरीजों की जान लेने वाले पुरुष नर्स नील्स होगेल को उम्रकैद की सजा सुनाई है। 42 साल का होगेल द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद जर्मनी के इतिहास का बहुचर्चित सीरियल किलर बन गया है। गुरुवार को सजा का एलान करते हुए जज ने कहा कि नर्स का यह कृत्य मानवीय कल्पना से परे है। होगेल ने 2000 से 2005 के बीच एक अस्पताल में नर्स के रूप में काम करते हुए घातक इंजेक्शन देकर एक-एक कर 85 मरीजों की जान ले ली। एक दिन इंजेक्शन देते हुए रंगे हाथ पकड़े जाने पर उसका भंडाफोड़ हुआ। होगेल छह मरीजों की हत्या में पहले ही दस साल जेल में बिता चुका है। इस मामले में भी उसे उम्रकैद मिली थी। मामले की जांच आगे बढ़ने पर पता चला कि उसने कई और मरीजों को घातक इंजेक्शन दिया था। पुलिस को आशंका है कि होगेल के शिकार लोगों की संख्या 200 से ज्यादा हो सकती है क्योंकि अस्पताल में जान गंवाने वाले कई मरीजों को बिना पोस्टमार्टम दफना दिया गया था। (एएफपी)

पाक के विज्ञान मंत्री ने बताया कब मनाए जाएंगे प्रमुख त्योहार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विज्ञान एवं तकनीकी मंत्री फवाद चौधरी ने देश के प्रमुख त्योहारों और पवित्र महीने मोहर्रम के शुरू होने की तारीखों का ऐलान कर मौलवियों के काम को अपने हाथ में ले लिया है। फवाद चौधरी ने वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर बकरीद और मोहर्रम महीने के शुरू होने की तारीख भी बता दी। पिछले महीने उन्होंने ईद-उल-फितर की तारीख का ऐलान कर दिया था। विज्ञान एवं तकनीकी मंत्री चौधरी ने एक ट्वीट में कहा कि इस साल ईद उल अजहा 12 अगस्त को मनाई जाएगी और मोहर्रम एक सितम्बर को होगा। मोहर्रम से इस्लामिक वर्ष की शुरूआत मानी जाती है। (प्रेट्र)

डोनाल्ड ट्रंप ने किम से तीसरी मुलाकात के दिए संकेत

होगी वार्ता ▶ अमेरिका ने उत्तर कोरिया की चेतावनी को नहीं दिया महत्व

वियतनाम की राजधानी हनोई में 28 फरवरी, 2019 को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के बीच हुई मुलाकात की तस्वीर। रायटर

डबलिन, एएनआइ : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उत्तर कोरिया की चेतावनी को दरकिनार करते हुए किम जोंग उन से तीसरी मुलाकात के संकेत दिए हैं। उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि अमेरिका के साथ उत्तर कोरिया समझौते का इच्छुक है। ट्रंप का यह बयान उत्तर कोरिया की उस चेतावनी के बाद आया है, जिसमें कहा गया था कि उसका धैर्य टूटने से पहले अमेरिका बातचीत करने के अपने तौर-तरीके को बदल ले।

ट्रंप ने बुधवार को आयरलैंड की राजधानी डबलिन में कहा, 'मुझे लगता है कि वे समझौता करना चाहते हैं और हम भी ऐसा करना चाहते हैं। मैं उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से किसी उचित समय पर मिलने की उम्मीद करता हूं।' ट्रंप और किम के बीच गत फरवरी में वियतनाम में हुई दूसरी शिखर वार्ता में उत्तर कोरिया पर लगे प्रतिबंधों को हटाने की मांग पर विफल हो गई थी। दोनों नेताओं की पहली शिखर वार्ता गत वर्ष जून में सिंगापुर में हुई थी।

अमेरिका के रुख पर निर्भर करेगा संयुक्त बयान : उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा था, 'पिछले साल 12 जून को उत्तर कोरिया और अमेरिका की ओर से जारी किया गया संयुक्त बयान प्रभावी रहेगा या कोरा कागज बन जाएगा यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अमेरिका हमारे निष्पक्ष और उचित रुख के प्रति कैसा जवाब देगा। अमेरिका को बीते एक साल पर गौर करना चाहिए और देर होने से पहले सोच-समझकर सही रणनीति अपनानी चाहिए। अमेरिका को यह सलाह दी जाती है कि वह अपने मौजूदा तरीके को बदल ले और हमारे आग्रह का यथाशीघ्र जवाब दे।'

पिछले माह किए मिसाइल परीक्षण : उत्तर कोरिया ने गत फरवरी में वार्ता विफल होने के लिए अमेरिका के सख्त रुख को जिम्मेदार ठहराया था। इसके बाद उत्तर कोरिया ने अपने पुराने ढर्रे पर लौटने के संकेत देते हुए पिछले माह कई मिसाइल परीक्षण किए थे। उसके इस कदम को अमेरिका पर दबाव बनाने के तौर पर देखा गया था।

सऊदी अरब की 20 सैन्य चौकियों पर विद्रोहियों का कब्जा

सना, एएनआइ : यमन की राजधानी सना समेत देश के के ज्यादातर हिस्सों पर कब्जा करने वाले हाउती विद्रोहियों ने दावा किया है कि उन्होंने सऊदी अरब की 20 से ज्यादा सैन्य चौकियों पर कब्जा कर लिया है। ये सैन्य चौकियां यमन की सीमा से लगे सऊदी अरब के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत नजरान में हैं।

लड़ाई में 200 सऊदी सैनिकों के मारे जाने का भी किया दावा

यमन की न्यूज एजेंसी सबा ने हाउती प्रवक्ता याहया सराय के हवाले से बुधवार को बताया कि पिछले तीन दिनों के दौरान चलाए गए अभियान में सैन्य चौकियों पर कब्जा किया गया। प्रवक्ता ने कहा, 'इस अभियान के दौरान सऊदी सेना के 200 सैनिक मारे गए या घायल हुए। इसके वीडियो फुटेज भी हमारे पास हैं। हम इसका बाद में प्रसारण करेंगे।' यमन में साल 2015 से गृह युद्ध छिड़ा है। इसमें दस हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। यमन के राष्ट्रपति अब्द रब्बू मंसूर हादी की सरकार सऊदी अरब के नेतृत्व वाली गठबंधन सेना की मदद से हाउती विद्रोहियों से संघर्ष कर रही है। सऊदी अरब का विरोधी ईरान हाउती विद्रोहियों का समर्थन करता है। माना जा रहा है कि हालिया हमलों से इस अशांत क्षेत्र में हालात और बिगड़ सकते हैं। यमन का हालिया विवाद 2014 में हुआ था जब हाउती विद्रोहियों के साथ पूर्व राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सहेलकी सेना ने पूरे राष्ट्र पर कब्जा कर कर लिया था इसमें सना की राजधानी भी शामिल है। 2015 में युद्ध तब और भड़क गया जब सऊदी अरब ने हवाई कार्रवाई शुरू कर दी।

पशुपतिनाथ मंदिर ने पहली बार घोषित की अपनी संपत्ति

नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर के खजाने में नकद 120 करोड़ रुपये हैं। फाइल

काठमांडू, प्रेट्र : नेपाल के सुप्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर की संपत्ति पहली बार घोषित की गई है। मंदिर के खजाने में नकद 120 करोड़ रुपये हैं। इसके अलावा संपत्ति के रूप में मंदिर के पास 9.276 किलोग्राम सोना और 316 किलोग्राम चांदी है। मंदिर ट्रस्ट के नाम 186 हेक्टेयर जमीन भी है।

राजधानी काठमांडू स्थित यह मंदिर पशुपतिनाथ यानी भगवान शिव को समर्पित है। मंदिर का निर्माण पांचवी शताब्दी में हुआ था। नेपाल के इस सबसे धनी मंदिर का स्वामित्व रखने वाली पशुपति एरिया डेवलपमेंट ट्रस्ट ने इसकी संपत्ति के आकलन के लिए 2017 में मिलन कुमार थापा की अध्यक्षता में 11 सदस्यीय समिति का गठन किया था। स्थानीय अखबार काठमांडू पोस्ट में ट्रस्ट के कार्यकारी निदेशक रमेश उप्रेती के हवाले से कहा गया है, 'हम पहली बार मंदिर की संपत्ति सार्वजनिक कर रहे हैं।' 5वीं शताब्दी का पशुपतिनाथ मंदिर काठमांडू में 400 ईसवी पूर्व का सबसे पुराना हिंदू मंदिर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके मंत्रिमंडल के कई सहयोगियों ने अपनी नेपाल यात्रा के दौरान इस मंदिर का दौरा किया। नेपाल सरकार द्वारा 23 अक्टूबर, 2017 को मंदिर की संपत्ति की जांच के लिए मिलन कुमार थापा के नेतृत्व में 11 सदस्यीय समिति का गठन किया गया था। थापा ने बताया कि ट्रस्ट के पास कई स्थानों में जमीन है, लेकिन पर्याप्त सबूतों के अभाव में हम उसे ट्रस्ट के अधीन नहीं दिखा सकते।

उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि कई स्थानों पर ट्रस्ट ने जमीन का अतिक्रमण भी किया है। उन्होंने बताया कि कुल पंजीकृत भूमि में से ट्रस्ट ने 1,161 रोपनी (59 हेक्टेयर) जमीन को त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और एक गोल्फ कोर्स को 99 साल के लिए लीज पर दिया है। इसी तरह, ट्रस्ट ने बौध में भी पांच सितारा होटल हयात रीजेंसी को 17 रोपनी जमीन लीज पर दी है। गोतथर में ट्रस्ट के पास 534 रोपनी (27 हेक्टेयर) भूमि है, जिसे सरकार ने 1998 में ट्रस्ट के नाम से नाम से पंजीकृत किया था। अब लोग यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि ट्रस्ट कैसे मंदिर के धन का प्रबंधन कर रहा है।

मई में मेक्सिको सीमा पर पकड़े गए 1.44 लाख शरणार्थी

न्यूयॉर्क टाइम्स से

सीमा पर वर्ष 2006 से किसी महीने में सबसे ज्यादा हुई गिरफ्तारी

अप्रैल की तुलना में मई में बढ़ गई है शरणार्थियों की संख्या। फाइल

वाशिंगटन : मेक्सिको के रास्ते अमेरिका में अवैध रूप से दाखिल होने का प्रयास करने वाले मध्य अमेरिकी शरणार्थियों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। अमेरिका ने मई में 1.44 लाख से ज्यादा शरणार्थियों को हिरासत में लिया। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, मेक्सिको से लगी सीमा पर शरणार्थियों के पकड़े जाने के मामले अप्रैल की तुलना में मई में 32 फीसद बढ़ गए। साल 2006 से किसी एक महीने में यह सर्वाधिक आंकड़ा बताया जा रहा है।

पकड़े गए शरणार्थियों में सबसे ज्यादा वे लोग हैं जो अवैध रूप से सीमा पार कर रहे थे। करीब दस फीसद लोग ऐसे थे जो सही कागजात के बिना आए थे। माना जा रहा है कि हिरासत में लिए गए लोगों का आंकड़ा मेक्सिको सरकार पर यह दबाव बनाने के लिए जारी किया गया है कि वह ट्रंप की शरणार्थियों को रोकने वाली मांग को शीघ्रता से पूरा करे। इसी कवायद में ह्वाइट हाउस में उपराष्ट्रपति माइक पेंस और प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने बुधवार को मेक्सिको के शीर्ष राजनयिक के साथ वार्ता की।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को यह एलान किया था कि आयात शुल्क को लेकर मेक्सिको के साथ वार्ता में कोई खास प्रगति नहीं हुई। इसके साथ ही उन्होंने आगाह किया था कि अगर कोई समझौता नहीं हो पाया तो दस जून से मेक्सिको से आने वाले सामान पर पांच फीसद शुल्क लगाया जाएगा और यह हर माह तब तक बढ़ता जाएगा जब तक कि अवैध शरणार्थियों की समस्या खत्म ना हो जाए।

'भारत-चीन की न हवा सांस लेने लायक, न पानी पीने के काबिल'

लंदन, प्रेट्र : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आदत के अनुरूप भारत, चीन और रूस पर फिर से जुबानी हमला बोला है। इस बार उनका मुद्दा प्रदूषण था। गुरुवार को अपनी ब्रिटेन यात्रा की समाप्ति के मौके पर उन्होंने कहा- चीन, भारत, रूस और अन्य तमाम देशों में न तो पीने के लिए साफ पानी है, न सांस लेने के लिए शुद्ध हवा है और न ही उनमें प्रदूषण को लेकर सही समझ है। वे कोई जिम्मेदारी लेने को भी तैयार नहीं हैं। ट्रंप एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में प्रिंस चार्ल्स के साथ सवालों के जवाब दे रहे थे।

अमेरिका के पेरिस पर्यावरण समझौते से अलग होने के फैसले को सही ठहराते हुए ट्रंप ने कहा, समझौते से अलग होकर भी सुधार की प्रक्रिया जारी रह सकती है। उन्होंने कहा, अमेरिका में हवा की गुणवत्ता दुनिया में सबसे अच्छी है। वहां पर साफ पेयजल उपलब्ध है। सफाई है लेकिन तमाम देशों में ऐसा नहीं है। इसलिए प्रदूषण को लेकर अमेरिका के प्रयासों की अनदेखी नहीं की जा सकती। ट्रंप ने मौसम विज्ञानियों पर राजनीतिक एजेंडे के तहत काम करने का आरोप लगाया। वे मौसम परिवर्तन को आपदा की तरह पेश करते हैं। प्रदूषण के लिए कुछ खास देशों को जिम्मेदार बताया जाता है।

डी-डे की 75वीं वर्षगांठ

फ्रांस के नॉरमैंडी में गुरुवार को डी-डे लैंडिंग्स ऑपरेशन की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर नॉरमैंडी अमेरिकन सेमेट्री एंड मेमोरियल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप (बाएं से दूसरे), उनकी पत्नी मेलानिया (बाएं), फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रो और उनकी पत्नी ब्रिगिटी समारोह के दौरान विमानों के करतब देखते हुए। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान छह जून 1944 को मित्र देशों की सेनाओं ने गुपचुप तरीके से समुद्र के रास्ते फ्रांस के नॉरमंडी शहर में तटीय इलाके पर लैंडिंग की थी। तब यह भूभाग जर्मनी के कब्जे में था। इस अभियान की ही देन थी कि मित्र देशों की सेनाओं ने फ्रांस पर अपना पैर दोबारा जमा पाने में कामयाबी पाई। इस सैन्य अभियान को ऑपरेशन ओवरलॉर्ड या ऑपरेशन नेप्चून और डी-डे नाम से जाना जाता है। नॉरमैंडी की लड़ाई के बाद धुरी राष्ट्रों के हौसले पस्त होने लगे और उनके कब्जे वाले भूभाग एक एक कर उनके हाथ से जाने लगे। एपी

नैनी जेल के अधीक्षक समेत अन्य पर कार्रवाई की तैयारी

बंदियों के साथ मुर्गा पार्टी करते तस्वीरें वायरल होने से उठे सवाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : उप्र में जेलों के अंदर कुख्यात अपराधियों को मिल रहीं सुविधाओं ने एक बार फिर बड़े सवाल खड़े किए हैं। नवंबर 2018 में रायबरेली जेल में अपराधी अंशू दीक्षित व साथियों के मुर्गा व शराब पार्टी का वीडियो वायरल होने के बाद अब नैनी सेंट्रल जेल व गाजीपुर जेल की वायरल हुई कुछ ऐसी ही तस्वीरें कारागार प्रशासन के लिए नई चुनौती साबित हो रही हैं। एडीजी कारागार चंद्र प्रकाश ने मामलों की विस्तृत जांच के आदेश दिये हैं।

बाहुबली पूर्व सांसद अतीक अहमद के अहमदाबाद जेल शिफ्ट होने के बाद नैनी सेंट्रल जेल फिर सुर्खियों में है। नैनी जेल में बंद अपराधियों के मुर्गा व शराब पार्टी करते तस्वीरें वायरल हुई हैं। एडीजी जेल का कहना है कि ये तस्वीरें होली के समय की हैं। डीआइजी जेल, प्रयागराज से प्रकरण की जांच कराई गई है। नैनी जेल के अधीक्षक, जेलर व डिप्टी जेलर को नोटिस देकर जवाब तलब किया जा रहा है। जांच के बाद दोषी अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर गाजीपुर जेल में बंद अपराधियों का पार्टी करते वीडियो वायरल हुआ है। एडीजी का कहना है कि यह वीडियो फरवरी माह का है। डीआइजी जेल, वाराणसी को इस मामले की जांच सौंपी गई है। गाजीपुर जेल के अधीक्षक से भी जवाब-तलब किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि रायबरेली जेल का वीडियो वायरल होने के बाद तत्कालीन वरिष्ठ अधीक्षक समेत छह जेलकर्मियों को निलंबित किया गया था। माफिया अतीक अहमद के गुर्गों के द्वारा लखनऊ निवासी रियल इस्टेट कारोबारी को अगवा कर देवरिया जेल में पीटे जाने के मामले में भी जेल अधीक्षक समेत अन्य जेल कर्मियों को निलंबित करने के साथ ही उनके खिलाफ केस भी दर्ज कराया गया है।

पंजाब में बोरवेल में गिरा दो वर्ष का मासूम

जागरण संवाददाता, संगरूर

बच्चे तक पहुंचाई जा रही ऑक्सीजन

तीन जेसीबी मशीनें व दर्जन भर ट्रैक्टर भी जुटे रेस्क्यू ऑपरेशन में

संगरूर में सुनाम के नजदीक गांव भगवानपुरा में बोरवैल में गिरे बच्चे को बचाने के लिए गुरुवार रात को मिट्टी खोदने में लगीं जेसीबी और ट्रैक्टर। जागरण

सुनाम के नजदीकी गांव भगवानपुरा में गुरुवार शाम 4.30 बजे एक दो वर्षीय बच्चा खेत में बने नौ इंच चौड़े और 140 फुट गहरे लोहे के बोरवेल में गिर गया। यह घटना उस समय हुई जब फतेहवीर सिंह अपने घर के सामने ही खेत में खेल रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस व प्रशासनिक अमले के साथ एनडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई है और बचाव कार्य में जुट गई है।

बोरबेल में बच्चे को सुरक्षित रखने के लिए उस तक ऑक्सीजन सप्लाई पहुंचाई जा रही है तथा बच्चे तक पहुंच बनाने के लिए बोरवेल के साथ तीन जेसीबी मशीनों व दर्जन भर ट्रैक्टरों की मदद से गड्ढा खोदा जा रहा है। मौके पर डीसी घनश्याम थोरी, एसडीएम मनजीत कौर, डीएसपी हरदीप सिंह रैस्क्यू पर नजर रखे हुए हैं। मौके पर शिअद विधायक परमिंदर सिंह ढींडसा, आप विधायक हरपाल चीमा भी पहुंचे और बचाव कार्यों का जायजा लिया। परिवार में शादी के सात साल बाद पैदा हुए फतोहवीर का दस जून को तीसरा बर्थडे था।

ऐसे गिरा बच्चा बोरवेल में : फतेहवीर के परिजन खेतों में काम कर रहे थे और वह खेल रहा था। खेलते-खेलते खेत के बीच दस वर्ष पुराने बोरवेल जिसे परिवार वालों ने प्लास्टिक की बोरी से ढका हुआ था के पास जा पहुंचा। अचानक बच्चे का पांव बोर पर आ गया और बोर पर लगी बोरी कमजोर होने के कारण बच्चा सीधा बोल में नीचे चला गया। जब तक बच्चे के परिजन उसे बचाने के लिए भागे व गहराई तक जा चुका था।

एक सौ चालीस फुट गहरा बोर, 120 फुट पर अटका है बच्चा:

बचाव कार्य में बठिंडा से आई एनडीआरएफ की 26 सदस्यों की टीम जुटी हुई है। टीम ने बोरवेल में कैमरा डाला तो यह एक सौ फीस फुट पर अटक गया। जब कैमरे से फोटो लिए गए तो बच्चे के हाथ हिलते हुए नजर आए। एनडीआरएफ के अधिकारियों का कहना है कि बोरवेल 140 फुट गहरा है जबकि एक सौ बीस फुट पर बच्चा अटका हुआ है।

बोरवेल में इस साल घटी चर्चित घटनाएं : 21 फरवरी, 2019 : महाराष्ट्र के पुणे में 200 फुट गहरे बोरबेल के बीच 10 फुट की गहराई में फंसे 6 साल के बच्चे को 13 घंटे चले रेस्क्यू आपरेशन के बाद एनडीआरएफ ने सकुशल बाहर निकाल लिया।

21 मार्च, 2019 : हिसार के गांव बलसामंद में बोरबेल में 60 फीट नीचे गिरे डेढ़ साल के बच्चे नदीम को 47 घंटे बाद सुरक्षित निकाला।

पूर्व विधायक के घर से हथियार लूटने के मामले में चालान पेश

सात एके-47, एक पिस्तौल और गोलाबारूद लेकर भाग गए थे आतंकी

राज्य ब्यूरो, जम्मू : श्रीनगर के जवाहर नगर इलाके में स्थित पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के पूर्व विधायक के सरकारी आवास से हथियार लूटने के मामले में गुरुवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने कोर्ट में चालान पेश किया।

28 सितंबर 2018 को पूर्व विधायक वाची एजाज अहमद मीर के सरकारी आवास से आतंकी सात एके-47, एक पिस्तौल और गोलाबारूद लेकर भाग गए थे। श्रीनगर राजबाग पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। इसमें सरकारी आवास पर तैनात एक एसपीओ आदिल बशीर शेख को भी आरोपित बनाया गया था। 18 अक्टूबर 2018 को एनआइए ने मामले की जांच संभाली और 10 दिसंबर 2018 को आरोपित रफीक अहमद भट निवासी अच्चन, पुलवामा को गिरफ्तार कर लिया।

जांच में पाया गया कि एसपीओ आदिल बशीर शेख निवासी जैनपोरा, यावर अहमद डार निवासी ठोकरपोरा और रफीक अहमद भट ने आबिद मंजूर माग्रे उर्फ सजू निवासी नौपोरा पुलवामा के साथ मिलकर हथियार लूटने की साजिश रची थी। आबिद हिजबुल मुजाहिदीन का सक्रिय आतंकी था। हथियारों को हिजबुल मुजाहिदीन में शामिल होने वाले आतंकियों को सौंपना था। चालान में कहा गया कि आदिल बशीर शेख, यावर अहमद डार और रफीक अहमद भट ने पूर्व विधायक के सरकारी आवास से हथियार को लूटा। उस समय पीडीपी विधायक घर पर नहीं थे, जबकि उनके सुरक्षा गार्ड अपने हथियार घर के बाहर छोड़ कर अंदर चले गए थे। एसपीओ आदिल बशीर मकान को साफ करने के बहाने अंदर गया, जबकि उसके दो साथी बाहर ऑल्टो कार में थे।

मौका पाते ही कार सवार आतंकी हथियार लेकर फरार हो गए। हथियार लेकर वह पुलवामा के अच्चन गांव पहुंचे और हथियारों और गोलाबारूद को खेतों में छुपा दिया।

ये भी जानिए
पांच विकेट गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने 209 रन जोड़े। यह पांच विकेट गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलिया के विश्व कप में बनाए सबसे ज्यादा रन हैं।

बहुत काम का है 'रोहित फैक्टर'

इंग्लैंड में 67 से ऊपर है हिटमैन का औसत, वेंगसरकर स्टाइल में खेल रहे हैं शर्मा, रोहित ने द अफ्रीका के खिलाफ जड़ा था शतक

विश्व कप में दैनिक जागरण

अभिषेक त्रिपाठी ● साउथैंप्टन

'लॉर्ड ऑफ द लॉर्ड्स' दिलीप वेंगसरकर जब इंग्लैंड में बल्लेबाजी करने उतरते थे तो बादलों के नीचे बलखाती गेंदों पर उनके शॉट देखने के लिए अंग्रेज प्रशंसक भी बेताब हो जाते थे। शुरुआत में उनका फुटवर्क कुछ हिलता हुआ नजर आता था, लेकिन एक बार वह जम जाते थे तो फिर कैसा भी मौसम हो, गेंदबाज उन्हें आउट नहीं कर सकता था। इस समय विश्व कप में खेल रही भारतीय टीम के ओपनर रोहित शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में कुछ ऐसे ही प्रदर्शन का मुजाहिरा किया।

रोहित न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच में क्रमशः दो और 19 रन पर आउट हो गए थे, जिसके बाद उनके ऊपर बेहतर करने का दबाव था और उन्होंने विश्व कप के पहले ही मुकाबले में नाबाद 122 रनों की पारी खेलकर खुद को तो दबाव से निकाला ही, साथ ही टीम इंडिया को भी आत्मविश्वास दिया, क्योंकि अगर भारत को यह विश्व कप जीतना है तो उसके शुरुआती तीन बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे। दूसरे ओपनर शिखर धवन अभी भी इंग्लैंड की पिच में डरे-डरे हैं और बाहर जाती गेंदों से छेड़छाड़ के जुर्म में पवेलियन में कैद होने को मजबूर हैं। रोहित ने अभ्यास मैच की पारियों से सबक लेते हुए इंग्लैंड में वेंगसरकर स्टाइल में खेल दिखाया। वेंगसरकर और रोहित का स्टाइल लगभग एक जैसा है। दोनों ही शुरुआत में थोड़ा धीमे खेलते हैं और मैदान पर जमने की कोशिश करते हैं। जब दोनों जम जाते हैं तो फिर उन्हें कोई नहीं रोक सकता है। रोहित का यह शतक 12 पारियों के बाद आया है। इससे पहले उन्होंने शतक इस साल 12 जनवरी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में लगाया था। हालांकि, इन 12 पारियों में उन्होंने चार अर्धशतक लगाए, लेकिन शतक तक नहीं पहुंच सके।

भारत के सलामी बल्लेबाज और उप कप्तान रोहित शर्मा ● फाइल फोटो, एएफपी

इंग्लैंड में दोनों का शानदार रिकॉर्ड : वेंगसरकर ने अपने शुरुआती 17 टेस्ट मैचों में कुछ खास नहीं किया, लेकिन एक बार उन्होंने रफ्तार पकड़ी तो उन्हें कोई रोक नहीं पाया। रोहित ने भी अपना पहला वनडे शतक 42वें वनडे में मारा था और उसके बाद वह रुके नहीं। वह वनडे में तीन दोहरे शतक लगाने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं। वेंगसरकर ने इंग्लैंड के लगातार तीन दौरों में (1979, 1982, 1986) लॉर्ड्स में शतक ठोके, इसीलिए उन्हें लॉर्ड ऑफ द लॉर्ड्स भी कहा जाता है। कोई भी विदेशी बल्लेबाज यहां ऐसा नहीं कर पाया है। वेंगसरकर इंग्लिश सरजमीं पर वनडे में भले ही कुछ ना कर पाएं हों, लेकिन इस कंडीशन में टेस्ट में उनसे अच्छा बल्लेबाज कोई नहीं था। इंग्लैंड में 10 वनडे में 23 के औसत से 184 रन बनाने वाले वेंगसरकर ने यहां 13 टेस्ट में 48 के औसत से 960 रन बनाए। इसमें चार शतक भी शामिल हैं। वेंगी का ओवरऑल टेस्ट औसत सिर्फ 42.13 का है। जब भारतीय बल्लेबाज यहां डरते थे तब वेंगसरकर कहर बरपाते थे। कुछ वैसा ही हाल रोहित का यहां वनडे में है। रोहित ने यहां 16 वनडे खेले हैं और 67.41 के अद्भुत औसत से 809 रन बनाए हैं। इसमें तीन शतक शामिल हैं। रोहित का ओवरऑल वनडे औसत 48.11 का ही है।

यह रोहित की सर्वश्रेष्ठ पारी : विराट

साउथैंप्टन : भारतीय कप्तान विराट कोहली अपने उप कप्तान की पारी से काफी खुश हैं। जब उनसे रोहित की पारी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि जहां तक मेरी बात है तो अगर विश्व कप के पहले मैच के दबाव को देखते हुए कहें तो लंबे समय में यह उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी है। मैं एक बल्लेबाज के तौर पर जानता हूं कि जब बल्लेबाजी करने के लिए जानते हैं और कुछ गेंदें इस तरह से बाउंस करती हैं तो आपको संगठित करके शांति से खेलना आसान नहीं होता है।

उन्होंने कहा कि कई बार होता है कि बल्लेबाज गेंद को हिट करने लगते हैं, लेकिन वह शांत रहे। रोहित ने बहुत मैच खेले हैं। हम उनके जैसे व्यक्ति से काफी परिपक्वता और बहुत अधिक समझदारी की उम्मीद करते हैं। मुझे लगता है कि एक छोर पर खूबसूरती से खेल को नियंत्रित करना और दूसरों को अपनी क्षमता को प्रदर्शित करने का मौका देने के साथ-साथ छोटी-छोटी साझेदारियां करना अद्भुत है।

कलाई के स्पिनर बड़ा फैक्टर : कलाई के स्पिनरों कुलदीप यादव और युजवेंद्रा सिंह चहल का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार है। जब इनके बारे में विराट से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह बहुत बड़ा फैक्टर है। हमने आपस में बात की कि किस तरह पिछली बार इन दोनों ने उनके खिलाफ प्रदर्शन किया था। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज स्पिनरों के खिलाफ उतने विश्वास के साथ नहीं खेलते हैं। हमने अनुभव किया कि वे आसानी से छोर भी नहीं बदल पा रहे थे। वह गेंद को बाहर मारने की कोशिश कर रहे थे। एक कप्तान के तौर पर मैं इस बात से खुश रहूंगा कि बल्लेबाज परेशानी से बाहर निकलने के लिए सिंगल लेने की जगह शॉट मार रहा है, क्योंकि इससे रिस्क बढ़ जाता है। हमारे स्पिनर एक साथ मिलकर इसको समझते हैं और उसके हिसाब से गेंदबाजी करते हैं। मुझे लगता है कि कुलदीप ने बढ़िया गेंदबाजी की और खेल को एक तरफ से पकड़कर रखा। चहल शानदार थे। उन्होंने जिस तरह अपनी गति में मिश्रण किया जबकि पिच में उतना टर्न नहीं था लेकिन उन्हें पिच से जितनी भी मदद मिले, उसमें ही वह विकेट निकालने की क्षमता रखते हैं। साझेदारी को तोड़ना और एक ओवर में दो विकेट लेना हमारे लिए मैच बदलने वाला पल था।

विराट कोहली ● फाइल फोटो, रायटर

बुमराह को लेंथ बॉल पर विश्वास : भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर विराट ने कहा कि उन्हें लगता है कि लेंथ बॉल ऐसी चीज है जिससे वह बल्लेबाजों को बाहर कर सकते हैं। चाहे वह सपाट पिच हो, गेंदबाजों की मदद कर रही हो या नहीं, वह आपको किसी भी विकेट पर नॉकआउट कर सकता है और उसे इस तरह का विश्वास है। एक बल्लेबाज के तौर पर मुझे पता है कि वह गेंदबाज में कुछ अलग नहीं करने जा रहा है। वह लगातार गेंदबाजी करेगा और फिर भी अच्छी गेंद पर मुझे आउट कर देगा। उसने जिस तरह हाशिम अमला को आउट किया, सच कहूं मैंने उन्हें ऐसे आउट होते हुए नहीं देखा है। नेट पर बुमराह के सामने बल्लेबाजी के सवाल पर उन्होंने कहा कि आपको उसके खिलाफ अच्छा क्रिकेट शॉट खेलना होगा और अपनी तकनीक पर भरोसा करना होगा क्योंकि अगर आप थोड़ा हिचकिचाते हैं तो उसे समझ में आ जाएगा और वह आपके ऊपर चढ़ जाएगा। अगर उसे लगेगा कि नेट पर सामने वाला बल्लेबाज शॉर्ट गेंद पर परेशान हो रहा है तो फिर वह उस पर हावी हो जाएगा। जैसे आप उसे मैदान पर गेंदबाजी करते देखते हो, वह वैसे ही नेट पर करता है। उसे फर्क नहीं पड़ता कि उसके सामने कौन खड़ा है।

> पूरे मैच में गेंदबाजों को पिच से कुछ मदद मिलती रही। मैंने अपने शॉट खेलने में समय लिया और मैं जिन शॉट को खेलना पसंद करता हूं, उन्हें नहीं खेला। पिच पर समय बिताने के बाद गेंद अच्छे से बल्ले में आने लगी।
>
> **रोहित शर्मा**, उप कप्तान, भारत

> रोहित शर्मा का फॉर्म में आना टीम इंडिया के लिए सबसे ज्यादा सकारात्मक है। विश्व कप के लिए ओपनरों का चलना बहुत महत्वपूर्ण है। शर्मा के पास मैच को पलटने की सबसे ज्यादा क्षमता है। वह पहले गियर से चौथे गियर में जा सकते हैं। वह भारत के ऐसे बल्लेबाज हैं जो शतक ही नहीं, दोहरा शतक मार सकते हैं और विराट के ऊपर से दबाव हटा सकते हैं।
>
> **के. श्रीकांत**, पूर्व मुख्य चयनकर्ता

मुझ पर अपेक्षाओं का दबाव नहीं : बुमराह

जसप्रीत बुमराह ● फाइल फोटो, रायटर

कहा, बस देखता हूं टीम मुझसे क्या चाहती है, दिमाग खुला रख रणनीति पर अमल करना अहम

विशेष संवाददाता, साउथैंप्टन: जसप्रीत बुमराह दुनिया भर के बल्लेबाजों के लिए आतंक का पर्याय बने हुए हैं लेकिन भारत के इस तेज गेंदबाज का मानना है कि उन पर अपेक्षाओं का कोई दबाव नहीं है। छह कदम के सरल रनअप और असाधारण गेंदबाजी एक्शन वाले बुमराह कप्तान विराट कोहली के तरकश के सबसे धारदार तीर हैं। इस गेंदबाज ने कहा कि सीखने की ललक उन्हें अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती है।

बुमराह ने कहा कि मैं अपेक्षाओं के बारे में सोचता ही नहीं हूं। मैं बस यह देखता हूं कि टीम मुझसे क्या चाहती है। मुझे नहीं लगता कि मेरी कोई साख बन गई है और मुझे उस पर हमेशा खरा उतरना है। मैं चीजें सरल रखता हूं। मैं लगातार देखता रहता हूं कि खेल में क्या चल रहा है और इससे विविधता लाने में मदद मिलती है। बुमराह का मानना है कि टेस्ट मैच की तरह लेंथ से गेंदबाजी उनके लिए कारगर साबित हुई। बुमराह की इस सफलता के पीछे कड़ी मेहनत छिपी है। उन्होंने कहा कि पीछे से काफी मेहनत करनी पड़ती है। मैं नई गेंद, नई विविधता सबसे नेट पर काफी अभ्यास करता हूं। दिमाग खुला रखकर रणनीति पर अमल करना अहम है।

शतरंज की वजह से बल्लेबाजों को समझ पा रहा हूं : चहल

युजवेंद्रा सिंह चहल ● फाइल फोटो, एपी

साउथैंप्टन : कलाई के स्पिनर युजवेंद्रा सिंह चहल ने शतरंज खिलाड़ी के रूप में अपने अतीत के दिनों से बल्लेबाजों की रणनीति को भांपना सीखा है और विराट कोहली का मानना है कि यह क्षमता इस स्पिनर को अपने साथी गेंदबाजों के बीच फायदे की स्थिति में रखती है। चहल ने विश्व कप में पदार्पण करते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां 51 रन पर चार विकेट चटकाकर भारत की छह विकेट की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चहल ने कहा कि शतरंज ने मुझे धैर्यवान रहना और रणनीति बनाना सिखाया। जब आप शतरंज खेलते हैं तो सामान्य तौर पर आप 15 से 16 चाल पहले ही सोच लेते हैं। इसी तरह जब आप फाफ डुप्लेसिस जैसे बल्लेबाज के खिलाफ गेंदबाजी करते हैं तो योजना बनाने की जरूरत होती है कि आपको गुगली फेंकनी है या फ्लिपर, ऐसी कौन सी गेंद है जिसे वह समझ पा रहे हैं और कौन सी गेंद है जिसे नहीं समझ पा रहे। इस लेग स्पिनर ने डुप्लेसिस के विकेट का उदाहरण दिया जिसकी रणनीति उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के कप्तान के रुख का आकलन करने के बाद बनाई थी। चहल ने कहा कि मैंने जिस तरह फाफ को आउट किया, वह मुझे काफी पसंद आया। मैं अपनी गेंदों को ड्रिफ्ट करवा रहा था। इसलिए मैंने ऑफ स्टंप पर स्लाइडर डालने की योजना बनाई और उसे वह समझ नहीं पाया।

...तो फिर मैं कोच होता : मॉरिस

विशेष संवाददाता, साउथैंप्टन: विश्व कप में लगातार तीसरी हार से मायूस दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज क्रिस मॉरिस ने कहा है कि यदि उन्हें खराब प्रदर्शन के कारणों का पता होता तो आज वह टीम के मुख्य कोच होते। दक्षिण अफ्रीका को पहले तीन मैचों में इंग्लैंड, बांग्लादेश और भारत ने हराया। अब उसे बाकी छह मैचों में से कम से कम पांच जीतने होंगे, ताकि सेमीफाइनल में प्रवेश का दावा बना रहे।

हार के कारणों के बारे में पूछने पर मॉरिस ने झल्लाते हुए कहा कि यदि मुझे इसका जवाब पता होता तो मैं टीम का मुख्य कोच होता। उन्होंने कहा कि टीम बहुत निराश और नाराज है, जो होना भी चाहिए। हम आत्ममंथन करेंगे और उम्मीद है कि अगले मैच में जीत की राह पर लौट सकेंगे। अब हमें अगले सभी मैच जीतने हैं। फाफ डुप्लेसिस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला करके सभी को चौंका दिया, लेकिन मॉरिस ने कहा कि वह इस पर बहस नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि मैं पिच की तरफ नहीं देखता। पिच कैसी भी हो, मुझे उसी तरह से गेंदबाजी करनी है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम पहले गेंदबाजी कर रहे हैं या बल्लेबाजी। अपने स्पैल में 42 रन देकर एमएस धौनी का विकेट लेने वाले मॉरिस ने कहा कि टीम जीत जाती और वह नहीं भी चलते तो उन्हें खुशी होती। उन्होंने कहा कि मैं भले ही जीरो पर आउट हो जाता या एक भी विकेट नहीं लेता, लेकिन टीम जीत जाती तो मुझे खुशी होती।

> हम बहुत खराब स्थिति में हैं। हमने काफी औसत क्रिकेट खेला और हमें अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाकर चीजें बदलनी होंगी। हम सभी निराश हैं, लेकिन अगले मैच से पहले हमारे पास पांच दिन हैं। खिलाड़ियों को आत्मनिरीक्षण करने के लिए कुछ समय मिल जाएगा।
>
> **हाशिम अमला**, सलामी बल्लेबाज, दक्षिण अफ्रीका

> 'भारतीय टीम विश्व स्तरीय और असल दावेदार है। वे पहले मैच के लिए इंतजार कर रहे थे और मुझे नहीं पता था कि यह उनके पक्ष में जाएगा या नहीं। वे तरोताजा होंगे या नर्वस। अब हमें उत्तर मिल गया है। अब दक्षिण अफ्रीका के लिए सभी छह मैच नॉकआउट की तरह होंगे।'
>
> **जैक कैलिस**, पूर्व ऑलराउंडर, दक्षिण अफ्रीका

लगातार गलती कर रही है हमारी टीम : डुप्लेसिस

साउथैंप्टन : खराब फॉर्म में चल रही दक्षिण अफ्रीका टीम के कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने कहा कि तमाम कोशिशों के बावजूद उनकी टीम लगातार गलतियां कर रही है और यह विश्व कप उनके लिए बुरे सपने की तरह होता जा रहा है। डुप्लेसिस ने कहा कि हमारे ड्रेसिंग रूम में मायूसी है। हम लगातार कोशिश कर रहे हैं, लेकिन गलतियां रुक नहीं रहीं। भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। उनके पास अच्छे तेज गेंदबाज और स्पिनर हैं। हमने बल्ले से अच्छी शुरुआत की, लेकिन उनके स्पिनरों ने मध्य क्रम को दबाव में ला दिया। उन्होंने कहा कि रोहित को दो बार जीवनदान दिए और उन्होंने शतक जमाकर अपनी टीम को जिताया। हमारे पास स्टेन और नगिदी होते तो गेंदबाजी बेहतर होती। हमने इतनी शार्ट गेंदबाजी नहीं देखीं।

पाकिस्तान का सामना आज श्रीलंका से

ब्रिस्टल, एएफपी : इंग्लैंड को हराकर फॉर्म में लौटने वाली पाकिस्तान की टीम यहां शुक्रवार को श्रीलंका के खिलाफ उतरेगी। पाकिस्तानी टीम के कोच मिकी आर्थर ने अपनी टीम से विश्व कप में जीत की लय को बरकरार रखने का आग्रह किया है। उलटफेर करने में माहिर पाकिस्तानी टीम ने पहले मैच में वेस्टइंडीज से हारने के बाद इंग्लैंड को 14 रन से हराया था। पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ आठ विकेट पर 348 रन बनाए, जिसमें मुहम्मद हफीज, बाबर आजम और सरफराज अहमद ने अर्धशतक जमाए। बाद में वहाब रियाज, मुहम्मद आमिर और शादाब खान ने इंग्लैंड को नौ विकेट पर 334 रन पर रोक दिया। पाकिस्तान ने 1975 से श्रीलंका के खिलाफ विश्व कप में सातों मैच जीते हैं। दूसरी ओर न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को पहले मैच में 10 विकेट से हराया, लेकिन श्रीलंका ने वर्षाबाधित मैच में अफगानिस्तान पर जीत दर्ज करके वापसी की। श्रीलंका को एक बार फिर मध्य क्रम की विफलता से बचना होगा। उसने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच विकेट 14 रन के भीतर ही गंवा दिए थे।

दस्तानों से सेना का निशान हटाएं धौनी : आइसीसी

विशेष संवाददाता, साउथैंप्टन: अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) ने बीसीसीआइ से अपील की है कि वह विकेटकीपर महेंद्र सिंह धौनी से उनके दस्तानों पर बने सेना के निशान को हटाने को कहे। विश्व कप में भारत के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ धौनी को विकेटकीपिंग दस्तानों पर भारतीय पैरा स्पेशल फोर्स के निशान का इस्तेमाल करते देखा गया था।

आइसीसी के महाप्रबंधक, रणनीति समन्वय, क्लेयर फरलोंग ने कहा कि हमने बीसीसीआइ से इस निशान को हटवाने की अपील की है। धौनी के दस्तानों पर बलिदान ब्रिगेड का निशान है। सिर्फ पैरामिलेट्री कमांडो को ही यह निशान धारण करने का अधिकार है। इस पर हालांकि सोशल मीडिया पर धौनी की काफी तारीफ हो रही है, लेकिन आइसीसी की सोच और नियम अलग हैं। आइसीसी के नियम के मुताबिक आइसीसी के कपड़ों या अन्य चीजों पर अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान राजनीति, धर्म या नस्लभेदी जैसी चीजों का संदेश नहीं होना चाहिए। धौनी को पैराशूट रेजिमेंट में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि मिली थी।

महेंद्र सिंह धौनी ने सेना के निशान वाले यह दस्ताने पहने थे ● ट्विटर

महेंद्र सिंह धौनी की बेटी जीवा ● ट्विटर

पीटरसन ने बताया बुमराह को खेलने का तरीका

साउथैंप्टन : इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज केविन पीटरसन ने भारत के खतरनाक तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का सामना करने का तरीका निकाल लिया है, लेकिन उनकी सलाह सिर्फ दायें हाथ के बल्लेबाजों के लिए है। पीटरसन ने ट्विटर पर लिखा कि दायें हाथ के सभी बल्लेबाजों के लिए आवश्यक सूचना। बुमराह के सामने ऑफ स्टंप पर जाओ और स्क्वॉयर लेग पर उसे मारने की कोशिश करो। ऑफ साइड बिलकुल छोड़ दो।

धौनी की बेटी जीवा संग सेल्फी की होड़

साउथैंप्टन : क्रिकेट प्रेमी विश्व कप के दौरान मैदान पर महेंद्र सिंह धौनी का जलवा देखने को बेताब हैं, लेकिन मैदान से इतर उनकी बेटी जीवा सुपरस्टार है। आइपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स के सभी मैचों में जीवा आई थीं। वह यहां भी मीडिया के जलपान कक्ष में टीम के एक सहयोगी स्टाफ के साथ कुकीज खाने आई। इस दौरान आइसीसी की प्रसारण टीम के सदस्य ने उसके साथ सेल्फी लेनी चाही, लेकिन टीम के सहयोगी स्टाफ ने सुरक्षा कारणों से मना कर दिया।

भारत ने शानदार तरीके से किया अभियान शुरू

वीवीएस लक्ष्मण
वेरी-वेरी स्पेशल

भारत ने विश्व कप खिताब के लिए अपने अभियान की शुरुआत शानदार तरीके से की और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक मुश्किल पिच पर पेशेवर जीत हासिल की।

अपने शुरुआती दो मैच हारने की वजह से दक्षिण अफ्रीकी टीम में आत्मविश्वास की कमी थी और उसे लुंगी नगिदी एवं डेल स्टेन की चोटों से भी झटका लगा। भारत के लिए यह जरूरी था कि वह अच्छी शुरुआत करते हुए अपने मनोबल में वृद्धि करे और जसप्रीत बुमराह ने अनुकूल परिस्थितियों में ठीक ऐसा ही किया। भारत के नजरिये से, उन्हें शुरुआती रूपरेखा तैयार करनी थी और वह लय तैयार करनी थी जिसे वह आगे भी जारी रख सके। बुमराह ने वैसी ही गेंदबाजी की, जैसी कि उन्होंने हाल के समय में की है। शुरुआत में ही उन्होंने शानदार धमाका किया और वह हाशिम अमला और क्विंटन डिकॉक पर काफी बेहतर साबित हुए। जिस तरह कलाई के दो स्पिनरों ने मध्य के ओवरों में जितनी अच्छी गेंदबाजी की, मैं उससे काफी प्रभावित हूं। युजवेंद्र सिंह चहल विशेष रूप से बेहतरीन थे। उन्हें महत्वपूर्ण ड्रिफ्ट और टर्न मिल रहा था। पिछले दो वर्षों में चहल और कुलदीप यादव ने मिलकर पारी के मध्य के दौरान जो विकेट हासिल किए हैं वो भारत की सफलता की कुंजी में से एक है। उन्होंने एक बार फिर मिलकर 20 ओवर में पांच विकेट आपस में बांटे और यह सुनिश्चित किया कि दक्षिण अफ्रीका को संभलने का मौका नहीं मिले। हालांकि, निचले क्रम ने कुछ संघर्ष किया, लेकिन इसके बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने 30-40 रन कम बनाए। उनके लिए जीत हासिल करने का एक ही मौका था कि वे भारत को आउट करें और कैगिसो रबादा ने बिलकुल वैसी ही शुरुआत की जैसी कि बुमराह ने की थी। किस्मत से भारत के पास रोहित शर्मा थे जिन्होंने साहसिक शतक जड़ा। रोहित शुरुआत में कुछ असहज दिखे, लेकिन उन्होंने काफी संघर्ष किया। उन्होंने धैर्य रखते हुए खेलने की इच्छाशक्ति दिखाई एवं लक्ष्य का सफल पीछा करते हुए एक बार फिर भारत की रीढ़ की हड्डी साबित हुए एवं एक और वनडे शतक जड़ा। भारत को इस मैच से दो अंकों के अलावा और भी बहुत कुछ मिला।

नाथन, स्मिथ के बाद स्टार्क के दम पर जीता ऑस्ट्रेलिया

अर्धशतक पूरा करने के बाद नाथन कूल्टर नाइल। एपी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : वेस्टइंडीज की टीम को विश्व कप शुरू होने से पहले खिताब का प्रबल दावेदार नहीं माना जा रहा था। एक बार तो उसके लिए विश्व कप में क्वालीफाई करना भी भारी पड़ गया था। विश्व कप शुरू हुआ तो पहले उसने पाकिस्तान को 105 रन पर ढेर किया और अब गुरुवार को नॉटिंघम के ट्रेंटब्रिज मैदान पर मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की हालत भी पतली कर दी। वो तो भला हो स्टीव स्मिथ (73) और नाथन कूल्टर नाइल (92) का, जिन्होंने अर्धशतक लगाकर अपनी टीम को संभाला। ऑस्ट्रेलिया ने 79 रनों के अंदर ही अपने पांच विकेट गंवा दिए थे। इसके बावजूद 49 ओवर में ऑलआउट होने वाली ऑस्ट्रेलिया 288 रन बनाने में कामयाब रही। स्मिथ ने 103 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 73 रनों की पारी खेली। नाथन ने 60 गेंदों पर 92 रन बनाए। उनकी पारी में आठ चौके और चार छक्के शामिल रहे। इन दोनों ने सातवें विकेट के लिए 102 रनों की शतकीय साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को जल्दी ढेर होने से बचाया। नाथन से पहले स्मिथ ने एलेक्स कैरी (45) के साथ छठे विकेट के लिए 68 रन जोड़े थे और टीम की वापसी कराई थी। इन साझेदारियों की अहम बात यह रही कि स्मिथ अपने साथ अपने जोड़ीदार को संभल कर खिलाते रहे। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 50 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 273 रन ही बना सकी और 15 रनों से मुकाबला हार गई। ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाने में तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने अहम भूमिका निभाई, जिन्होंने वेस्टइंडीज के पांच बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। स्टार्क के नाम तीन अहम विकेट रहे। उन्होंने क्रिस गेल, आंद्रे रसेल और जेसन होल्डर को पवेलियन भेजा। शाई होप ने 68 और होल्डर ने 51 रनों की पारी खेली।

इससे पहले, विंडीज के कप्तान जेसन होल्डर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। विंडीज के युवा आक्रमण ने मौजूदा विजेता के अधिकतर प्रमुख बल्लेबाजों को अपनी बेहतरीन गेंदों में फंसा लिया। ओशाने थॉमस ने पहले कप्तान आरोन फिंच को विकेट के पीछे आउट कराया। इसके बाद डेविड वार्नर बेहतरीन गेंदबाजी पर अपनी आंखे जमा पाते उससे पहले शेल्डन कॉटरेल ने उन्हें कैच आउट करा दिया। 26 के कुल स्कोर पर आउट होने वाले वार्नर आठ गेंदों पर तीन रन ही बना सके। टीम के खाते में 10 रनों का इजाफा हुआ था कि तभी शाई होप ने आंद्रे रसेल की गेंद पर उस्मान ख्वाजा (13) का बेहतरीन कैच लपका। तीन रन बाद होप ने ग्लैन मैक्सवेल (00) का भी कैच पकड़ा। अब ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 39 रनों पर चार विकेट था। स्मिथ हालांकि खड़े हुए थे। मार्कस स्टोइनिस ने उनके साथ टीम को कुछ हद तक संभाला। दोनों ने किसी तरह टीम का स्कोर 79 तक पहुंचाया। यहां विंडीज कप्तान ने अपना खाता खोला और स्टोइनिस को निकोलस पूरन के हाथों कैच आउट कराया। स्टोइनिस ने 23 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 19 रन बनाए। यहां से फिर स्मिथ और कैरी ने काम को आगे बढ़ाया और विकेट पर पैर जमा लिए। कैरी अपने अर्धशतक से पांच रन से चूक गए और 147 के कुल स्कोर पर रसेल की गेंद पर होप के हाथों लपके गए। स्मिथ का यहां से नाथन ने साथ दिया और दोनों ने शतकीय साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया की वापसी कराई। टीम के 249 के स्कोर पर थॉमस की गेंद पर स्मिथ ने बेहतरीन शॉट खेला, जो छक्के के लिए जा रहा था, लेकिन तभी कॉटरेल ने एक हाथ से कैच पकड़कर उनकी पारी का अंत किया। नाथन 49वें ओवर में ब्रेथवेट का शिकार बने।

मुकाबला

- दोनों के अर्धशतकों की बदौलत कंगारुओं ने बनाए 288 रन
- ऑस्ट्रेलिया ने दी वेस्टइंडीज को रोमांचक मुकाबले में 15 रनों से शिकस्त

स्कोर बोर्ड

टॉस : वेस्टइंडीज (गेंदबाजी)

ऑस्ट्रेलिया — 288 (49 ओवर)

	रन	गेंद	चौके	छक्के
वार्नर का. हेटमायर बो. कॉटरेल	03	08	00	00
आरोन फिंच का. शाई बो. थॉमस	06	10	00	00
उस्मान ख्वाजा का. शाई बो. रसेल	13	19	02	00
स्टीव स्मिथ का. कॉटरेल बो. थॉमस	73	103	07	00
ग्लेन मैक्सवेल का. शाई बो. कॉटरेल	00	02	00	00
स्टोइनिस का. पूरन बो. होल्डर	19	23	04	00
एलेक्स कैरी का. शाई बो. रसेल	45	55	07	00
नाइल का. होल्डर बो. ब्रेथवेट	92	60	08	04
पैट कमिंस का. कॉटरेल बो. ब्रेथवेट	02	06	00	00
मिशेल स्टार्क का. होल्डर बो. ब्रेथवेट	08	09	01	00
एडम जांपा नाबाद	00	00	00	00
अतिरिक्त : (बा-1, लेबा-1, नोबॉ-1, वा-24) 27,				

कुल : 49 ओवर में 288 रन पर ऑलआउट, विकेट पतन : 1-15 (फिंच, 2.2), 2-26 (वार्नर, 3.6), 3-36 (ख्वाजा, 6.6), 4-38 (मैक्सवेल, 7.4), 5-79 (स्टोइनिस, 16.1), 6-147 (कैरी, 30.4), 7-249 (स्मिथ, 44.2), 8-268 (कमिंस, 46.1), 9-284 (नाइल, 48.2), गेंदबाजी : ओशाने थॉमस 10-0-63-2, शेल्डन कॉटरेल 9-0-56-2, रसेल 8-0-41-2, कार्लोस ब्रेथवेट 10-0-67-3, होल्डर 7-2-28-1, नर्स 5-0-31-0

स्टीव स्मिथ का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते वेस्टइंडीज के खिलाड़ी। एपी

मुझे सुनील छेत्री पर बहुत गर्व है। सुनील को ढेर सारी बधाई। वह एक अच्छे कप्तान और भारत के अच्छे खिलाड़ी हैं। मुझे उम्मीद है कि वह अपने इस प्रदर्शन को आगे भी जारी रखेंगे। सफलता के प्रति उनकी भूख, हमेशा उन्हें विशेष बनाता है। – बायचुंग भूटिया, पूर्व भारतीय फुटबॉलर

शोएब अख्तर ने कहा, धौनी कम्प्यूटर से भी तेज हैं

लंदन, प्रेट्र : पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कहा है कि जब क्रिकेट कुशाग्रता की बात आती है तो भारतीय विकेटकीपर महेंद्र सिंह धौनी कम्प्यूटर से भी तेज हैं। अख्तर ने कहा कि धौनी कम्प्यूटर से भी तेज हैं। कम्प्यूटर किसी विकेट के बारे में खेलने पर जो बता सकता है। धौनी उससे भी तेज यह कर सकते हैं। उन्होंने एक नहीं कई बार ऐसे प्रदर्शन किए हैं जिससे भारतीय टीम को बहुत फायदा मिला है।

फ्रेंच ओपन ▶ क्वार्टर फाइनल में गत विजेता सिमोना को हराया

17 वर्षीय अमांडा ने सिमोना हालेप को किया बाहर

मैच के दौरान शॉट खेलती हुई 17 वर्षीय अमांडा एनिसिमोवा। एपी

अमेरिका की एनिसिमोवा ने मुकाबला सीधे सेटों में जीता

पेरिस, रायटर : गत विजेता सिमोना हालेप युवा सनसनी 17 साल की अमांडा एनिसिमोवा से क्वार्टर फाइनल में हारकर फ्रेंच ओपन से बाहर हो गईं। अमांडा ने गुरुवार को हालेप को सीधे सेटों में 6-2, 6-4 से शिकस्त देकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। विश्व की तीसरे नंबर की खिलाड़ी हालेप सिर्फ एक घंटे आठ मिनट में हारकर बाहर हो गईं।

विश्व की 51वें नंबर की खिलाड़ी अमेरिका की अमांडा दूसरी बार इस टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में पहुंची थीं। अमांडा ने पहले सेट में 4-2 की बढ़त बनाई हुई थी। इसके बाद अमांडा ने कोर्ट पर तेजी दिखाई और अगले दो गेम जीतकर यह सेट 6-2 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में हालेप को ज्यादा पसीना बहाना पड़ा और वह शुरुआत से पिछड़ने के बाद एक समय स्कोर को 4-4 से बराबर करने में सफल रहीं, लेकिन इसके अगले दोनों गेम रोमानिया की हालेप गंवा बैठीं और यह सेट 4-6 से हार गईं। हालेप ने कहा, 'मैं अब इस टूर्नामेंट से बाहर हो गई हूं। मुझे ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट की तैयारी करने के लिए समय मिल जाएगा। यह शायद सातवां साल है कि मैं क्ले से ग्रास कोर्ट में खेलने जाऊंगी। तनाव का असर मेरे प्रदर्शन पर पड़ा है। मेरी गुरुवार को खुद से ही ज्यादा उम्मीदें थी। मैं अभी नकारात्मक नहीं सोच रही हूं और ज्यादा निराश भी नहीं हूं।' पिछले साल हालेप ने फ्रेंच ओपन और विंबलडन के बीच ग्रास कोर्ट का कोई टूर्नामेंट नहीं खेला था।

अमांडा ने कहा, 'यह मेरा अब तक का सबसे अच्छा मैच था। मैं जानती थी कि हालेप को हराना इतना आसान नहीं होगा, लेकिन मैं जीत हासिल करने में सफल रही।' सेमीफाइनल में अमांडा का सामना आठवीं वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलिया की एश्ले बार्टी से होगा। दोनों पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में पहुंची हैं। बार्टी ने 14वीं वरीयता प्राप्त मेडिसन कीज को 6-3, 7-5 से मात दी। बार्टी ने कहा, 'अमांडा शानदार टेनिस खेल रही हैं। उन्होंने हालेप को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई है। मुझे उनके खिलाफ अच्छी रणनीति बनानी होगी। यह हम दोनों के पास फाइनल में पहुंचने का अच्छा मौका है।' दोनों क्वार्टर फाइनल मैच बुधवार को बारिश के कारण हो नहीं पाए थे।

विश्व कप में वापसी करना चाहते थे डिविलियर्स

जोहानिसवर्ग, प्रेट्र : क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के चयन संयोजक लिंडा जोंडी ने कहा है कि उन्हें दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के विश्व कप खेलने के लिए संन्यास से वापसी के प्रस्ताव को ठुकराने का कोई पछतावा नहीं हैं। डिविलियर्स ने बीते साल आइपीएल के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। हालांकि वह लगातार अलग-अलग देशों की टी-20 लीगों में खेलते रहे थे।

विश्व कप से पहले उन्होंने सीएसए से कहा था कि वह विश्व कप में टीम हित के लिए संन्यास से वापसी करने को तैयार हैं। अब लिंडा ने बताया है कि उन्होंने डिविलियर्स के प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया था। लिंडा ने कहा है कि डिविलियर्स श्रीलंका और पाकिस्तान के साथ घरेलू सीरीज खेलने के लिए तैयार नहीं थे। इन दोनों सीरीज के बजाये उन्होंने अन्य देशों की टी-20 लीग

एबी डिविलियर्स। फाइल

में खेलने का फैसला किया था जबकि यह दोनों सीरीज विश्व कप टीम में चयन का खिलाड़ियों के लिए पैमाना थीं। लिंडा ने कहा कि मैंने डिविलियर्स से 2018 में कहा था कि वह संन्यास ना लें। वह अपने हिसाब से खेलने का फैसला कर रहे थे, जो गलत है। मैंने उन्हें सत्र के हिसाब से रणनीति बनाने का विकल्प दिया था, ताकि वह विश्व कप के लिए तारो ताजा रह सकें। हमने साफ कर दिया था कि श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली सीरीज विश्व कप के लिए टीम का पैमाना होंगी। इसके बजाये उन्होंने बांग्लादेश और पाकिस्तान में टी-20 लीगों में खेलने का फैसला किया। उन्होंने हमारे प्रस्ताव को ठुकरा दिया और उस समय कहा था कि वह संन्यास को लेकर अपने फैसले से खुश हैं। टीम के कप्तान फाफ डुप्लेसिस और कोच ओटिस गिब्सन ने डिविलियर्स के प्रस्ताव के बारे में चयनकर्ताओं को बताया था, लेकिन लिंडा ने कहा कि यह बात उन्हें काफी हैरान कर गई। उन्होंने कहा कि वह एक बुरा उदाहरण नहीं देना चाहते थे।

उन्होंने कहा कि 18 अप्रैल को जब हम विश्व कप टीम की घोषणा करने वाले थे उस दिन डुप्लेसिस और गिब्सन का डिविलियर्स के टीम में आने वाले प्रस्ताव के बारे में बताना मेरे लिए हैरानी वाली बात थी। डिविलियर्स ने संन्यास लिया था, तब वह एक बहुत बड़ा गैप छोड़ गए थे।

डिविलियर्स को भरोसा, द. अफ्रीका जीत सकती है विश्व कप

नई दिल्ली, आइएएनएस : एबी डिविलियर्स इस समय चर्चा में हैं। उन्होंने चयन समिति के सामने विश्व कप खेलने का प्रस्ताव रखा था, यह खबर क्रिकेट जगत में आग की तरह फैल गई है। चयनकर्ता लिंडा जोंडी ने भी इस पर आकर सफाई दे ही है क्यों उन्होंने डिविलियर्स को विश्व कप में टीम में शामिल नहीं किया। इसी बीच, डिविलियर्स ने ट्वीट कर कहा है कि इस समय ध्यान विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका को समर्थन देने का है जो अपने शुरुआती तीनों मैच हार चुकी है। डिविलियर्स ने कहा कि यह जरूरी है कि हम इस समय टीम को विश्व कप में समर्थन दें। टीम को अभी लंबा सफर तय करना है। मुझे लगता है कि हमारी टीम अभी भी विश्व कप जीत सकती है।

रोनाल्डो की हैट्रिक से पुर्तगाल फाइनल में

पोत्रो, एएफपी : करिश्माई स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की शानदार हैट्रिक के दम पर पुर्तगाल ने स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराकर नेशंस लीग के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। नीदरलैंड्स और इंग्लैंड के बीच होने वाले अन्य सेमीफाइनल के विजेता से पुर्तगाल की टीम रविवार को खिताबी मुकाबले में भिड़ेगी।

बुधवार को खेले गए इस मुकाबले की शुरुआत में ही रोनाल्डो गोल करने में विफल रहे, लेकिन इसके बाद 24वें मिनट में उन्होंने फ्री किक पर गोल कर पुर्तगाल को 1-0 से आगे कर दिया। रोनाल्डो की फ्री किक के बाद वार की आलोचना हुई। पुर्तगाल ने अपनी इस बढ़त को हाफ टाइम तक कायम रखा। पांच बार के बैलन डि ओर से विजेता रोनाल्डो ने पिछले साल विश्व कप के बाद से पुर्तगाल के लिए एक भी गोल नहीं किया था।

हाफ टाइम के बाद रिकॉर्डो रोड्रिग्यूज ने 56वें मिनट में पेनाल्टी पर गोलकर स्विट्जरलैंड को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। मैच के 63वें मिनट में पुर्तगाल के पेपे चोटिल हो गए और उनकी जगह जोस फोंटे को मैदान पर भेजा गया। इसके बाद निर्धारित समय से दो मिनट पहले ही रोनाल्डो ने अपने और टीम के लिए दूसरा गोल दागकर पुर्तगाल को 2-1 से आगे कर दिया। सिल्वा ने पेनाल्टी एरिया में रोनाल्डो को पास दिया और फिर रोनाल्डो ने अपने दायें पैर से गेंद को पोस्ट में पहुंचाकर टीम को मैच में आगे कर दिया। मैच के अंतिम समय 90वें मिनट में भी

फुटबॉल डायरी

मैच के दौरान क्रिस्टियानो रोनाल्डो। एपी

रोनाल्डो ने पोस्ट के बायीं ओर से बॉक्स में से गेंद पर तेजी से किक लगाई, जो सीधा पोस्ट में जा घुसी और इसे रोक पाना सोमेर के लिए आसान नहीं था। इस गोल से रोनाल्डो ने अपनी हैट्रिक पूरी की। वह अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए अभी तक 157 मैचों में 88 गोल कर चुके हैं।

रोनाल्डो की तारीफ करते हुए टीम के कोच फर्नांडो सांतोष ने कहा, 'वह जीनियस हैं। वह फुटबॉल के एक जीनियस हैं।' वहीं, स्विट्जरलैंड के कोच व्लादीमिर पेटकोविक ने कहा, 'पुर्तगाल को बधाई। उन्होंने बड़ी चालाकी से मैच खेला।

एटलेटिको मैड्रिड ने इबानेज के साथ किया करार

मैड्रिड, आइएएनएस : स्पेन के तीसरे सबसे बड़े फुटबॉल क्लब एटलेटिको मैड्रिड ने मेक्सिको के क्लब एटलेटिको सेन लुइस के खिलाड़ी निकोलस इबानेज के साथ करार किया है। एटलेटिको मैड्रिड ने इबानेज के अपने क्लब से जुड़ने की पुष्टि की है।

27 वर्षीय अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने सेन लुइस के लिए इस सत्र में 43 मैचों में 22 गोल किए हैं। इबानेज को हालांकि लोन पर 12 महीने के लिए क्लब के साथ जोड़ा गया है। इस बीच, वालेंसिया के स्ट्राइकर रोड्रिगो मोरेनो ने कहा कि वह इस बात की गारंटी नहीं ले सकते हैं कि वह अगले सीजन में क्लब के साथ बने रहेंगे क्योंकि उनके क्लब टीम साथी सेंटी मिना सेल्टा विगो के लिए वापसी कर सकते हैं।

चोटिल नेमार कोपा अमेरिका से बाहर

ब्रासिलिया, एएफपी : कोपा अमेरिका की तैयारियों में लगी ब्राजील फुटबॉल टीम को उस समय एक बड़ा झटका जब उसके स्टार स्ट्राइकर नेमार कतर के साथ एक दोस्ताना मैच के दौरान चोटिल हो गए, हालांकि ब्राजील ने यह मैच 2-0 से अपने नाम किया। उसके लिए रिचार्लिसन (16वें मिनट) और ग्रेबियल जीजस (24वें मिनट) ने किए। नेमार को बुधवार को खेले गए इस मैच के 22वें मिनट में टखने में चोट लग गई थी। बाद में जब उन्हें मेडिकल स्टाफ द्वारा बाहर ले जाया जा रहा था तब वह चिल्लाते हुए नजर आ रहे थे। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के नेमार के दायें पैर में घुटने से थोड़ा नीचे आइस पैक लगाया हुआ था। ब्राजील फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) ने कहा कि चोट की गंभीरता को देखते हुए नेमार टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। विश्व के सबसे महंगे फुटबॉलर नेमार के बाहर होने से ब्राजील की तैयारियों को झटका लगा है। नेमार पैर में चोट के चलते 2018-19 सत्र में ज्यादा मैच नहीं खेल पाए थे। कोपा अमेरिका ब्राजील के पांच शहरों में 14 जून से सात जुलाई तक खेला जाएगा।

विविध

उत्तराखंड में नियमित रुप से चलेंगी इलेक्ट्रिक बसें

राज्य ब्यूरो, देहरादून : उत्तराखंड में परिवहन निगम अब नियमित रूप से इलेक्ट्रिक बसों को चलाने की तैयारी कर रहा है। देहरादून-मसूरी और हल्द्वानी-नैनीताल में तीन माह के ट्रायल रन में मिली सफलता को देखते हुए अब इन मार्गों पर नियमित बसों को चलाने की तैयारी है। इसके लिए टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। इसके अलावा केंद्र द्वारा हर प्रदेश में इलेक्ट्रिक बसें चलाने की योजना का लाभ लेने के लिए भी प्रस्ताव भेजा जा रहा है।

राज्य बनने के 18 साल बाद भी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पटरी पर नहीं आ पाई है। शहरों में बेलगाम सिटी बसें, विक्रम और ऑटो व्यवस्था को ध्वस्त कर रहे हैं। इन वाहनों का न गति पर नियंत्रण है न नियमों की परवाह। देहरादून, हरिद्वार व नैनीताल में सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं को दुरुस्त करने के लिए 2008 में जेएनएनयूआरएम योजना के तहत बसें दी गई थीं। इसका मकसद यात्रियों को आरामदायक और सुविधाजनक सफर मुहैया कराना था। देहरादून व हरिद्वार को 75-75 और नैनीताल को 45 बसें मिलीं, लेकिन इनके संचालन के लिए जिम्मेदार स्थानीय निकायों ने हाथ खड़े कर दिए। बसें पहले डेढ़ साल खड़ी रहीं, बाद में इन्हें रोडवेज के सुपुर्द कर दिया गया। अब ये बसें एक शहर से दूसरे शहर में दौड़ने लगी और जर्जर स्थिति में पहुंच गई हैं। इसे देखते हुए प्रदेश सरकार ने यहां इको फ्रेंडली इलेक्ट्रिक बसों को चलाने का निर्णय लिया। इनका तीन माह तक ट्रायल हुआ। ट्रायल की सफलता के बाद कंपनियों से टेंडर आमंत्रित किए गए लेकिन एक ही कंपनी ने इसमें रुचि दिखाई। इसलिए अब दोबारा टेंडर आमंत्रित किए जा रहे हैं।

जज्बा ▶ एवरेस्ट को फतह कर बेटियों को डर की जंजीरें तोड़ आगे बढ़ने का दिया हौसला

कश्मीर की बेटियों के सपनों की उम्मीद बन गईं नाहिदा

नवीन नवाज, श्रीनगर

- पुरातनपंथियों और आतंकियों के फरमान की नहीं की परवाह, दिया अपने सपने को उड़ान
- नेहरू इंस्टीट्यूट माउंटेनियरिंग से ली है पर्वतारोहण की ट्रेनिंग, कई प्रतियोगिताओं में जीत चुकी हैं पदक

माउंट एवरेस्ट पर विजय पताका लहराने वाली जम्मू-कश्मीर की नाहिदा की फाइल फोटो। जागरण

नाहिदा अर्थात सक्षम, समर्थ और भाग्यशाली। जब्रवान की पहाड़ियों पर ट्रैकिंग करते हुए दस साल की उम्र में कश्मीर की इस बेटी ने अपनी सहेली से कहा था, मेरा सपना है माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई को नापना और इस सपने को मैं पूरा करके रहूंगी। करीब 14 साल बाद इस बेटी ने न सिर्फ एवरेस्ट को फतह कर लिया बल्कि पुरातनपंथियों और जिहादियों के फरमानों के बीच अपने सपनों को उड़ान देने का मौका तलाश रही कश्मीर की बेटियों को भी डर की जंजीरें तोड़ आगे बढ़ने का हौसला दे दिया है।

नारी सशक्तीकरण

श्रीनगर के बाहरी क्षेत्र जेवन की रहने वाली नाहिदा मंजूर अब कश्मीर की लाखों बेटियों के लिए उम्मीद बन गई हैं। आज उनके जज्बे को सब सलाम कर रहे हैं पर यह सब इतना आसान नहीं रहा। माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई को नापने से अधिक दुष्कर था इस मिशन के लिए संसाधन जुटाना। पिता मंजूर अहमद दुकानदार और मां ठेठ कश्मीरी गृहिणी। मां-बाप पूरी तरह साथ थे लेकिन संसाधनों का संकट बहुत बड़ा था।

नाहिदा ने मिशन एवरेस्ट पर रवाना होने से पूर्व एक बातचीत में कहा था कि सफर तो तय किया जा सकता है, लेकिन सफर के लिए सामान बहुत महंगा है। उनकी तैयारी पूरी थी। इससे पूर्व वह हिमाचल प्रदेश में माउंट डियो टिब्बा, फ्रेंडशिप पीक और श्रीनगर की सबसे ऊंची चोटी महादेव के अलावा पीरपंजाल में टाटाकूटी के शिखर को छू चुकी थीं। नाहिदा अपने घर से करीब दस किलोमीटर श्रीनगर में रेलवे स्टेशन के पास स्थित टीआरसी में वॉल क्लाइंबिग के लिए सप्ताह में कम से कम तीन दिन अभ्यास करने जाती थीं। सपना बड़ा होता गया और संसाधनों की कमी अखरने लगी तो नाहिदा ने मार्च माह के दौरान क्राउड फंडिंग का सहारा लिया। इंटरनेट पर उनकी अपील का असर हुआ और कई लोग सामने आए।

वह बताती हैं कि पर्वतारोहण सस्ता शौक नहीं है। एवरेस्ट पर परचम फहराने के लिए कम से कम 30 लाख रुपये चाहिए थे। मेरी अपील पर कश्मीर में कई लोग मदद के लिए आगे आए। पर फिर भी बात नहीं बनती दिखी तो इरादा बदल लिया। हौसले बुलंद हों, कोशिशें ईमानदार हों तो खुदा भी मदद करता है। इसी दौरान हैदराबाद स्थित ट्रांजिट एडवेंचर क्लब ने उनकी ओर मदद का हाथ बढ़ाया और वह नौ अप्रैल 2019 को काठमांडु पहुंच गईं। माउंट एवरेस्ट पर विजय पताका लहराकर कश्मीर की पहली महिला का गौरव पाने वाली विश्व भारती वूमेन कॉलेज की छात्रा नाहिदा मंजूर ने पर्वतारोहण की ट्रेनिंग नेहरू इंस्टीट्यूट माउंटेनियरिंग से ली। वह खो-खो, कबड्डी और राइफल शूटिंग की बेहतरीन खिलाड़ी भी हैं। वह कई प्रतियोगिताओं में भाग लेकर पदक भी जीत चुकी हैं।

पिता बोले, पहले लोग हंसते थे- अब वही तारीफ कर रहे : उनके पिता मंजूर अहमद पांपोरी कहते हैं कि वह तो बचपन से ही पहाड़ों की शौकीन रही है। आज पूरी दुनिया में लोग हम सभी को उसके नाम से जान रहे हैं, यह हमारे लिए फख्र की बात है। वह जब यहां चोटी महादेव की ट्रैकिंग के लिए गई थी तो उस ग्रुप में वह अकेली लड़की थी। कई बार लोग मुझसे कहते थे कि लड़की ने क्या लड़कों वाला शौक पाला है। मैं हंस देता था। आज वही कह रहे हैं कि कमाल हो गया।

बचपन से ही पहाड़ों में घूमने का शौक

नाहिदा की बचपन की सहेली और फिल्ममेकर उजमा ने कहा कि हम बचपन में एक साथ ही हाईकिंग के लिए जाते थे। वह शुरू से ही पहाड़ों में घूमने और उन पर चढ़ने की शौकीन थी। यही शौक और जुनून उसे आज एवरेस्ट पर ले गया है। मैं उसकी सफलता से बहुत खुश हूं। इस समय नेपाल में वह हर कश्मीरी की आंख का तारा है।

लद्दाख की चार और बेटियां एवरेस्ट कर चुकी हैं फतह

नाहिदा मंजूर से पहले भी राज्य की चार बेटियां माउंट एवरेस्ट पर जा चुकी हैं। ये चारों लड़कियां स्टेंजिन लस्किट, रिग्जिन डोल्कर, त्सेरिंग आंगमों और ताशी लस्किट लद्दाख की हैं और इन्होंने यह उपलब्धि मई 2016 में प्राप्त की थी।

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/positive-news

ग्लोबल वार्मिंग से उत्तरी ध्रुव में बदली भालू की चाल

आशीष सिंह, धनबाद

धनबाद की वैज्ञानिक डॉ. सोनल चौधरी। फाइल

हवाएं गर्म हो रही हैं। ध्रुवों पर बर्फ पिघल रही है। उत्तरी ध्रुव पर रहने वाले जीवों का आचरण बदल रहा है। सोचिए क्यों, दरअसल इसका कारण हम ही हैं। हवा में कार्बन डाई ऑक्साइड जैसी तमाम गैसों और प्रदूषक तत्वों ने पारिस्थितिकी तंत्र को झकझोर दिया है। धनबाद जयप्रकाश नगर की वैज्ञानिक डॉ. सोनल चौधरी ने इस दिशा में बड़ा काम किया है। उन्होंने अपने शोध में पाया कि उत्तरी ध्रुव के भालू चाल बदल रहे हैं।

वहां के परिंदों के अंडे जल्द परिपक्व हो रहे हैं। डॉ. सोनल ने इंग्लैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ शेफील्ड के पर्यावरण विज्ञानी डॉ. गेरेथ फीनिक्स और यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम के वाइस चांसलर प्रो. मेल्कम प्रेस के मार्गदर्शन में शोध 2017 में पूरा किया। इसी विश्व विद्यालय में वे अभी बतौर व्याख्याता काम कर रही हैं। शोध के लिए उन्होंने उत्तरी ध्रुव पर कई माह गुजारे। 'क्लाइमेट चेंज एंड पॉल्यूशन' विषय पर उनका शोध जंतु विज्ञानियों ने सराहा है।

शोध से निकले निष्कर्षों से प्रदूषण के कारण बदलते वातावरण का जीवों पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन हो सकेगा। डॉ. सोनल ने बताया कि शोध के दौरान पाया गया कि ध्रुवीय परिंदों के अंडों से समय के पहले ही चूजे निकल रहे हैं। फूलों का रंग बदल रहा है। बर्फ का क्षेत्रफल घट रहा है। ध्रुवीय भालू जो बर्फ छोड़कर इधर उधर नहीं जाते थे अब जमीन और पहाड़ों पर चढ़कर पशु-पक्षियों को निशाना बना रहे हैं। यही हाल रहा तो ध्रुवीय भालू की प्रजाति ही खत्म हो जाएगी या उनके व्यवहार में बड़ा परिवर्तन आएगा।

यूनिवर्सिटी ऑफ शेफील्ड से मिली पीएचडी की उपाधि

डॉ. सोनल ने दिल्ली विवि से स्नातक करने के बाद पर्यावरण विज्ञान में एमएससी की। यूनिवर्सिटी ऑफ हेल (यूके) से जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम एंड इनवॉयरमेंट में डिग्री ली। यूनिवर्सिटी ऑफ शेफील्ड से पीएचडी की।

दुनिया के कई शहर हो जाएंगे तबाह

डॉ. सोनल ने बताया कि ग्लोबल वार्मिंग से उत्तरी ध्रुव पर तेजी से पारिस्थितिकी परिवर्तन हो रहा है। ठोस पहल न हुई तो 21 वीं सदी के खत्म होने के साथ समुद्र का जलस्तर दो मीटर तक बढ़ेगा। इससे न्यूयॉर्क और मुंबई जैसे कई शहर डूब जाएंगे। दुनिया को बचाने के लिए वातावरण के बढ़ते तापमान को रोकना होगा। कार्बन डाई ऑक्साइड व अन्य हानिकारक गैसों का उत्सर्जन कम कर हरियाली धरती पर बिछानी होगी।

पानी के फेर में टूटे रिश्ते तो कहीं कानून व्यवस्था खतरे में

जेएनएन, कानपुर

बुंदेलखंड में जलसंकट

रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून...रहीम का यह दोहा बूंद-बूंद पानी के संकट से जूझ रहे बुंदेलखंड के लिए बिल्कुल सटीक बैठ रहा है। यहां पानी के बिना जिंदगी दिनों दिन मुश्किल में फंसती जा रही है। पानी के फेर में कहीं रिश्ते टूट रहे हैं तो कहीं कानून व्यवस्था खतरे में है। पानी को लेकर लोग अब प्रतिदिन एक दूसरे से भिड़ रहे हैं।

दो किमी दूर से लाते पानी : उरई : जालौन में तो हालात बेहद गंभीर हैं। यहां दो किलोमीटर दूर से पानी लाने की जानकारी मिलने पर युवती ने शादी से ही इन्कार कर दिया। जनपद के एक गांव निवासी देवी दयाल पांडेय ने बताया कि उनके पुत्र की शादी इसलिए नहीं हो सकी क्योंकि गांव में पानी की दिक्कत है। लड़की ने साफ कहा, जहां पानी नहीं, वहां शौचालय भी चालू नहीं होगा। ऐसे में वहां कैसे रहा जा सकता है। इस संबंध में अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका संजय कुमार ने कहा, शहर के जिस मोहल्ले में पानी का संकट होता है वहां पर टैंकर से आपूर्ति कराते हैं। ग्रामीण क्षेत्र की जिम्मेदारी जिला पंचायत और ग्राम्य विकास विभाग की है। जल संस्थान के अधिशाषी अभियंता मनोज आर्य ने कहा कि टैंकर और पानी तो हमारे पास है लेकिन जरूरतमंद मोहल्लों में टैंकर पहुंचाने के लिए डीजल की व्यवस्था नगर पालिका को करना होता है, क्योंकि विभाग के पास इसके लिए बजट नहीं है।

रोज 30 लाख लीटर पानी कम बांदा : भीषण गर्मी में लोग पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। जलापूर्ति घटने से समस्या और जटिल होती जा रही है। जल संस्थान को ही रोजाना 30 लाख लीटर कम पानी मिल रहा है जिससे लोगों की प्यास नहीं बुझ रही है, वहीं जलस्तर गिरने से हैंडपंप भी पर्याप्त पानी नहीं दे पा रहे हैं। बांदा जिले के मटौंध क्षेत्र के गुसियारी, अछरौड़, उजरेहटा, त्रिवेणी सहित आसपास के कई गांवों में केन नदी से जलापूर्ति की जा रही है जबकि अन्य क्षेत्रों में नलकूपों द्वारा आपूर्ति हो रही है। समस्या यह है कि ऊंचाई वाले स्थानों में जहां पानी ठीक से नहीं पहुंचता वहां भारी किल्लत है। केन नदी के किनारे बसे अछरौड़, दरदा, गोयरा मुगली, कनवारा आदि गांवों में जलापूर्ति लड़खड़ाई है तो हैंडपंप भी दगा दे गए हैं। सुबह होते ही लोग नदी, कुओं से बैलगाड़ियों व ट्रैक्टर से पानी लाकर प्यास बुझा रहे हैं। यह अशुद्ध पानी प्यास बुझाने के साथ ही बीमारियां भी बांट रहा है। जल संस्थान अभियंता वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति के लिए 18.82 एमएलडी पानी मिल रहा है।

पानी के लिए संघर्ष

- चित्रकूट के मानिकपुर में चार जून को जल संकट से जूझ रहे लोगों ने जल संस्थान कार्यालय का घेराव कर कर्वी-मानिकपुर मार्ग जाम कर दिया।
- चित्रकूट के पहाड़ी ब्लाक के पथरामानी गांव में पानी की मांग को लेकर तीन दिन से ब्लाक परिसर में धरना-प्रदर्शन।
- बांदा के तिंदवारी में करीब एक माह पूर्व पहले पानी भरने को लेकर महिलाओं में मारपीट।
- महोवा के नारूखेड़ा मोहल्ले में पानी के लिए परेशान लोगों ने वाल्टियां और ड्रम लेकर प्रदर्शन कर विरोध जताया।

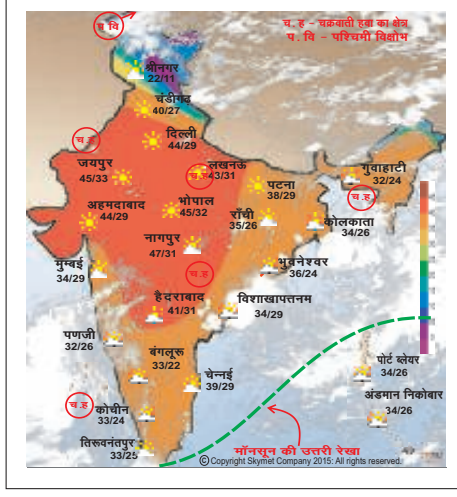

मौसम विशेष

जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के दिन के तापमान के कारण दिन काफी गर्म रहेगा। अधिकांश स्थानों पर मौसम शुष्क रहेगा। अधिक ऊंचाई वाले भागों में कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा संभव है। दिल्ली सहित मैदान भागों के तापमान में वृद्धि होने के कारण मौसम शुष्क और काफी गर्म रहेगा।

भारत के मुख्य शहरों का तापमान:

शहर		शहर	
मुम्बई	33/29/व	अहमदाबाद	42/27/व
कोलकाता	35/27/व	बड़ौदा	40/26/आंश
चेन्नई	40/31/आंश	नागपुर	46/32/व
हैदराबाद	40/30/सा	इन्दौर	43/26/व
बंगलूरू	31/21/सा	रांची	40/27/व
त्रिवेन्द्रम	33/26/व	पटना	42/29/व
गुवाहाटी	33/26/आंश	जमशेदपुर	38/26/सा
गंगटोक	20/11/व	पुणे	32/24/व

राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

शुक्रवार 7 जून 2019

आजकल

14

www.jagran.com

दुनिया का सबसे छोटा देश वेटिकन सिटी अस्तित्व में आया

1929 में आज ही वेटिकन सिटी अस्तित्व में आया था। करीब 110 एकड़ में फैले दुनिया के इस छोटे देश में सिर्फ एक हजार लोग रहते हैं। यह देश पोप के अधीन है और इस पर ईसाई समुदाय के प्रसिद्ध रोमन कैथोलिक चर्च की हुकूमत चलती है।

पहले क्रिकेट विश्व कप की शुरुआत हुई

1975 में आज ही इंग्लैंड में पहले विश्व कप का आगाज हुआ था। इस विश्व कप में पहला मैच इंग्लैंड और भारत के बीच खेला गया था। उस समय 60 ओवरों का मैच होता था। शानदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज ने पहला विश्व कप अपने नाम किया था।

महात्मा गांधी ने नस्लभेद के खिलाफ उठाई आवाज

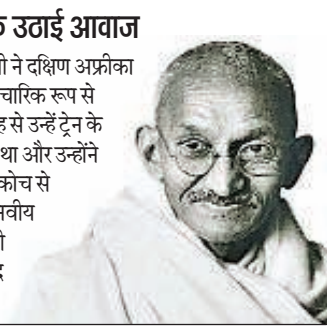

1893 में आज ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में नस्लभेद के खिलाफ पहली बार औपचारिक रूप से आवाज उठाई थी। अश्वेत होने की वजह से उन्हें ट्रेन के फर्स्ट क्लास कोच से बाहर निकलने को कहा गया था और उन्होंने इससे इन्कार कर दिया। फिर थोड़ी देर के बाद उन्हें कोच से धक्के देकर बाहर निकाल दिया गया था। इस अमानवीय घटना ने उन्हें रंगभेद के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा दी और इसके बाद उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में नस्लभेद के खिलाफ आंदोलन चलाया।

इधर-उधर की

तनाव से मुक्ति देगा पंचिंग बैग

वाशिंगटन, एजेंसी : कर्मचारियों में बढ़ता तनाव गहरी चिंता का विषय बनता जा रहा है। ऐसे में इससे निपटने के लिए न्यूयॉर्क के एक डिजाइन स्टूडियो ने कर्मचारियों को तनाव मुक्त करने का अनोखा तरीका निकाला है। डोंट टेक दिस रॉंग वे नाम के इस स्टूडियो ने सड़कों पर कई जगह पंचिंग बैग लगाए हैं, ताकि लोग उन्हें लात-घूंसे मारकर खुद को तनाव मुक्त कर सकें। स्टूडियो ने यह आइडिया न्यूयॉर्क डिजाइन वीक में पेश किया था। स्टूडियो का कहना है कि वह उन भावनाओं को जाहिर होने का मौका देना चाहते हैं, जो एक आम शख्स अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में नहीं कर पाता है। यह नया तरीका सफल साबित हो रहा है। लोगों को इन पंचिंग बैग्स पर घूंसे मारकर गुस्सा निकालते देखा जा सकता है।

शोध अनुसंधान

सर्जरी का दर्द कम करने में मदद करेगा स्मार्टफोन एप

वैज्ञानिकों ने ऐसा स्मार्टफोन एप विकसित किया है जिससे सर्जरी के बाद होने वाला दर्द कम किया जा सकता है। इससे दर्द निवारक दवाओं की उपयोगिता को कम किया जा सकता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि जिन मरीजों ने अपने घुटनों के प्रत्यारोपण के बाद 'पेनकोच' नामक एप का इस्तेमाल किया उनके दर्द की दर में कमी पाई गई। इस अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने 56-70 वर्ष आयु वर्ग के 71 रोगियों को इस एप का इस्तेमाल करने की सलाह दी। जिसके उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। इन सभी मरीजों के घुटनों का प्रत्यारोपण किया गया था। यह एप सर्जरी के बाद समय-समय पर मरीज को दर्द निवारक दवाओं की आवश्यकता और व्यायाम करने की सलाह देता है। इससे मरीज जरूरत के मुताबिक दवा लेने और व्यायाम करने से अपने दर्द को कम कर सकता है। दुनिया भर में दर्द निवारक दवाओं के बढ़ते दुरुपयोग को देखते हुए यह एप महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है। -प्रेट्र

घर पर वजन नियंत्रित करने के उपाय ज्यादा कारगर

शोधकर्ताओं का कहना है कि घर पर वजन नियंत्रित करने के उपाय ज्यादा कारगर होते हैं। यह बच्चों के साथ ही माता-पिता के लिए भी फायदेमंद हो सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, ड्राइव (डेवेलपिंग रिलेशनशिप दैट इंक्लूड वेल्यू ऑफ ईटिंग एंड एक्सरसाइज) प्रोग्राम से बच्चों में वजन कम किया जा सकता है। इससे उनके माता-पिता भी वजन कम करने के लिए प्रोत्साहित हो सकते हैं। यह निष्कर्ष 16 परिवारों पर किए गए एक अध्ययन के आधार पर निकाला गया है। अमेरिका की लुइसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं कीली हॉकिन्स और कार्बे मार्टिन ने कहा, 'बच्चों पर प्रभाव डालने के मामले में उनके माता-पिता सबसे अहम और प्रभावशाली होते हैं।' **-आइएएनएस**

नई तकनीक ▶ अमेरिका के वैज्ञानिकों ने विकसित की क्राई लैंग्वेज

शिशुओं के रोने की असली वजह बताएगा एआइ टूल

सेंसर की मदद से बच्चों के रोने के पीछे छुपा संदेश पहचान लेगा यंत्र

बच्चे को दुलारती मां (फाइल)

वाशिंगटन, प्रेट्र: छोटे शिशुओं के रोने को नजरअंदाज करना कभी-कभी बहुत भारी पड़ जाता है। अक्सर लोग इसे सामान्य रोना समझ लेते हैं, जबकि इसके पीछे की वजह कुछ और होती है। जब असली बात सामने आती है तो लगता है काश यह पहले ही समझ लिया होता। वैज्ञानिकों ने अब शिशुओं का बेहतर तरीके से ख्याल रखने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) युक्त एक नया टूल विकसित किया है जो बच्चों के रोने की असली वजह बताएगा। इसके माध्यम से पता चलेगा कि शिशु किसी बीमारी के कारण रो रहा है या सामान्य बात पर।

आइईईई/सीएए जर्नल ऑफ आटोमिना सिनिका (जेएएस) नामक पत्रिका में इस विधि को विस्तार से बताया गया है। इसमें बताया गया कि कुछ अनुभवी हेल्थकेयर वर्कर और अनुभवी माता-पिता शिशुओं की जरूरत का उसके रोने की आवाज से सटीक पता लगा लेते हैं, लेकिन यह सबके लिए इतना आसान नहीं होता।अमेरिका की नार्दर्न इलिनोइस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बताया कि प्रत्येक शिशु के रोने का तरीका अलग होता है, लेकिन जब वह किसी तरह की बीमारी पर रोते हैं तो सबके रोने में कुछ न कुछ कॉमन होता है और उनके रोने में वही छुपा हुआ पैटर्न पहचान पाना ही सबसे बड़ा चैलेंज होता है। इसका पता लगाने के लिए वैज्ञानिकों ने एक नया एआइ टूल बनाया है। इसमें बहुत बड़े डाटा का इस्तेमाल कर एक एल्गोरिद्म बनाई गई है। इसमें एक नई प्रकार की क्राई लैंग्वेज बनाई गई, जिसके माध्यम से सामान्य स्थित में रोने और असामान्य स्थिति में रोने का पता लगया जा सकता है। अलग-अलग बीमारियों के कारण शिशुओं के रोने में अलग-अलग सिग्नल मिलते हैं। एआइ टूल के द्वारा इन्हें पहचाना जाता है और बीमारी का सही पता लगाया जाता है।

वैज्ञानिकों ने जो एआइ टूल बनाया है वह शोरगुल में भी बच्चे के रोने की आवाज सिग्नल के जरिये आसानी से पहचान लेगा। आमतौर पर कोलाहल में बच्चों की आवाज दब जाती है। इसके लिए शोधकर्ताओं ने एक विशिष्ट एल्गोरिथ्म का उपयोग किया है जो शिशु के रोने पर स्वयं ही आवाज की विशेषताओं का पता लगाने में समक्ष है। उन संकेतों का विश्लेषण और वर्गीकरण करने के लिए कंप्रेस्ड सेंसिंग तकनीक का उपयोग किया। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जो कम सिग्नल पर भी आवाज आसानी से पकड़ लेती है। यह तकनीक तब काम आती है जब आसपास शोरगुल ज्यादा हो रहा हो और सामान्य रूप से शिशु के रोने की आवाज सुनाई नहीं देती। अमेरिका की नार्दर्न इलिनोइस यूनिवर्सिटी के लिचुआन लियू ने कहा कि एक विशेष भाषा की तरह, विभिन्न ध्वनियों में बहुत सारी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी होती है। इस टूल की विशेषता है कि वह ध्वनि संकेतों के बीच अंतर के आसानी से पहचान लेता है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य यही है कि बच्चे स्वस्थ्य रहें और माता-पिता पर उनकी देखभाल का बोझ थोड़ा कम हो सके। भविष्य में यह टूल बच्चों की देखभाल के लिए सबसे अच्छा, सुरक्षित और कारगर तरीका सिद्ध हो सकता है।

इंकजेट प्रिंटर से बनाए ऑर्गेनिक सोलर सेल

दुबई, प्रेट्र: पर्यावरण प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण प्लास्टिक कचरा है। इसका दूसरा बड़ा कारणइलेक्ट्रॉनिक कचरा है। इसे देखते हुए अब वैज्ञानिक ऐसे इलेक्ट्रॉनिक्स सामान बनाने पर काम कर रहे हैं जो बेकार होने पर आसानी से और कम समय में मिट्टी में मिल जाएं। वैज्ञानिकों ने इंकजेट प्रिंटर के माध्यम से एक अत्यधिक कुशल ऑर्गेनिक सौर कोशिकाओं को प्रिंट किया है। इससे बनाए गए सोलर पैनल आसानी से डिस्पोज भी किए जा सकेंगे। सोलर पैनलों में जल्द ही इन ऑर्गेनिक सेमीकंडक्टरों की जगह ऑर्गेनिक फोटोवोल्टिक सामग्री का उपयोग किया जाएगा, क्योंकि यह हल्का, लचीला और कम लागत वाला होता है।

इस सामग्री से बने सोलर पैनलों को आसानी से मोडिफाई और कम लागत में बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा सकता है। सऊदी अरब की किंग अब्दुल्ला यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (केएयूएसटी) के शोधकर्ताओं ने इंकजेट के माध्यम से प्रिंट किया जा सकने वाला सोलर मैटेरियल बनाया। पीएचडी शोधार्थी डेनियल कोरजो ने बताया कि पारंपरिक स्पिंन कोटिंग और ब्लेड कोटिंग के मुकाबले इंकजेट प्रिंटिंग के कई लाभ हैं। नए तकनीक से बने इस प्रिंटर में कम सामग्री लगती है। यह डिजिटल दौर में यह और अच्छे डिजाइन वाले प्रिंट निकाल सकता है। कोरजो ने कहा कि इन्हें तैयार करने में भी ज्यादा खर्च नहीं आता, जटिल आकृतियों को भी यह आसानी से बना सकता है। शोधकर्ताओं ने स्याही और उसके गाढ़ेपन को अनुकूलित कर इसकी छपाई की प्रक्रिया को भी बेहतर किया है, ताकि इसे व्यावसायिक मान्यताओं पर भी खरा उतारा जा सके।

फिल्म रिव्यू

सुपरवूमन जीन ग्रे की ताकत का प्रदर्शन

डार्क फीनिक्स

प्रमुख कलाकार : सोफी टर्नर, माइकल फैसबेंडर, जेनिफर लॉरेंस, जेम्स मैक्वॉय, टाय शेरिडन, अलेक्जेंडर शिप, जेसिका चैस्टिन
निर्देशक : सिमोन किनबर्ग
अवधि : 1 घंटे, 53 मिनट

हॉलीवुड का ध्यान अब सुपरवूमन की ओर गया है। इस साल रिलीज मार्वेल सिनमैटिक यूनिवर्स की पहली फीमेल सुपरहीरो फिल्म 'कैप्टन मार्वेल' में ब्री लार्सन सुपरहीरो की भूमिका में थीं। अब एक्स मैन सीरीज की आखिरी फिल्म 'डार्क फीनिक्स' आई है। वर्ष 2000 में पहली बार ब्रायन सिंगर निर्देशित एक्स मैन रिलीज हुई थी। सीरीज की पहले की फिल्में नायक प्रधान रही हैं। अब इसका समापन केंद्रीय भूमिका में सुपरवूमन के तौर पर हुआ है। इस भूमिका में प्रियंका चोपड़ा की जेठानी सोफी टर्नर हैं। सोफी वर्ष 2016 में रिलीज 'एक्स मैन : एपोकैलिप्सी' में नजर आ चुकी हैं।

इस बार कहानी 1992 की है। एक्स मैन के तौर पर जीन ग्रे (सोफी टर्नर), रेवेन (जेनिफर लारेंस), स्कॉकट समर्स (टाय शेरिडन), स्ट्राम (अलेक्जेंडर शिप) बाकी सहयोगियों के साथ नासा के अंतरिक्षयात्रियों को बचाने के लिए अंतरिक्ष में जाते हैं। वहां उनके यान को ब्रह्मांडीय ताकतों का सामना करना पड़ता है। बाकी सहयोगी जब हालात को नियंत्रित नहीं कर पाते तो जीन ग्रे उसे रोकने का प्रयास करती है। इस प्रक्रिया में वह ग्रह से निकलने वाली पूरी ऊर्जा अवशोषित कर लेती है। मुकाबले में जीन बच जाती है और पहले से ज्यादा ताकतवर भी हो जाती है। हालांकि उसकी शक्तियां उसके नियंत्रण में नहीं रहतीं। वह अपने आसपास और करीबी लोगों के लिए खतरा बन जाती है। एक्समैन के मुखिया और उसके मेंटर चार्ल्स जेवियर (जेम्स मैक्वॉय) भी मानते हैं कि वह काफी ताकतवर हो गई है। इसी दौरान जीन ग्रे को पता चलता है कि उसका परिवार जीवित है। वह पिता से मिलने पहुंचती हैं। चार्ल्स जेवियर और बाकी साथी भी उसे खोजते हुए वहां पहुंचते हैं। वहां आपसी तकरार में रेवेन मारी जाती है। जीन की ताकत का राज क्या है? क्या वह अपने दोस्तों की ही दुश्मन बन जाएगी? क्या एलियन म्यूटेंट उसकी ताकत हासिल कर पाएगी? इन्हीं सवालों के इर्दगिर्द डॉर्क फीनिक्स की कहानी है।

बतौर निर्देशक सिमोन किनबर्ग की यह पहली फिल्म है। इससे पहले वह एक्स मैन सीरीज की ही फिल्म 'एक्स मैन: द लॉस्ट स्टैंड', 'एक्स मैन : डेज ऑफ फ्यूचर पास्ट' की कहानी और स्क्रीनप्ले लिख चुके हैं। फिल्म में डिजिटल इफेक्ट्स का काफी उपयोग है। कहानी के अहम मुद्दे पर आने के लिए उन्होंने काफी वक्त लिया है। सोफी टर्नर खूबसूरत लगी हैं। उन्होंने किरदार को अच्छी तरह निभाया है। खलनायिका के रूप में जेसिका चैस्टिन का चित्रण सतही रहा है। मैगनेटो की भूमिका में माइकल फैसबैंडल की वापसी हुई है। जरूरत पड़ने पर मैगनेटो पुराने साथियों के साथ खड़े होकर दुश्मन का सामना करते हैं। फिल्म की सबसे बड़ी खामी गहरे इमोशन की कमी है। एक्शन दृश्यों में कुछ खास नयापन नहीं है। **-स्मिता श्रीवास्तव**

★★★★★ उत्कृष्ट ★★★★ बहुत अच्छी ★★★ अच्छी ★★ औसत ★ औसत से कम

पीड़ित का रक्त भी दिला सकता है गठिया के दर्द से निजात

ऋषि दीक्षित, कानपुर

- जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के पेन क्लीनिक में सफल परीक्षण
- अब तक 200 से अधिक मरीजों पर पीआरपी इंजेक्शन का परीक्षण

गठिया के दर्द से बेहाल मरीजों का इलाज अब उनके रक्त से तैयार दवा से संभव है। उनके स्वयं का रक्त गठिया के दर्द से छुटकारा दिलाएगा। जीएसवीएम के पेन क्लीनिक में अब तक 200 से अधिक मरीजों पर सफल परीक्षण हो चुका है। मेडिकल कॉलेज का एनस्थीसिया विभाग एलएलआर अस्पताल (हैलट) के ओपीडी ब्लॉक में पेन क्लीनिक चला रहा है।

एनस्थीसिया विभागाध्यक्ष प्रो.अपूर्व अग्रवाल बताते हैं कि रक्त अव्यव प्लेटलेट्स रिच प्लाज्मा (पीआरपी) पर विभिन्न स्तर पर अध्ययन चल रहे हैं, जिसके बेहतर रिजल्ट मिले हैं इसलिए प्रयोग के तौर पर गठिया रोगियों पर इस्तेमाल किया, जिसके बेहतर रिजल्ट मिले हैं। अध्ययन में पेन क्लीनिक में आए चार-पांच वर्षों से गठिया से बेहाल मरीजों का रक्त लेकर पीआरपी तैयार कराया। फिर इंजेक्शन के जरिये पीआरपी घुटने में पहुंचाया। दो-तीन बार लगाने पर ही गठिया के दर्द से राहत मिली। ऐसे मरीज जिन्हें ऑर्थोपेडिक सर्जन ने घुटना प्रत्यारोपण की सलाह दी थी। उन्हें घुटना प्रत्यारोपण की जरूरत ही नहीं है।

गठिया के दर्द से पीड़ित मरीज के शरीर से 30 एमएल रक्त लेकर उससे पीआरपी निकाला जाता है। इसका इंजेक्शन घुटने में लगाते हैं। तीन माह के अंतराल में पीआरपी के दो से तीन इंजेक्शन लगाए जाते हैं।

नारंगी ऑर्गेनिक खीरा में मौजूद है विटामिन ए का भंडार

नई दिल्ली, आइएसडब्ल्यू : कृषि वैज्ञानिकों की एक टीम ने पाया है कि देश के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र से उगाई जाने वाली नारंगी-मोटी ककड़ी (खीरा) की किस्में देश के अन्य हिस्सों में पाए जाने वाले सफेद खीरे की तुलना में चार से पांच गुना अधिक समृद्ध हैं, इनमें विटामिन ए प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। खीरे की यह किस्म मुख्य रूप से उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के जनजातीय क्षेत्रों में पाई जाती है। इसका सेवन फलों के रूप में, पकी हुई सब्जी या चटनी के रूप में किया जाता है। मिजोरम में लोग इसे 'फंग्मा' और 'हम्जिल' और मणिपुर में 'थाबी' कहते हैं। खीरे की इस किस्म की ओर शोधकर्ताओं का ध्यान उस समय आकर्षित हुआ जब वे नेशनल ब्यूरो ऑफ प्लांट जेनेटिक रिसोर्स (एनबीपीजीआर) में जमा की गई स्वदेशी खीरे की विशेषताएं बता रहे थे। जाचं में पता चला कि यह खीरा मणिपुर और

- एनबीपीजीआर के वैज्ञानिकों ने किया अध्ययन

मिजोरम से एकत्र किया गया था। इसके नारंगी रंग और उच्च कैरोटीनॉयड के तत्वों से लैस होने के कारण वैज्ञानिकों ने इसका विस्तार से अध्ययन करने का निर्णय लिया।

एनबीपीजीआर के वैज्ञानिक डॉ. प्रज्ञा रंजन ने कहा कि ऐसे कई फल हैं जो बीटा कैरोटीन / कैरोटीनॉइड से युक्त होते हैं और उनका रोज सेवन किया जा सकता है। हालांकि, वे विकासशील देशों में गरीबों की पहुंच से दूर हो सकते हैं। लेकिन खीरा पूरे भारत में सस्ती कीमत पर उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि कैरोटीनॉइड से समृद्ध भूभागों की पहचान और यहां पैदा होने वाले फलों के विकास में हमारे प्रयास रंग लाएंगे।

बच्चों को बेफिक्र बनाती हैं शारीरिक गतिविधियां

नई दिल्ली, नेशनल डेस्क : एक अध्ययन में कहा गया है कि जो बच्चे कम उम्र में शारीरिक गतिविधि में बढ़चढ़ कर भाग लेते हैं, उन्हें जीवन में भावनात्मक कठिनाइयों का सामना कम करना पड़ता है। उनमें चिंता और शर्म का भाव कम हो जाता है। पेडियाट्रिक रिसर्च में प्रकाशित हुए शोध के मुताबिक, शारीरिक गतिविधियां या खेल बच्चों को अशक्त होने से तो बचाते ही हैं साथ ही उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से भी समृद्ध बनाते हैं। कनाडा की मॉंट्रियल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर एन. बरियर ने कहा कि स्कूल के शुरुआती वर्ष बाल विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण समय होता है।

11 हजार टन रेत से बना 17.5 मीटर ऊंचा कैसल

जर्मनी के रुगेन द्वीप पर बिंज कस्बे में सैंड स्कल्पचर फेस्टिवल (रेत की कलाकृति का उत्सव) का आयोजन हुआ। इसी उत्सव में यह विशाल सैंड कैसल (मध्ययुगीन दौर का महल अथवा कुलीनों का निजी गढ़) बनाया गया है। इसे बनाने में 11 हजार टन से अधिक रेत का इस्तेमाल हुआ है। इसकी ऊंचाई 17 .5 मीटर है। इसे दुनिया के सबसे ऊंचे सैंड कैसल के रूप में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किए जाने का दावा पेश किया गया है। एपी

ऑस्ट्रिया के जू में व्हाइट बंगाल टाइगर शावक

यूरोपीय देश ऑस्ट्रिया के केर्नहोफ स्थित जू में बाड़े में खेलते व्हाइट बंगाल टाइगर के शावक। इन शावकों का जन्म गत मई में हुआ है। हाल ही में इनकी पहली झलक देखने को मिली, जहां ये पूरी चंचलता के साथ मस्ती करते नजर आए। रायटर

स्क्रीन शॉट

'आरआरआर' के एक्शन सीक्वेंस का बजट 45 करोड़

राम चरण और जूनियर एनटीआर अभिनीत एसएस राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म में बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट भी नजर आएंगी। उनके अलावा अजय देवगन का भी कैमियो है। यह फिल्म दस से अधिक भाषाओं में अगले साल 30 जुलाई को रिलीज होगी। फिल्म की शूटिंग पिछले साल दिसंबर में शुरू हो चुकी है। राजामौली अपनी टीम के साथ विभिन्न स्थानों पर फिल्म की शूटिंग को अंजाम दे रहे हैं। शूटिंग के तीन शेड्यूल खत्म करने के बाद टीम अब एक्शन सीक्वेंस के लिए तैयार है। ये एक्शन सीक्वेंस काफी भव्य होंगे। उसमें सैंकड़ों फाइटर्स शामिल किए जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक, इस दमदार एक्शन सीक्वेंस को दो महीने के सिंगल शेड्यूल में फिल्माया जाएगा। दोनों मुख्य अभिनेता दो हजार फाइटर्स के बीच एक्शन सीक्वेंस को अंजाम देते हुए नजर आएंगे। एक्शन सीक्वेंस का बजट तकरीबन 45 करोड़ रुपये है। अभिनेता और क्रू के रूप में कुल 100 विदेशी भी फिल्म का अभिन्न हिस्सा हैं। टीम निर्धारित योजनाओं के तहत शूटिंग को अंजाम देंगी और जुलाई तक इस सीक्वेंस की शूटिंग पूरी होने की उम्मीद है।'

'राउडी राठौर' का बनेगा सीक्वल

हिंदी सिनेमा में इन दिनों हिट फिल्मों के सीक्वल बनाने का चलन जोरों पर है। इस साल 'सड़क', 'शुभ मंगल सावधान' और 'गो गोवा गॉन' के सीक्वल बनने की खबरें हैं। इस फेहरिस्त में अक्षय कुमार और सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत 'राउडी राठौर' का नाम भी जुड़ने जा रहा है। वर्ष 2012 में रिलीज प्रभुदेवा निर्देशित 'राउडी राठौर' बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। खबरों के मुताबिक, करीब सात साल बाद फिल्म के सीक्वल पर काम शुरू हो गया है। फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू होगी। उल्लेखनीय है कि फिल्म में अक्षय कुमार ने इंस्पेक्टर विक्रम सिंह राठौर और एक स्थानीय ठग शिवा का डबल रोल निभाया था। यह फिल्म एसएस राजामौली की 2006 में आई तेलुगु फिल्म 'विक्रमारकुडु' का आधिकारिक रीमेक थी। अक्षय कुमार फिलहाल रोहित शेट्टी की फिल्म 'सूर्यवंशी' की शूटिंग बैंकॉक में कर रहे हैं। उसके अलावा करीना कपूर खान के साथ 'गुड न्यूज' और 'हाउसफुल 4' की शूटिंग पूरी कर चुके हैं।

इंडियन म्यूजिकल फिल्म करना चाहते हैं माइकल फैसबेंडर

अमेरिकन सुपरहीरो सीरीज 'एक्स मैन' की अंतिम फिल्म 'डार्क फीनिक्स' रिलीज हो चुकी है। इस बार फिल्म पिछली सदी के नौवें दशक में सेट है। मैगनेटो की भूमिका में माइकल फैसबेंडर हैं। वह इससे पहले '12 इयर्स ए स्लोव', 'स्टीव जॉब्स2', एक्स मैन सीरीज की फिल्में 'डेज ऑफ फ्यूचर पास्ट' और 'एपोकैलिप्स' समेत अनेक फिल्मों में नजर आ चुके हैं। 'एक्स मैन' की शुरुआती सीरीज में मैगनेटो की भूमिका ऑस्कर विजेता इयान मैक्केलन ने निभाई थी। मैगनेटो का किरदार बाकी एक्समैन के किरदारों में सबसे ज्यादा ग्रे शेड रहा है? पूछने पर माइकल फैसबेंडर ने कहा, 'फिल्म में किरदारों के बीच मतभेद रहा है। 'डार्क फीनिक्स' में खासकर जीन ग्रे (सोफी टर्नर) के किरदार की बात की जाए तो उनका किरदार बाहरी शक्तियों के साथ आतंरिक द्वंद्व से भी जूझ रहा है। उसमें एक्शन भी है। निश्चित रूप से मेरे किरदार के अंदर भी कई विरोधाभास हैं। मैगनेटो और जेवियर स्कूल फॉर गिफ्टेड यंगस्टर्स के संस्थापक चार्ल्स जेवियर के बीच मतभेद रहे हैं। बहरहाल, मैं स्क्रिप्ट के अनुरूप काम करता हूं।' भारतीय सिनेमा से उनके लगाव के बारे में पूछने पर माइकल फैसबेंडर ने कहा, 'मैं भारतीय सिनेमा से बहुत ज्यादा परिचित नहीं हूं। हालांकि मुझे वहां के कुछ गाने और डांस पसंद हैं।

अपनी भूमिका के लिए पुलिस अधिकारियों से मिले थे आयुष्मान

सफल अभिनेता आयुष्मान खुराना अपनी आने वाली फिल्म 'आर्टिकल 15' में पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म को लेकर आयुष्मान काफी उत्साहित हैं। कारण यह है कि पुलिस वाले की भूमिका में खरा उतरने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की है, ताकि उनके काम में परफेक्शन आ सके। उन्होंने पुलिस वालों के साथ काफी समय बिताया। इस बारे में आयुष्मान ने बताया, 'आईपीएस अधिकारी मनोज मालवीय मेरे मित्र हैं। उनसे कई बार मिला और उनकी बॉडी लैंग्वेज और स्टाइल पर गौर किया। लखनऊ में फिल्म की शूटिंग के दौरान मैं कुछ आईपीएस अधिकारियों से लगातार मिलता रहा। दरअसल, मैं फिल्म में पुलिस अधिकारियों की नकल नहीं करना चाहता था, बल्कि असली पुलिस वालों की तरह से काम करना चाहता था।'

अध्ययन

इन जलीय जीवों के दांतों की इनेमल जैसी परत में हाइड्रोक्सीपेटाइ नैनोक्रिस्टल्स होते हैं जो इस तरह से संरचित होते हैं कि दांतों की सतह पर प्रकाश प्रतिबिंबित नहीं हो पाता, ड्रैगनफिश गहरे काले रंग की होती हैं, इसीलिए ये आसानी से पहचान में भी नहीं आती...

...इसीलिए पारदर्शी होते हैं ड्रैगनफिश के दांत

लॉस एंजेलिस, प्रेट्र : गहरे समुद्र में पाई जाने वाली ड्रैगनफिश के दांतों के पारदर्शी होने का कारण वैज्ञानिकों ने पता लगा लिया है। वैज्ञानिकों की मानें तो इन्हीं दांतों की मदद से ड्रैगनफिश एक छद्मआवरण बनाकर अन्य छोटे जलीय जीवों को अपना शिकार बनाती है। ड्रैगनफिश के दांतों की इनेमल जैसी परत में हाइड्रोक्सीपेटाइट नैनोक्रिस्टल्स होते हैं जो इस तरह से संरचित होते हैं जो प्रकाश को दांतों की सतह पर बिखरने या प्रतिबिंबित करने से रोकता है। जिसके कारण आसानी से इनके दांत पहचान में नहीं आते।

मैटर जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, उनके असामान्य और अव्यवस्थित दांत क्रिस्टलीय नैनोस्ट्रक्चर के मिश्रण से बने हैं, जो पारदर्शी सिरेमिक बनाने के लिए शोधकर्ताओं को (बायो इंस्पिरेशन) प्रेरणा दे सकते हैं। सेरेमिक एक अकार्बनिक व अधात्विक ठोस है, जिसका निर्माण धात्विक व अधात्विक पदार्थों से होता है। इसकी सतह को उच्च तापमान पर गर्म करके कठोर, उच्च प्रतिरोधकता युक्त बनाया जाता है।

अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलीफोर्निया की पीएचडी स्टूडेंट ऑंद्रे वेलास्को-होगन ने कहा गहरे समुद्र में रहने वाले हर जीव की कुछ न कुछ विशेषता होती है, जिसकी मदद से वे महासागरों में अपना

ड्रैगनफिश (फाइल)

जीवनयापन करते हैं। जैसे-बायोलुमिनसेंस, जिससे आंखें कम रोशनी में देख सकती हैं। इन्हीं जीवों में से एक है ड्रैगनफिश, जिसके दांत पारदर्शी होते हैं। इनकी यह विशेषता हमें कई रोचक जानकारियां दे सकती है, लेकिन पहले इनके बारे में अभी कई अन्य सूचनाएं जुटाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इन पारदर्शी दांतों का अध्ययन करने से हम ड्रैगनफिश जैसे गहरे समुद्री जीवों और उस वातावरण में विकसित होने वाले अन्य जीवों के अनुकूलन को और बेहतर ढंग से समझ सकते हैं।

वेलास्को-होगन ने बताया कि पारदर्शी दांतों के साथ-साथ इसका गहरे काले रंग का शरीर इन्हें शिकारी जीवों से भी बचाता है, क्योंकि ड्रैगनफिश आसानी उन्हें दिखाई नहीं देती। इसी छद्मआवरण के कारण गहरे समुद्र में भी ड्रैगनफिश अन्य छोटे जीवों के मुकाबले लंबे समय तक जिंदा रह जाती हैं। यह फिश केवल 15 सेंटीमीटर लंबी होती हैं।

वेलास्को-होगन ने कहा कि ड्रैगनफिश शिकार के इंतजार में ज्यादातर समय अपना मुंह खाले रहती है और जैसे ही कोई जीव मुंह में आता है तो ये अपना जबड़ा तुरंत बंद कर लेती है। उन्होंने कहा कि उनके दांत हमेशा उघड़े हुए रहते हैं, इसलिए यह जरूरी है कि वे पारदर्शी हों, ताकि वे पहचान में ने आएं।

ड्रैगनफिश के दांतों की इसी विशेषता के रहस्य का पता लगाने के लिए शोधकर्ताओं ने इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी केंद्रित आयन बीम और नैनोइंडेंटेशन टेस्ट के जरिए उनके दांतों के नैनोस्ट्रक्चर की नकल और विश्लेषण किया। जिसमें पता चला कि ड्रैगनफिश के दांतों की परत में अनोखी विशेषताएं हैं। इनेमल जैसी परत में हाइड्रोक्सीपाटाइट नैनोक्रिस्टल्स होते हैं जो इस तरह से संरचित होते हैं जो प्रकाश को दांतों की सतह पर बिखरने या प्रतिबिंबित करने से रोकता है। दांतों की परत भी अपने विशेष तरीके से बनी हुई है और मनुष्यों और अन्य जानवरों के दांतों में पाया जाने वाले माइक्रोस्कोपी चैनल (जिससे दांतों का रंग दिखाई देता है) भी ड्रैगनफिश के दांत में नहीं पाया जाता। इसीलिए ड्रैगनफिश के दांत पारदर्शी होते हैं।